



UVA.BHSC

BL

A. 42  
M. 341.

R 306  
Academicus ad Titum f. de admendis Legi  
tis commentarius nobis  
Autore Semina minore  
Caput primum.

Ademptio quid tacita & cōpresa quonodo et an  
ipso jure contingat.

REI.

De ratione de-  
mptionis

Colun dicit estimatus dispossitivum recepta quod testator potest  
ad mea legacione facio vel dicere ut in totum et in parte, et in qualitate  
in Constitutione et modo ut. Nota sua in lg. 1. 2. 3. 5. 6. 7. 10. post 1.  
lg. 12. 3. 6. 11. de leg. 1. 8. uniu. 1. mot. 20. adm. 1. Oly. in sag. 1. 24. 3. 22  
Causa apparet Et apud nos. lg. 32. t. 2. p. 2. C. Ratio provincie a Natione voluntatis testator  
publica. cuiusque Regiae est ultimum elegit, cui legium praevalevit et legendum obsequia  
Polyam remanserunt familiare, et quis est hoc priuatum suum habere videtur in lg. 10. p. 2. secundum lg.  
10. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 7010. 7011. 7012. 7013. 7014. 7015. 7016. 7017. 7018. 7019. 7020. 7021. 7022. 7023. 7024. 7025. 7026. 7027. 7028. 7029. 7030. 7031. 7032. 7033. 7034. 7035. 7036. 7037. 7038. 7039. 70310. 70311. 70312. 70313. 70314. 70315. 70316. 70317. 70318. 70319. 70320. 70321. 70322. 70323. 70324. 70325. 70326. 70327. 70328. 70329. 70330. 70331. 70332. 70333. 70334. 70335. 70336. 70337. 70338. 70339. 70340. 70341. 70342. 70343. 70344. 70345. 70346. 70347. 70348. 70349. 70350. 70351. 70352. 70353. 70354. 70355. 70356. 70357. 70358. 70359. 70360. 70361. 70362. 70363. 70364. 70365. 70366. 70367. 70368. 70369. 70370. 70371. 70372. 70373. 70374. 70375. 70376. 70377. 70378. 70379. 70380. 70381. 70382. 70383. 70384. 70385. 70386. 70387. 70388. 70389. 70390. 70391. 70392. 70393. 70394. 70395. 70396. 70397. 70398. 70399. 703100. 703101. 703102. 703103. 703104. 703105. 703106. 703107. 703108. 703109. 703110. 703111. 703112. 703113. 703114. 703115. 703116. 703117. 703118. 703119. 703120. 703121. 703122. 703123. 703124. 703125. 703126. 703127. 703128. 703129. 703130. 703131. 703132. 703133. 703134. 703135. 703136. 703137. 703138. 703139. 703140. 703141. 703142. 703143. 703144. 703145. 703146. 703147. 703148. 703149. 703150. 703151. 703152. 703153. 703154. 703155. 703156. 703157. 703158. 703159. 703160. 703161. 703162. 703163. 703164. 703165. 703166. 703167. 703168. 703169. 703170. 703171. 703172. 703173. 703174. 703175. 703176. 703177. 703178. 703179. 703180. 703181. 703182. 703183. 703184. 703185. 703186. 703187. 703188. 703189. 703190. 703191. 703192. 703193. 703194. 703195. 703196. 703197. 703198. 703199. 703200. 703201. 703202. 703203. 703204. 703205. 703206. 703207. 703208. 703209. 703210. 703211. 703212. 703213. 703214. 703215. 703216. 703217. 703218. 703219. 703220. 703221. 703222. 703223. 703224. 703225. 703226. 703227. 703228. 703229. 703230. 703231. 703232. 703233. 703234. 703235. 703236. 703237. 703238. 703239. 703240. 703241. 703242. 703243. 703244. 703245. 703246. 703247. 703248. 703249. 703250. 703251. 703252. 703253. 703254. 703255. 703256. 703257. 703258. 703259. 703260. 703261. 703262. 703263. 703264. 703265. 703266. 703267. 703268. 703269. 703270. 703271. 703272. 703273. 703274. 703275. 703276. 703277. 703278. 703279. 703280. 703281. 703282. 703283. 703284. 703285. 703286. 703287. 703288. 703289. 703290. 703291. 703292. 703293. 703294. 703295. 703296. 703297. 703298. 703299. 703200. 703201. 703202. 703203. 703204. 703205. 703206. 703207. 703208. 703209. 703210. 703211. 703212. 703213. 703214. 703215. 703216. 703217. 703218. 703219. 703220. 703221. 703222. 703223. 703224. 703225. 703226. 703227. 703228. 703229. 703220. 703221. 703222. 703223. 703224. 703225. 703226. 703227. 703228. 703229. 703230. 703231. 703232. 703233. 703234. 703235. 703236. 703237. 703238. 703239. 703230. 703231. 703232. 703233. 703234. 703235. 703236. 703237. 703238. 703239. 703240. 703241. 703242. 703243. 703244. 703245. 703246. 703247. 703248. 703249. 703240. 703241. 703242. 703243. 703244. 703245. 703246. 703247. 703248. 703249. 703250. 703251. 703252. 703253. 703254. 703255. 703256. 703257. 703258. 703259. 703250. 703251. 703252. 703253. 703254. 703255. 703256. 703257. 703258. 703259. 703260. 703261. 703262. 703263. 703264. 703265. 703266. 703267. 703268. 703269. 703260. 703261. 703262. 703263. 703264. 703265. 703266. 703267. 703268. 703269. 703270. 703271. 703272. 703273. 703274. 703275. 703276. 703277. 703278. 703279. 703280. 703281. 703282. 703283. 703284. 703285. 703286. 703287. 703288. 703289. 703280. 703281. 703282. 703283. 703284. 703285. 703286. 703287. 703288. 703289. 703290. 703291. 703292. 703293. 703294. 703295. 703296. 703297. 703298. 703299. 703200. 703201. 703202. 703203. 703204. 703205. 703206. 703207. 703208. 703209. 7032010. 7032011. 7032012. 7032013. 7032014. 7032015. 7032016. 7032017. 7032018. 7032019. 7032020. 7032021. 7032022. 7032023. 7032024. 7032025. 7032026. 7032027. 7032028. 7032029. 7032030. 7032031. 7032032. 7032033. 7032034. 7032035. 7032036. 7032037. 7032038. 7032039. 7032040. 7032041. 7032042. 7032043. 7032044. 7032045. 7032046. 7032047. 7032048. 7032049. 7032050. 7032051. 7032052. 7032053. 7032054. 7032055. 7032056. 7032057. 7032058. 7032059. 7032060. 7032061. 7032062. 7032063. 7032064. 7032065. 7032066. 7032067. 7032068. 7032069. 7032070. 7032071. 7032072. 7032073. 7032074. 7032075. 7032076. 7032077. 7032078. 7032079. 7032080. 7032081. 7032082. 7032083. 7032084. 7032085. 7032086. 7032087. 7032088. 7032089. 7032090. 7032091. 7032092. 7032093. 7032094. 7032095. 7032096. 7032097. 7032098. 7032099. 7032000. 7032001. 7032002. 7032003. 7032004. 7032005. 7032006. 7032007. 7032008. 7032009. 70320010. 70320011. 70320012. 70320013. 70320014. 70320015. 70320016. 70320017. 70320018. 70320019. 70320020. 70320021. 70320022. 70320023. 70320024. 70320025. 70320026. 70320027. 70320028. 70320029. 70320030. 70320031. 70320032. 70320033. 70320034. 70320035. 70320036. 70320037. 70320038. 70320039. 70320040. 70320041. 70320042. 70320043. 70320044. 70320045. 70320046. 70320047. 70320048. 70320049. 70320050. 70320051. 70320052. 70320053. 70320054. 70320055. 70320056. 70320057. 70320058. 70320059. 70320060. 70320061. 70320062. 70320063. 70320064. 70320065. 70320066. 70320067. 70320068. 70320069. 70320070. 70320071. 70320072. 70320073. 70320074. 70320075. 70320076. 70320077. 70320078. 70320079. 70320080. 70320081. 70320082. 70320083. 70320084. 70320085. 70320086. 70320087. 70320088. 70320089. 70320090. 70320091. 70320092. 70320093. 70320094. 70320095. 70320096. 70320097. 70320098. 70320099. 70320000. 70320001. 70320002. 70320003. 70320004. 70320005. 70320006. 70320007. 70320008. 70320009. 703200010. 703200011. 703200012. 703200013. 703200014. 703200015. 703200016. 703200017. 703200018. 703200019. 703200020. 703200021. 703200022. 703200023. 703200024. 703200025. 703200026. 703200027. 703200028. 703200029. 703200030. 703200031. 703200032. 703200033. 703200034. 703200035. 703200036. 703200037. 703200038. 703200039. 703200040. 703200041. 703200042. 703200043. 703200044. 703200045. 703200046. 703200047. 703200048. 703200049. 703200050. 703200051. 703200052. 703200053. 703200054. 703200055. 703200056. 703200057. 703200058. 703200059. 703200060. 703200061. 703200062. 703200063. 703200064. 703200065. 703200066. 703200067. 703200068. 703200069. 703200070. 703200071. 703200072. 703200073. 703200074. 703200075. 703200076. 703200077. 703200078. 703200079. 703200080. 703200081. 703200082. 703200083. 703200084. 703200085. 703200086. 703200087. 703200088. 703200089. 703200090. 703200091. 703200092. 703200093. 703200094. 703200095. 703200096. 703200097. 703200098. 703200099. 703200000. 703200001. 703200002. 703200003. 703200004. 703200005. 703200006. 703200007. 703200008. 703200009. 7032000010. 7032000011. 7032000012. 7032000013. 7032000014. 7032000015. 7032000016. 7032000017. 7032000018. 7032000019. 7032000020. 7032000021. 7032000022. 7032000023. 7032000024. 7032000025. 7032000026. 7032000027. 7032000028. 7032000029. 7032000030. 7032000031. 7032000032. 7032000033. 7032000034. 7032000035. 7032000036. 7032000037. 7032000038. 7032000039. 7032000040. 7032000041. 7032000042. 7032000043. 7032000044. 7032000045. 7032000046. 7032000047. 7032000048. 7032000049. 7032000050. 7032000051. 7032000052. 7032000053. 7032000054. 7032000055. 7032000056. 7032000057. 7032000058. 7032000059. 7032000060. 7032000061. 7032000062. 7032000063. 7032000064. 7032000065. 7032000066. 7032000067. 7032000068. 7032000069. 7032000070. 7032000071. 7032000072. 7032000073. 7032000074. 7032000075. 7032000076. 7032000077. 7032000078. 7032000079. 7032000080. 7032000081. 7032000082. 7032000083. 7032000084. 7032000085. 7032000086. 7032000087. 7032000088. 7032000089. 7032000090. 7032000091. 7032000092. 7032000093. 7032000094. 7032000095. 7032000096. 7032000097. 7032000098. 7032000099. 7032000000. 7032000001. 7032000002. 7032000003. 7032000004. 7032000005. 7032000006. 7032000007. 7032000008. 7032000009. 70320000010. 70320000011. 70320000012. 70320000013. 70320000014. 70320000015. 70320000016. 70320000017. 70320000018. 70320000019. 70320000020. 70320000021. 70320000022. 70320000023. 70320000024. 70320000025. 70320000026. 70320000027. 70320000028. 70320000029. 70320000030. 70320000031. 70320000032. 70320000033. 70320000034. 70320000035. 70320000036. 70320000037. 70320000038. 70320000039. 70320000040. 70320000041. 70320000042. 70320000043. 70320000044. 70320000045.

mito. do. S. Lucius De officiis commissariis libertate voluntatis igitur tollendis  
habet omnino dñm facultatem dñm aut adorandam; C. que tollit, sed legata  
cum cum nō avit, nō tollat, tollendis cum adorandis dñm tollit, penteat  
legato auctoritate tollendis lg. 12. de C. s. Et panior Regnificatio quod ut ergo solis  
imma dñm. illi, in lg. Novi ordinis conditione tollendis tollerantur, hest ultimam  
præponendi voluntatem, tunc amica diuina coquere vident, pene eis haec no-  
tione intelligenda in lg. 87. lg. dñm. 11. dñg. de C. et D. lg. 8. & 11. de  
ll. id. lg. 16. de Udgari lg. 17. n. 11. s. et c. et vii de alimento legatis lg.  
32. C. negotiis lg. 12. s. 34. de legat. I. statu. Et in liberantibus, nō non  
ut in liberauit  
vita Ultima, ut in letacione consilio accedit. 2. lg. 87. cum Udg. penit. lg. 35.  
de C. et D. lg. 1. de manum. testam. 31. s. penit. de legat. I. 37. de legat.  
2. Udgari insfragm. titul. Nihil eis cum et aliovis. Concessus tollentis  
lg. 11. ita intelligenda de legat. 2. junta. excoctas. Interrogac. 12. vel in  
causa filii commissarii libertatis, in quo siariissima conditione tollendis  
potest, pene limitationes pastis quae consueverunt continentia in lg. De  
de C. et D. 5. de manumi. tit. junto Cypat. in lg. 12. s. 14. de legat. 1.  
Omnis dñs. 8. co. 1. docent haec ratione ademptionis pastis capi-  
ter. pastis indicantes pugnae Baldur. Latig. Bacch. ad tit. vixit. de  
ademptione legat. pugnae. in lg. 8. 8. pr. 6. s. 24. hoc titulus. Cypat. 6. 11.  
C. q. in lg. 22. hoc in. Deno. 8. Comin. op. 17. C. Bacch. lg. 12. s. 5. de legat.  
1. Et magis ignorat loco in lg. 11. s. 5. s. 1. vixit maximo 12. 8. Cobara  
in Natura. de tit. 2. p. 12. 12. 2. Ramis de leg. 21. 10. Atque fons  
tit. 1. Natura. q. 12. 12. 36. pheas. Tylton. Salgado in lat. 2. 5. co. 10. 10. 10.

2  
vivere in legatis autem aliis oblationibus Cap. 12. de probat. eius  
incarnatione cap. 13. S. 3. 200. sub ipsius. Unde postea in lauro. ut etiam  
postea remota extenda est. quodvis voluntas fugientur vel voluntate  
sicut illam. ita ut illa in eo certe intentione maneat quam in alio.  
Nec signacio. quis ex voluntate alterius est voluntas. Nam non me-  
reus mensura factor per se voluntate superest. D. Ig. 16. ita intelligenda  
fuerit. Ig. 16. 1. 1. 2. 2. 3. 28; ita in nostro casu  
littera ratio et ademptio in se contemna erit. Non signatur voluntate  
nam post ademptionem. iam pax illa voluntas etanuit. et  
ex hoc primam conclusat eo negata ipsa lucum. Ig. 16. 1. 1. 2. 2. 3.  
sicut etiam plenaria voluntas. illa unum certum. alio voluntatum. Ex  
hanc autem ratione manu potest a omni in causa ademptione cap. 14. S. 1. vero. Denique  
de vita et habet. Ut sit liber patrum filius pro plenaria care voluntate,  
tamen accedens. Ultima voluntas. primum ademptione sue potest prius  
conclusiva. scilicet que ab angustiis. Ico 10. de V. 1. 2. 3. fuisse. Ig. 12. 8.  
Ultima de legato. h. Domini ita. in opere libet non in eam in quo propria-  
te. Filiarius Ig. 17. h. 1. 2. 3. 2. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000. 1001. 1002. 1003. 1004. 1005. 1006. 1007. 1008. 1009. 1000. 1001. 1002. 1003. 1004. 1005. 1006. 1007. 1008. 1009. 1010. 1011. 1012. 1013. 1014. 1015. 1016. 1017. 1018. 1019. 1010. 1011. 1012. 1013. 1014. 1015. 1016. 1017. 1018. 1019. 1020. 1021. 1022. 1023. 1024. 1025. 1026. 1027. 1028. 1029. 1020. 1021. 1022. 1023. 1024. 1025. 1026. 1027. 1028. 1029. 1030. 1031. 1032. 1033. 1034. 1035. 1036. 1037. 1038. 1039. 1030. 1031. 1032. 1033. 1034. 1035. 1036. 1037. 1038. 1039. 1040. 1041. 1042. 1043. 1044. 1045. 1046. 1047. 1048. 1049. 1040. 1041. 1042. 1043. 1044. 1045. 1046. 1047. 1048. 1049. 1050. 1051. 1052. 1053. 1054. 1055. 1056. 1057. 1058. 1059. 1050. 1051. 1052. 1053. 1054. 1055. 1056. 1057. 1058. 1059. 1060. 1061. 1062. 1063. 1064. 1065. 1066. 1067. 1068. 1069. 1060. 1061. 1062. 1063. 1064. 1065. 1066. 1067. 1068. 1069. 1070. 1071. 1072. 1073. 1074. 1075. 1076. 1077. 1078. 1079. 1070. 1071. 1072. 1073. 1074. 1075. 1076. 1077. 1078. 1079. 1080. 1081. 1082. 1083. 1084. 1085. 1086. 1087. 1088. 1089. 1080. 1081. 1082. 1083. 1084. 1085. 1086. 1087. 1088. 1089. 1090. 1091. 1092. 1093. 1094. 1095. 1096. 1097. 1098. 1099. 1090. 1091. 1092. 1093. 1094. 1095. 1096. 1097. 1098. 1099. 1100. 1101. 1102. 1103. 1104. 1105. 1106. 1107. 1108. 1109. 1100. 1101. 1102. 1103. 1104. 1105. 1106. 1107. 1108. 1109. 1110. 1111. 1112. 1113. 1114. 1115. 1116. 1117. 1118. 1119. 1110. 1111. 1112. 1113. 1114. 1115. 1116. 1117. 1118. 1119. 1120. 1121. 1122. 1123. 1124. 1125. 1126. 1127. 1128. 1129. 1120. 1121. 1122. 1123. 1124. 1125. 1126. 1127. 1128. 1129. 1130. 1131. 1132. 1133. 1134. 1135. 1136. 1137. 1138. 1139. 1130. 1131. 1132. 1133. 1134. 1135. 1136. 1137. 1138. 1139. 1140. 1141. 1142. 1143. 1144. 1145. 1146. 1147. 1148. 1149. 1140. 1141. 1142. 1143. 1144. 1145. 1146. 1147. 1148. 1149. 1150. 1151. 1152. 1153. 1154. 1155. 1156. 1157. 1158. 1159. 1150. 1151. 1152. 1153. 1154. 1155. 1156. 1157. 1158. 1159. 1160. 1161. 1162. 1163. 1164. 1165. 1166. 1167. 1168. 1169. 1160. 1161. 1162. 1163. 1164. 1165. 1166. 1167. 1168. 1169. 1170. 1171. 1172. 1173. 1174. 1175. 1176. 1177. 1178. 1179. 1170. 1171. 1172. 1173. 1174. 1175. 1176. 1177. 1178. 1179. 1180. 1181. 1182. 1183. 1184. 1185. 1186. 1187. 1188. 1189. 1180. 1181. 1182. 1183. 1184. 1185. 1186. 1187. 1188. 1189. 1190. 1191. 1192. 1193. 1194. 1195. 1196. 1197. 1198. 1199. 1190. 1191. 1192. 1193. 1194. 1195. 1196. 1197. 1198. 1199. 1200. 1201. 1202. 1203. 1204. 1205. 1206. 1207. 1208. 1209. 1200. 1201. 1202. 1203. 1204. 1205. 1206. 1207. 1208. 1209. 1210. 1211. 1212. 1213. 1214. 1215. 1216. 1217. 1218. 1219. 1210. 1211. 1212. 1213. 1214. 1215. 1216. 1217. 1218. 1219. 1220. 1221. 1222. 1223. 1224. 1225. 1226. 1227. 1228. 1229. 1220. 1221. 1222. 1223. 1224. 1225. 1226. 1227. 1228. 1229. 1230. 1231. 1232. 1233. 1234. 1235. 1236. 1237. 1238. 1239. 1230. 1231. 1232. 1233. 1234. 1235. 1236. 1237. 1238. 1239. 1240. 1241. 1242. 1243. 1244. 1245. 1246. 1247. 1248. 1249. 1240. 1241. 1242. 1243. 1244. 1245. 1246. 1247. 1248. 1249. 1250. 1251. 1252. 1253. 1254. 1255. 1256. 1257. 1258. 1259. 1250. 1251. 1252. 1253. 1254. 1255. 1256. 1257. 1258. 1259. 1260. 1261. 1262. 1263. 1264. 1265. 1266. 1267. 1268. 1269. 1260. 1261. 1262. 1263. 1264. 1265. 1266. 1267. 1268. 1269. 1270. 1271. 1272. 1273. 1274. 1275. 1276. 1277. 1278. 1279. 1270. 1271. 1272. 1273. 1274. 1275. 1276. 1277. 1278. 1279. 1280. 1281. 1282. 1283. 1284. 1285. 1286. 1287. 1288. 1289. 1280. 1281. 1282. 1283. 1284. 1285. 1286. 1287. 1288. 1289. 1290. 1291. 1292. 1293. 1294. 1295. 1296. 1297. 1298. 1299. 1290. 1291. 1292. 1293. 1294. 1295. 1296. 1297. 1298. 1299. 1300. 1301. 1302. 1303. 1304. 1305. 1306. 1307. 1308. 1309. 1300. 1301. 1302. 1303. 1304. 1305. 1306. 1307. 1308. 1309. 1310. 1311. 1312. 1313. 1314. 1315. 1316. 1317. 1318. 1319. 1310. 1311. 1312. 1313. 1314. 1315. 1316. 1317. 1318. 1319. 1320. 1321. 1322. 1323. 1324. 1325. 1326. 1327. 1328. 1329. 1320. 1321. 1322. 1323. 1324. 1325. 1326. 1327. 1328. 1329. 1330. 1331. 1332. 1333. 1334. 1335. 1336. 1337. 1338. 1339. 1330. 1331. 1332. 1333. 1334. 1335. 1336. 1337. 1338. 1339. 1340. 1341. 1342. 1343. 1344. 1345. 1346. 1347. 1348. 1349. 1340. 1341. 1342. 1343. 1344. 1345. 1346. 1347. 1348. 1349. 1350. 1351. 1352. 1353. 1354. 1355. 1356. 1357. 1358. 1359. 1350. 1351. 1352. 1353. 1354. 1355. 1356. 1357. 1358. 1359. 1360. 1361. 1362. 1363. 1364. 1365. 1366. 1367. 1368. 1369. 1360. 1361. 1362. 1363. 1364. 1365. 1366. 1367. 1368. 1369. 1370. 1371. 1372. 1373. 1374. 1375. 1376. 1377. 1378. 1379. 1370. 1371. 1372. 1373. 1374. 1375. 1376. 1377. 1378. 1379. 1380. 1381. 1382. 1383. 1384. 1385. 1386. 1387. 1388. 1389. 1380. 1381. 1382. 1383. 1384. 1385. 1386. 1387. 1388. 1389. 1390. 1391. 1392. 1393. 1394. 1395. 1396. 1397. 1398. 1399. 1390. 1391. 1392. 1393. 1394. 1395. 1396. 1397. 1398. 1399. 1400. 1401. 1402. 1403. 1404. 1405. 1406

columenta. Ultima est probior persuasione institutionem, qui eminente  
voluntate decipi. Et agat, primam apprehensionem et rationem operari.  
Obstante ergo istis. 2. 8. 20. Ig. 6.3. 24. de acqua. Igne. Ig. 6.3  
3. locutor locuti. Et cum adinventum puerum datione, ut eleganter aut  
glori, pugnabo te antiquis ultimatis columentis, velut stimulatus,  
imaginans vine animo, Et solum in cordice, Materialiter regum  
loquitiones. Constitutus. Et in vine vesti. Ergo Ig. 3t. 38. de O. et.  
Ig. 8. de rebus dubiis cum multis alijs.

*Ceterum iniquitas in intelligentia est. Propterea ergo. Capitulum hunc. S. C. delegavit.*

12. S. VII. de legato h. ubi post quod dicitur. Non minima. Scriptura immo-  
mutari. Cuiusdam preteritatem legato. Motu pro parte. ut in qualita-  
te. quanta. q. c. s. VII. 17. tunc agitur. adducatur. vobis. vobisq.  
preteritam incedit. Attende. posito simili Exempli. Quos titio in  
fra legacio. et nec deo. nec lego. ut non. dicitur. in ipsa Relicty legatione  
ex auctoritate Rerum Universarum. quod voluntas eius q. in testa-  
mento Relicty voluntate. Quasi Relictus. Non. legatus. probatio. soluven-  
tio a materialitate. prioris sed posthum loci. sed a materia. voluntate  
moe amicitia. Et cum hanc licet habeat. Legatus meoni quinque  
preteritatem. Nicias legatus. non eniat. Vobis tunc volumus. Cora  
Sopau occupantibus. Ita. ut iactu. ut levare. A. deo. uniuersitate. formula. p. b.

22. Delictio. 8. art. Num etiam legatum Victorii, licet his postea legavit; ea eleganci negotiorum ratione, Nam quod ademptum est, nec debet videtur. Quid est quid ademptum, que prima est in ordine vicinorum, personis tuis intellecas, tollere, controposse in omnibus per quamque praecepta licet. Ademption. Seco. q. 12. 3. art. de legato. 1. q. 12. de legato. 3. art.

leg. 8. b. v. 4. de nos. Ordin. Cognitio Ulp. ratio à passione & iudicio - Confundat  
num legaleum, in quibus prouum non ex leges priores tenet id postea iudiciorum  
ratiis. Ig. Non est novus. Lc. Gess. 14. pp. ex legibus, id est, ex priorum  
legum specialitatibus per posterius generalitatem non tollatur, nisi  
sit. Contraq. Sunt, 1. specialis derogatio concordie. Parcer, quoniam, cum  
vix intelligenda est Conciliatio. Ig. 26. Ig. 30. de constitut. Ig. 31. De po-  
nendo, Ig. 30. 20. V. 1. 27. 20. Ig. 31. P. Bask. in Ig. 1. Vol. 1. Primum nomine  
p. t. n. S. Ila. Direct. S. 4. N. 1. ex diuerso. D. 12. II. D. Ponam in p. 2.  
1719 BHSC



legata lg. 2. C. actio milie. Et si recte, Nam et les litteris annis  
et in 2. lg. 22. P. 22. Non erit pigr. ibi non erant testa aliquae  
derogatoria, per quod interpretatio possit debet concia testa, po-  
sita in testatore. Et propter intellectum acutius P. lg. 12. 3. Alius  
ter librum fiduciarii et testam. a. Castille t. 5. Codicovae. Op. 8d. an. 6.  
et egi in academicis de legat. dubijs. Sec. 2. n. 12. Et ad 2. lg. 2.  
Consulendus Costa tri. 5. et quid se faciat. f. p. n. 4o.

**C**ontra dicta obiecta res. Diri 6. § 2. de pma. **P. A.**  
iota off. maa. **2. Codicilli jure. 2. in principio de legat. 2. eiusdem psonae beneficii. 2. si publica nomine  
per incert. ut corporis testator. 2. psonae testator, et non alius valere potest, 2. psonae testator  
quod sua manu signato et subscripto, valent psonae Codicilli, et  
si nec signati nec subscripti. Et ad ipsorum ratione, q. en que portantur,  
propositus derogant; Ergo similiter postea datio legali derogari antecip-  
ta auctoritate, concia regula facta. 2. 4. et 8. et consequens reuersio non  
est societas derogari, concia 2. lg. 22. Et legat. 8. Huius rei cogitatione  
est, q. alii respondet Cuyae. M. Obra. op. 7. Notandum. I. amicabilis op. 8.  
q. sic longe et latius deinceps. 87. ex. 8. quos repuit et remissi Ov. 8. op. 4. lic.  
Ex aliis. de facto etiam. lg. 6. 5. 2. psonae Cuius. in Reit. 9. lg. 12. 2. 12.  
de legat. 1. Et huius respondere. Pross. Socinus, Alexander et alij an-  
tiqui, quos psonae et signo Codicilli. M. Nib. de 46. 2. 6. 2. 12. Pater  
concedit. **Concedit** lg. 2. in 2. lg. 6. 5. 2. 2. 6. q. psonae et signo, sibi advenit  
Ov. 2. 1. 8. op. 1. lic. C. Ita distinguuntur: quos, aut Clausula est tota ac  
huius posteriori concia et derogatoria, ut Codicilli aut ipsius testa  
monstrat, et hinc procedendo postea Codicilli, vel per ipsius testamento  
videtur derogare psonae Clausula derogatoria, cui concessio est signata  
facit. Et hinc ultimum habeat per se constitutus, et totius ullius voluntate  
fabris continentur, ne alias fiduciae auctio invenerit facere, et ne alii signe-  
mi legi liberae compunctione concia regula lg. 52. 5. 2. 2. responderet  
pro Ov. lg. 4. 3. Rursum. De fiducia commis. libert. lg. 7. 8. 8. de Donat. mer  
lg. 22. de legat. 3. Huius quo terminos intelligenda sunt. 2. lxx. 6.  
5. 2. et 8. lxx. M. de legat. 2. At Clausula non est toto acutu con-  
cilia, ut post testam. Codicilli, vel ipsius Clausula, sed tantum  
acutu psonae legandi; Et hinc non alii derogari negliguntur  
Clausula primum derogatoria auctoritate psonae et psonae voluntatis**

speciales pignorantes, id est, ita ut clavis concava recidere solvatur  
a prouxi voluntate. Desegnatio. Cuiuslibet pignoris laeviora vel  
les 22. in v. nos. Et legat. S. p. p. Prof. utriusque P. S. C. P. B. ad.  
n. 16. O. v. l. c. Quia est, quia hoc coactione remota, portiones  
acres, pugnatorum, totius Utriusque voluntatis, cum ex eis non substitut  
legatus, valent testamentorum vel codicillorum. Nam legationem monerit. Nihil  
ma voluntas, vel donatio iusta induita; Nec ex accusacione de culti-  
tione, sed a tunc vel Codicilli legatione: Et nostra summa causa pro-  
cedunt. O. les. 12. S. v. 12. De legat. I. 2. les. 22. De legat. S. quis ita  
nihil obstat. DD. leg. 6. S. 2. 20. p. p. Codicilli. Et Utriusque legato. L.  
Ceo qua distinctione, Alioquin pugna. Et non inserviant species pug-  
nique. P. f. a. n. 7. e. 2. 2. Et Nisi pugnatur, nihil contrahitur in  
telligentia ab eo, quia coactio causa. B. m. 2. lg. 22. n. 8. readeret  
P. B. aut. ubi legata n. 22. Vnde contra pugnare distinctione offertur. n. 2. 2.  
ad huc potest. I. v. 8. 2. 2. De p. p. Codicilli cuius immannones sunt  
B. m. 2. Et O. v. 1. ubi, et verior. I. in tunc. arguitur Codicilli que  
novissimum, pugna, et pugna Codicilli pugnat, et legata relinquunt, non  
valere Codicilli, pugnare legantur. En. ubi. Clavisula, quin concava  
est tota acies Codicilli; Et, tamen non despati, pugnatio eius cor-  
sicius; pugna est nostra distinctione. Sed, omnia obremundat. P. f.  
m. 2. lg. 6. S. 2. n. 6. 1. Viginti, hoc sic pugna, quia turbatio non cum ultima  
pugnatur, quocumque, vnde tamquam ultimus Codicilli; Novissimum enim  
ille dñe, post quos nulli alii pugnatur, ut alii. E. m. 2. in lg. 22.  
De O. v. 1. ubi intermedij Codicilli non pugnant arguitur; Nam hi res  
m. non sunt, pugnant, sed pugnare Codicilli alii, pugnatio, pugna  
attenuatur, non enim; Nec iunguntur tota voluntas, nisi actu in-  
natus est, nam si pugnatio facies nullus alii pugnat, pugna violent,  
qua si novissimum erent, pugnat, non valere, quia non pugnant eae  
novissimi, post quos alijs pugnare coarctati.

N. 5.  
Secundus libens adimendi voluntas potest esse. Utrum legij co-  
siderij consistentes. Succedit admodum descriptio. Codicilli est  
voluntas cognoscibilans concavam latitudinem legati. Cuiuslibet, cognosc-

Nel tri conditio, qualitate et. Cognoscere voluntate adimic legatus,

ut non vestra concencia, ut si iis qui negavit per vestra lego, legatus;

Ita adimic Non eo non lego, fruhius. initio. Recademyt. legatus. Nel

Si legato velico per vindicationem, dicat Non vobis est, non capiat;

per damnationem. Et dannos non dare; sicut in modo, vel per execu-

tio, posita negativa formula concencia affirmativa; quae sunt ge-

nera legatus habilita a latrone in S. Etas olim de legal) Nel alijs

quibuscumque vestib; voluntatis cognoscere electio, et si non concur-

re, dico principi de ademptione legae; Ut infra formula lg. 2. h. t. s. s.

Qum propter uniuscuius nec de nec lego; quae causa nulla propriet-

tas adimic. Similia Coempta sunt in lg. 3. S. Si teo s. et h. t.

lg. 12. S. vte de legal. 1. lg. 4. S. quidam de C. et D. Et quando in lg.

3D. tio. D. par. 6. Tanta voluntate adimic, quando voluntas de-

ducitur ex parte, ut si inimicis capiteles intercessione interter-

entem et legatus, Nel quia alia omnia aut per per quod dis-

picimus testem clericis, quo pertinente jura in lg. 3. S. vte cum

ag. lg. 13. 22. 23. 31. S. 2. h. t. Itinerarii legatus vobis inducat, aut

cancellet, Nam Non reficit, an adimic cognoscere, an inducat; Et

quo tractat adimic testem lg. 16. cor. Si non legatus adimic, voluntate

sue debitum evigint, Vixum legatus manumisit, quo omnia traxit

ademptione. Concedit, quo cognoscunt leto 14. cor. ag. leto 18. 23. 25.

Et ag. h. t. leto 11. S. q. 20. lego. Et cui alijs si transfras, ac eas quod

traxit ademptione concesce. Et regula ipsi in lg. 5. leto 3. in parte. Et

3. t. cum 1. ag. h. t. Si transfras conditionem, modus, tempus, ut

si prie voluntum, triis conditione lego, C' e contra; si modus legatus

adimic, ut si 20, pendo legato decim adimic, C' e contra; quo n*on*

feceris vobis lego. S. cum ag. 10. et 24. h. t. Si occasio im-

mediaea optiat, cuius initia legatum ademptione, quo n*on* fecer-

is est leto 30. S. vte. h. t. Si id adimicatur, vobis quo legatus subiuste.

Si nequit, ut si adimic liberorum legato liberorum etate ag. vte. S. vte. h. t.

Alij tunc facit revocationem specie, ut invenctione rei, indignatione. Et

ut loci adveniendis. Deinde hanc dilatationem expedit ut magis  
reverentur, sive uno aut alio loco amplius habuerit. Adhucque suster  
trahit in aliis in 7. de Aderatione legatorum, Causa 6. l. 1. Regis  
in 7. 22. h. c. et 23. 22. Cap. 1. Et Jacob. in Ratis ad Aderationem  
partes sic, Dom. 8. cap. 17. sub 1. M. Bast. in 3. 11. 5. 12. Romeo 1.  
genuit. cap. 12. N. 10. Ut cyllone et genitus in 10. 1. proposito;  
Nam et nos parte clavis legatur potest, ad quam partem perti-  
nent, quod in 3. 1. 2. 3. 5. 5. 6. etc. 3. 11. 12. 13. 5. 1. lg. Bon. 3.  
noctis. Decimorum Conditionis modo, N. Nam condicione modus, res  
tributum in dilatatione et ademptione 3. lg. 3. 5. 8. et 3. lg. 6. 2. 12.  
h. t. In adamento ergo facilius detraction. Capitulus legalis, cum  
solaria Numerata Capit. quia cum res corporalis, ut Consultus  
aut. C. 12. Int. Nam in numeris pars, et determinata ademptio,  
dignitas potest, ut unus numerus, et in corporibus non inservire  
est cognoscere quantam, parvam, pundi legare. Exstant quinque, vel  
duo numeri adempti; Nam requirit pruis totius, unde remittantur,  
ut exinde cognoscatur quantum, pundi adempta, minima  
est dignitas pars fundi determinata, Necesse est computatio  
totius fundi, quod in pecunia necessarium non est, ut Reges gloriosos  
notantur, Et ea ex ita. Sed eis spectet ut magis in argen-  
tis, tunis non est uniparibus; Uno tunis et altero eam subvenit  
paris adempti, ut proximo nimis clara et cassa sit tunis 3. lg.  
12.

Contra actio abemptione debet esse, nam legatus est legatus, et  
modo attoni debet, quo datum est, ut Cyp. sit infragen. t. 2. l. 5. 2. quippe datum  
de legato. De fonsimis in abemptione liberatis t. 2. s. liberatis t. 2. 2.  
stat. liber. Et confirmant. q. 11. s. 1. b. 3. s. 7. 1. hoc virg. h. t. scimus. insta.  
209. arg. lib. 6. 3. decimopeta. id est, quae ex voluntate negativa in esse  
videtur, quae voluntaria posse non videtur. Coo quod postea primo, quod Legatum est  
voluntas, secundum alio, legatus velatus, secundum tertium, legatus attoni. Legatus attoni  
non potest dei primaria. sed de secunda, quae est legatus ad ministerium. q. 20. h. t.

ur' duci uni. Ad omnia ultro pax; null' enim est dimidiatum  
cui dux est eo ly. 21. hinc nec intelligenda hostie. Et docere licet  
clerico, lexitate cuiusvis ly. 7. de legat. 1. ubi' Dux, Regi' in a

lg. 21. Principiis hoc consummari potest à paucitate substitutionis  
nec substituti propria: qui' que' multa' figura erit, de imponens filio ly. 21.  
In qua' nec Pater qui' per filium, nec dominus qui' per eorum figura-  
tis statuerunt, ad substitutionem admittantur intelligere corporis nostra  
decus ex persona Christi, (suffi' lg. 7. C. de leg. 21. lg. 8. & 9. eadz. ea  
gat'one, quis formula prefata comprehendit soli figurae utrius-  
que et intentionis in t'co. Non cor' qui' per scriptos figurae statuerunt  
lg. 3. lg. 8. 3. & 4. lg. 21. S. qui' dispensatio. ad tract' de quatuor.

icato animo intelligenter a'g' superius in t'co, p'nt. lg. 5. 8. vlt. de leg. lg. 6. & 1.  
de stat'. lib. 2. titulus p'pter ante quae' bellum de' per. accres. qd. 5.

q. 55. & 52. 13. et qd. 2. qd. 1. n. 7. Ramon ead. qd. 1. n. 20.)  
stitutio' ad eponi tri'ly. nos' 21. Comprehendere requie' per  
sona' C'atu' & Domini, quibus in t'co' legatus dat' non posse, nec an-  
nun'ciatio' te' monet' cedere, Nec ante' cessionis ad eos transire potuit, paucis  
yrs.

In p'receptu' legatoru' personis exceptis eo' t'co' de legat. p'gi-  
bandis, Non p'receptu' legatus domino', q' serv. Religio' p'le' cle-  
gan' t'co' tu' in lg. 3. S. 2. de legat. p'g'it, quia tri'p'lio' persona,  
cui honor' s'pert' institutio' lg. 5. S. 6. ead. 52. S. 2. de' p'cep'it) har-  
bitus sit, juncio' p'f'p. in ea, et t'co' lib. 3. n. 2. qd. 7. n. 10. Hoc  
in animadver. de legat p'g'it. qd. 2. n. 5; lg. ego' receti' in adem-  
nun'ciatio' p'f'p. t'co' dico' Consultu' in r'ca' lg. 21. C'omo' modo, q' p'le' p'no-  
r'ca' accept'?

miti' accept' p'p. Pater non potest, officiu' t'co' in lg. 8. 5. vlt.  
de accept', p'c'iam' q' p'le' r'ca' lib' p'c'ata in. 5. 3. 2. lg. 8. que' q' p'le'  
quatu' formalitas' p'le' p'c'ata. P'le' p'c'ata q' p'le' quatu' p'c'ata' i' t'co'  
non potuit' excedere personam, et P'le' quatu' accept' legatoru'  
p'c'are' q' legat' lib' de' 2. 0. De' actinib' et in' caru' r'ca'  
t'co', et accept' legatoru' facio' à dominis' r'ca' l'c'ip'iat' q' legato'  
n'c' in. 5. lg. 8. S. ob' folio' p'f'p. p'f'p. t'co' t'co' t'co' t'co'

Capitulatio secunda. L. 2. q. 4. c. 12. Codex iuris Civilis  
8. S. 1. 16. 9. et 2. pars 1. clavis 1. Et pro. S. Pollio de Causa sua capitulo 6. a. m. 14  
acceptilatio et  
confiditio us  
Itali. S. 1. 16. 9. et 2. pars 1. clavis 1. Et pro. S. 2. 2. 2. de liberat. legata. que  
S. S. 2. 2. 2.  
liber. legal. (ut obiter notandum) acutus. Obiectio. Lg. 8. S. 1. 16. 9. accept. nisi  
intelligatur de liberat. velic. respectu decreti filii non habet  
contingit, in quo cessat velic. d. lg. 8. S. 1. 16. 9. quod in manu in le-  
gato liberat. acceptilatio incipiat. lg. 3. 2. 1. 16. f. eos, ta-  
mento si legat. velic. obligatio. Etiam non verba contracta, per  
eam tolli potest. S. pugnare in ista. quibus modis tollit. lg. 18.  
S. 1. 16. accept. obis ergo nulla acceptilatio interponitur. 2. lg. 5.  
S. 2. quia ag. later. praealito tenet, plius vero via solida tenet.  
Coo. regula lg. 11. de pecunia 27. 2. judicij, haec filium liberat,  
et vero pacem interponit. It. pater. solus liberat, non plius,  
quod consequitur non potest posita acceptilatio, ut potest que tollit  
libertatem interponit. Et omnes liberat. d. lg. 3. S. 1. 16. 9.  
liberat. legat; quod notarium admissum, ubi debitor, plius ex est  
per stipulationem, quo canit, si liberat. velic. Paci poterit  
per acceptilationem liberari, nihil agere. Notaria. lg. 8. S. 1. 16. 9.  
et solum deo. pone. triplete acceptilationem concessi tripartitum utili,  
et Paci. pone. aug. 2. lg. 8. in gen. que obiecto. signatur.  
Julianus etiam notary. pone. ex punitibus deducit. ea lg. 10. ag.  
lg. 16. de obt. junct. pign. et curie. in ea. Ola. tib. B. q. h. n. 31  
lg. qui 11. in gen. cum S. S. 1. 16. 9. de C. et D. 3. ag. sicut in iste de  
stipul. servoz. Cest. 2. Select. q. 8. Et in 8. et quod in tantu. 2. p.  
eo n. S. Amaya 1. Obiecto. q. 12. n. 36. Et quod in eis textu  
in lg. 11. S. 2. quando dies legat. junct. lg. 25. S. 1. de solut.  
ubi. Curia. Debet de adquisit. servoz. q. 1. n. 11. Clegans  
etiam ad rem textu in lg. 11. S. 2. de concept. rei. jud. de qua latet  
egi in academici de concept. judic. q. 2. n. 16. quibus non  
vulgariter libet. manet otio mortis, et circumspectum.

Donum est dispensatio ratio vita abominationis et repudiationis legati  
et legatus ante unius. Id est, antequam legatus debet incedere, potest  
potest quia, secundum Iacobum, Non ad similem consentientem legati in eae pro-  
ductus. Quod autem consentientem fuisse. Repudiationis, ante quam  
debet legatus, paragi negavit. Ig. 151. de U. S. Ig. 51. et 25. S. 1.  
de legato. Secundus videtur in qua tracti Repudiationis fuisse, quo casu fit inter  
comprehensio eius. Ig. 1. C. de fact. Ig. 8. S. 1. de Novitate, facit lex 22. de  
actu. Empti. Gomoz I. Vassar. Ig. 12. N. 31. Et item de cypri. in sig.  
2. n. 1. et T. Douse. Ig. 6. n. 16. ) Unde nihil minus q. Dominus. Ig.  
ter punitio repudiationis legatus in d. Ig. 7. q. supra adductio, ut note,  
jam ubi adquiriuntur et debet per mortem testatorum quia causa tam  
legatus, quia precommittitur, que tam dominium in legato vindicationis  
quaz actio in legato damnacionis (pros. p. 200) habet, aut dominum  
etiam ignorantes transirent. Nec momento patet idem aut plenius  
videtur. Ad eum ut, tunc post ceterorum, sibi, deinceps quis non tunc  
scire, ad eum legatum? Non videantur vero manus penas facientes  
aut dominum, ut vides lucius Ig. 8. q. huius mandatis. Ig. 2.  
utq. liquidatio, quia ut dominum, nullum contingenter, eum post  
unius in oratione, p. 6. 6. Ceterum manus dominica per ceterum, quem  
negare debet, sicut in dominio possit negari, sicut in oratione  
unius. Viximus, sicut in oratione, sicut in dominio, sicut in oratione sequentia 2,

Vel si versus dicatur, cum non Dominus adde debet ut tag  
in legato que in ligaditare probant, sicut in lg. 8o. 5. 23c ap-  
plicat. 3. 3. Ult. quando dicitur legat. 6. 2. c legat. 2. 15. 3. 1. 2. hypot-  
het. III. 5. 1. Deicomm. De legat. 1. Ita ex oppositione ratione in-  
telligent. Et ad hanc partem quaeque <sup>ad</sup> momentariae ligati-  
onis Petri et Domini respondere est generica ratio, perius. <sup>ad</sup>  
Monitus testatione Domini uix actus actionis legati, sicut legatus diffe-  
rentia tribuntur in lg. 81. 5. 6. De legat. 1. 16. 5. Canzellus, qui  
ult. facere. 27. 3. Si ergo lg. 8a de legat. 2. 12. 3. Ult. quemadmodum  
servire. Elegans tractus in lg. 1o. de optione legatis, nemus inelle <sup>indicare</sup> o-  
gentia. Et Consultatione ag lg. 22. de legate. 1. Junct. lg. 2. 3. 1. et anima.  
lg. 11. de Opt. legata. Videamus elegans locis Regis in a. lg. 1. 5. 1. 17-  
nett. 2. M. et. 2. 16. N. 22. Ch. 2. Vener. Q. 2. Etiam. decim. 31. n.  
7o.

*Re 8°*

Conciliare I. Regn.  
ex fide. Et de ap. 2.

Et nunc ergo Monachus totam hanc arguere cogitatio  
tibi Petri (Dominus cum a Morece erat; unde nihil meum quod  
ab aliis volumen propter Repudiationem Isp. progra adductis p. l. f. cui facit  
obligationem) obstat difficultas potius et fact. testis, quis re testis indicat alia  
vulgata. Et 2. de legge Rothi annuntiavit Dominus regnacionem non posse  
pacificationem. Nam. Obitum Petri, 2. f. In pro conciliacione Proximis  
etiam filiorum Codicibus. Nam. Obitum Regnacionis. Quoniam. Alius obit. in d. ig. T. N. 13. Nam. Relatio  
aliorum Cuius ipsa. Et 3. Obit. ap. II. Quod de ap. ib. 1. cap. 2. n. 15.  
Sed ut curiose. Respondeamus. Viam hoc T. et 31. S. 2. id est mutantur;  
Ut de operis peccatis enim per conciliacionem authomanos, transiugurant  
sollicitos. Nam in m. S. 2. Octobr. Non dicitur Non posse, ut in hac  
quaque cibitate. Itaq; ex amittentia Domini. Quia pacificationem  
in actu divisionis inducere necesse Repudiationis pacificationem. Sic  
Enim habet exp. ut conciliari volunt, Repudiatione potuisse. Egitur  
in S. 2. S. 2. Octobr. quod et probatur. Concedatur, quod Dominus  
omnino et pacificacionem ostendit. Autem debilitate significationis in  
dicto est Repudiatum; et vero Repudiatione non posset Dominus, quam  
hac praeferre se posse. Opus. A. B. 13. 50

fiduciam minima generat, posse repudiani a domino, et in expedit  
verborum quod nec repudiani p. Et quod fiduciam minima eo pro-  
fita domini sententia studiorum negat. Arg. Ig. Ed. de pignorat.  
actione bec cuius coniunctione ag. Ig. 26. S. I. de pign. Ig. 8. non  
videtur. Ig. 3. S. P. f. quibus mod. pign. vnde fiducia cuius. m. Ig.  
77. S. libet. de leg. 2. Nach. lib. 5. de pign. C. 7.) Vnde non  
pignora, posse fiduciam minima cooperari repudiani a domino;  
quoniam recensuris sit necessaria ut ieiunio holocandri, sic, fidei  
magnus ultimorum annorum. In ad leg. Ego sic ad nosque  
recetatur illatione, persona domini. Vnde attendit non  
debet, quia admittitur legaliter. Antequam mox confirmatus sit,  
et ex ante carcer, et consequenter ante quod patet. Domino  
aliquando erit. Ig. S. S. vlt. quondam. sic legal. ag. ex iuxta adductis:  
Vnde oculis adinventur eis, quibus nec arcu materialiter, nec  
aliquanta formaliter, sic legaliter ut recte post gloriam tenuit pot.

lata l. 183 f. m. Ig. 2. h. t. Vnde obiectum alterius sententia de leg. sive lat.  
cc. 88. s. S. de clementia dilectionis; Nam steti admitemus, in eo agi de  
bono, sive. Scimus deinde a domino repudienda, ut suppeditant  
omnes, qui admittunt differencem inter eam, ut repudias non  
possit Ig. L. C. de repud. boni poss. Et unice dominus id possit re-  
pudiare. D. Ig. 1. S. 3. quales sunt cuius. in d. Ig. 7. de leg. 1. co-  
co. 8. Dom. q. II. Et ad huius C. de repud. boni poss., et atq. quos requiri-  
tur tuas et cleras n. Tunc. q. 11. 12. 16. Nihil nobis ostendit  
nam, ut dissimilis pro explicatione d. Ig. 7, repudiatione potest  
relations et acquisitionis; Ademptio vero ante dilectionem et ac-  
quisitionem. Sed difference et suppeditatio pars erit, et omnia al-  
tera solutione. Chrys. 1. in capr. q. 16. Nclus dicendum est, m. d.  
Ig. 1. S. 3. Non agi ut huius credidit, de bono poss. Scimus deinde  
pro domino repudienda, sed c. contra de bono, sive. Domine  
delecta, sive vexata, repudienda, cuius in hisce locis haec  
potest; Ita ut huius repudiatione, separatione, distinctione, nondico

ad Olyby Relatam, quod Nota latinas. Procedit, Nam deinde  
Circa et. propterea. Ut enim pro Nullo habebatur, Nec in predicto  
parit Componere Ig. 82. de Reg. pax. 53. ut predictum, tamen cum  
bonorum possit parit Recurari hodie predictis ut indicat Leo  
P. S. quibus de successionis Edicis et statuta Cuiac. ad per P. tit.  
C. nihil Miliz. q. a. Nova. veluti officia Domini, peragi po-  
nuntur. T. predictis, ut legamus obseruantur. Quod. in d. Ig. 7. n. 15.  
Bellum de jure. Qd. V. q. 13. 1. 7. 1. Actus de Reg. 1. cap. 1. 2.

Si etia' pannicis effectis suum operari contempsit, quo  
tobis, ac Nihil patet, (Domino sit dignus, nihil mo-  
rum quod admittat eae natione d. l. 21. Cuiusdam  
nuciusque leges ab opere et caritate ademptionis. Sed pinge  
nunc. Leges ea conditione fuisse Volitus filio Cetero, ut in  
potestate Patre, C. Domini manus sit. Cui hoc candidati  
m. Debtorum, Cetero, an Patre, C. Domino? Constat in fusa  
scriptis huc in causa ademptionis; sed collata nostra testis.  
eg. l. filio d. de C. et D. Debtorum velator, admittat lega-  
tur, C. Domino; Maj. ei et dico eo d. l. 21. Legimusque est lega-  
tum, Cui datu' fit, sed in hac specie. Patre, C. Domini legatus  
videtur, ut diversi. Tunc de eo in d. l. 21. et facient,  
ab erg. l. 21. C. de jure debent erg. l. 20. 3. 1. de annuis legit. 2.  
de manum. 23. Et 20. de Mort. caus. donat, sed quoniam Con-  
ciliatio erg. l. 20. C. de nonspur. regimur Quia adiuvat, in  
d. l. 21. d. l. et 23. et tunc C. nesci. 22. d. et tunc. t. et manu' sibi  
Pauli in d. l. 21. 20. Mort. caus. Exgo et in hac, Patre, C. Domi-  
no admendat, eos ipsa Natione d. l. 21. Conspematis contra  
zis; Nam ubi filio, Cetera eis conditione ademptionis  
legatum, ea ratione lis solei legatus videtur, quia nunguam  
Patre, C. Domino adquisit' potest. l. S. 3. d. Pater, et de his  
quibus, ut in d. l. 8. 3. et quis minor. de minorib. 11. q. m.  
legat; Ego a Concessio in specie d. l. 21. Patre Volus, C. Dor-  
mino legatus videtur, quia nunguam filio Cetera potest adquiritur;  
Exgo ei hoc casu admittat. Ita inter omnes, quia videtur  
sola locutus et tenet. Poterit in d. l. 21. d. l. 23. et 20. l. 21.  
Pecunia, tanta legatus videtur. d. l. 21. La posse intelligi de effectu  
ia. Adquisitione mediante poisona erari, C. f. q. quia in  
mediate legatus in Patre, C. Domini constituta, ex quo per  
manifeste probant' debita. Leges Prosternunt leges eti' patentes  
q. n. Tanta locutus est ad iurisdictionem propositum est. R. i. v. 21.  
UVA. BHRC

ad hoc locum in t. 8. 5. c. ff. de interius et facinus leg. l. s. tituli fact.  
Gaudi. q. d. ad admn. iust. et iusta ergo pabri ps. Domini legitimo  
aberrando, complicit. C. Secuo Maligni. Et h. conditione et in postestate  
longe sine peccato d. lg. Ad. de Cate d. qig nota et non indigens op-  
eris etc.

No. 1.

N. 10. Sed adhuc Opponi possumus hoc. N. 8. de legat. I. A. 82. 2.  
Est si legatus sive  
legatus que accipiunt post legatus servos quendam servavit, et  
de quendam servato. Pro quoque in postulata. Cuius est? Ego servatus videt, obsequiorum  
servi leg. 82. 2.  
Mediane persona servus? Cuius procedere contum. 2. lg. 12. Et magis  
clar. Regnatur hoc 82. 5. 2. post legat. 2. Cuius legatus videt vellet quod  
vnu' Regnatur, ea persona servi quis accipit? Quibus officiis videtur?  
Et consupstatio eius in ipso officio. Utrumque legatus per servum videtur  
et non dormire tenet. 2. lg. 12. Sed formata est tamen et Gosp. Ma-  
no etiam in 2. lg. 12. 9. 1.) Exinde respondit Paulus non ante  
esse, et postea eorum viro accipere legatus quendam servum, sed  
omnia, quae est omnibus conlectare omnibus; Non dormire est ser-  
nus, id est dum servus alieno posse legari, quod ipse liberofacere  
poterit habeat, qd. Paulus amplius in 2. lg. 82. 5. 2. Quida Con-  
tra eam contra custodiis liberis utriuslibet servos huiusmodi defendens,  
et calumnias agnoscantur aperte, id est, ceteris instantia,  
Nam non est cuiusque regni, cum regnatur sive fiducia sit in eo co-  
tentus, nisi, quo ratione id servus alieno potest legari, quod potest.  
Manutinimus. Ad ipsius servos ratione ratione habentes; Virtus  
Ego procedit in eam. Concedit voluntate; Servus caput non  
ponit. Pro clausis, quibus ercentur 2. lg. 82. 2. legatus. 2. 82. 2.  
Anno, regni. Regni. 1. de servis. Tunc; Ego incongrue infor-  
ma sylogistica, regnum regni a causa diversitate regni, Miserisque in  
Pauli epistola. Cuius ergo causas, haec cum legatis credi domino  
vellet. It in operie regalis. Et concupiscentia afficitur, ut huius  
Domino admittatur, non servus. Et, tunc ignoramus. Adscriptio non  
ministrans potest. Et adest. Propter. 2. 12. anima et in 2. 18. dicitur.  
Corda nra. posthumus, de legate N. 8. Cuius dicitur, certe. Post



Can. Consilii anno 15. d. 8. Oct. de pax. et commercio. De iuris  
de regno monte cuiusdam. Quam sacerdotum ap. d. 15. p. 10. de iura  
p. f. I. quod pax. M. ad unitatem, quod can. Non quicquam suspecto  
nate unusquisque, ut commodities ex legi dispositione; Cui  
quo magis ergo non pacatis. Noviter perire vide, adempta  
Onus quisque caput, remaneat tenui, pax ista, ut clavis mox, et  
capitale mense manent immunitas, pax ista, 15. 2. 15. 15. Quia  
tunc omnibus operibus ideo pax, contra, quod eleganter et  
pacum natum, sunt ab omnibus omnis, tunc denegata pax, contra  
et calamo in tua legi.

¶ C. 11. Secunda Regula facie 22. C. infraeas, quod dicitur ad iudicium  
capitulacionis trius Tigris Separatis Pollici, et legem reg. 2. g. finibus. Tertio articulo, leg. 3. admodum  
5.5. latus.  
Quid si trahatur Tunc Regis, Et postea tunc adveniat, tunc ut non apparet cum admo-  
duis separatis, tunc regis. Tertius Separatis. Quatuor Lata. Si T. h. t. vii. cuius prima  
parte terminanda est. Tertio utique, quodque Oloander legit  
propositio; Separatis antiquis, quod Maccio Capit. P. p. m. 2. & 7. c.  
in leg. 10. de Rebus in 22. 5. Dicunt, Lata que ad effusione sanguis  
nisi proximando exponit, tunc regis, quod est et tunc. Cuiuscenam. 87.  
S. 1. de legae de Dicunt. in leg. 10. de Reb. dub. Leg. 11. 8. Comment.  
quod idem est de priore, quod Separatis propositio erubet. tunc admo-  
duis, quod Oloander legit. Separatis. Propositio. tunc admodum quod, et tunc  
quo estime. Tunc admodum terminari, Tertio leges, neque apparet  
cuiusdam, Separatis regis, etiam in his tunc, quod est tunc. Tunc  
nemoda et tunc Regis, tunc Oloander legit utique, quod in hoc,  
propositio; Separatis P. p. m. 2. 10. 7. 6. Dicunt, id est utique, am-  
muni, quod Maccio Capit. 2. Dicunt. utique, Separatis  
admodum regis. Separatis. 1. cap. 1.) Nam et quod exponit,  
legis. Exegi modo. Secundum. Veritas, quod Gallini. Et. quod admodum  
N. C. Separatis quod est quod admodum. Tertio legati. Separatis  
ex judeo. ademptio. Separatis. habent, ut dicitur. Separatis. 11.  
S. 1. vi. 4. junct. g. 2. 6. S. 1. exeg. 27. 2. 2. Separatis. h. r. e. 1. 10.

inexplicata est. Patet et incoherenter dicitur legem iniugum, quae  
de castigatione mulieris requiri non voleat. Ig. 1. f. de huius reg.  
pro non scribitur; Et in testa exobat leu. duo. So. de tunc. tunc  
libertate. Ita. Et 27. de N. dub. 33 de manum. illi; in lega.  
per varias species. 3. 1. 10. in cuius in legem iniugis contradictione  
tg. 62. de legato instat; in contradictione tg. 2. de liber. et  
posth. in contradictione legatis leu. et duo 16. f. ut legatos,  
et facti leu. 33. S. I. de C. et D; unde et Mexico ademptione  
iniugis debuit esse. Et consequenter in utraque legatis con-  
sisteret. 3. Ig. 3. 3. 7. ita intelligenda habet; Nam ut in exercitu  
go personarum in battaglia facilius iniugis, tunc et iniugis  
ademptionis producitur cives legati fratres; et in hoc an-  
si probedit dicta. Comparativa quemadmodum, ag. salutat  
legem iniugis de vivificatione ademptione. Ig. 14. 3. h. t.  
ita in opere, sicut pluitur omnibus testimonijs, docent  
fratres. Cuicunque Don. Chiesa di capo, Dempota Gotfr., qui cum  
falso lacuna. Vt ergo papa Sixtus. Confirmationes concedit in  
d. Ig. No. 2. c. quae in Medicis Novis et Testis vocationis patetur,  
tunc de genitrix exist in pleniora omnianare, de remissione  
Eccles. T. Opus. Cor. N. 1. 1. tuncque in Ig. A. C. de sic. p. 1.  
null. sed concord. Ig. 3. 3. 7. accider. Obstat nobis et diff. Oppini. 17.  
cuius tactus. Propter explicationem in Ig. 1a. S. I. de N. dub. N. 1. 1. 1.  
Ubi, post quam 17. p. annue in his locis tunc. Coemptio deb-  
icit. inducuntia iniugis legatis. Quod per secum inveni-  
tudine, quod in S. I. Quod si dubius, homicitus cuiusdam  
neminius punit. legatus nec dubius. Prognostic et nova  
expansio admissa. Nec querendis qui Dempot, in datis  
impingatur, an ademptione nulla sit. Et supponatur resolu-  
tio. subiungit. Alius casum in libertate: Num. 11. ex pluribus  
dictis eiusdem Romana. Ita. C. quibusque libertate polita sit  
ex amicis. Patria Nulla, et ademptione iniugis sit. C. nequa-  
det, in hi omnibus casis iniugis et libertates impediti.

abembris. Autem in uterumque Valere: Ieorum primis  
concreant Cig. 8. Ig. 8. S. T. Utinam. Noste Regnac; mag  
di iniustaque Valere Ademptio. Ego et mihi quoque non  
valeremus. Conspicere yire. Cip. Utique legamus. Debemus et  
consequenter in ratiocinis Valere Ademptionis locis in re  
S.P.

Hic dicitur ad aliter respondere. Non impetrare  
et facere. in d. q. lo. quod. Mexico. dicit Gotfr. in lg. 27 d. id.  
q. 26. dub. Nihil ipse tentans. Alter obverse conatur. Gotfr.  
in d. lg. 10. q. 27. 6. Usque ad. 28. quod in summa consistit  
in hoc quo in ita dicit. T. 22. non dicit. P. 2. Q. 2. 20  
dicit. Unicus p. istud. dicit. quod. quia. ademptio non valeret.  
Consequenter. Octo logiq. quia. idem erat in datione.  
Et. trii. c. d. t. i. dicit. legatus. utique in omnibus. Valeret  
lg. 11. 2. d. h. g. de. legat. 2. et. in. l. 1. o. de. v. b. d. i. 2.  
ad. me. Sempionio; Et. cum. hoc. casu. in. utili. erat. Datio  
ex. jure. adducens. N. H. M. utilis. eti. erat. Ademptio.  
Veria. Gotfr. et. falso. est. hys. doctrina. et. concreta. q. p. t.  
quae. potest; Nam. prima. in. d. lg. 2. 6. 2. cum. dice. v. v. d.  
p. ad. m. p. r. p. q. p. s. a. i. t. h. e. q. p. t. v. d. r. t. r. a. n. g. t. t. e. s. a. h.  
m. e. s. s. e. n. u. s. s. e. t. i. c. i. n. d. e. s. t. i. b. o. l. i. c. i. n. n. u. s. s. e. c. e. s. t. u. r.  
quae. eti. in. d. a. t. i. o. n. e. e. d. e. q. p. i. c. i. a. g. o. n. i. d. e. b. c. e. i. m. f. i. s. a. 2. 6. 2. et. co-  
n. s. q. u. e. n. t. 2. d. a. r. i. s. V. a. l. e. r. e. d. e. N. g. u. l. a. lg. 11. 2. d. h. g. de. legat. 2.  
Et. que. ait. te. t. u. s. N. o. u. t. i. s. d. e. t. l. e. g. a. t. y. E. g. o. 11. 2. H. i. c. d. o. p. e. c. h. i. n. i.  
R. e. s. p. o. n. d. e. t. G. o. f. M. u. l. a. n. d. o. l. e. c. t. u. n. g. e. t. l. e. g. a. t. y. q. u. z. a. l. e. n. a.  
ab. i. n. g. e. n. i. o. v. i. o. M. a. r. i. o. e. t. t. e. f. l. a. r. a. m. e. t. h. a. n. a. s. e. c. t. a. n. g. d. i. c. i. n. d. l.  
R. e. u. r. u. N. a. i. n. S. a. b. i. n. e. t. t. m. a. p. p. a. r. a. y. e. t. l. e. g. a. t. y. N. i. c. o. T. i. f. i. j. d. o.  
l. i. t. a. d. m. c. r. o. b. i. t. t. x. e. t. i. n. d. l. 1. o. 2. 6. 1. c. o. n. s. t. a. n. t. y. d. o. c. e. r. V. i. d. e. c. t. u. n. g.  
q. u. z. e. t. i. n. l. i. b. e. r. t. a. t. h. u. s. a. i. t. 2. V. i. N. k. i. n. g. u. t. a. t. o. N. i. o. C. q. u. t. u. s. d. y. e. t. i. n. d. e. s. o. n.  
t. i. o. N. o. n. V. a. l. e. r. e. t. e. p. o. r. t. e. s. a. i. o. i. n. h. i. O. n. n. i. b. u. s. d. e. r. i. b. e. s. t. e. l. e. g. a. t. y. i. n. d. e. s. t. i. d. i.  
E. g. o. S. e. m. p. i. o. N. o. n. V. a. l. e. r. e. l. e. g. a. t. y. N. i. o. V. a. l. e. r. e. t. e. l. e. g. a. t. y. i. n. d. e. s. t. i. d. i.  
p. o. t. e. t. E. c. o. lg. 11. 2. 6. 2. M. u. l. a. n. d. f. o. g. a. t. q. u. i. b. u. s. s. e. c. t. a. n. g. G. o. f. n. o. n. r. e. s. p. o.

liger exigitur devenit legato et libertate. Tandem enim admi-  
ttonis Validus em legato vni ex his vel legato co. o. l. 17. s. 3. Sylloges  
Non probatae legationes ita faciem admittentes legatos utique debo-  
ri, minime contraria; Et nequecumque contra legatos potest iuris  
quibus causis legatos inimicis est. Ceteris vires et actiones excedent  
potest. Ceteris causis. Ut sit dictum, ex iure calce ademptio  
Consequenter Non valens legatus co. Regulz. U. 11. S. 1. lg. 21. h. 2.  
Aliquis legatus vni ex his vel legato facie potest. Propterea o. l. 17. s. 3.  
legatus ex iure et calce ademptio. Sed valens legationes, et non re-  
verso legatus; Ceteris ademptis omnia facta non debuit iustus legatum  
debet, Ceteris contrariis abesse debet in d. lg. B. 5. 7. Et item sol-  
vit emmendatione. Donatus in d. l. 10. de reb. Ord. quia ita legatus adem-  
ptus in Olympie vales. Quod, legatorum, debet, non obstante  
ademptione legatus vales. Co. Regulz. Q. l. S. S. 7. Sed si possit in  
ex iuri emmendatione necessario non est.

C. 15.

uni Cognitio

Regulz. 37. S. 1. de legato. I. sed ut possit in iure que sunt omnes omnia  
in. Moxto ante Quia. tenet, quia est fort. Petrus in d. l. 10. h. 14. t. 22. 3. 2.  
92. 6. distinguentes casum, quo se separantibus duobus iure relationum  
sit legatus, et vni ademptus, ut tunc ademptio nulla sit, et tunc  
qui debet legatus, quemodo intelliguntur. Nig. 1. 3. 2. Et ceterum  
quo coniunctionis legatus sit coniunctus, et postea vni ademptus,  
quo caro vales ademptus, Et neutrals legatus videtur, primummo in-  
tellegendi d. l. 10. s. 1., quia quo coniunctio invando, converit con-  
iunctionis in ademptionem. Et e coniunctis aeg. h. 20. quae statim Quia. in lg.  
3. h. 20. Tunc d. l. 10. si possit in iure legatus sit condicione per-  
durare legatus, Et aeminae sit: plauso, quia sit condicione legatus,  
huius mauer ne vales, eo nulla caro vales debet, plauso, nec  
plauso condicione, q. eo eo praecononice sit, q. coniunctio una omnis  
legatus, Aliquam si coniunctionis legatus, prouissima vestitura,  
primo complicito co. Reg. l. 88. cum dopp. de C. O. 1. similiter ergo  
in meo casu, Vnde coniunctionis in iure que debuit ademptio vales  
ex ista solutione regis. Quod in nos. opero. de Diferent. iur. 1. Indumenta calce  
ademptio. Cgl. Sed ei est laudabilem, quia non coniunctio in ademptione  
ut in patente, et vni non aderat ad ademptio. Sed regis, Et  
UVA. BASC

45

Conjunctione utrū ademptio, quis dubitabat erat. Quis ad quā ne  
cessaria erat etiam in re clavis. Et mitemus solutionis cuiusq[ue]  
ut lo stat, quod ademptio uno latrone eo commisit, oblongum.  
Et aliud excedetur propter conjunctionem. Cuiuscaecus et ceterum  
magnum. 2. ut ratio conjunctionis hoc operatur, facio etiā eius  
nomini obceptio legato. Si ergo tertior adimesset, intelligeretur  
utique oblongum, quod eo profectis legibus non constat. Quid adhuc  
potest potest his quae et per legem de conjunctione personarum  
et in hac causa obiectio legare, Nam in sola conjunctione reali dubia  
tio h[ab]et obiectio. Non potest, quippe tunc et usque cognoscitur, nam  
propter eam res magister est, non intelligi ademptio tunc, quan  
tum quia erit causatio, quod nec dubitatur causa. Unde ab h[ab]et  
obiectio conjunctionis, sicut libens potest conjunctione. Quicquid q[ui]c  
potest adhuc videtur in hac conjectura: Non potest magis ope  
rari cognitio ducere, quam idem est omnia potest, nec plus con  
venient rem, quam parvus integrus respectus omni totius: q[ui]d  
totius legato causam accedit (in quo loco continetur, ut postea dicam)  
potest, quippe accedit legato, ut ita adimesset, causas non intelligitur  
ademptos, immo Nec iter q[ui]d. de obiectis legatis: Ego ratione  
junctionis Non potest iuris causa ademptionis in latrone non adempto.  
Recusat q[ui]d causas. 3. 8. 8. Tunc 8. n. t., quia informata sum  
q[ui]d ut ab conditione legatis res in dato, non adimittit conditione,  
vel jurebus: hoc ut conditione nullius. Et conditione totius loco demon  
stratio, per quam obiectio causa fundatur, qui adimittit, Propter nihil  
magis nec p[ro]xi obiectatur; Causa h[ab]et causas. De Causa. Edic[em]us illi elegant  
considerationes. In 8. l. 3. s. 6. n. 10. Et ubi tanon estatio, ratione  
sit nobis tandem causans. Causa p[ro]p[ri]e. l. 9. 6. Hoc est in specie  
p[ro]p[ri]e. S. 8. 8. Causa obiectio testator, conditionale legatus. admissio dubio  
procul dubitate causa ratione, quia hoc cum intelligitur adempta  
conditione, non fundatur, ut notavit Grotius. Menet rego, et omnia causa  
solutionis antiquorum ut. Cuius[que] statu magis.

R. 14.

Bilis plures solutiones ad suos ignoramus, alieni impugnam  
que inest. Viximus vobis etiam causas. Causas n[on] s. q[ui]d. diff. 2. alia solution  
aut enim difformiter. Meinhardt, q[ui]m ad latronem obiectum est, cum alijs  
UVA.BHSC

Demonstratio ad existendis inveniendis. Post. *Thib. Wallis Thib.*  
Nigro, quod Componunt Omnes, et non n. h. Et constat ea dicitur  
panari.) posita admodum Thib. erit demonstratio, ut de idem  
tio Non valeat propter Maxitudinem q. Supponatur etia omnes  
et non pro Complicatio. Adiuimus. p. n. h.; Unde in hoc nos ita nor-  
erit; At in s. l. 1o. de N. Dub. legato. Singulare. Non demon-  
stratur, Et similiter Empsonij admetit, quo nomine et alter  
Empsonii comprehenditur, quia Singulare logutio plures  
comprehendit quotiescunq; non nomine plures designantur. *legato.*  
S. item quod falso tunc. lg. 18. p. legat. 3. q. 13. q. sequente legato.  
2. 17. s. l. de legat. 1. q. Virgini ita. S. l. de t. tunc. Unde nihil  
minus quod in s. lg. 1a. S. l. Tolerat ademptio usque ad Empson-  
nij. sed hinc etiam et primiti, et contra aperte principia est;  
Nam primo in s. lg. 1o. S. l. Non dicat tolere legatus Empsonij  
relinqu. Sed dubitatur; Cum in fine annexatur, legatus impedit in  
Omnibus casibus Relatio; Ego et legatus tolerat Empsonij, quod  
panior Tolere fuit) Nicendum est, Nam potest transire omnibus  
Omnibus Empsonij. Nein deo etia demonstratio ait certitudine  
relinquatur; Et ne haec audirece, ponitur Answe. in s. l. 3. 3. 7. capa-  
zationi dubius Thib. legasse. Ratus, si deo Tolerare ademptio  
faciat Empsonij, quia sub hoc nomine plures Empsonij com-  
prehenduntur, Segueretur, q. faciat actio Empsonij, q. plures sint  
eiusdem nominis, Valoret, in omnibus, ex lg. 1. 14. S. l. h. 4; atque  
hoc est contra nota principia d. l. 3. q. 3o. de t. tunc. q. abocie  
n. h.; Cog. 14. q. Quod Singulare Logutio comprehendat plures,  
et quandoque Eque multas singularitatis, et quando omnes ad secundum  
Numerum, Relinquit que latentes Rediguntur, scilicet ut in infinitum non  
prosternatur. lg. 14. C. de sepius. libato. cum differat n. 17. i.  
Non vero cum ad certitudinem. Et compositiones Redigi nequeunt,  
ut q. legat Thib. C. Thib., pluresque sunt lucis nominis, quae car-  
on inveniuntur, ut omni legatus est, ex lg. 12. de his, quae non resip.  
l. 17. 3. q. leg. junct. 11. Reproscribere ea omnia fact. 6. 5. 14. de bono  
potest, primum. Propterea illi de N. Dub. Absit. 2. Secundo. q. 14. 22. vi  
in auctoritate. De N. Dub. Sec. 1. 14. istet Legato

R. 15.

His avulsum recessus, critica maxem remordas. Cenitelle  
M. B. H. 15. 20. 16. 17. 18.

solum Scriptorum auctoribus hoc fatueret, Canticis, triuagatoe-  
tus eadem sententia loco: Namque, obtempore factam libet,  
cum duis iure legatus eodem nominis, significare est, ut cuius  
debet legatus, sive archanum illam esse, tunc vero in ea sum-  
mam. Et eos uero, prout dicitur, et dicitur hoc lo. Nihil enim  
dilecti in me contingue condito violency ut cederem tam ap-  
tena concordia. Quod nemo ex litteris huc legatis; trans-  
portus dicitur: in predictis legatis, adiectis, adtempore in quo  
qua valens: quod vestra officia erunt, ut, ut vestigia credere  
libet, significare adtempore vestrum; nam vestigia app-  
tare esse non valens legatus; sed iam unica dissident legatus  
impedit; tunc amio officia in predicti repetitione. 3. et quid  
evidens; Nam dicitur auctor, qua ratione officium, est  
in iure adiutoria, et in facto oppositorum, servatque  
cancis concordias predilectionibus, ut notarii solent ex le-  
gibus amplius. 3. E. 2. 2. ca. 2000 auctor. de omnibus officiis, pone-  
ta gloria in tribus, iure. L. Ultima. C. communis omnibus, recte  
et notaria plures agnoscuntur. Liberos de clauis et dictis  
si aliud eis patrem est, legitata propter dictum incep-  
tum in predictis; et proter ait, adtemporaneum auctor  
in causis velicis; tunc posse solent causa contentum.  
Et legatus valens. Auctor eis haec tota est, prout per in-  
dictum auctor legatio inserviet, per adtemporaneum auctor  
in usus legatus, legatus valens, non in usus legatum  
tum legatus nisi, prout libertate, libet, tribus, cunctis, auctor  
per eos figura quia, habilitate causa, una dictis regula-  
bus, nisi occiduisse libet, libet, familiarem esse locum  
non contentum, tunc idem libet, libet in lib. 20. de alij hec  
ut dicunt, pro hec, quae non esse facti, prout animi  
supplex esset, idem, non tam facti, prout animi, alii  
quoniam falso dicunt, cum gestis in facto et animo con-  
victus lib. 20. et lib. 20. cap. 6. ole. de hec, quae: illud even-  
tum in lib. 20. cap. 6. vix: ibi: hoc enim actio prout et in  
UVA. BHSC rectevis;



11

leco faciat legatum disponit. Non tamor facit inquietum, quis de  
spiciatur ex lego, quia disponit in dubio legato minimum  
est prestatans, id est, non minoris estimationis locutus est.  
31. de leg. jas. l. 3. s. 1. cum sequitur de legat. l. 1. nummis  
73. de legat. s. Et confirmatio Conclavium Minus et Valerius  
prestatans l. 3. 2. 2. 3. 6. id est, utrumque que procedit, in aliis  
32. s. 1. id est, minoris probatur quae circumspectio disponit,  
quae cum legato est electio, Non prestatans prestatans nisi  
cum Conclavio Ex Regula l. 1. 3. s. 1. ut de leg. 2. Cum promissio  
et idem Doctor ex ipsa ratione Cao. l. 1. 6. junct. l. 1. 2. et 8. 3. de  
U. O. / de quinque intelligentia Et Conciliacione tig. 2. 8. 5. 1. summa l. 2. 1.  
de legat. 2. Et de legat. l. 1. 2. 3. 4. in tract. 2. nob. sub. Sec. 3.  
N. 3. et testis siveg.) in ademptione ergo id est affirmandum,  
Nam ex Relicis mihi dubius fideliter Conclavianus, porro si fidelis  
Conclavianus Ademptus, Maior ademptus creditur, Et minor  
manet, id est, ex quo Valerius, qui ademptus facit ut unus  
fundus Conclavianus debetur, quo caru in legato minor fundus  
prestatans Ex proxima Regula, ut recte considerat Prof. in l. 10.  
de Nob. sub. 7. 12. Nec dixerit, id intellige ademptus, p. legatis  
Ex Regula tig. l. 1. s. 1. l. 2. s. 6. h. 1; et qui fundus minor  
egatis creditur; Ego et ademptus minor non maior. Et non  
pondam, hoc confidemus nra contentia, quia ademptus estimation  
da est Ex Regula dictionis; At qui minor fundus concidetur in lega  
to; Ego et porro ademptione minor debetur, quia per se non potest  
nisi maior ademptus creditur. Ut in secundo Casu quando  
incertitudo datur in personis legationibus propter nominis pra  
miae non est certificatio ex lego, nec minoritas aut maioritas  
estimationis potest considerari in personis; Unde Melius incul  
te ex legato deponente Regula, quia ad certitudinem regis potest  
quomodo procedere, sua adducuntur. Accedit quod, ut recte  
ait Cuiac. in l. 87. s. 4. de legat. l. in primo casu incertitudinis  
nra persona legationis creditur, quia potest legere hyssimum.

eligit non prestantem). Et in 2. casu ignorata persona pro-  
pria invenit uirg. Non est qui virgine pomicrux. Nam dicitur  
que petri natus petrit, et tibi inuenit. Obstat.

N. 17. *Praecepit etiam pomeritius l. 16. de legat. 2. II. 3.*  
*qua alio pomo plenum quod est ex legge. Et 10. de m. ius. O. 9. 12. O. et fact  
exponit l. 1. A. de ill. legione. Ut quibus certificatio invenitur in quo  
libet pomo plenum primum actionis pomeritius; que facilius sunt, Nam legi pomerit  
l. 16. de m. ius. 12. utrum obiectum sit invenit. Obligatione invenit producatur, quod in non  
casu non habeatur propter invenitum legatorium invenit  
sibi obstat. Argumentari etiam patet ex l. 17. s. 1. de legat  
opponit et est  
falsa l. 12. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22.  
2. ut: Deem legata omnes libet, non obstat invenit  
l. 17. s. 1. Non ergo de legato omnino invenit, sed de legato electionis  
certificando. Coo. p.cepto testantur per precium electionis h. g.  
res, quo casu non nominare debet, et si hoc non fecerit,  
quos donant vestra Si non Constitutione cui donat, id est, si  
nolit liberus eligere) omnes admittuntur. Operia p.ura in l. 21.  
67. s. 7. 77. s. 1. de legat. 2. l. 24. de statu libet. 16. O. de fiduciam  
mis. libet, junct. Cuicic. vni d. 2. 66. s. 7. et 77. s. 1. P. b. doc.  
5. ex ore l. et doc. 53. ex ore l. Gomez l. vna. q. 12. n. 10. et 18.  
ubi Hyeron. Lamea decim. d. 21. 28. et in primo vnu parvo  
acq. ienda l. eo 16. de legat. 2. ubi verba Ubi velis respondunt  
p.ceptu electionis certificando testantur, Et talis hypocrate committit,  
quod eligit, Non vero an eligit; Unde criterium legatur ut in  
l. 17. s. 1. Ubi etiam apponi l. 17. s. 1. de legat. 1. ubi velis  
p.ceptu verificatur in pluribus pleribus natu; et tamen invenit  
veritatem videatur. Sed respondetur, quod ibi respondeat habuit  
testator ad unitat, quod facit ut plures natu pro uno habeantur  
arg. l. 11. C. de p.ceptu comm. liberti junct. Tab. in Sapi. tit. A. p.ine.  
3. illat. 3. jas quia temp. est. p.ceptu distributiva est quod, quod*

¶.

Quae vescificatur in plenibus ut docuit Frat. Petrus in loco res-  
pex attato, ubi plures illationes ad finem congesio e Eglior., pugnac-  
tis legavit, quis vescificatur? In Omnidius pugnat, sicut, ut inelle-  
git Donell. Ita Conclavis Cuy d. 1. A. Impunit. de Nob. dubito, et  
fumatur Cuy l. 2. De lib. et posth. ubi ob odij contumeliam no-  
minis filij, ut non constet de quo, Alij contumelie non vincili-  
guntur, punc. Prof. in ea Chen. Off. 1. insp. Coquio testis iug-  
affirmans in adscriptione, ut filio adempto legato, liberatus  
velicet, Nauti Videatur ademptus, ut potius progravatae deli-  
ctio illelis. S. Regulq. 1. So. 5. 234. de legare. I. qz plenib. a me ad-  
ducere in itinere. de Nob. dub. decr. 2.

Re. 18.

Sed pingo, quod legata vellico piceibis Regia. Alioquin

*Quae fice et  
libere omni-  
zatione, dicit Testator: Adimo eis quos infra designavero, et  
nullus postea designare so. Specieq. 2. l. 18. de unfr. legato, non de-  
bet ademptio? Et dicimus, Natura ademptio videtur, quia  
ex ea inexistit vero personae deficiente designatione, art. 18. 3. 7.  
h. t. q. adducuntur. N. n. 11. ut in Casu Rebus agente de causa  
boni. 2. l. 18. q. 77. 3. 3. 2. legat. 2. punc. Ch. 1. Vnde ap. ip.  
4; quin obste. l. 6. 6. 2. de jw. Co. Regum optimis 12. 1. 2.  
Pec. obste. L. licet 2. 6. 2. 1. 1. multo ratiōne contineat utrum  
ademptionem legati, Nam legatio summae voluntatis voluntas  
et persona, cuius adimatur: Et haec operis 2. 8. 18. invenia personae  
est deficiente designatione. Vix quaevis summa et ultima  
di cunctis. Art. 1. 6. 2. legat. 1. Sicut enim et huius, de elegan-  
tor aduersitatem. Gofriedus. Vno. 1. 18. et R. C. C. non videtur ob-  
ilee, qui ex eo partus non dereliquerat. Ego ergo si possimus vibrari  
dispositio, ut in instructione probemus h. t. lib. 18. 3. 7. quid  
postea inexistit vero personae deficiente designatione, et  
nullus nulla lego, providetur, quamvis ad eis de legi 2. l. 18. con-  
ciliari aliquid. tri. L. 6. 2. legat. 1. Sicut etiam et huiusmodi in l. 12.  
de Co. D. n. 18. Et videtur. Ch. 1. inceptio. q. 2. caput  
non inlegamus. in legatione personae prae. spacio, resi-*

ligato fundo Tetrico dicitur ad uno parvo fundi Tetrico quare  
in his designauerit et nullus designatus quo casu ponet novitor  
defensori dimidij partem fundi ademptum. Et rat. 2. l. 2. Ita si uno  
bus fundis Corneliani trii vellet dicit ad imponendus Crone  
tianum, quis in his designauerit nullumque designat: ponet tri  
ci minoris Crone tianum fundy debet, et maiorum ademptionem  
Credit, quis tunc in certioritate a lege certificator per minoram  
propter tianum. Et rat. 1. 3. 2. & 6. De legat. 1. Cum adduct. N. 16. p. 1.  
rat. 2. l. 2. quis latius operam exponebat ut progressum tempore  
non induceret Menos Martini.

C. 10. *N*escitur etiam ex exceptione Regula N. 6. quod si te  
mperiale vice pro parte publica admissum, ademptionem  
reducatur. Valeat l. 11. s. 1. n. 4. II. de servitutibus; Et ne in terminis  
cabrerius in ademptione hanc remittit, quis erubiles, utilibus  
in officiis vice concentratus est, poterit. Secundumq. reg. ex parte eiusdem, ambi  
lenti, et agenzi per fundum Croneq. l. 4. vobis. Vix l. 7. in fin. 12  
et 23 de servit. P. 1. P. 1. D. servitus vindicatur. Elegans too  
im l. 13. s. 1. de acceptil. Tenuis est, per agenzi, Crumenaz, vel Tech  
niculus. Q. l. 4. Non accus. Ut et per eum, Ambulans et horni  
nus, non etiam sumentur agenti. Q. l. 4. Vess. uer. l. 2. quod adm.  
sive. l. 1. s. 1. de servitus vindicatur. Elegans, per a. l. 9  
s. 2. q. de Novat. S. 8. de O. O. II. 3. C. de Coop. Ne, sed cum alijs.  
Uta notanda est locura. Q. l. 1. de servit. P. 1. P. quidquid male  
Taber. L. Conject. Q. 1. 15. in definitione accus multe verba quod sunt  
in a. l. 1. Vero. accus: Etiam sine jumento, quia in actu non  
licet porro re iei, quos facit est. Nec admiraenda altera locatio  
Othonis. Q. Ob. C. 2. qui omnia mutat definitionem. Vobis, et legit  
non etiam Techniculus; Et in definitione reg. per verbis ambulan  
tibus resoluti. Reponit, agenti; Melius autem alij locaverunt hoc den  
tro linea 21. 4. s. q. servit. reg. t. 1. 1. 1. et tractum in se conservat. Vobis per  
ter integrates, sive quibus reg. servitus conversione placet  
Q. l. 1. Vero. Vix. L. 7. Regula. X. p. 1. inst. cos. l. 13. s. 1. de

q1.

acceptil: Accus continent in vestito, Petat pugnare inseparabilis  
et pugnare eum etiis singulamento, id est, ut per ex parte invoca-  
re punit. d. l. t. Vers. acutus 7. et 12. R. S. L. h. hot. Ut non  
tum misericordia continet, cum iuste et amitulare per ex parte sine  
jumento, aut vehicula eo pugna provocare adducere. Differunt  
hęc tres sententiae in modis et finibus, nam utrū habet tres  
pedes in proximitate, utrū in distante: Accus secundus pugna-  
prudenter utrū eo latitudine hominis conciner quatuor et  
oculos: via octo et 16. ut lignet. Et l. dilect. lib. 1. fig. 8. de  
sumit. R. pugnare. Flevarat, ab alieno. lib. 2. dirigit geruntur  
Cap. 2o. Flevarat cap. 11. Donat. 11. co. 13. Accus de dividuis go.  
2. n. 2: Via semper pugnare. Et proprietas eius continet  
pro agendo. Vehicula: Accus vero non compone, sed quatuor lo-  
cus in permiscit, et ut non permiscit, atque adhuc mutet eu-  
lig. 13. de sumit. 23. R. S. In via eis continet, per turbamen  
di lignis plenarie hasta 1. 7. eos. lute, ut venifaciat, non  
sit in hoc constitutus. Differunt, ut dirigit 2. 21. cuius legg. dicit  
et alias differunt per quatuor retinences lectum. d. l. t. spu-  
ter. institutio et facultas in l. 1. de sumit. R. Donat. 11. Cap. 6.  
dictam lib. 3. Membrum. Elogia 12. Tropae. Volum. 1. fig. 17. Atque  
A. h. t. in aliis notis. Bach. et Hahn.

N. 20.

Quibus terminis pugna, nec propter quando linea via pro  
via pro parte affirmi non potest, prouenire eas ratione tradidit  
R. C. co. 1. 11. 8. 1. h. t. Remige: Eo quibus causis inserviant  
dam leggi; Eo iuste inservient et ademptione, saltem utriusque  
causa dationis et ademptionis est, ut notaret. Coda 1. Select.  
cap. 1. à N. C. Pinel. 2. Et hoc. Cap. 111. R. 22; omnibus enim regis  
ut individualia, qualiter alii sententiae regis, nec pro parte  
pugnare, continui, petri, ambi, aut legge pugnare. Nota, justa  
in l. 2. 11. 17. de scivit. eis pluribus aliis, junctio et omnibus  
intervallis individualitate, quas reminger. Tolosius 2. Illustr. 100.  
1. cap. 7. Ch. 1. inceptio cap. 5. per tota. Camerarius 4. Select. cap. 12.

Et nominis Olea de cuius, sic tit. L. p. 6. II. 27; Unde nihil mi-  
ram quod Nec omnino pro parte posse, Cui et sic iurisliberis leges  
D. I. II. De Utrum. 20th. Or. exponit leges. 16th leges 2; admittit  
18th. In quo Scimus Tis pro parte accepto frustis non potest elegant trans-  
nominis 19th.  
In lg. 13. S. 1. De acceptis; Ut nec pro parte nominis L. D. S. 22o nomen  
Juncea L. 58. De C. O. Ita huius doctrinae causa est leges prima in  
Ademptionis Tis voluntarii et lege. Et Gotfr. in d. l. 13. S. 1. h. t.  
in Fabriani d. l. II. Sanctorum ad Ptolemy in 2. 13. S. 1. dominus et  
habit. N. 10th. Contra legem ademptionis in modo tecum est: Si  
tibi Scimus Tis legam, id est, ut per meum fundum ad tuum  
Tis habentes, postea omnibus patet Tis Adempsio, Ademptionis nulla  
est. Eo repugnat Utrum d. l. 14. S. 1. h. t. d. l. II. de Utrum.  
Item si tibi legata iter adempsio aut accepsit, ademptionis patet  
Nulla sit, quia in dico N. 10., Scimus Tis iter coacum  
continet, velut duas partes integratas inseparabiles. lg. 1. 1st  
via. L. 7. N. 1. S. 1. 13. S. 1. De acceptis; Unde repugnat maxima  
videtur, Ademptionis pro parte. Procedit, quod istam sententiam  
non ademptio Namque necessariae rationes q. rationis, nihil oper-  
atur ademptionis. Lg. 1. B. 3. 6. h. t. L. 2. De pianiis. Sed si ergo  
quid quicq. legauerat, Adempsio tis et accepsit. Similiter ponitur  
Tis Scimus interiecta Ademptionis? Licet non sit species in  
Ademptionis dicta potest, Ademptionis voluntas. Lg. 2. 13. S. 1.  
De acceptis; Tibi istipionur sit, q. et si qui quis stipulavit, ac-  
cepto facatio iter aut accepsit disjunctionem, tunc volo, nihil pa-  
ciat, tamen Si accepsit, scimus iter et accepsit. Similiter, uult est  
acceptatio et omnino promissio Tis liberator; Videlicet  
ego in ademptione; Nam, scimus et in voluntate contractus  
tolles per acceptationem promissum Tis, ita est in voluntate  
teritorum tollere per ademptionem; Sed accepto loco, scimus et  
debet simili, contingit liberatio Tis totalis; Ego uincere et  
debet simili ademptione, contingit absolute ademptionis. Hoc  
manifesta videtur, leges pro parte.



co*v*it proprietate via continet iter et actus. Tunc partes integrales, quam viae sepius non ex ea veritas. *viz.* d. l. l. via. via l. z. r. p. Et ita utique deceptio contingit liberatio et processus ademptio. d. l. 13. s. 4. accidit deo. Non paucis partibus. Et proprietate viae continet iter, sed.iam non potius quod sum us pluri. Capitulo l. 2. de r. r. id est per consilientiam quemodo intelligunt d. l. l. v. e. accus. d. l. 7. quam differentia non recte percipit. Tuber. i. Corpore. Cp. d. l. 7. Jesus a. Bachor. cap. 17. the. l. 6. c. dilectio. 3. c. l. 12. Unde nihil magis quod utique deceptio et contingat. liberatio et ademptio. Non vero actu ademptio, cui iter posse videtur occasionalis.

2. 22. Sed ut venga fatus magis omnibus huc, qui recte viae agi. facientur est. Et officia omnia manu consideratio d. l. 13. s. 1. cuius autem actu accepto late, vel ademptio non admittitur iter, et in actu continet. Nam explicativa plurius quod aduersus n. 12. Et quae vigilatio recessit omnia. II. cp. 6. l. 6. q. 1. licet ad longum defensionis tram ut recte prosequantur, tamen non vice facient in initio ut nec altera Gaudi. de. Contr. etiud. Cp. 6. n. 213, qui ait, iter inveni actu, non ut patrem, sed ut commoditatemque et gaudium de trus. q. 2. n. vlt, qui non explicat, in tam amplia vie commoditas inveniit ut actu compunctu ac esse itineris per se consideratur. Dicunt illa Cuius, Santos et alios, quod aduenimus n. 21 in fine ut non explicat an sit pars substantialis inseparabilis, et non accid. quis continet. Namq. substantialiter, et habeat, probari debet. Coo. l. 58. de l. o. o. d. s. 2. de Novat; aliquum accid. disputatur aliquid agere, repudioso porta iter, et non recte amittatur si qui deem stipulatur, quinque porta stipulatur; et si hoc ademur d. l. 13. s. 4. purgat, ubi non habetur pro parte substantiali; aliquum per acceptationem actu, ita continetur; Et consequenter contingat liberatio non ademptio. Coo. eo tempore tot scriptorum Manu consideratio iter prout est inde et prout actu compunctu, idem necesse est. OVA. BHSC

ad Excoencia actis Varietatis: prout et in eo, magis contulit, neque  
 non, id est, ut licet iure, ambulare homini posse quoniam in s. et p. a.  
 velut, item licet sola passatio, Et equestre ipso Rebus. Non capio in l.  
 itor, L. 7. et 12. n. e. P. Ut autem recensendo, volum licet horum  
 mini iure, Nos: vires voluntatis, sed ad finem acquis, id est, ante  
 tri, ut dixerit fumenta, Regat Rebus, Non per se, sed ad  
 finem postea agendi, ut ad preparandas mares, lapides, &c.,  
 ut postea fumenta, Non Rebus, sed quoniam intelligenda. I. t.  
 vero actus P. P. ibi civam erit, pimento, id est, dum, per se est ad  
 propriae exercitandi actionem, juxta L. 7. f. eod. l. d. si remittitur vindictori  
 Primo modo anno, ut non esse propriae actus, Nec per consequen-  
 tia; quia pars dicti regnit illa civis quia totius integratior, exer-  
 citatur, Et civis haec amplia commissitate actus constitit, quoniam  
 do acceptanda est. L. 4. S. I. si remittitur vindictori, dicitur actus, accidit  
 sene iurare esse posse, id est, sene iurare, prouocat in eo, quam  
 male de captiva expunctione intelligent. L. 1. d. H. c.  
 6. ubi O. lib. 4. Et alter Faber. I. conject. c. p. 20. Alter dictum  
 d. lib. 3. Cgl. 12. Alter Galbani d. c. 21 qui recipiente de p. p. dicit  
 (ut) Non ergo et ipsam commissariam a commissariis separari <sup>non possunt</sup>  
 possunt. Tandem si acceptanda est, <sup>non possunt</sup> <sup>ut p. p. dicitur</sup>  
 dicitur, actu accepto latet, Non comparetur iuris ut libertatis regis con-  
 tingat, Et id est in ademptione, Nam tecum loqueretur de iuris  
 prout in isto, in quo perspiciunt est pars viri, unde nihil minus  
 quod in actu non continetur, scilicet dicitur, hunc considerandum.  
 Hic ergo acceptandus est. Dicitur, itinere, petio, et viro, non mo<sup>l. 1. 1. 6. 1. 1.</sup> ut  
 esse vel, p. p. dicitur, <sup>confitendum</sup> <sup>l. 1. 1. 6. 1. 1.</sup> concepcionis, ut actione postea, prout in l. Mater. II.  
 S. 6. de conc. n. j. quoniam alia res est iter iure, ab initio  
 concerto in actu. Ita ut separari possit. Item, remittit, sumat, ut  
 voluit. Alter I. conject. c. p. 20. lib. 4. Non: Neque  
 licet per se petitionem posse, quia continetur ut causas in actu  
 ut voluit. Nam in d. l. 1. 1. S. I. de viro et habet. N. lib. 9. est  
 contra litteras, quae sonie sibi in officio petunt, et contra L. A.

S. I. Si remittitur vindicta. Et concessum. I. A. de tempore legat., quod  
remittitur. Ut situr non posse datur. Namque, ut si intelligat  
commoditatem itineris, ut acui conjunctus est pars, remittitur  
tuo acuis, quod non non inficiamur, ut. Diarium N. 25, pro  
Cooperatione N. 1. t. 1. de quod, velij primo tempore, id est,  
sit curandi, ambulandi, et a lectio, aut ego, rebendi, certe  
potendo acuis. Volum peti fieri, prout acui conjunctus, quod  
diversa non est, ut Regia Curatoria, et ut Nostra non potest con-  
ceptio, definiens rei identitatem. I. B. S. T. et 12. cum org. 26.  
30. et alijs de accepto. T. j. junctis que congruerunt hoc tractatus.  
S. per totum, ut proprius ratione accidens, licet immemor. I. B.  
10. S. I. de acceptis, tenet speciem. Scriptor dicta. D. lib. 3.  
C. lib. 12; quam intelligentia pars inlegante rebis ipsa demon-  
trant, alius videtur tunc peti cum aliud petitione, id est, aliud  
non volum ratione remittitur q. nemini omnis erit dubitare,  
ut aliud est ratione amplioris rationis et commoditatis, ut  
conceptio, que phana ratione est huius temporis, cuius non  
meminere. Nach. P. R. 17. Th. d. lib. C. Don. et Orr. ubi re-  
puta, et volum in Coordinatio Coram adiuvit Salgado violata  
S. p. 1. N. S.

N. 23.

Cooperatum fuisse nomine isto, prout est inde,

ad placitum intelligentia iurium adductorum. Videamus nunc  
tertii in secunda consideratione, prout acui conjunctus, id est  
acuis exercitio necessarius, quod nominatibus tunc agrovocantur  
Don. et Orr. D. lib. II. cp. 6. lib. G. licet nec cooperantes ratione  
commoditatem non alia sunt principia. Hoc ratione accis, et ratione  
acuis intelligentia propria, et non per consequentiam ut mole  
voluntate adducatur. N. 21; quoniam via ante rebida aut, plementa  
re ante, ad progressandum id, q. parte rebendi est, necessarius et  
intelligens est acui D. 2. I. Reg. acis, I. D. P. R. Et licet considerat  
commoditas itineris acui conjunctus est ex necessitate representationis  
differente insive ex amplificatione commoditatis, et sic non volum  
considero differenciae modi, et modiculae et, sic remittitur post  
OVA. BIISE

17

Amis, Pater, Gedue, et Gallo. Vix ergo abducit, sed inter utramq.  
commodat. Unde clarissime discorrit Ratio 2. l. 13. s. 1. et exinde taliter  
tio de iustitia Nostrae Iustie, Nam via, ut ex proprietate sua ut par-  
te intelligentia est et ars, s. 1. l. 1. s. via h. ergo dupla adductio, via  
quibus via utra Non potest, quod ut planum atterat Donum, et ne  
liquidatur N. 2. l. s. est, via concinna littera, Non volg ut aqui  
convenient, sed prout est in re, videlicet iustitia, quod invenit  
actus Unius Ademptus per decimo 14. Art. Contraq. adempto est li-  
beratio h. ratione enim admittitur, Ademptus partibus, quibus via  
convenit; Nam quod diligerit N. 1. l. 7. s. ut via contraria, quod se-  
non ut signum necessarium faciat, non est intentione necessariam,  
sed occasionaliter. Et accidentale. Si prout non legat, ut dicit  
in 2. l. 7.; Alioquin propter hoc deducatur in acceptatione si  
hoc derelictus in 2. l. 13. s. l. q. dicit, percepimus Scriptores libera-  
ti; Actus vero vobis adempto vel accepto acto, Non contingat  
liberatio, quia in eo non contraria littera commoda pro-  
ut est in re, nec prout contraria in via, quod genina intellectu  
genita est huius rebus. Cuius difficultas in acceptatione ver-  
tum existat, Non tamen Utrit Santos ubi expone N. 13. 4.

N. 24.

Hac ergo observatione intelligentius elegans hoc et protina-  
tes int. 2. quemadmodum. Ut enim am. ibi qui ita ex arce habet, ad. summa  
Si statuto tempore truncum iexit, Non vero egreditur, nec se to-  
tam dominica actus, Non quia legitime convenit ut ultra, ju-  
nunc iuxta ut male labor. l. concess. Qd. ut. Rejecens à Bach.  
uti dupla lit. C. (qui nihil tenet) Nec vobis quia juxta se  
potius tibi ratione actus, ut ita licet sine distinctione huius  
veraque communitatis) Sic clama. 2. lib. 3. Cgt. 12. Nec ut Om. Hcp.  
6. ut H., qui hinc decorum adducit sine comminatione, sed  
quia (ut dicit), acutus eiundem ut legitime prout est in re, licet de-  
fusat in maiori amittit. Et fine, Non tamen diffusa mate-  
rialitate eundi ab ipso facio eundem, quod actus inest, et cum  
diffusa sit totum trahendus, uti prout Macerati. Meum, per  
renum litterarum retinetur tota somnis actus; q. confirmans pro-  
ter, qua ab argumento sis 1. Degg. mod. usq. l. 3. s. 1. de adey, poin-

L. 10. quoniam m. 18. v.) exempli sicut dicitur ad h. 2. l. 2. ex iis  
codem inscriptione v. n. l. d. s. d. c. i. dicitur. Hinc, sed remonstrans  
remittit agnos suos ab eo, qui tripla aqua. Quia est et remittit  
vix ab eo, qui angustiori via utitur. Similiter ego Miserere  
remittit accus ab eo, qui iacet. Ne exasperaret ille, pater est  
in eo, quia, et in hoc misericordia ergo excedit suum amissionem  
punctum. Intelligentia pateris probat sensus et differentia  
exposita. Sunt juga in l. 58. de 22. o. l. d. s. ult. de nobis. ut liberis  
libertatis causa accus pateri accus compunctionem, et secunda stipulatio in  
generali. et colligit intelligatur de liberis Non simpliciter, sed ad alios pateris causa  
aliquam est intelligendum. De liberis pateri in eo, patet secun  
da stipulatio, licet non in posteriori. Contumaciam remittit non,  
pater in augmento et maiori compunctione et fine. Et rem  
missionem cum d. l. 13. s. 1. de acceptis. quod solum pateris non  
negat, ita pater liberis non totaliter in accus, non vero re  
negat, ita ut accus compunctionem partem actus, teneat in hoc con  
venit cum d. l. 58. et d. l. o. s. ult. quod alio volvi non poter  
zant eos generali distinctione. Clavata et formalis liberis, qua  
succedit Galben. Cp. 21. de usq. N. ult. Et acceptis. in s. l. de  
sumit. Ps. de conservati. Mip. Cp. 6. N. 213. Cap. 1. 25. de 12. s.  
Nec eo alijs representationibus. Cura. 450. Duxa. Fabri. 2. lib. 1. con  
jue. Cp. 14. Licham. Et Om. In locis super Relatio. Eas. 8. 2  
Stat. Digo. 17. 5. A. lit. C.

C. 25.

<sup>lib. 2. 8.</sup> Codem modo intelligenda est l. h. t. in qua  
Paulus ait, q. si accus legato, liber admissor, nihil admissum  
Predicior, quod non quam actus. Vnde liberis exhortantur quod sit  
brevis et diligam omnium voluntates) intelligentie. Pater et  
falsa in ea N. 18. Data. Faber. Galben. ubi proximam ult.  
de commiss. liberis, Vnde quia accus liberis non potest, et  
cum accus Non est admissus, Miserere in eo. Manet commissi  
tas liberis. Sed, ut dico, in eo pater habeat voluntas, q. tantum  
distinguit pater liberis ab ipsius commissitate; Non vero  
discriminat pater liberis commissitate, prout in reg. ab ea quod  
est in liberis prout actus compunctione, q. Non. Distinctio in ea N. 22

20

Et 23. Nec melius Pach. ubi nuper, quitanet ait, ego  
Consulto legatione habeo ademptionis pro nulla, sed non  
prostat ratione, qua modi consulti finirent: hoc est q. gurgimur,  
et tamen ad id non responsum. Nec etiam in 3. l. t. qui in-  
tentat, ita ut veritatee Contra in acu, contra l. h. de am-  
legato, Et adduceat N. 22., q. si deum ex te, Valorem ademptio-  
ne postea dictam, Nisi tam intelligamus accedentes ad Dom. et  
Ori. d. leto, qui intelligunt de itinere acui cognitio, Nec longe  
distama. Sed in quo consistit hys cognitio, Et obq. invenit hys  
ademptionis Non coglicantur, quare rectius accigitur eis mortis disti-  
nctione N. 22. De itinere pro ut acui inclusio, id est, defaceo  
eundi pax, Non simpliciter, sed ante vehicula aut jumen-  
ta, C. ad progressandum q. quoq. ut dico, pax est intrinsecus ad  
et inseparabilis actus, P. l. t. Non acuis, l. t. N. l. 58. d. 22. O.  
J. s. ut de Novae juncea sua legatione N. 22. c. 2. datus  
segg; Et cum natura ininvitibilis struturis impedit adem-  
ptionis pro parte l. t. l. h. t. Cum aduersus N. 20, Mexico mi-  
hil ademptis credimus in l. t. cuiusdam non obstante l. d. 2. t.  
si omittitur Vnde l. t. 13. Et de receptis l. H. S. G. de except. N. i.  
q. ut supra legacioni N. 22., leguentur de itinere prouert  
in re, id est, de alia amplecti Commoditate eundi, et ad di-  
versum finem co. l. t. 7. et 12. q., qui inuenit nec est pax princi-  
pialis acuis, Nec per consequentias, ut dicit N. 22.

## Sc. 26.

Unde in se, quod in acu, et ita legatione, forte illud est  
Species faciat q. que ita ademum, Et hys utrum ademptis itinere pax est in re, non accina.  
l. h. t. Cetero investigatur ademptis itea pax acui cognitio, vel no-  
cans, et ita ad hys pax ademptis itea pax legationis  
pax ut ante, pax aut vehicula, vel ad progressus et hys  
d. 2. t.; quia hoc cum dico non erit dubium, quare v. inquit, et h.  
indubius enim, tamen una ab altera secundum pax est q. 2.  
quoniam. vnde l. d. 2. t. vnde l. t. 16. com. 2. 2. Tali pax  
una ut altera pax ademum, et ita aut ademptis, nuncit itea  
pax in re: Ita ut v. 2. vnde legata in species l. H. S. G. t. s. ademptis  
actis vel hys, que cum dypno nulla est, quia cum itea, sicut pax  
est in re, et auctor vnde pax in rebus et inseparabilis via  
VIA BHSC

122. Legem us  
per legem all. ad  
adversarios resolu-  
t. M. B. J. deputa-  
tus habet.

Op. 1

in ditione Scrutinio Separata l. 13. §. 1. de acceptis. l. 14. §. 1. nos. 20  
difficilior et §. 2. ut. de via et habitatione l. 5. §. 2. ex usuq. quoniam. est.  
juncta ratione l. 7. de infra. l. 1. de infra legato / haec causa in dicta  
general et. Concedimus cum exordio. dicendum. Et ut Scrutinio. excep.  
non potest ex via Commoditate tunc ad locandis sciam  
necessaria s. vita null et 23. ita et usus. Non potest autem  
ne illa. Commoditate tunc necessaria ad locandas sufficiens  
quoniam acceptanda et concilianda. Quia pro rati. l. 11. §. 1. 2.  
vnu. et habitatione ibi; prouai et usus in isto l. 58. de O. C. l. 2. 2.  
de Novat. l. 2. q. mod. amit. ususq. l. 12. de infra. et expiatio-  
bus. et ob. o. vicino. Vixit. Expositione. Ususfructus. quod usus uen-  
ti et prouant l. 1. Et pum. inst. de infra. id est. sus. pum. cum illa.  
aut Commoditate absunt. Necessaria. ac que. ratio l. 66. §. fun-  
to de legato. 2. Et ut. acce legato. Et. ior. adiutor. Nulli admittit  
quia in accu. Nost. adempto. Manu. pugnare. Non. donec quo accus.  
Constitue. Nequit l. 1. h. et. cum. accusis. n. 25. et. pugnare. legato. et  
usus. Admittatur. Nulla. Ademptio. est. 2. l. 11. §. 1. Nos. et. 2. pug-  
nare. West. Nulli. in. legato. Ademptio. Non. pugnare. quoniam. huius  
ademptus. Non. est. Non. vero. quia. huius. Commoditas. usus  
pugnabit. est. affluere. Non. adempto. Aug. l. 6. Et. 3. §. 2. h. t. l. 2. 3.  
de. juxta. v. l. 6. 2. si. ususfructus. peccato. Docentes. licet. latiori-  
bus. pagina. Nee. Magis. intensior. Donet. Jo. q. 7. Castillo. et. vnu-  
fr. q. 28. à. 2. 11. Gallo. eod. cap. 21. Lichonia. §. 2. non. q. 25.  
d'ancor. in. uitione. a. l. 11. §. 1. de. vnu. et. habitatione.

R. 28.

*Indemne quod utram coris esset legato suave, vel iteratio legato accu, prima operari  
in primis iniquitate, et utrumque potest: quod suave etiis vita Concessere potest. Ego attemptio  
utrum utrumque potest: utrumq[ue] sine suave talida est, idemque in iteratu. Procurare  
exhibit: utrumq[ue] sine suave talida est, idemque in iteratu. Procurare  
tag et 1853. a probare potest Cor. I. huius S. & penult. ex usq[ue] quoniam. Cor. ibi  
acceptata: Cor. et cetera. Utrumq[ue] in iteratu.*

Ego et iustus tuus. Vnde cum obligari stipulatio legum habebit Et  
Cest. 12. de iustis. P. t. II. S. 16. de omni et habet. Iniquitus affi-  
matur. iux. in uno legato in iustis in illo expone; Ego iustus  
vix viva apud unum esse potero. Difficilior contextus in t. 13. S. 3. denegat;

ibidem. Cum enim Iuris iurisperitorum contigerit. Alioquin si in statu  
et aliis. Vixit non sicut est. Alter Cuius. S. Oren. Cap. 3 et lib. 13  
Cap. 12. Dach. Volam. I. Disq. 16. Triv. 8. lit. A. qui auctorum re-  
gulariter fructus esse Non posse. Sine vero, ut in d. l. M. S. 1. cum  
opera aquae, Allegamus. Quod hoc accidere potest in specie  
D. l. M. S. 1. lib. 14. cap. 1. Nec longo Don. d. lib. 1a. Cap. 2. quae  
solutio, ut Natura generalia, operaria est. Nec operatione possit  
esset. d. l. S. 8. 2. 13. S. 3. deceptio. Alter Bacchus in 2. v. 11. de gen.  
dicto, qui antinomia ingenue factum esse. Vnde hec juxta quod  
respondit Ignatius est. Cum in pax nullus latus contradicatur ne  
erit quod in nobis animo dissensatio. Nationes existent, ut ait L. 2.  
lib. 1. Et hoc est quod de teo. jux. Ench. Alter Porcius  
Iustus in l. 1. de Genit. N. 16. Contraut. 1. Com. Cap. S. N. 3. ex plus  
ies apud Or. 10. Cap. 7. lit. A. Alter. sit in genit. Tertium. Plan.  
dicitur in pax 17. d. l. M. S. 1. Et in l. 1. h. t. ubi pax. N. 18. etenim adser.  
et aliis. to Porcius l. p. antinom. N. 13. Et in l. 22. de O. O. N. 12. 12. De-  
tingunt omnes ut Separatum. Veritatem, ab uno ut Commoditas  
unifacientur. Hoc casu faciens negavit esse eam esse, ut necessari-  
us parte cui, quomodo recipienda erit. D. l. M. S. 1. 2. 28. ad 2. a  
d. S. 1. lib. de Novat. Cum abducto N. 27. ille casu faciens erit  
una esse potest, id est, uthe vero electio in nationes veritatem,  
quoniam procedunt. D. l. S. S. 2. utriusque quippe. D. l. 13. S. 3. de ac-  
cept. 12. de orig. D. l. M. S. 1. lib. de pax et habet. quem conciliantis  
modi amplexioneas. Gomea et Spina, quos Regulus Castilla  
de iurisperitorum Cap. 28. N. 13. Sanctorum in d. l. M. S. 1. a. N. 1. licet in  
eo Britano, quod usum Contineat agnoscit ut Veritatem in iuri-  
peritorum, quod si intelligit de Veritatem iuris Separata, et con-  
tra l. 1. de orig. Regato, Ut vult, Commoditatem tenet inclusam  
iurisperitorum, esse pacem Veritatis iurisperitorum, nec non negantque,  
ne negant. Scriptores adduciunt. Cum pars virtutis debet mar-  
tibus totius, et carnis sollicitatione sequitur. Gal. 2. 21. per totum  
mumentum tantum rationibus, non substantia. Namque Gloria comme-  
ditate, quae appellat uiam causale, et quae illa Veritatem uia quamque

22

ipso dicit vnumformalz: quod in re non sit, et tamen  
nihil adducit Galbanus, Cum tot scriptores veluti Hain conci-  
lianti pugnarent.

N. 22.

Rec. verissimam hanc Coniliansi vnam cor-  
respondit <sup>temperante tempore</sup> sicut  
et Consideratio istam q. 1. b. S. C. 25. qui ait: Vnde ita  
uniuscuius esse esse dominio, ut inquit non esse patrum domini  
sed patrum uniuscuius, Et ita non posse existari usum causalem  
cum est esse dominio, sed patrum. Ibius veritas uniuscu-  
tis: quod, quatuor obligatio est; Non dico voces causatis et  
formulis, Non ut substantiales, sed applicationes tanquam causa  
rectorum sunt, ut Galba, ac si aliquum ne proprie uniuscuius  
causalitatis patet in dominio eius. Propterea si ratio dominij  
hanc appellationem potest substituere, cum perfectuarius dominus  
sit fructus, potest causalitatis unus dicti ratione huius dominij.  
Rec. Galb. Et supra adduci negantur: de partem vniuersitatis unus  
fructus, sed tantum usum fructus appellant communis  
taqz, seu usum causalz, quod itaqz non inducat vniuersitatem  
separata unus, tamen patrum sonitatis usus pugnare facit. Quod  
una inedita. Et tamen idem dicta Contendit: in q. 1. b. S. S. 2. ususqz pugna  
non probari, fructus sine usu est posse, sed immo conatus, qz  
dolit. Indulatio, qz ad omnes contendi affirmat q. 1. b. S. in qz, qz  
cum habet contra regedz, si fructus legato fructum sine usu  
conatur separare vegetari, quidfructus sine usu non est q. 1. b. S.  
S. 1. quam sequi videtur Ost. leti ruper. Sed ut cumque vniuersi-  
tatis possit huc solutio vne. 1. Sec. 2. Manet difficultas prius  
super abbuc, quemcum nullaz mentionis fuit dicta. Ita secund  
etiam posse accipi q. 1. b. S. S. 2. co. specie. 1. 1. 1. S. 2. ut de iure et  
habet. Sec. de iure id est ex causa, quo obij estus unus, alij fructus  
legatus, Et apud alterum proprietas sit, ut isto causa cautio ab-  
utroque pugnare, ab usus de suo usu q. 1. indigentia, pug-  
nare de fructu cum suo usu inseparabilis, quod denotare video-  
ribus obligavit, q. 1. denotat eorum singulariz, et quod in q. 1. b. S. 1.  
dam se volo usum legato pugnat de iure, sed pugnare deponendz docet

JVA.BHSC

Cor. i. 2. inde quia ait, Ut ipsa ratione docem habet, & est de  
utique, usi nempce et insufficiens que non in legione conjecturantur.  
Cui addi potest Cuius. B. Ob. cap. 12. Ut ipse tamen necessariis  
credo. Ieipsoq; distinctionis commodicis, sive usi causatis,  
qui praeire debet considerationi insufficiens, id quod usum auctor super-  
erit d. l. 12. ac usq;. Licet non esse persuasum hinc nomen ad hoc  
boxo a respct: q. d. Castillo de usq;. cap. 28. n. 5. Rec. obiret  
d. l. 12. s. 2. De u. et habitatione: ubi est unius formatus, minima  
tamem pugnus legatur, dictior. Solum pugnus me habitor; Ego  
vix unu pugnas eam potest, Et consequenter admis. Pugna et res-  
ponsio Gethof. Paulus et Paul. d. cap. 21. n. 6. Namque: Pugnus velut  
non erit refractorius ad nos, fructum, sed ad verbi reg. uocis  
venies, in ius concurredimus, sed pugnus ego vobis habeo. Et in  
concursum tunc in hac episcopie junata in d. 2. De insufficiens Paulus  
3. sent. tit. 6. S. si alterius. Et quomodo accidere posse ut nunc  
nunca interciduntur, videtur Cuius. Ad locum Pauli. Elegans  
Pausa Cortarius in d. l. 12. Et in l. 1. De u. et hab. 2. p. Castillo  
d. cap. 28. n. 13. Non ad fuit. in l. 3. S. 3. ult. De usq;. access.

C.30. Secundo et illud opponi potest contra n<sup>o</sup> 3 illa  
bi<sup>o</sup>ng, quod usus eius non causari esse negatur, ita nec usus  
legatus, sed usus legatorum ab inviato, tamen illud non adem-  
p<sup>o</sup>ntur, ut habeat. <sup>in parte</sup> Tercio. Et si usus legatorum ab inviato, tamen illud non adem-  
p<sup>o</sup>ntur, ut habeat. <sup>diffidatur</sup> Quarto. Non. Genit<sup>o</sup>. S. I. l. 11. Deinde et habet; Ego unus adempto  
debuit ab inviato in toto suorum libritate. Sed uic<sup>o</sup> Faber in  
Nacionali Gal. v. Op. 21. Et Santos Communiatio<sup>n</sup> omittant, res-  
ponsumus: diffidetur in eo itare, suus ademptus nichil ma-  
net in quo legatus consistat, ut ademptis partibus tamen con-  
stitutus negatur, et ut ademptis itare et acce<sup>r</sup> tota via adiuver-  
tur. 1. B. s. t. De accept. Cum adducatur N. 26, cum nichil velin  
quatter in quo via consistat, partis ego suorum adempto,  
cum p<sup>o</sup>ctet hanc in nihil eius suus constitutus ponit, adem-  
p<sup>o</sup>ntur Cruxier totus. At etiam adempto Manet suus non adem-  
p<sup>o</sup>ntur, ut itare adempto Manet actus non erubatur S. I. h. t.

Et cum sucesse. Sive unu legato. In quo dicitur non debet  
mi Manere incompatibiliter à quod adhuc tenetur, ut dicit  
n. 25. ex 27. Petrus ergo poterit cor. 2. l. 11. s. 1. deo. Denique,  
ubi eo sententia Ponponij Vlp. docet, quod si sucesus deducatur  
unu legato, inutile est legatum; sed quando legatus sucesus  
et postea unu nominetur, sic unu Manere in legato; ego  
poterit esse inutile tempore legationis, que inutiliter dicitur ad  
propositum, ut eo Britonum placito probat Vlp. m. 2. l. 11. s. 1. nos.  
Sed si: que non inlegans Concupiscentia et Paupersis in cal-  
lisse Stimulatio Pater. Gall. Castillo. Hic difficultati carnis  
principis adducit n. 6. Respondet elegantius Santos in o. l. 12.  
s. 1. n. 6: quod eo quinque Causis Datio legati inutilis est, eo  
ceteris inutilis ademptio l. 11. s. 1. n. 2. Et cum sucesus legato  
deducatur unu inutilis sit legatus, quia, rursum sive unu esse non  
potest, Eo ergo maxime inutilis est, ademptio, et consequenter  
validum legatum Arg. ex qzqz dicitur n. 13. et 14. pro hac  
specie. l. 3. s. 7. h. t. cum. 2. 1. 1. de n. 6. sub. Coagmudo  
expingemus v. 1. l. 1. hoc est actione sive itinerarii plicare vel  
inutilis esse legatum Arg. 2. l. 11. s. 1. nos. Denique. Accedit  
quod ubi rursum terram Nequeat tributantibus accusat in  
sig. detinunt accusqz qzqz celebrare incendie l. 22. 188. de legatu.  
H. s. v. 6. de Novit. Cum plurius adducatis à Gotfr. in l. h. h.  
Cum ergo legatus sucesus deducatur unu, accus qui celebratur est  
datio legati, cui inutilitate Nequeat plicare eis vita, ut ergo  
detinuntur datio, et consequenter inutilis est legatus de nos. Denique;  
At in vicinio casu Britonum in nos. Sed si, accus  
qui celebratur est ademptio; Ego ademptio detinuntur, et con-  
sequenter valer legatum. Nec obstat l. 1. s. 1. 2. 1. 3. 1. 4. 1. 5. 1.  
Nam in ratione pugnat voluntas cum substantia, ut cum  
accenditur, inde nihil mutum detinatur alio iste recte unius in  
o. l. 12. s. 1.

A.C. 34.



Capitulo L. via de legione. 3. l. 1. de C. iust. l. 3. S. 1. de T. P.

(2.5.2. et iuris Et probat lex 2. S. Necessaria. videlicet. videlicet. quia. Propter agnoscendum. Quoniam.

Obiectum L. in rendendo 66. de Conta Compt. Cuiusdam rationem

licet. sine difficultate compositione. adducit Faber in cuius ratione. licet. libere. ratione generaliter cum Acta. accipiat. Excedat  
nisi quis repudiet. Quia ubi et ratione. N. 1. Vide et incorporate  
adimic. Nichil. sicut. respectu individualitate. et conveniencia  
inseparabilitate. Ut in vestimentis. Ademptio. Arg. l. 1. h. t. M. S. 1. Faber  
ideo si de vno. faciente et alia. ratione. magis. sive. quod admo-  
rit. Faber in ratione. S. l. 1. S. 1. et iuris. peccat. Ori. M. q. H.  
in fin.

Postremi. Etiam. sicut. potest. Superior. non. distinctio. eothem. et  
de libo. et post. aliis. eleganter. ab hoc. sententia. Int. v. id. 13. S. Regula. 2. Delib.  
et posth. Ubi. Incedit. Cum libertate. sententia. velicit. quamvis  
libertas. potest. adimicatur. Et hoc. nechreditas. nec libertas. adm-  
it. creduntur. qui. venus. venus. est. quem. necessaria. sit. conen-  
ditio. Cuius. inca. Nam. civi. libertas. potest. volunt. velicit. possit  
adimic. ab. hinc. ex. isto. l. tri. de. ademptione. libeat. Ia. S. fin.  
de. manum. ill. S. de. seditionem. libert. Et. quamvis. hinc. creditas  
etiam. potest. adimic. possit. Coo. ratione. l. 6. Et. 17. h. t. (quod non)  
negatur. in. l. 1. S. 4. Et. his. que. in. tto. ob. principiis. ea. vobis.  
in. l. 1. S. 1. volvitur. matr. Bell. de. juri. acer. Ep. S. q. 13. n. 65.)  
tamen. Cum. hinc. creditas. vobis. relinquatur. cum. libertate. ademptione.  
iuris. libertatis. nichil. operatur. Coo. repudici. Non. Regula. non  
in. eo. quod. sic. hinc. Necesse. involvitur. g. R. liber. l. 35.  
l. 1. Delib. in. istit. Unde. in. hinc. creditas. quam. non. adimic.  
manet. Necesse. libertas. Et. ademptione. seditionem. ut. ademptione  
utinam. Manet. in. actu. Et. ademptione. usus. Manet. Necesse.  
in. actu. non. ademptione. S. l. 1. h. t. l. 14. S. 1. vobis. videlicet. cum.

Arg. l. 5. q. 1. faber. Supra. adducit. Coo. quibus. mis. confirmatur. Ratio. 2. l. 13. S.  
redimensione. 2. De. lib. et. posth. l. 6. S. 13. (ta. intelligendo. Delib. in. istit.

Et. confusione. l. 58. de. adz. hinc. 17. S. 2. Delib. mil. ut. rati-  
licit. aliquibus. justis. omnis. omnia. committit. Faber. in. rati-  
onali. S. l. 1. S. 1. Et. paucitate. unus. et. itineris. omnia. Gotfrid. l.

N. 32.

Littero contra proximorum illationem et illud opponi  
 tueris alio potest, quod. Vbi. Coe. & Iustitiae placito ait: Benignior est  
 subiecti iuris, ut punita legato, magis ademptio multius sit obnoxia;  
 Et ad illud. Cogo Regis, quod ademptio vellet. Arg. 1. 2. 3. 4. non ex parte, Nam ipsam  
 Benignitatem Iuste ut videtur. Et hoc. 1. 2. 3. 4. sequitur, Consequentia quod  
 Male et Malitia, punita deficiuntur. Ademptio vero multius sit obnoxia  
 pro N. 27. Et 30. Hinc difficultate altera Respondet. Sicut in d. 1. 1.  
 4. 1. N. 6. temp. Benigna hoc amplexi, quia cum legato multo fa-  
 tuncate ad imponere 1. 3. 5. vid. h. t. facile coe. uera ademptionem po-  
 tecas induci voluntas adimoni. scilicet: quod si. Non est, tunc  
 Coe. Benignitatem ademptio tunc sit nisi ex parte, Qualitas eius ex par-  
 tie, quod neutruus. Convenit docuimus in o. 1. 1. 1. 1. 3. 1. h. t. II  
 De servitud. quare obstinatio negavit lega cravat; Nec voluntatem  
 agnoscit Galb. p. 21 & vnuigilans. Pro hac et alijs omnibus, reuersus  
 exinde collectione tabui in Nationali d. 1. 1. 1. 3. 1. in fin. aversantur:  
 Benignam & lenitatem ibi non opponi, per se, quod attento non  
 adimoni multius est obfundandi n. 3. Non opponi malitiam in  
 desperatione, quod dicitur illa, per quam actus factus est l. 12. ac  
 Rab. sub l. 8. 1. 12. 3. Chrysogonus de U.O. Quince et illud  
 illationes memoratur quod Olympianus ait in d. 1. 1. 1. 3. 1. vnuig.  
Si punitus ibi videtur constitutus, qui est ab initio constitutus potest;  
 Cogo punitus potest esse sine uenii; Cogo punitus ad imponere punitus sum  
 habet uenii uenii; Nam de ademptione inestigena erit lega debet  
 ut proximum dicam: Cuius ergo dum hoc affirmaret Vbi. negavit  
 uerba ademptionis ubi erit? Supponit videlicet hunc intelligendu  
 m. de ademptione, Nam in uerba antecedenti ergo de adempti  
 punitus legato uisus est, et insipio huius uerba agit Vbi. de adem-  
 ptione uerba legato punitus: Unde videtur immediata egiro secundum  
 quod punitus legato, magis uerba uerba, punitus punitus uerba ad-  
 ministrari, quod vocat respondens Faber, Galb. & Santos, uerba relati  
 qui omnes, ut ratione existent, docunt uerba legato: sed rispe-  
 dit uerba uerba, uerba videtur constitutus; ut sensus sit, si uerba uerba  
 a punito legato, et punito punitus uerba administratur, ut uerba

Pecunia, ergo Vitellii Constitutio; id est, ergo formata, erit per de ipsius  
et ab inicio Constitutio publica. Ut apud Ecclesiastici, Ecclasiastica conser-  
vata. nos ergo. Cuiusmodi, etenim ecclasiastica formata. Sed etiam  
quod Veritatis intelligentia est, quidam Magistri contra teoriam patrum  
trahunt. h. t. n. 37. quam Natura enim adducit. Videlicet, omnino  
meum. Contra dicens. Non credo, cum esse ea ratione progressus  
latinius. Non constet. Unde, referens ad Verba illius Constitutio  
ad immediatum Vitellium, nam, non ad priusnam positionem. Hoc ergo si  
in quo Natura. conveniens sit. ad iuris. ad conveniens.

2. l. 13. s. 3. quod (accepit in l. 11. et in l. 12. & 2. decept.)  
acceptatio effectus per se totius. sed pars in acceptatione per  
dicti: ergo unus ut servitus, nec considerat legem resumptum  
negotiorum eius; Ego unus ut servitus non potest accepto, nisi  
littera Gal. 3. 21 n. 7. Respondeat, Non deduci in acceptatione  
tangam patrum meorum, sed tangam Conflatim eis  
ut causis, nec non causis; Nam acceptatio considerat  
remissio. Et liberacionem totius aut-patris, et qui viris  
supponamus. Cox Materias fractus, contracti tamen formati sunt  
at id est in quo consistit papa liberatio acceptationis, cum  
remissio viri, adhuc debet Creditoris utriusque fractus; sed ita ut  
fractus Creditor tenuis inveniatur, d. l. 11. s. 1. cum adde-  
ct. n. 27. Ego in nulla parte exigit actionem promissorum velita-  
re acceptationis: quam instanti nullus eorum & authoritas, pro-  
videt, existimat, et non mihi debet clausum videtur: illi  
demonstrari potest, ita deducere viri in acceptatione, intelligi remissum de-  
bet, illam portionem, que acceptatione contingens possesse necesse  
erat. Et fractus habet id quod promissori respectus,  
p. g. frondes, cuius respicimus esse primus, considerat eos  
punctibus Cenam impudentibus, ad iniungentem possesse Vir-  
gine tangentem necessaria sume, Relavit puerario Octodicas,  
per acceptationem consequitur Debitor primi viri dignitatis, unde  
lami videntur obligari; Nam tota Creditor debet puerari Cred-  
itoris; Ad modum quo usum viri relatis, alteri fructus cedidit  
pundi, habet puerarius, quod eo indigena traxij disponit  
l. 12. ac confundit. 11. 3. ult. deus et habet, ut promissio tota  
unifaciat, et acceptatio idem, remissa Creditor postea illa, sum-  
mis necessariis ad iniungit, quem habet promissor post  
acceptationem utrius, et Creditor habet quod disponit expeditum;  
laudamus quam non inlegamus etiam Credo. Sed iniungit non minus  
probatur eis eo quod ex promissor actione per unum acceptationem  
habet usum formatum, illam habet ut existimat; sed remissa  
res via remittit; Ego cum Dominus sit pundi, non potest habere.

20

deu. Petitionem cum le. Venerab. Respondere ratione animata et solatio  
in acceptationem Unionis. Hoc scimus, Nechiam poterat  
habere Dominus Deinde debitor, sed eorum est, quod  
debitor per acceptationem habebat positionem quam imponebat  
in Originali Willa, ut vox viva le. Ceteris contradicatur.  
Cet et illa non intelligant species, quid accedit, et legato <sup>ad hanc speciem</sup> <sup>legato</sup> <sup>et de Willa</sup>  
inserviat d. Specie d. l. 12. d. l. Dens. <sup>est iste</sup>, postea admissio <sup>est iste</sup>  
vnum. Non esempliter, sed ut in aliis translatam, tempore  
uum ex parte, quem hoc legauit, <sup>et de Willa</sup> <sup>et de Willa</sup> <sup>et de Willa</sup>  
hoc casu valent ademptus? <sup>et de Willa</sup> <sup>et de Willa</sup> <sup>et de Willa</sup> in a. l. 1. r. 36.  
Et in a. l. 68. d. l. 12. de legae. l. arg. l. 5. h. t. Ex parte qui  
fimat, Manu legatum usus factus, multo, quod ut deum  
petat, corporisque futilitas que concinet, et est contra rationem  
d. l. h. t. Et contra d. Willa. <sup>et de Willa</sup> In quibus rebus multo  
haec ademptionis modo concinet, quod factus esse aene esse ne-  
queat, Et quod uero improribiliter est in factu non adempto  
ut dicit N. 27.; sed haec ratio militare cum iustus admittit ut  
in aliis translatatur. Ergo dicitur. <sup>et de Willa</sup> Ponit debitor  
Goth. an hoc casu habebat longius accessordi, et concuerat  
factus. Et uiriliter in uno, ponit quod valent trans-  
latio Exemptio d. l. 12. d. l. 12. de Willa. d. l. 12. de Willa. de quo ag-  
it. Examenem instituerunt.

N. 31.

Ufatur Octavo loco sua Regula facta N. 6. qui  
Explicat l. 2. qui pendo legato in quo se ipsa, factus, ut pars integrum conti-  
netur eo rig. l. 88. de l. Or. l. 12. Remunfr. legat. <sup>et de Willa</sup> infia re-  
fusio, ponit admissio proprietas pendi manente, sed usus  
ponit legatus l. 2. Mi principio h. t. Ita legato et postea et non  
factus Nec de Nec lego: quo casu adempta intelligitur non  
propositus, Et manu usus factus, formaliter penitus legatus.  
ad modum quo, ut provisio dictabat, factus legato et postea et non  
factus propter ipsum vel utrumque, Nam et usus factus in  
legato d. Willa. <sup>et de Willa</sup> ut nobis ex amplio actus adempti uocacionis,  
quo casu itenuest omnes in legato maneat, ac dari maneat.

UVA. BHSC

A contrario potest ad omni iuris successione iure de proprietate  
sa maneat. In legato d. L. L. S. t. t. b. 3. Nam, licet nihil mor-  
marentur et tuas, et Pol. antiquae personae, ea est quia  
legatum eodem modo patet, ad invique dari. Vt. t. t. b. 3.  
Ia. Et ea qua causa paro utile, eo ypa patitur. Valida adem-  
ptio d. l. II. S. t. t. t. Cum ergo a principio et nuda exor-  
gencia, et nuda iurisactio possit legatio veliri  
S. I. Init. De usq. Mexico Brun, nec aliis adimpotest.  
iuris. Contar hanc illationem primo illata opponi potest, quod eius  
est pars iurisactus, et iterum est pars accus. Ita et. Pascitur  
est pars fundi l. D. de usq. lg. 3. s. v. de usq. acc. cum dicit  
Id esse iuris iurisactus legatio, ademptio iuris, vel iurisactionis  
palea d. T. s. v. d. i. l. t. h. t. Cum adducatur l. 25. et 27; ergo  
nec ademptio plures legato, pars patet vibratice. Cuius  
est Responsio et provenia a Pol. in d. l. I. N. 1. quod iuris  
et item omni partes conponit et inseparabile, item quibus  
resupinetur, aut actus consistere. Negantur ut supra docui  
N. 31 et facit al ang. l. goutium l. S. I. de legat. 2; et plures  
respectus fundi est pars separabilis ex voluntate Domini,  
et ita omnes iurisactus fundus veliri potest. S. I. de usq.  
L. d. N. V. usq. pente 6. de usq. l. 26. de usq. legato.  
ut hoc nomine accipimus est, quod veligerum dicti videt. Propterea con-  
siderando blasphemiam Domini, sacrilegum corinum, et profanum in ista salva, ut ita  
potest pars ex parte latitudinis, modus et comprehensio Domini, separ-  
ab aliis tam non distinctione taliter; qui modo intelligentia sorti  
mea, facit stuporibus, fundum, generatio in lg. 6. 6. fundo N. 9. 2.  
de lg. 2. l. 8. 2. II. O. 2. S. 1. v. 2. Novat. 2. 5. 2. 2. facit. 2. 5. 2. 1. 1. 1. 1. 1. 1.  
de conquesti. Non est se dicit de S. t. 2. foliis. Negant ut inde 2.  
foli. 2. v. 2. v. 2. 1.; sed blasphemus non est pars de vibratice,  
et item ex propriae coniuge negant; Hoc interpres Gregorius  
l. 25. de blasphem. II. 1. b. 16. In lg. 11. 1. usq. v. 1. et 2. Propterea  
tam omni pars Domini, quia proprietas de effectu  
l. 2. 5. 2. 1. et qualitate Domini; qui non vide dicitur in lg. 28. 2. 18.  
Tunc fundi non sive, cum iurisactus alienus est, de inlg. 2.  
5. 2. 1. v. 2. v. 2. 1. Vea absoluus in fundo, non nosc et caput, si pro-  
pria  
VVA BHSC



Junta lo la 8 May lo 1886 hizq. legl. Comisión de diputados Chihuahua  
y M. el mayoría cuarto presidente del Estado de Tlaxcala de la Sierra. de  
gobernación y alcaldía qd. en la. Hac para talón que se establezca  
en acuerdo de leg. Ord. oct. 6. m. 2. et 2.

No. 37.



23

per Sectiones et Solutiones, sic disponit, licet non exprimit  
Consenserit dicitur, quia sic ius animi, licet species determina-  
munda Comprehendit Neglectum. Sita altera Specie determinata  
tamen licet comprehensum sit genere determinante.

N. 58.

Sed Contingent illatione primito potest apparet, ante  
ni l. homine 18. 90 opt. legat. N. i. eo sententia Remij Sobole  
dicit, quod homine legato Repudiatur in Specie Lampyphus, dictum  
agatur, Non videtur, quia legatus non punitur, sed quia operis  
Numismatis Repudiata potest eligi à Legacione, quoniam dominatio  
legatum; Cito remittitur. Nec ademptione in rebus l. H. nec pacatione  
de non procedendo tri. 27. S. T. de pacatis potuerunt efficere ut statim  
in ademptione vel pacatione operis. Constat ut obligatione. Huic concordia  
diffinitatis quam licet in rebus locare non coactent. Tri. 27. committit  
nam quod usia faciemur) Responsandum est, differentia esse inter  
Repudiationem, et ademptionem. Et pacatio in rebus quod repudiatione  
tamen potest tollere ademptione. Et quod jam de data statim perfici  
Agnitionis praealveosseunt l. AS. 5. 1. De legate. 2. 1. 1. 5. 7. de successione  
ad eos, et duci. Ut tractatur de gestione pro legato. Op. 1. Et cum  
ut legato generico Neatis ius habent legatorum ad operis determina-  
tionem, ut dupia esset, tunc potest talis Repudiatio operari legati  
Extinctionis, nec Exemptione speciei Repudiationis, ceteris Regis Condi-  
tione. Indeterminatio Excludit Repudiationis Operis, nec in  
ipsa Repudiatione potest, praeponi. Ceteris, quoniam potest temporis  
inhabiliter preponi Operis Adquisitionis per Sectiones etam non  
potest per Repudiationem, sic Pichet. in l. 2. de l. O. N. 25. L. m. n.  
S. Sobole. Op. 2. à n. 2. pacatio exigit non respingeri ad acquisitionem  
sed, eti. rebus et adquasi Comprehendit l. 2. 1. 5. 1. de pacatis  
Junct. Cuiac. tri. 2. l. AS. Om. 16. op. 2. h. licet. in determinacione  
quae potest operari operis determinandi Obligationis l. 2. 1. 2. 5.  
Et pacatio ademptio. Atque adam. Monti. confirmatur, et adqui-  
siendum sit legatum, in quo differt a Repudiatione, ut easl. 21. h. E.  
Pandaridius p. 2. l. com. 2. 2. 2. Unde potest coimmixta le-  
gato operis ademptionem, tunc non potest de hanc Exemptione legat  
ab eo legatum, cum eius Exemptione generis non recognoscatur.

Et Regi illa species in legato concinatur, et manutentur a ijs per  
cibus ubi genere Manerij operis certificanda per electum.

**R. 53** Secundo Nig. illud est Remuneratus 2.13.3.4.

Sed si de accepto debiti nomine debito ibi genere, et accepto hacten oblige-  
tatione in optime Obligatione; Ego Similiter idemque Utico, vel pacto  
et interposito de Non pecunio, tota debito, solle obligatio in mea  
est. 2. 11. et infra 2. 27. 5. 7. De pacto, facias distinguisdem semitas  
peragranunt. L. 2. Quod differere facias ab acceptatione in hoc.  
Affirmare, quod Non pecunio per paciam de Non pecunio, sed de  
debito ut debitoris, sive Creditoris parte tota obligatio, quia pacto  
pro voluntate Non est et acceptatione pro tota obligatio obligatio,  
quia voluntaria sum Convenit l. 5. in primis. Et liberat ligatus per  
de soluta l. 16. de accepto. S. 1. q. 99. nos. fol. 16. Et hoc sensu at-  
tingunt 2. 13. 5. 1. Et Consilium Cum d. 2. 27. 5. 7. postea facias  
qui hanc distinctionem rejicit, facias Cens. 2. q. 2. Later. in tatione  
d. 1. 27. 5. 7. 2. Dach. ad Landes. fol. 10. p. 1. 2. 27. 5. 7. Et sic p.  
quod studio tunc in acceptatione Regi, non pacto salvo est, nam  
potest voluntaria debitoris Nichil facias propter, cum tunc sive co-  
muniq. a Creditoris determinatae Speciei peti posset 3. 33.  
Inst. de tatione. Exterius p. 1. non est Regis generaliter pacto  
de Non pecunio Non Equiparari voluntarii Art. de evolutione?  
quo Communicetur Sequitur Nam remanentes in Academ.  
de inderida tunc tatione Mora: in summa tunc distinguunt:  
Aut factio est debitoris, ut Regis auctor Creditoris 2. 10. 3. 16. 2. 27.  
Dolus cum fulg. Et tunc facias de Non pecunio Creditoris Specie  
non potest totam obligationem generis, quia ex ipso quod debitor  
pauertur, eam specie regis Regis, quia ex hoc determinatur  
et a principio tota em in obligatione Creditoris ex reg. 2. 27.  
Regis. 1. Aug. 2. 27. 5. 7. aut de debitoris est Creditoris, et tunc  
non potest tota obligatio generica tollitur, sed mutuatur, quoniam  
accipiunt 2. 27. 5. 7. quia Non intelligitur Creditoris non o-  
fere animo Contingentes Obligationis, non possit operari di-  
minutio, per Exemptio Speciei Aug. 1. 25. de jure, et solle  
ab art. adducta Nam l. 11. a. 2. Pomerania, sed incepte, Nam quam  
ex debito sive legatorum et hic consideratur ut Creditor post  
UVA.BHSC

54  
55

Mortem, tamem electio Coeckeri Negque. Quia quamvis  
Confessus legatum Et in Nulla operatione habeat in admis.  
sed alia ratione procedit. Ita et. sicut postea dicimus. Superlatim a  
Et omnibus Concessis factum, Nam est si, ponea qui electio  
Species in piso Concessis factis eligitur, Et jam Non potest. In  
determinatio utile pacum est. Abrogata est ut. q. l. 27. b. Nam  
hie Coeckeris ne ultimum pacum, que datus denegant electionis  
factis Creditoris. Cumque distinctione in acceptatione de  
bent, Et si uia acceptatione d. l. 13. b. d. A. Et ad remittendam  
obligacionem facimus in pacto, quod ut arce tenuerunt Goffi. in l.  
7. b. d. Et lib. legal. N. 17. Et stipponit Tasso I. Sing. Respon. h.  
a. n. do: In acceptatione vero falsa obligacio est, et pacis  
Contra generalitat. d. l. 13. b. d. Secundo contra rationem, p. m.  
Acceptatio. Omnes solutiones rite ipso, p. m. totis obligacionis  
d. l. 16. de acceptat. Cum uix adducatur: At qui per solutionem  
nullius Speciei Tempor determinatur generica obligatio l. 3.  
qui et a. 99. 113. delegat. I. l. 10. de opt. legat; Ego et per accep-  
tatione sine distinctione electionis; quare in summa teatimus  
hie ipsa ad principia: Ni paci data. Electione debitoris, tota  
totius obligatio per pacem de non potendo in manu species d. l. 27.  
d. 6.; Data electione. Creditoris non tota tollitur sed immunitur  
obligatio d. l. 27. b. l. Et in acceptatione, rite electione debitoris  
vero Creditoris sic, tota obligatio generica perimitur d. l. 13.  
d. l. qui ita in ea se non destinet, ut recte affimat, tamen non  
ita, videlicet Om. 16. cap. 21. lib. K. Et quod magis horum est  
distinctione, bonum Goffi. in l. 11. h. t. Hic de passo et accepta-  
tione. In acceptatione otiosa et certa terminos hinc distinc-  
tio electionis est, Et volum la propria est ratio, quam prosta-  
tibus N. 37; quod admodum est ante tempus determinationis  
per electionem, que contingit post mortem testatoris, Ademptionem  
ante mortem. Et alia sunt species in determinatione stipendi  
potius totis legatum, sed videtur, nec admodum solici-  
tudine intentionis progressore, ut Goffi. a. 17. in via 2. 11, quae non  
hoc animo facit Creditor, cum eo tempore fieri que generica.

Obligatio invenit in obliquo.

R. Ad.

Cetero est illud Contra reg. illationis potest ipsa  
quod in obliquo posse esset quod generalia obligatio ratione discriminar  
aff. Hoc prona ex evolutione Non distat ab alterantia 2. l. 27. s. 6. Et  
obligatio de patre cum infra disponit; At qui liberatio vel maxima debt  
totam alterantiam. Nec autem de uno castore, tamen per  
minus debitis 1. l. 7. s. 1. De liberat. legatis Cetero et ademptio minus  
specie. In generalia debitis tamen legatum. Leges ex al-  
tera posse 1. l. 27. s. 8. 6. de patre: Hoc, pactione non procedendo  
uno castore alterantia obligacionis totam possunt obligacionis.  
Hoc tamen ex acceptatione, quod pactione totam alter-  
antia dissolvit, et si pat de uno castore d. s. 6. punc. 1. l. 16. de  
acceptatione 1. l. 2. s. 1. De liberat. leg. Sed facilius crassio est, por-  
sona obsequia inter acceptationis, liberacionisque rite, spe-  
ciei alterantia, et in ea acceptatione et in ea alterantia ergo  
acceptatio, ut supra docui habet nam obsequia d. s. 6. de  
acceptil. Crassio liberatio tendit ad solutionem etiam 1. l. 2.  
s. Nunc de operi d. l. 7. s. 1. De liberat. leg. cum pluribus am-  
pliis h. t. tunc de liberat. t. t. c. p. 1. n. 1. cum Regg; Unde nihil  
mixum quod, sive liberatio vel inquisitio debitori generis sive  
alterantia de una specie, tamen debitis remittit Creditorum ne  
acceptatio, quoniam procedit d. l. 7. s. 1. punc. 1. l. 16. l. l.  
s. 1. De liberat. leg. Et l. 17. de acceptil. quoniam obsec. 1. l. 13. s. 6.  
de acceptil. pro aquae intelligentia Palencia 2. baco. 1. c. p. 5.  
N. H. Conducit obliquo. d. obro. c. 6. et 15. et punc. 1. l. 16.  
de resilienda bona. punc. (abro in ea) ac ademptio minus  
specie, sive coquamus de genere, sive coquamus vel  
genere, illud tollere non potest, sed minime: Unigenitus eo  
ratione obsequis impetrari: In alterantia quia etiam libe-  
ratis utio, que Camphilo, aduanum, ubiq, non sive quis  
necessario ademptio Camphilo, fuit quia ademptio non habet  
rem aut obsequis, quem, illi Gafsi, sic in non tollere, jam  
qui ademptio tanquam potest operari, quod etiam ademptio  
nec datus liberatur. Ego Regg. 14. de legat. t. recogno ponio

UVA.BHSC

magis postare videtur. Electio creditantur.  
Quia omnia Venetiorum, velorum fiscamis alienis quod in al-  
ternativa, vel electio vel debito, vel credito, fiscus de nono,  
secundo tunc dicitur obligatio; ad distinctionem generali, in qua  
in 2. summis ex 2.5., postea electio creditantur, non tota dissolvitur, fiscus  
vel minima obligatio, quis excepit defendit. Et post cum  
Valencia 2.4.8. et 2.5.2. et regis videtur bacca ex 2. factis in 2.21  
2.6. Ut conciliat ex 2.5.2. si quis obligo. 2. factis 2.6.5.2. factis  
Necesse est 2.6.4. et 2.6.5.2. factis 2.6.5.2. factis  
factis ex 2.2. alternativa 2.10. Tunc Diffo vera et clara pro  
ficiat in Golfo. in 2.2.5.1.2. libe. 2. et 2.2.5.1. Response. opt. 2.1.11. quia  
in alternativa obligatio uniuscun coram est in obligacione  
omnium tangit in solutione 2.6.6. 2.6. 2.6.5.1.2. 2.10. 2.6.5.2. 2.6.  
legat. 2.6.5.2. constat prout ex alijs, et in hypotyposis estiam  
obligacione est, ita et obligatio spesencia ab uniuscun est  
sumis 2.6.6. 2.6. qui et a pp. 2.2.2. 2. Novation. ex supra ad 2.6.  
per negavit. ut patet de uno non secundo, qui in altera  
obligacione patitur; et ita nihil videtur fieri, ne aliquis  
coram licet nominatissima non sit in facto, et tam fiscam  
et compatriotis; Multos vero expurgatorum ob hoc solerentur.

et acceptatione in 2.1.21.5.6. ex ea collatae obligatio; At in genere  
et deo et dicitur in species est determinatio in obligatione, et ea  
facta electione creditoris prout de non petendo una specie non  
poterit taliter obligari, quia obligatio non comprehenditur in illa  
specie, sed tamen in especie determinanda per electionem, nec creditor  
est hoc aliquis videtur 2.1.21.5.6. ut dicitur in 22: alios aliquis vel deo  
vel deo  
tio debitoris certus, qui, ut ibi dicitur, est hoc aliquis creditor, et con-  
tempnatur ut regula determinare = sed dubitabilis, quia in legato alterna-  
tiva prout obligatio certum est in obligatione 2.1.21.5.6. 2.1.21.5.  
2.1.21.5.6. 2.1.21.5.6. 2.1.21.5.6. 2.1.21.5.6. 2.1.21.5.6. 2.1.21.5.6.  
adversarius non creditor sit licet duplum species, recte affirmat Goff.  
in via l.11) leg. 2.1.21.5.6. tamen obligatio certum debitur  
timetur tamen tamen haec puma contumacissima sed respondet potest  
quod in 2.1.21.5.6. agitur de obligatione tam in me producta  
in qua vix et dicitur, obligatio certum est in obligatione, tamen  
in obligatione, et consequenter non potest vix certum, quia tota  
obligatio prima pars; et in legato alternaativo agitur de obli-  
gacione producenda post modum tenetur, quia tempore  
incipit debet 2.1.5.6. leg. 2.1.21.5.6. Cinde ante mecum rectum est  
et acceptatione in obligatione, et ex ante mecum fuit adiffusa  
certum certum, non poterit aliud comprehendendi, quia obligatio  
producenda non potest clauder in eorum adversario. Poterit  
ex parte 2.1.21.5.6. et in adffusione finitae species l.11. de accept. 2.1.21.5.6. 2.1.  
2.1.21.5.6. propter videtur cui in via l.11. et in 2.1.21.5.6. videtur  
incaligentis. Ut etiam de individuali qd. n.

N.D. Sandomirz infans quod legato in terram nobis velicay, ut ipso  
pro animi et pueri adiuuacu, debet addicari vobis in eodem anno, vobis in codicis  
civili, confirmata. Nobis confirmatione d'li. Iohannes Oppenai ac 24 de May 5. 28. et ann.  
1592. anno 1592. de anno 1592. p'm. obi' die. eoz, modo addicips, quod duxi;  
confidit 1. 10. 00' p'so can. ipso, p'm tollitur legato, tunc vobis intellig' in le. 10.  
de legato. 6. 1. 2. leg. 1. Obi' vi' p'so legata p'sp'is adcepit in omni anno  
addicione testator. Nam tunc p'st'at. Ville, v'ng' t'g'm  
Sobietan, et ecclesia ipso p'm adcepit p're videtur. L'g' legation,

quod annis ad Ultimam fratrem Natus; quod legatum praestandum  
 sit, Cum non constet qualia Adempta, et an intelligentia sit  
 de quantitatibus, an de speciebus? late copulat in acto de legato  
 sub Act. B. 12. 16 et 17. His Cis. eadem inscriptione Mittellori 13.  
 de Reg. iur. de legato dubio, in quo cogitatio praetatur. Et Regula  
 0. 1. 0. Juncto Cummo Et Pugnosa in 21. M. § 1. Quicq. in 1. 37.  
 § 1. 30. legat. I. Vbi. Contra. in 0. 1. M. § 1. Pius. Labor et Gothof  
 in 0. 1. 0. 0. C. P. f. Nec Reparo nunc, illud Nota, quod ab hoc usq.  
 affirmaret ipso jure optima legata Adem, mysteriose posuit fac-  
 tom suum Ademptum Orta. Complicatum testamentum, Non potius Coor-  
 dicta potest Adem. Non poterit, quod pueri ope conceptionis poterit, <sup>infectio regula</sup>  
 Sed quis ut pueri jure adimentus, Ademptus pueri debuit. Id est  
 tunc vel alio queque solemnii, quod supponit nec negat. Pugnianus,  
 Et hinc breviter supponit Etiam Pugn. in 0. 1. M. § 1. pueri se re-  
 mittit ad Scripta in 1. 31. §. Id scilicet de auro et argente, quod in  
 suis operis depictis) Cis. in ea, et in uno verbo. Etiam inclu-  
 bus de legato. M. 10. Et famulus principis cap. 16. de Pugnacis: <sup>l'Abte Valence.</sup>  
 Unqua, Servo legato. Et a' substitutione sibi liberas esse jura, Abrog  
 ent, quasi legato Adempto, docet. <sup>de qua infra 2. 2. 2.</sup> Prosternens: Ca' adda ratione  
 quod in legato et illi. Novissima Ademittere scriptura 1. 12. 5.  
 12. de legato. I. cum add. Regula n. 2. ag Regg: Objicit Comp.  
 in illi. et Codicillis illi. confirmatis. Id est, ut Co-  
 dicitus tollatur legatum Adempto quo erit in illi. adimentus. 0. 1.  
 M. § 1.: quod comodo intelligentium est, quod dicam. M. 11. Ratio  
 Cis. et Nota: quod Legato Non nisi Solemni voluntate, nec sci-  
 liunt vel Codicillis illi. confirmatione relinqui debent, et tunc ipso  
 pueri substituent 1. 6. 3. vlt. 1. 11. de pueri Codicilli 1. 30 et illi. huic  
 jure. Gomez in c. 2. de illi. M. 6. Et Damas. pri. Nbr. de legato n.  
 5. Cis. ergo, ut vocat Regula nra n. 6. legato eodg modo adimen-  
 dit, quodam est, ut Ademptio libera, pueri consistat, Adem, obec-  
 eodg illi. Si alio queque solemnii, quod est prima intentione Pug.  
 vlt. 21. § 20. Et facit ab ang. 1. 3. §. 12. 11. h. t. donec que in  
 ademptum gloria in 2. p. 12. 1. 27. de p. 12. 1. 27. de p. 12. 1. 27.  
 de legatis, Libam. in Nbr. de illi. 2. p. 12. 12. deus. Scandrum

Richardus puer. inv. de adempt. legat n. 3A, qui portavit ad  
D. Lannes vni Nuber de legate n. 10.

Re. 13.

Hoc ut exceptio in art. tollat ipsorum iure lega-

fundamenta vix tam, cetera sunt apud omnes. Sed an iugis viandorum utr, ut legum  
affirmatis, quia, come  
monstrabat ex p. 2. t. 1. Barum, Admissus Ceteris est. Confirmatio, ut ipso jure dom-  
pungit. prout Cedatur, licet omnia cessione, atque sine concessione,

plum Predator, nec Omnis est Ceterum, Atque Sine conuersatione,  
nihil tamquam virtutem est. Affirmat legatus episcopus, per hoc canitatis  
missus post plures annos, quos regnat et sequitur Ceterum uti  
adiuuans. (H. Regius) Richardo N. 36, juxta Diderot ubi nuper. Ita inueni-  
tatis Nisagaeus 12. 8. 1. qui tunc facere: Ubi, ut quid post illi  
procurum Multetur, Omnia eis integrificientia sunt; ~~Agree~~ Con-  
cilia illi confirmatio personae ad hanc Legato illi velletur. Agnacius  
diciturque Richardo, Et omnino, quos regni tunc de ceteris Legati à  
N. 36, responeat N. 35, intelligentium Consulty de institutione  
legatis, Et de omnibus inter velletur, Cooperator patrici commissarius  
quos multa possunt ad hunc vellemente, ut postea dico. Ceterum non  
sunt.

Etiam postea Omnis ex integris facienda sane. Vix p[ro]p[ter]e  
i[n]formatione d[omi]ni case Voluntatis Iusti Miseritatis, Respondeat potuisse cum Gofsi in  
a. 1. 26. S. t. Postum ut quod debet intelligi de institutione de ini-  
nitiatione, ut ad eam mecumq[ue] lo[m]o m[an]us t[er]tii aliud solenne facien-  
dum. Sit & posteriori inst. q[ui] mod. t[er]tii inspi; Ut vero legatum  
debeat fieri ademptio vir t[er]tii ut ipso p[re]ce tollatur, hoc aliquum  
sit t[er]tii. Nuda voluntate long[ius] habeat ademptio oppositione salina  
li exceptione art. 1. 3. 3. 216. 1. 22. h. t. 1. 36. S. Tercarius de t[er]tii  
m[an]u; Nihil ergo agnoscit Gofsi de ademptione p[ri]mo Codicilli t[er]tii  
Confessio. Et si minus recte adducat 1. 31. 3. via 2. h. t., cuius  
M[an]us Non ex eo provenit, quod codicilli non potuerit admiri  
legatur, sed ea solo presumpta accusationis, ut op. 2. art. 3. videtur  
et in eis non esse potest, quod Codicilli p[ar]tes t[er]tii ordinantur, et  
ex eorum p[ar]tibus a t[er]tii penas 1. 10. et 11. de jure. Causa: Ceteris in eis

<sup>ad imperio, quod pax ut mitti, debet Ceedi tributum. Et hanc</sup>  
<sup>concessio, Communi missio, quae unius Romanorum factar, Ceedo, in istam</sup>  
<sup>fluvio loco, Regrande villaione, q<sup>uod</sup> legata tunc data, non paucum adim: ipso</sup>  
<sup>pax in Cedicibus eligit tunc Confidat, et tanq; ope eis apie nit.</sup>  
1<sup>o</sup> Tunc — Moror pax, quia insuevit illorum non vide; in quo apie metus  
legata tunc pax, ipso pax adim Codicibus Confidat, scilicet

cp. 6  
2<sup>a</sup> Ratio et leg.  
18.5.1. de legato.

Ex Capit. iii l. 11. S. I. de legato. Vbi, ut cetera legata ipsi p[ro]p[ter]e  
Orient Ademptio p[ro]p[ter]e ademptionis faciem ante Complecti tunc;  
Ego post Complecti non ipso, p[ro]p[ter]e Conangit ademptionis; Et quod  
fit Codicilli tunc Confessio, fit post Complecti illi<sup>3</sup>, Ego &<sup>2</sup> A.

Ratio quia ut legatus tunc velut Mutatio p[ro]p[ter]e ergo si est episcopus 3. cap. 2. (18.5.1.)  
aut Omnis ex irrogatione videntur 2. 1. 21. S. I. ad legationem  
Intelligence; Omnis dicit Op[er]e; Ego excludit p[ro]p[ter]e; Ego enim  
Codicilli tunc Confessio p[ro]p[ter]e dicuntur 2. 1. 10. et 11. p[ro]p[ter]  
ut admittatur, Non ita mutatur, ut Omnia ex irrogatione sunt. N. 2. 2. 6. 1. p[ro]p[ter]  
Quanto hoc non mirabiliter. Iudeo in loco Vip. tunc 2. 1. 8. 22.

p[ro]p[ter] Confessio Orientia Vincit Carmine aduerso, aci Op[er]e  
legatus q[ui] Datum est adim potest, sed eod[em] tunc Non Codicilli modo Adimitur que datus est: Dixit  
Datum, Non Exponit an tunc An Codicilli; unde distributione in  
telligence, ut ademptionis Contingat ipso p[ro]p[ter]e, ut legatus tunc velut  
Est in tunc adimetur sicut alio quod Solomon, q[ui] Exponet) Et  
Codicilli tunc Confessio Datum, p[ro]p[ter] p[ro]p[ter] adim ipso p[ro]p[ter]  
Codicilli tunc Confessio: Item Non affirmit Op[er]e Datum  
tunc, p[ro]p[ter] ipso p[ro]p[ter] adim Codicilli, q[ui] si tollit, omnia cuncte  
Ultima Rebus sum tamquam Ego modo adimitur que datus  
est Nam Non codem modo Contingat ademptionis, et Datum tunc  
Codicilli adimitur: Si dicas, hoc eni[us] eod[em] modo adimitur hoc  
jam Op[er]e datus est: Et consequenter omnia manent ultima)

Vita, ut angecua Non admittatur. Quineo eod[em] Op[er]e. 2. 2. 6. 1. p[ro]p[ter] loco  
S. de vita lib. 2. VII. ib; libertas viat duci; ut et adimitur  
tunc, quam Codicilli tunc Confessio potest, ut tamem eod[em]  
modo adimitur, que datus quod Confessio proximam ince-  
lligendis Nam h[ab]et duci praejudicium, tam de tunc quod ex Codicilli.  
Ego aut uno et altero modo p[ro]p[ter]e potest libertas, ita denuo  
modo adimitur ademptionis; Utinam ego in ceteris legatis.

Re. II.

Nec obstante p[ro]p[ter]e adimetur illud, que probant, h[ab]ent legatus  
Tolicea Codicilli tunc Confessio ipso p[ro]p[ter]e consistere, ut et  
tunc, liberatoe Ep[ist]ola 1. 3. de tunc tunc 1. C. S. VII. 1. 1. 1. 1. ag[re]munt.  
Codex, quod, s[ed]e locum p[ro]p[ter]e, ut haec tamquam probat, si non  
ut legata p[ro]p[ter]e Codicilli tunc Confessio ipso p[ro]p[ter]e adimetur;  
non vero probat, neq[ue] p[ro]p[ter]e Codicilli ipso p[ro]p[ter]e tolli p[ro]p[ter]e 16.

capitulum 16. Rec. 16. de Hdg. Aliquid Obitus; Nam primo Non dico pro  
pax adim Codicilles tlt. Confirmatio. Secundo et si hoc  
daret, debet intelligi, ut Codicilles sara, Codicilles adi-  
mantur: tlt. Relata, tollaneur tlt. ut ipso pax contingat.  
Ademptio q. Ratione q. 2.21. S. 1. qui tlt. 121. q. loc. e. Rec ob-  
vidit Vlp. in l. 2. 1. de Condice inde junct. Paul. 3.  
ventent. tit. 6. S. Ult.) ubi affirmat legatum in tlt. Relat.  
adim pax per Codicilles sara q. latos; Nam intelligendus  
de ademptione Ope exceptionis, quod ex eradicata materia  
de Condicione legatus per excessum voluntatis, nam  
qui perspicua exceptione hucus et ignorans detinet, conduct  
indictio potest Repetere l. 2.1. 26. S. 3. et 7. 1. da. eoz tit.  
l. 12. de novat; Cum ergo hucus per ademptionem Codicilles faciat  
exceptionis dol. Contra legatus petentes habent, mensa ex  
M. stat, Receptae potest, quod vlp. Concludit in 2.1.2. S. 1.  
Rec. 1. II. de j. C. Aliquid affimat de modo ademptionis,  
immo tanq. Supponit, sed potuisse Codicilles, ut ex altero  
pax Non aut impedimentum, q. hucus Codicilles tempore  
in nobis humanis Non crevit (pro cuius intelligentia fiduci  
Tarentia 1. tract. 1. q. 3. n. 8. Alcamiano 8.99. Stobio in  
d. 1. 18.) Similis Suppositio in genere continetur in l. 31. S. 2.  
h. t. Ceterum hucus, sara nihil aut ponunt, aut Supponunt  
de ademptione, q. pax just, sed tanq. pax tunc est Supposito  
alimi infatu Ope exceptionis: quam licet ceteris legibus  
omnis videt Petri. in 2.1.21. S. 1. qui tlt. s. ac. licet voluntar  
ius fundamento, ut Supponit. Rec. Remoratur tandem  
quo Justinianus dicit pr. instie. h. t. sumat: adem-  
ptione pax tlt. vide Codicilles faciam summae; Nam loquitur  
de pax, non de modo, attento enim factu, et si ope exce-  
ptionis in Codicilles contingat ademptione, summa est arg. 1.3  
S. Ult. 1.22. h. t. cum alijs: quem necessaria est ademptione  
genetique nimis etiam P. charci instie h. t. n. 37; Ne-  
nec tamen, Explanata Scriptorum Confusione, hucus principia  
nexa esse, legationem tlt. eoz tlt. vel alio equi statim  
ipso pax adim ex triente d. 1. 21. S. 1. tui intelligenda. Et

Ceo Vip. Nuper Relato Et voces accepto: Secundum Regula legatus  
tit. Dicim non potest ad huius ipso iure Codicilliis etiis tunc  
permatis, exa tunc ope Coceptioinis eo proximo iure et  
cognitione L. 11. de jux. Codicilli. 32. I. 2. h. t. Tertia regula  
legatum Codicilliis tit. Confirmatio Nucleum potest ad huius ipso  
jux etiis Codicilliis tit. Confirmatio, ad quem etiam n-  
ducenda Cocepto, pax N. ante. Et L. 16. de Reg. Quarta  
Regula Legatum sive tit. Sive Codicilliis Confirmatio Nucleus  
potest in specie ad huius etiis Codicilliis quantumvis tit. non  
Confirmatio prim. instie. h. t. Et generalitas d. 2. 11. et 31.

I. 2. Ceterum et posse omni scriptura, Nudusque voluntate et  
ad huius ope Coceptioinis L. 3. d. vlt. 1. 22. h. t. 1. 36. I. Notar-  
ius de huius milia lta intelligendz, quod nullumque dubius ter-  
tibus probatur, ut Cobras. d. p. d. Nibr. 11. 12; Coceptio enim  
boli obstat his Crimibus legatio potenti legatus, quia ei  
voluntas, sed nullumque testatoris repugnat ex Reg. L. 14. 8  
1. l. 177. in fin. de r. p. L. 1. 1. pristinae deinde except. pueris  
ut Pab. et Poc. in d. 1. 10. d. 1. Costa l. Select. Op. 25.  
n. 3.

Op. Ultima.

*Op. Ultima.* Hoc in legatis procedunt, quod non nisi voluntate  
ni voluntate vel in quiete ut dico N. d. 2. Et constat eis missa?  
definitione, de qua in l. 36. de legatis 2. prius. instie. de legat.  
ibi, tit. Notaria. Itaque ut ipso iure tollitur etiam voluntate  
proportionis exiguntur. Alter ut res habeat insuffici-  
entem, Nam cum huc non volum tit. sed coicebit ab interro-  
gatione, Sive Scriptura, pax Epistola, et nunc vel in quiete, posint  
l. penult. de legatis. 1. l. 6. de legatis 2. l. 2. C. de Codicilli. Con-  
tra f. Select. Op. 25. n. 3. Ponuntur in Op. 2. de tit. Ex qua ta-  
tione, ut fiduciomissa sive jure admissantur, officio nulla  
presumpta Et non volum voluntas, Secundum q. intelli-  
gendi L. 3. d. vlt. h. t. 18. de legatis. 3. l. fiduciomissa 27. C.  
de fiduciom. Selectus magis tractat in l. 32. d. A. de usurpacione  
legato, in quo Novum pecto, fiduciomissum Coagimur 2. pcc  
60. de legat. 2.) Et licet volentes assueci l. 22. l. 31. d. Reg. h. t.  
l. 36. I. Ultorius de tit. milit. per accidens ceterorum non rel.

adducuntur, cum loquantur de legatis ope conceptionis  
ademptis, nec illig. Rer. habent infideicommissum, nec non  
conquistantur legata ope conceptionis tollerentur in illis  
fideicommissum vero Christi, non in eiusdem speciebus tollerantur,  
Nam ut Nuda dicitur Scriptio, ita et nuda ademptio ipsorum  
tollit Arg. l. 11. s. 1. h.t. Et docente supponentes, potius, quod  
coquimenterat Proph. in 0. 1. 3. s. 12. Cetera ubi proxime, Ceterum  
2. p. Nutr. de illis n. 12. Mendacia 1. de Proce. Cen. s. 10. n. 22.  
Hab. in 1. 10. s. 6. Solus Matut. a n. 8. que omnes  
adiponuntur Ramos de legat. n. 10. Restabat apud iuris  
in sagare an hypocratas Codicillis Directorio adimporire? In  
quo, negotiis à tractantibus abeantur, ut eis accedit  
hybriditas lit. Omne Codicillis Directorio adimponere, ut  
nec Dari s. 2. de Codicilli. l. 2. c. 10. Pro ratione 1. 10. ff.  
facie que l. 7. C. de jure Codicilli. l. 11. C. de illis. (Regularium  
intelligenter cum l. 11. de hybridis. inst. Quia. min. P. 1.  
do. in 0. 3. 2. a n. 5.) Et ratione diligentius propterea  
Quia. in l. 10. de jure Codicilli. Om. 7. C. 10. lit. Et Par-  
ber in Papinianca lit. 6. p. 2. 6. illat 3. Solus trahit  
hanc partem licet Iust. l. 1. s. 1. de his que lit. Om. ubi re-  
peta lit. O. Et pro vera intelligentia Barbarea in 1. 10  
s. 1. Solut. Mat. Et pro intelligentia 2. 1. C. de his qui  
bus l. 12. Om. Et q. magis, et q. adipotest. l. 3. tenui, quia  
h. Codicillorum que sollemnitates exequuntur, quod  
littere Controversatur, nonne est hybriditas Codicillis Di-  
rectorio nec omni nec adimponere, sed restabat infideicommi-  
ssum, ut eleganter dicitur Itolina 2. de p. 2. n. 2.  
S. Richardo in 0. 3. 2. a n. 8. et plus rescrevit Castille  
1. Controvers. p. 3. et 22. Noviter Antiuencia de p. 2. Regis  
p. 3. p. 31. 6. n. 8.

Caput Secundus de iustis Ademptionibus legatorum  
 Et Andies, Condicio, Modus, gravamen,  
 Adim possint?

N<sup>o</sup>. 1.

Succidit Caput, que adimere, et quibus adim posse legatum  
 Quod, quia Nomis huius et commune. Cum alio tractabat, ut pater  
 bin in illationibus Cpl. I. Intercessus, Et Rebjecendus in sequenti,  
 Omnis; et id Responsum potius, quem ponitur in legibus  
 Nisi titulus; Omnes ergo qui est legare, adimere posunt, et  
 Omnibus adim, quibus Nisi legatur; Unde dum tempus  
 Omnia Non sinit, Crimen esse propter Brigata, Vobis licet non sibi colpiisse  
 Omnes: Ad rem. Non solum Responsa Ademptione legatus  
 tollerat, de qua plurimumque actus Cpl. I. Non tanta, id est, quam illata adimta lega  
 possit. Contra Ademptione voluntario Verbo declaratur de his,  
 est tamen Voluntas inducita Confessio, quae elecent regi-  
 entem animum Adimendi. L. B. S. Vlt. I. B. et 16. 12. 22.  
 Et B. S. 2. h. t. Cum alio Greg. post gloriam in 3. B. S. Vlt.  
 Donat. et C. S. Cpl. 17. C. 1. 2. p. Vt. de t. N. 12. una  
 plures Schola et foro Miles et exercitus illatarios descendunt. Non inimicis  
 Sit prima quando pars nostra legata vel fiduciamissa  
 Inimicis Capitalis inter testatorum et legatarum conside-  
 commissarii Consilii. Quo correspondit commissarii  
 (ut pote nostra voluntate Consilii) ipso jure adimetur  
 legatum Ope exceptionis, et utrumque Manes vel apud  
 Coniunctos substitutor, aut apud ipsorum. D. I. l. aug. 2. h.  
 S. Vlt. Vobis Matrimonio, Et a Coniugio consistit 12. in  
 prius. Et S. Vlt. de his 99. ut (Unde Observatio notanda in con-  
 gratia Verborum significatio sum in 1. B. 0. 6. vlt. dictum non  
 solum legata vel fiduciamissa adim nuda voluntate  
 cum potius ex ea debuit esse, Non solum fiduciamissa, sed  
 et legata; Nam fiduciamissa, ut nuda voluntate datur,  
 facilius ipso pone adimetur a dicta Cpl. I. n. 11. et 15.  
 Ceterum Notum non est Consilii, Nam. Vt in illa transac-  
 tionis Verborum exemplum occurrit in l. I. S. sed Consilio  
 sensu quoque in t. Et Observat ad rem crux ad Aquilam  
 l. Cpl. S. Vlt. S. N. 13. Pratique principiis est, Nam. Pro legato, deo adjungi

Regulatur à Dilectione testatoris in legationis 1. O. proviso,  
Ob quod legatum appellatur fabor et honor vnl. 11. 5. 12. 3c)  
cum exinde voluntate delegat 3. l. 3. §. 2. Delegat. pugn; Unimicay ergo odium  
legandi  
producent Contingens Dilectionis legandi, et nequian con-  
cili. Confiditq; sic ob Capitales Unimicias remota  
tacita Videmus vnl. 6. 3. 17. de locutione huc 3. Unimicay  
inst. cod. Iudicis vnl. 1. licet 18. de Recep. arbitrii testes, in  
2. 3. de testis. Recitationes vnl. 8. §. 3. l. 21. de Recus-  
ationibus. Et faciunt in genere 1. 4. §. 3. de legationibus 1. O.  
de Contraord. Crim.; Unde eis Unimicay resultat necesse  
est Contraria animus Voluntati actionis, et consequenter  
inducitur tacita Ademptio legati eo generali Regula 2. 27.  
C. de pidecomm. Et l. 17. C. de legat. cum adducta cp. 1. a. n.  
1. Et licet non posse tolli legatum ipso iure, quia non  
izque licet non  
ipso posse, tamen l. 2. 3. modo adincedatur, quo datum 2. 11. §. 1. delegat. 1.  
ope exceptionis  
admissa legay. ad dicitur q. pidecomm. Et adducta cp. 1. 2. p. 12. 18, tamq;  
ope exceptionis potest licet repellere legatumq; petentem  
probata Unimicia sive hoc can, ut nuda voluntas, testi-  
bus probatio, ut eleganter et colina p. de primogeniis cp. 3.  
N. vlt. futurorum de peccatis Reg. 3. p. 31. N. 32. licet in don-  
ptio Codicilis voluntariis pat, quinque testibus probari  
debeat, Et Naturaliam Aiem, ut eleganter distinguit Cobar-  
utias utri Supra Vers. (Secundum) qua Cuperatione pro-  
cedunt, et intelligenda iure in 1. 3. §. vlt. 1. 22. et 31.  
§. 2. p. t. et ab argumento 1. 36. §. 3. Vecernus dett. mil.  
Et autem licet 1. et 3. vlt. de his pp. usq; faciat alia natione pro-  
cedat, de qua postea Nam cum obiret exceptione soli illis,  
qui quis testam voluntas refragatur 1. 12. §. 1. l. 177. de  
Reg. 1. 1. 4. §. pugnare de soli exceptione arg. 1. 31. Scholia  
d. legat. 2. Et ponit Unimicay odio, legatumq; refringetur  
voluntas ut ex parte diuini, et maximo obstat exceptione. Dovent  
licet parum rationes rimantes, et ab. super relati Fachino  
n. 1. Conceover. Cp. 1. 18. Eleganter Probat in 1. 10. 3. vlt.  
soluto matrim. Cojunctionibus eleganter et colina utri  
ppa a n. 38. Gomez de legatis N. 56. ubi Pyllon novicior  
futurus ubi Siqua N. 82.

R. D.  
Super adducta locum non habent, si letis open  
in fuit, ut occitur in 8. l. 8. s. vlt. authentia de testibus  
s. si vero auxilius tenetur in 1. s. C. <sup>l. 1. 8. s. vlt.</sup> <sup>l. 1. 8. s. vlt.</sup> <sup>l. 1. 8. s. vlt.</sup>  
potius est lenocinus quagmori, quam testimonium ini-  
micius, quis in circa Non potest producere Obium Contarini  
Voluntati legandi, Sed praeceps requiri quod in omnibus  
sunt Capitales, quales Olim ille, quis solemnni fastatione <sup>l. 1. 8. s. vlt.</sup>  
presentibus testibus n. et p. p. p. <sup>l. 1. 8. s. vlt.</sup> Resuuncias amicis  
indictabarunt, qualiter de Germanico erga <sup>l. 1. 8. s. vlt.</sup> Pon. Cicenius  
in Claudio, de Libero Primo erga Scipionem Africanum Hale-  
nus testatur, et Colligi potest Ex Oratione Ciceronis pro Flavo.  
Seneca lib. 10. cap. 17. 2. Debetas s. tari. Cp. 16. Gothofr. in l. 6.  
s. 17. De Coercitione hst.: quo casu per ipsam renuntiationem  
amicis induci Ademptionem, Non in elegantia ex antiqua  
Creditione potest Obsecari in specie n. l. 8. s. vlt. et l.  
22. hst.; vel etiam in amicis Solemnis Resuuncias non  
interferent, illi dicuntur Capitales ad admittendis legationibus  
vel sedis commissum, quis graviter habent paternam, statu,  
famam, vel maiorum partem patrimonij testantur, et in domi-  
na, quis sufficiens sum ad producendas indignationes  
quazum inimicibus exempla sumi posse ex l. 2. in  
princ. Et s. l. (juncto pro intelligentia difficultate vesti in-  
faustas voces) Uxel. 2. Obs. Cp. 1.) Et 2. l. 1. 8. s. vlt. us  
l. 8. et 16. De his pp. ue. ind. Nobil. 21. l. vlt. C. de resuunc. donis  
quam regulam Coagulando Coemplaque trahendo dovent  
Gomez d. n. 56. Iustinae 3p. Cp. 31. n. 86. quod non so-  
rum obiecta sed praeceps obsecrari. Tige Regula locum ha-  
bet vice Causa inimicis provenientia à legatione, vice à <sup>l. 1. 8. s. vlt.</sup>  
testatore, ut diversitate enim potest eas 1. 22. hst. et eas 1. 8. s. vlt.  
Et elegantius eas l. 2. De his quis intell. ubi offensa testan-  
tis erga unum liget in cancellatione aliis nocet. Si  
terea Ademptio Non fundatur in iuridica Causa, sed in so-  
la voluntate Contraaria testantis, quem sufficit vacuum  
esse etiam vice causa, quia patiter vice causar potest ad-  
mette, ut eleganter tenet Uxelius a R. de dice. proges. s. l.  
d. n. 3. Iustinae ubi proxime n. 83. Om. 8. op. 17. lit. C. utri-

I. 1. 1. 1. 1.

Vixit Contingit sententia: quod pariter praeceps nostra  
admitte. Sed enim nostra decurso locum habeat intendat.  
ut Noroccum propter sequentes Minimicium? Ie[n]t[er] p[ro]p[ter]  
eo Art. dubitent; Aut memorarent, distinguenda donatio  
vixit viros invocabat à donatione Morris causa. Ba-  
bon in l. 1. o. 8. vlt. dicit. Matrem. N. H. Molina ubi nu-  
per n. 85. Donatio semel perfecta per Minimicium non  
Revocatur, ut constat non ex lexa, sed eo suppositione  
s. perp[ec]tueretur iustit. de donat. At si legato et fideicom-  
missio, quorum natura Capit Morris causa donatio, con-  
traq[ue] obvoatur, ut ea r[ati]o l. vlt. cum adducet n. 1. no-  
rum est. Ratione differentia tam postea Molina: quando  
donatio perfecta est, Nec contumia voluntate potest revocari,  
et cum eo minime, ut sive, tantum resultet contumia  
voluntas, Minimo propter eas Non revocatur donatio inca-  
visor; legata vero Contumia contumulatoria voluntate re-  
vocantur l. 1. h. t. Et cum h[ic] eo minimeque dicitur, me-  
rito legata revocantur. Dicit n. 85. pon.

**N.C.3.** 1. Sed licet speciosa prima facie videatur  
dico ut quod h[ic] dicitur, efficiat tamen altero, nulla, in hoc discen-  
deretur, ut le-  
tia invenio; Nam Minimicium Non quis liber admittit legatus.  
Sed tantum pravis, qui ledit personam, famam, statum,  
aut patrimonium, qui omnes ingratitudine Argunt; Sed  
haec postea Noroccum. Donatio inter vivos, ut dicit Sustin.  
in l. vlt. C. de Noroccum. Donat. Retus de donat. q. 18. n. 7.  
Ergo in hoc non distat donatio inter vivos à legatoq[ue].  
hucusque Neccus advestit, Non talis sit donatio, qui nec  
ob ingratisq[ue] Noroccum posse, ut est h[ic] qui sit contem-  
platione Matrimonij propter concubinum naturam, qualiter  
ad eum Notare affi didentes ad eliciting. l. q. 3. n. 35.)

Elagor tenet. Pater tamem differentia locum, et quidem insigne in hoc,  
diff[er]e que ad hoc  
modum indebet. Nempe: legatum vel fideicommisum, quod propter Capitales  
vixit et donat. Minimicium admittitur, licet post eas tria viri testator, et  
est q[ui]c[um]q[ue] in his  
vixit. vlt. c. 2. n. 7. rite causa ignorat. Sive sciat q[ui]c[um]q[ue] dicitur. N. leg., immo  
Nor. donat. Et si postea Codicillo faciat, nihil que de ademptione sit, et  
est q[ui]c[um]q[ue] h[ic].  
cum dicitur potuisse, adhuc Noroccum monet legatum, nec

973

31

fidei commissione. Cognoscens teorius in l. 81. § 2. h. t. Paginus  
l. Concesser. q. 13. et quondam probatioris sententia post  
monog. accusatus testaticis Notat Valentia l. tract. 2. q. 2.  
72. vlt.; est donatio vita viro Communis est, causa in  
gratitudine. Non intelligitur Novocantus, ex donatorum  
tempore habuisse Novocantum. Non fuit in vita, nec dedi-  
xerit d. l. vlt. C. de Novo. donat. q. 1. in. de Donati: quam  
Communis maxima gloria omnis in d. l. 81. § 2. q. 2.  
Deny. Barb. n. 12. Et Medina n. 33. Quae differunt  
Et si ab eis non statim explicata est, quod natura donationis  
non inter vivos rite conservatur, quod a semel facta, invi-  
ocabilis est. I. pacificans multe de donis. Et cum la  
Regula Regula Novocantus ad suam naturam Novocantus  
deo prima permanet donatio. Ex eo, quod aen Novocantus  
potuisse non fecit d. l. vlt.; ac lignae natura conservatur in  
eo, quod ex Novocantibus l. 1. h. t. unde erumus conjectur-  
ra, conformis cum natura Novocantibus legati d. l. 81. § 2. q. 2.  
Accedit quod Novocantus donationis Requisit factus donantibus  
quod ab hiscebus explicari nequit, d. l. vlt. in fine. Unde  
eo non facio Novocantus altera voluntas non Novocantus; ut  
legati ad tempus non requirit factus explicatus testaticis,  
sed sufficit tacita. Et invenia voluntas clivita expeditio ini-  
miciis ab hisce probante, et ab eo exceptione ponendo  
d. l. 81. § 2. vlt. et 22. Cum Regula adductis h. t. Unde  
nihil minus quod donatio illibata, et legatum Novocantus  
maneat, quod dignum observatione est.

R.A.

Ced quod in donatione mortis causa sit. Quid in dona-  
tio-  
nem portea inimicij? Nam quod in legato affirmant  
causa mortis  
dum eo Regula Reg. l. 3. § 2. ut. eo quod mortis causa a dona-  
tio-  
natis legatis egreditur l. vlt. C. de mortis causa. Intra-  
l. 2. de Publico, et in specie affirmat Barb. in d. l. 10. § 2.  
vlt. n. 11. Quid etiam in donatione inter virum et Novocantum  
que morte complematur l. 22. de donat. mortis? Et quid  
si tunc facta sit, et a principio valida consideratur o. Speciem  
l. 26. § 2. vlt. cum Reg. Cod. ap. artis portea inimicij distet

973

31

in fine  
ut significatio  
consideratur?

UVA.BHSC

à legato in m̄ta 1. 3. & ult.? Cégaroas Cœcæ Specie, quæ  
indicit vobis Cratina N. 11. Et nōnā ~~Nayfide~~ Singula  
rimarij Prae et itam Non minus in L'ebidoy tunc ab eo

*Quid in legato tua - Omnis am: An legato velito Et tradito in vita à telatione  
dies in vita etern: a. L. 22. de legat: L. Ocas inimicij et Revocatur? Quia  
sue. A. l. N. 2. legat: W.*

Dignienda, puto Coo d'Innitione, quam ad aliud adducit  
Romae De legat. N. A: ut ei traditio facta in causa pre-  
cedentis Legati, Revocetur Et milite Regula n.º 1. B. S. 104;  
Si vero in distante, habeatur pro Donacione linea viro,  
Et tunc procedit Decimo 1. Ult. C. De Novo. Donat ut  
crysca dico. Et coe erdem Matrone, Ita innotatus, Vir-  
cilius, Paternatus fundati per viam Legati, prolegati, in  
meliorationis, Ne per viam Donationis Revocabiles, ini-  
miciijs Capitalibus portas Concordias, Tortogas, ut reg.  
N.º 1. B. I. Ult. fundat. Cae et eleganter Matina 1. q. 2  
n.º 38. et coequalibus, Autem, Non slyra. Et ista bue

23. I. anno 1663. et capitulo, cunctas reveras. Cognoscere  
concessa est open habet Regula sive I.B. S. Et cum Regula addicata est viante illi.<sup>13</sup>  
est. Contra ut opus regium ad procedendas capitales mun-  
cias, dummodo tempore illi. Causam ignorat testator, et post  
testamentum vivit, non signe Noricatur legatum ex Regula sive  
I.B. S. Et aliud est ex ante illi. scilicet officia, et nihil domi-  
nus legatus. (Pedicamusq; Plerique, Nam tunc ea facie rei-

conciliata l. 680 quendi, Reconciliatus Cruditur amor dandi. Arg. elegant. lat.  
In epistola. Cyp. 1.

31.82. Locality: in l. G. & W. de Cocur. heen. Ubi Cleantes Notauit Gottf. Et

quos antiquiores docent Penguin. & de superficie H. I. o. N. I. B. -  
ton Op. T. q. S. N. 2; nec obert d. I. B. I. S. 2. h. t., in qua nihil  
exprimum sit in Cisticolis Egypti, sed cum consistat in acta  
negative Non potest esse Novatio, at triplexima species  
consistit in actu apertivo legandi eis insimilares.

No. 5.

*Melana proterea* Agila Nostra cingit securum

*Prædicti atque Causa Marmatæ legiorum, Nam cum Contessa Voluntas fin  
ita est, ut etiam illa deponatur. Utur in præsumptione, Credere nocte honorare legato, quæ  
legi. 2.8.1. De his ergo. <sup>¶</sup> Denia Agnoscere Marmatæ, ut ea e Tancæ Cœgrino et  
legi. 2.8.2. utique agnoscat. <sup>¶</sup> Bellinus Niger Relatus N. 26. hinc videatis que  
alij, undat e. Bellinus Niger Relatus N. 26. hinc videatis que  
sunt testimonio, Sunt autem ad argumentum elegantia per*

in l. 2. S. 1. De his gg. ut iro. l. 27. De usq. legato, in quibus  
legatum velicq. coniugi illius ab altero ignorante in monio-  
que coniuge, Non dubitie; Detracto postea Matrimonio illius,  
quia si scirent, Non reliqueret illius coniugi, ut in lega-  
to pupilli vel ignorance tute velicu probnt l. 7. C. de Donat.  
viro, facieque l. 36. Cum alijs de Coeuvat. tutor. l. penult.

C. de legat. Arg. l. 10. 8. penult. De legat. 2. Ut elegantem

notavit Ramos 2. ad 11. S. f. Cp. 18. n. 10. = Succedit dubitum in doppio  
alia magis dubitum in doppio: An si iniurictia incipiat quod dicitur contracta  
cum morte testatoris, ut quia cum esse contra animi legata mortuorum?

zuis vulneravit testatorum, eo cuius vulnera decurrit, ademptus  
Credatur legatum, ita ut maneat ipsa hysq. ex Regula 2.

l. 3. 8. Ut. cum adducas n. 1: An vero Contracta credat  
indignatio, ita ut Piscis auferat legatum? *Ni* queratur. *Sententia Babu-*

ni. 9. l. 10. S. Ut. n. 10. Ex Bartulo et alijs affirmat, ad  
fiam pertinere, Nec maneat quid hysdem per ademptionem;  
la ratione, quod in eo qui est in auctu mortuorum, non potest  
considerari heretico; Animus Arg. l. 10. quando estis legalis lega.

*Hi* Condicio est hysq. Non sicut Sub qua velicq. sicut legatus,  
cedit in clamo vobis n. 7, in quo jam triplex negavit con-  
dictio, Et quia Indignatio contracta post mortem testatoris,  
fit loco fisico l. 1. et 16. De his gg. ut. cum adducendas n. 7.

qui post mortem, jam non potest esse heretico animus, *Contracta* *ut* *vel*  
sed hysq. Tenui Conseruare tenet, scilicet, pauper admissus  
legatum, hoc cum propter iniurictas, Manereque posset  
hysde; Nam est quia in d. l. 3. 8. test. l. 22. 31. S. 2. h. t.  
10. 8. Ut. Voluto matrum, tristitia hoc docetur, inde no-  
tenta euer. Nestricio; prsterea quia ademptione legati nascitur  
eo in causa Contracta presumpta voluntate testatoris, cui  
causq. adest suorum testatorum iniurictis, q. probantur ab hys-  
de, ut pao. n. 1. et 2; At qui contractus est animus per  
test esse in Vulnerato licet postea eo vulnera decepta ergo  
pauperi Ademptum *Credidi debet*, quia, *reco locutus vice illius* *UVA. BHSC*

Obstat parcas d. l. ult. quando dies legat.; Nam ita agatur  
de conditione adiunctorum; Aditio enim animo et facta in adiun-  
torum persona. Considerat. l. 2o. et 88. de act. hysq. d. l. ult. de  
hysq. qual. Et cum pater Coopleri non posse ultimum testem-  
ti arg. Cog. locor. in l. 113. de 120. Merito impetratae caudae  
Conditione Non adiunctorum. Et debetur legatum; Ita ut transmis-  
sione, ut potejam existente Conditione d. l. ult. tenaciter  
genda Chumazero. Dijo. S. 11. 10. Chor. 2. in longa qd. 3. 2. 34;  
at ademptio Ultum Requirit animum interius existentem  
Contactus rationis; Et si factum existens sit, Nec ab eo pro-  
cedat unde nihil missum quod hoc casu ademptus cedat  
legatum, Mansuetus penes hysq. que non incligantur dif-  
ferentia est a nullo Observata. Ultum quo in casu Lusitani  
quo in casu hysq. existentia ademptus, Nihil missum quando tenet cedula; Ita si quis  
debet hoc sententia.  
Petrus affatus, piet. testator, ut via transmissione, motu  
signoque mentis decurset; tunc enim dependentem tempore  
reflexionis Non potest duxi in testamento adiumentum animus  
et via habetior pro indigentiae Concessio post mortem  
eo quo facio locutus sum, sic dicam n. 7.

## R. 6.

Sed proximè dicta non excludunt esse quod  
explicat l. 22. h. legedium. Cetera tamen non credimus adempta, quamvis  
testator diffite Capitatus viventibus utice voluntate et hysq. omnibus  
in causa est inv. l. 22. h. t. arg. l. 86. s. retinuisse de tali mil. sed vel penes  
testationem.  
Hysq. adiuncta manet hysq. testator cum operi, ut disponunt dñi jura  
sue testatorum, p. p. Cuius. C. Bellon. N. 32. vel penes factum, si institutus  
non nisi. Solent decum invenire testatorum, vel ex negligencia Causing proposito  
tertium. Moria l. 7. s. postea de bonis damnata. l. 3. de his  
qg. ut. 18. s. 1. famili. Crimen. l. 15. ad l. Corn. vel hysq. p. p.  
Causa difensionis Notarii et nota la est, Nam hysq. de eius p. p.  
institutione soluta Non potest nulla voluntate dari aut  
auctor, Nec quo non data haberi, Et utra hysq. voluntatis  
concessio l. A. C. de his qg. ut. l. 17. s. vi eodg. de tali mil.  
l. 27. s. ult. de Condit. Institut. Unum velut unius formorum  
que testamenti Caput, dare videtur illi. Debet s. ea co

unitatum q. mod. ult. infra. l. S.C. de pacie l. 76 ad T. leg. p. 20  
 Legatum vero, ut dicit, Nuda voluntate ad hunc potest. D. L. B.  
 l. 8. Et 22 h. t. Arg. assignacionis libertatis que parvus est  
 m. potest Nuda voluntate l. 4. S. A. de assignacionis libertatis  
 libato

Vnde nihil minus q. Concessio voluntatis ex iniunctis pro  
 ducea tollat legatum Opere Conceptionis: Ult. et tolleret tunc l. 8. 2. confirmante  
 Confirmatio ex iniunctis l. 8. Ita intelligenda est confir-  
 mando tunc, punct. Post. In nra l. 22: Non tamem hys  
 dies institutionis, cuius ademptione vel in toto vel pro parte  
 non nisi solenni illi, personae potest eo, juxta regula addita  
 Arg. l. 77. S. penult. de legat. 2. Itaret quid circa prolega-  
 tum esse: Itaque prolegatum in 8. l. 22 non tollitur p. 20  
 per iniunctiones pro parte hereditaria a se ipso accipienda,  
 cum hys hereditates repudiantur; Adimittit vero et recusat  
 pro parte Capriensia a Collegiis, que retinet legatae natura-  
 ram eo prolegatis distinctione traditis in l. 116. S. 1. 1. tot  
 S. 3. de legat. 1. Prognovi. S. de jure fisci t. 13. n. 12. Rel-  
 ion C. p. 7. q. S. 7. n. 30. quibus addi potest Ramo 2. ad S. P.  
 C. 46. n. 10. qui ex Asturiae et Molina hoc docuit, et post  
 eum Thucydes 3. p. 31. a. n. 8. Et pro conciliatione 8. l. 1.  
 22. cum l. 12. de his q. ut. junceta l. 18. de legat. 3. Ch. 1.  
 differentiam C. 33. infra, ipse Alman in 1. 8. 3. de aed. hys  
 n. 31. et dico in acas. de prolegatis C. 1. n. 23. usq. ad l. 116. 2. hys  
 26. Ut late ergi de constitutione 8. 1. 12. cum l. 15. et 18.

8. Ult. de his q. ut. Nec repeteo. Confirmatio hereditatis  
 Unionis, hereditatis et legatae ex alijs exemplis adducatur jam  
 ex l. 2. S. 1. de his q. ut. junceta rat. l. 16. de jure fisci l. 1.  
 C. de legat. trikit. Unius hereditatis vellicet conjugi  
 ab ignaro innacioque Coniuge anterior a fisco, et tamem  
 in eadz opere non auctorius legatus, Sed manet pone hys l. 116. de conf. legate  
 reg. 8. l. 2. S. 1. 27. de vni. legat. 7. Sed et Donat. inter  
 penult. C. de legat. 2. Nullus exemplum in cancellatione

legatorum Consulto fruca à testante: de qua in l. 1. s. 3. de  
huius que delictum in tali; et hyscinditio, de qua in l. 2. codic.  
l. Ult. de injusto Nepto: que, Et alia elegantia, pungit Cha-  
moo s. l. 2. Cp. 16. a' n. 10.

R. 7.

Sed nuper factam differentiam regulamus

Impugnare dignoscatur traditam n. 1. testata nota magis, quam ad nostra cognita  
dia nostra legem est. L. 1. s. Ult. et in principio de his qg. ut: Ubi diligenter et  
hyscinditio, qd. l. 1. s. Ult. et in principio de his qg. ut: Ubi diligenter et  
ad l. 1. s. Ult. docet, quod ut legatorius utrusque contumeliam  
testaneat. Movet, velicey vindicatur a fisco; Cogimale  
diximus ademptus eo capitali iniuriam manere penas  
hyscindit; Et consequenter nulla videtur differentia inter  
hyscinditio et legata. Hyscinditio in nro l. 22. ac operante esse in  
s. l. 2. s. 2. t. ut non praestat ratione specialitatis. Cimac in l.  
22. in contumie affimat, q. hic caput testatoris et status vnde  
ut impugnatur videatur, eo quo indignus est l. 1. s. Ult. qd. que logi-  
tior de indignitate post mortem. Ne hoc distinguit Cimac. Ra-  
mon vero ad l. 1. s. Ult. s. 2. s. 2. non sans sibi caecis est, qd  
aliquando ut caducus fisco defecci affimat l. 1. s. Cum l. 1. s. ad  
Cimac de mortuis, aliquando ut ab insigne exipi l. 1. et 16. ac  
dilectis dicitur. His quinque ut. Quod prima legium diversus casum trahunt in s.  
que in alia indigentia l. 1. s. Ult. ab eo, de quo agitur in principio d. 1.; Nam in s.  
casu vero dicitur l. 1. s. Ult. Agitur de accusatione, Motaque utrue Controversia post  
mortem legendi; Motuum tollentis, quod eo co liquet, quod non esse vlp. cito  
aut postmodum eius, id est, jam mortui Controversia non motum circa statu  
mortuorum post mortem faciat. Ut Melius notavit ipse Ramus 2. Cp. 16. n. 11: postmodum even-  
it. Et cum accidit  
in 2. 1. 2. et 3. t. ce potest eo verbis eius, q. t. accipit de postmodum que non  
postmodum. Verificari Non posse: quo pro cetero potest, succedit  
alia Regula, quod contracta indignitate post mortem. Cibis  
ad eam pertinet legatum l. 1. et 16. de his qg. ut. que  
de hoc casu intelligenda; at Contracta jam aliunde insigne-  
tate eo capitali iniuriam in non tollentis non possit  
fisco, sed ademptum Cedicur legatus et manet penas hysc-  
inditio l. 1. s. Ult. s. fin. 22. et 31. s. 2. h. t. ita intelligenda et cum  
proximi concilianda, fuit que ab arg. l. 36. s. 2. decimus de

493

10  
Ht. mil. Et ab hunc Casum Capendum Ulpius in 2d. L. 36.5.3. naturam  
D. in principio, Ideoque ab aliis quod si vero simile esse capitur in libro  
testatorum nullius, Recuratur legatum; Oderis ergo enet quo  
tum nullum est port. Morum testamentum. Cum morum ipsorum jam  
desinunt voluntarii l. d. locati. Et hoc sensu intelligenda  
est in S. I, ut Malitia, Injuria, facieatque insinuantur  
reum aduersus testatorum sequibus elegantia. Merit. 2.

Obs. Cp. 4.) Intelligentia vnde nono testatore, ut eo in se la  
gatum ademptus et genus huiusdem Romanorum Cudam: Huius  
etiam intelligentia Mansueta 8. 1. 27. de virtutibus legato <sup>intelligens manu</sup>  
alioquin si de Crimine, indignitateque port mortem Con  
sultus Agatur, Non parat huius Consiglio testanties suorum  
Nepotum, ut uno Vobis agnoscit Ramus utriusque, et rati  
hunc testum tangentes. Ceterum q. n. Ceterum, Vobis dicens  
N. H. et 12. Finet. l. Alio Cp. 6. Cetera sequentibus n. 66.  
Quae distingue Miser indigneantur Contradicte in vien, et leis difficien  
port mortuum testatorum in eo stat, quod dicitur testator <sup>indigneantur manu</sup>  
potest nullum portare, quod ante ea Tollit. Cum deambulatio <sup>manu</sup> terminata  
ria sit. Et Mutabilis usque ad mortem voluntaria l. d. h. t.  
l. 82. s. aut. de donat. vien. Cuiusq; incipit canon, et cum  
eo uniuersitas R. Waller Contariorum Colunmas 2. 1. 3. 3. 36.  
cum adductis N. l. Meius ademptus Cudam, nec suum  
com habere posse, qui tantum ex iure indigne, jam fugient  
vel Cetero Separata Arg. l. 116. de 15. c. et 4. de just. et iur.  
Junco Bellon. De iur. accr. Cp. 7. q. 18. N. dt; anciensq;  
ergo Nec validum illi, Nec legatum per fugientem duci por  
ter, quod fuisse per concordiam voluntarii ademptum sicut  
et Consequenter Nec fessa Louis; At mortuo testatore nulla  
hunc eius esse potest voluntarius ut pote morte testatrix. Ue  
l. 1. hodi; Unde Mansuetus prima voluntarius legati vnde poter  
nisi Contariorum voluntarius, sed quia iniquum erit altero  
mortuo dignus Legatorum cum lucro Mansuetus, huc ab eo  
velut iniquus fuisse. Nihil ergo exigio 8. 1. 1. et 16. Octus q. q. 16  
Eleganter licet plures prout omnia distinguuntur legamus

L. de pacific. lit. 8. à n. 7. et complexitatis Plurimis  
8. p. de pacif. Reg. Cap. 31 à n. 83.

## R. 8.

Sed ille mihi statutus est q. si d. l. d.

<sup>Alius argumentum intelligenteretur de tacita Ademptione propter inimicitias, conas generalium, non ipso jure, sed ex exceptione legatum tolleretur</sup>  
<sup>et iudicetur?</sup> D. 1. 22. h. t. Bl. I. vicesimus Aug. 1. 3d. 8. 2 de legat. d.  
Atque tri. 8. 1. d. Non tolli legatum ipso jure. Concorde  
rebus magistrorum et legatum ab exceptione non posse; Cego in-  
telligi Non potest de inimicitia in vita testantibus, triuia  
que Ademptione. Quam difficultas minor Omnes adducto  
Omnibus: Sed duplicitas respondere potest, n. c. 9. verba at-  
te sunt intelligenda ut haec hoc cari allegatio posse  
non capere legatum Non posse q. diversae inscriptio. d. ad.  
h. t. etc. Deinde accepit et legatio, eo sensu capienda  
ut potest cum effoca negaret, Nam inanis est petitio, quae  
debet exceptio potest elidere l. K. a. r. j. cap. 2. 13 de libent.

<sup>Item significatur ut. Vnde secundum</sup> Inimicitas legatus incapitus, quocun-  
que scriptio in priore t. d. Obito habet, et indigne reputantur  
et explicant adductio. N. 6.) Legata tri. priore t. d. Data non  
videtur Ademptione, nec licet ita non definit, Supponit re-  
sponde Cuius. Et liquet compositioni Conciliacionis Exemplo;  
Et tamem opij Ratio transcedit etiam legationis, quibus ob-  
amoribz legata relata d. l. d. pro socio; Cego falso est regula

<sup>Voluntas eti. capitulo facio n. 1.</sup> Sed responderemus cum eodg. Cuius. praeceps  
obere hyades, quae opij habent, Non legationis, quibus, si  
adimere volueret, facilius, aut primo aut secundo t. d., aut  
Codicille, aut etiam muda voluntate, potest d. l. 3. 8. ut.

<sup>Item significatur ut. h. t.</sup> Repletabam amplius hanc nationem in Acad. de  
magistrorum n. 3d, Nam licet aliquando Ratio opij potest  
alio. Comprehendere propter inobligitatem voluntatis 2. 2.  
ob his que in t. d., tamem tri. 8. 1. 12. hoc non militat, quia  
in eo tamem prius hyades obitio habent videtur, in quibus  
secundum vincapaces honoratio; atque secundum ut hyades

42

ulum Amoris; ergo prius volum ut ligatus odio habet; ergo legatus  
rij immures erit ab odio, et consequenter ligata immunita ab am-  
pione. Quid autem de prolegato descendit in eadem specie. q. l. 12.  
Capituli in hac de prolegato. n. 28. Ita reperire se est.

C. d. Hicunque dicit de resociatione, Ademptioneque hoc reconciliatio inducit  
te legati, aut fiduciomissioni propter Capitalis immunitas inter nos, non  
incuria et legatus procedunt, Neque iverum in amicitia residunt  
nam has causas legatum et fiduciomissionum reintegrabitur. l. d. h. t.

arg. 1. in iugis S. C. familiis Ercis. Quod huius principij copi-  
mentum ab Ulp. in d. 1. 4. Et in 1. 22. 5. 3. de donat. inter cessionem  
inscriptio, nimis, quod combinatoria sit voluntas ergo  
ab extenuum trax, unde anterior mutata voluntas non tollitur  
quae ligantur l. 27. Q. de fiduciom., quo porcio nihil est quod  
obire legato, Nam, ut nuda concordia voluntas decumpta ex causa  
immunitatis Capitalis id est tractus admittit legatum, quia est concordia  
amoris, et voluntati donationis d. l. 3. 3. vid. cum adducatur n. 1, ita  
ultima voluntas, que concordia est voluntati adimendi, confirmatio  
necessaria est voluntati donandi, ita ceteraque legatum reintegratur,  
quia sit voluntas supra omnia praevalere debet l. 12. 5. vid. de legat. 1.

Cum adducatur q. 1. a. n. 1. Exemplum donationis nuda voluntas et  
debet, quia non sufficit praei voluntas concordia donationis, sed  
ultima sit alia donationi confirmans, Nam supra omnia ulte-  
rumque jurius attenditur d. l. 22. 5. 3. de donat. inter. Donat.  
l. q. 17. Rer. de donat. q. 17. n. 2. Autem q. 3. q. 31. n.  
86. Et alijs adducatur n. 1. Et ut nuda voluntas adimendi non re-  
quisitor quod sit vestis declarata, cum significare, retum, eaque  
tatis elicitor d. l. 3. 3. vid. h. t. arg. 1. 1. 3. 4. 3. signata. libert,  
ita, ut reintegretur legatum, non requiritur reconciliationis notitia  
fieri, sed sufficit aliud facere, eo quo rationum amor, voluntas que  
cetera legatorum presumuntur, cuius rei exemplum ministrare etiam in chilensis causa  
noch. et etiam adducatur a. S. l. q. 17. n. 18. Ut ad reconciliationis notitiae  
primum notare an credatur reconciliationis eo ro. 3. Christianus  
testator confessus et confessus procedat, quod etiam superplus  
notat. Autem n. 86. Hicunque scriptores adducti princi-  
pium agnoscent. Sed an per reconciliationis manifestas legatum

Exemplum donationis nuda voluntas et  
debet, q. 17. n. 2. de donat. 3. 3.

reconciliationis notitiae causa  
notitiae etiam in chilensis causa  
noch. et etiam adducatur a. S. l. q. 17. n. 18. Ut ad reconciliationis notitiae

Quod est notitiae causa  
reconciliationis notitiae etiam in chilensis causa  
notitiae etiam in chilensis causa  
noch. et etiam adducatur a. S. l. q. 17. n. 18. Ut ad reconciliationis notitiae

Sed fideicommissum vero, jure eo antiqua voluntate? An reinterrogatur eo nota Naranci eo ipso reconciliationi? Non satis apparent. Ad quod supponimus quod dicimus N. 1. legem adim. Ob exceptionis, fideicommissum vero ipso jure d. l. 3. 3. vlt. l. 22. h. t. 36. s. veteranus de tlt. mil. 18. de legat. 3. contumie adducere Op. 1. n. 22. Et 25. Et exceptionis opponendis ab his ex pretioso facio Ministris, quod est exceptionis stimari ex persona legatorij, ut vicinus v. o. l. 36. s. Veteranus, licet dubitet Cuius. C. lib. 2. cap. 18 est, ut intelligo: Cum crimen legatorij, vel omnis organum eum vint Materia productio exceptionis, Mexico ex persona

Rebus impedimentis in  
michi manet legatorij debet stimari, quod ultra eius personam non stimari cur que  
ipso p. r. vel. c. constitutis in iudicio. Si probetur a legatoris factum reconciliationis, aut ap-

pareat de voluntate, Manet legatum ipso jure, primaque voluntate  
Constitutis, nec removatur ex voluntate nova, sed tandem constituitur efficiens quod ante mero, jure, et sine effectu constitutus, quia reconciliationis tollit effectum impedimentaque exceptionis, quo obblato Manet legatum, ut antea, et hoc sensu intelligendis et Redi-  
redingeretur in d. l. 1. s. iuris l. 32. s. 3. de donat. inter, facit  
ab art. 1. 11. s. plus 1. de secundis tabulas, ubi eleganter notat iste  
Gothof. ad differentias heraldicas, quod ut nuda voluntate non admittitur. Dic n. 6. ita legitimè Siblatum, nuda voluntate requiri  
constituit. Eleg. testes in l. 1. 11. s. 2. de secunda tab. ubi licet confi-  
ci differentias notat Gothof. Et pro pleniori intelligencia vid. Cu-

pid. in ea. Ch. interp. Op. 5. c. Quo. 6. Opus. Op. 8. n. 17. Sed quis  
videt in fideicommisso? quod non tangit Gothof? Cum hoc tollatur ipso  
voluntate, et alienum ipso jure. Jure d. l. 3. s. vlt. 18. de legat. 3. Videtur quod reconciliationis se-  
quens iterum constitutat fideicommissum ex nova voluntate, q.  
defensari potest, et velocius ad hoc induci d. l. 32. s. 3. de donati-  
onibus, ubi in hoc separari. Videtur fideicommissum a legacio. In  
cogita. Potest ergo non Belgardus. Contraponi cujus d. l. 1. l. 15. h. t.  
hoc ponderatione: It loco inimicitia traxit voluntate legatum adi-  
minatur, ita eo Narancia. Ni legatus alienatione, faciat inducitur  
ademptione l. 18. et 23. h. t. s. 12. de legatis; At qui non redingeretur  
legatum, Et si res legatae alienata iterum restituatur in poter-  
tate testis d. l. 15; Ergo pariter et res ipsa inimicitis reconciliatio-

Concupiscentia testis d. l.  
A. hoc est:

Op. 2.

Sequuntur, Non potest Nominagri lega armi: Adduane hys p[ro]p[ter]a  
licet Non Communiuit, p[ro]p[ter]eas Volv[er]e P[re]l[ati]b[us] 3. Elemento. Op. 15.  
Respondemus, Coo[n]vocacione rei legat[us] Non sequi Nec[ess]ario le-  
gandi Voluntate, quia potest testator v[er]bi habere, vel in re ex g[ra]m-  
mati Relinquere in h[ab]ilitate: At ea Reconciliatione Nec[ess]ario se-  
quiri Voluntas Confirmitatio legati, quos volum impeditabat  
ratione obij Clientis Contingit voluntate; at qui censat obij  
ponio per Reconciliatione Amorem; Legi consonae causa impeditio[n]e  
h[ab]it, Manee illora prima voluntas legandi. Tunc ergo opponi  
1. 23. de liber. et posth., de cuius Constitutione cum n[on]a l. legie  
Gothof[er] M. 2. 1. 23.

C. 10. Ad eandem tacite Ademptionis Speciem pertinet, si id est tamen prouidetur  
quod si testator post Scripta legata, Ingratum legato sive, non legato, apparet legato  
bene morientem, vel pernimum Appelaret, Inveniatur testim legati Septima l. 13. et l. 22. hoc est  
ademption, quo pertinet Rescriptu[m] Novi m. l. 13. h. t. libi, si testa-  
tor in priu[i] Scriptura testi aliquis libertate relinqueret, et posteriori  
in Scriptura adscrivat pernimum libertate, hoc igit[em] ademption  
tacite lega armi videtur: quod iug[ur]t[ur] Petrus in l. 23. h. t.  
in qua, legato Relicto libertate in priu[i] paxie lib[er]t[er]e, tacita inducit  
Ademption eo co, quod testator in eadem Scriptura ingratu[m] cum  
appellat, proutque ab Arg. l. 1. C. de h[ab]itu gg. lib[er]tate que adducit l. 14. l. 15. l. 16. l. 17. l. 18. l. 19. l. 20.  
I. penult. l. 27. 3. t. de boni libert[er]e, funeral. l. 1. C. de columniacionibus  
in quibus Coauaner filius Patoni accusans libertate eas co q. Pater  
in lib[er]tate venenum a libertate proximatus, Vel alius Crimen commi-  
num dicitur, Nec ob hoc renegatur filio accusandi bonorum pax-  
mo in bonis liberti: Sed impropter et latere hys p[ro]p[ter]a addeuen-  
tur, cum tuncum probare probare Confessio Criminis in al-  
quo, ut similiter Debeat probare in modo cani confessio testa-  
toris ad admendig, Et incepte Magis etiamur Glor. in l. 3. 3. t. ad  
Planiang[us] l. 28. ad Pelian. 16. 3. t. de Cenit. p[ro]p[ter]o, et quibus no-  
ciu[er]t quid pro, aut contra deponi possit. Tanguit neq[ue] illationes  
tenim[us] et fures. Et Gothof[er] M. 2. l. 13. et 22. l. 1. P[re]l[ati]b[us] 3. Elemento. lato cu[m] cedula d[omi]ni  
Op. 15. Nec p[ro]sternit Nationes: quod in eo estat, quod testator, qui per-  
tinuum ingratu[m], vel non bene morient[us] appellat legato, cognoscit  
legato.

Voluntaria erga legatorum iniuriam, quia contumia est amori re-

Sufficie pro dolo agere linguerat legatum; Unde praeceps debet legi tanta ademptionis erga  
trinitatis voluntatem Cuius Ademptionis, quam ex iurisdictio Capitali crimi dictam

Inde non regimur, ut Coo. I. 3. S. Ult. 22. et 31. S. 2. h. t. Quod habet locum, sive cum  
hinc causa ademptionem.

Causa haec injuriosas factiones ducit testator, sive unde  
causa; quia Sufficie Materialis Concessio Voluntas testatoris,

Nec obiectetur de justitia voluntatis Cag. 0. I. 22. l. 4. h. t. d. de  
cuius invenientia factum, his quae sit. cum adducatur Argumentum n. 2., Et si vero innoventia in sui  
magis fortior legatus.

Patens probare panus sive legatorius, cum etiam haec posita remittat  
testatorum Voluntatis, ut eis alijs notarii ad alia. On. 8. cap. 17.

lio. C. Et hoc est quod dicimus in O. I. 22. l. 3. quia rationem motus  
quod perperam intelligit Testator, id est, aliqua operacio, cum  
obstat intelligi, ut jaceat, de qualunque leti, ineptiae causa, quia

non raro voluntatis, sed ipsa Voluntas queritur. Tunc enim  
causa ademptionis non  
res Palmarum: affirmatur  
et quod pro se ipso, sive  
pro juve, cum in eadem sit, vel alio ergo voluntarii profaciunt Testa  
mentorum probat testator, quia utcumque Cooperator Testator

Contumia Oratione Non proficit, Examine tamen ei, coquibus  
necessariis Contra Voluntas Elicetur sive aliqua probatio,

et cum habeat eadem voluntatis sit. Nichil ulla obstat operari lega-  
ti ademptionis ipso juve. adducatur Cag. I. 22. l. 3. Et hoc statim

intelligo quod in O. I. 22. Paulus ait actionem eorti habere non  
tolerit; Ne enim ope exceptionis tolleretur, Directus accidit,

Excepting Elegit, O. I. 3. S. 2. h. t. Potestque ad confis-  
tationem distillare. L. 2. f. matroni ponderari l. 11. S. 1. delegat. l. Nec obstat l. 9. de his  
de his pp.

pp. De cuius intellectus Actus n. 8; Testa enim ibi intelligentur  
de petitione. Vnde effectu, quia ob iniurias legatum ipso pax  
non adimitur, Cum hinc non constet eo sit, et agere extensioni  
probatione; At hic eis eadem Argumentum sit. Constant Testa omnia  
Cooperatorum; Unde mecum ipso, juve ademptione Credicis legatum  
ob intelligentia O. I. 22. quam obstante nullus, quem n. 2. docuit,  
notevit.

Sc. II.

Sed contra proximam regulam opponi potest l. 1. C. 20  
huius pp. ut (hac pro confirmatione iniquae adducatur) ubi: Cooo, quod  
UVA. BHSC

tertatius unum eos hyrcibus Epistola vel Codicilli determinavit  
 commissarii voluntatis erat, indignus officio, et huiusmodi pars à  
 p[ro]p[ri]o vindicatur; Ego omnius ad fiduciam patrem debet in d. l. c. 20. l. 13. et 20. h. t.  
 stangit hunc testum cum l. 22. h. t. Quia l. 22.  
 s. l. m. ea, nostra, iuribus omnis; et ad aliud sine comminatione  
 agnoscentem Conn. d. Comment. Cp. 7. n. 2. On. n. 7. cp. 12. l. 6. O. d.  
 Respondentibus, id est in d. l. d. Non potuisse induci h[ab]erent ad am-  
 plior[em], quia h[ab]erent nec Codicilli, nec per epistolam, nec nuda  
 voluntate ad omnia potest esse d. l. d. cum supra adducatur n. 6. Ch-  
 aractus Mexico, iure hyrcibus adire potest arg. l. 22. h. t. cum  
 supra adducatur, et ea hoc locu[m] esse non potest, fieri accreti, quia  
 per indignum fiducia admittitur Et facie partem, ut lati fundatibus.  
 de jure access. Cp. 7. q. 54. n. 83. sed quia iniquum esse, quod h[ab]ens  
 per ingratiū et non benemerentes titulus appelleret, cum iure hyrci-  
 fants manaret, id est fiducia eripit, quod ratio est d. l. d. quam agnoscunt  
 Regumini d. de jure fisci tor. l. per totum, & Bellon. ubi praevenit. Plau-  
 ner. 3. p. 30. jure leg. Cp. 31. n. 11; at in legato Consilia obstantur  
 quia cum Natura voluntate Adimi posse est. Dicitur n. 1. cc. op. 1. n. 13.  
 inducatur per concordia voluntate loci ademptio ex eo quod ingratis  
 appelleret legacionis. d. l. 13. et 20. h. t. quod enim ademptio est, nec  
 datum videtur, ut ait Cp. in l. 11. n. 8. I. delegat. l. unde necessarius  
 est quod maneat penes hyrcum, id est ingratis indignitatis contra-  
 factus money, quod etiam in legato p[ro]p[ri]o locum p[ro]p[ri]o l. 1. d. 8. est l. 16. de  
 his pp. sit. Ea ratione differentia adducatur n. 7. Ut etiam oppone h. 3. 3. op. 1. 3. 5. l. 20. legacionis  
 l. 22. Planaria, ubi se testam Moriens divisore, a clavis non man-  
 te allata est vita. Non creditur ei adversus clavis, nisi hoc aliam  
 de probetur; Ego passio Christi non debet titulatu[m] ingratiū appel-  
 lant; libetam legacionis, ut inducatur ademptio in d. l. 13. et 20.  
 h. t. loca est Antiquar[um] cum gloria differentia, quam expulerit. Cp.  
 in ea; quod in d. l. 3. 3. l. agebatur de vi confessionis Domini quoniam solida  
 ad infidelicem penam leviter vel mortale. Obire, quo caecum non virgi-  
 cit Op[er]e Conjurio, quia tessellat testis p[ro]p[ri]um supplicium in ipsa, et  
 Republica Vt[er]itas in testimonia invenientur arg. l. 5. capitulo, corpus genit[us] p[ro]p[ri]o  
 honeste servorum pacium deducunt, nempe, confessione Nutrem  
 h[ab]ere occidit. Non quasare que coacutare v[er]um, non Aliando p[ro]p[ri]o  
 cum oratione. Concedat a. l. 3. 3. h[ab]et ac in d. l. 13. et 20. volumen

U[er]ba L. A. C. de his  
op[er]e libato, et confirmata  
d[omi]ni 16. 1. 16. et 22. hor. 10.

Agitur de Notariis Petiti, quod ut à eis voluntate voluntaria  
erit in datus, Nec pugnacionis ullum est signaturi pugnare  
quod voluntas etiam inquit tollere potest. L. 13. h. 1. Et quoniam  
Natura Motus Cuius affectio Non tamquam Requisitus Prostigit, Pr. 2.  
l. 13. Ecce eadem Natura Non Prostigit. Sicuti confirmatione contra, sicut  
injunction, cuique causam in illi intencionem L. ff. 10. in obser-  
vatio. HS. 8. Causa et Salvia quoque, quia gena est plenum princi-  
piu paterni negotiorum, quam Et lex et voluntas reatur. Et pugna  
primum: Et hoc magnum, pugnare pugnare faciat. Confirmatio  
ut dictum. In. l. 1. s. 12. Regnorum item procedit hoc in plant-  
ne, que respicit, nra. Et pugna alia ex pugnatione, non tao  
ad inveniendam penam pugnatio, nisi legibus argumentatione  
in expeditationis probetur L. 28. et Bon. Cod. de inquisitione & Pro-  
HS. 8. aliud quoque. Quidam I. Variatio Cap. 11. 2. 10. et 23.

**R. 12.**  
Item causa admittens  
legatus in datus, ut  
canalibus libet. Non enim, Ex quo lucum Notarum Ademptio; Nam ut Nullus actus in  
l. 16. h. 1. Nihil invenit inducitur q. Statim est, an animatus  
et pugnare pugnare. Inducitur, inducitur Notarium legati  
coro pugnare cap. 1. 11. 8. 1. Delegat. 1. 1. 22. h. 1. 2. intelligentiam  
n. 10. Et idem in hypodice, Observatio, Cuius Notariis pug-  
nare contingit, Si ante perfectionem illius cancellationum, est no-  
men ligatus, Manetque pugnare erubescens. Cohabitos ut so-  
let Notarii. Co. 1. 1. 8. ligatus est hic qui in illi. Rati pug-  
nare est, quod eos cancellationis pugnare, Concessio voluntas  
l. 2. Et 3. cod. 1. 22. h. 1. part. 6. Et in necessaria voluntas  
ademptio. Co. Regula 2. 17. C. de legat. 27. C. de fiduciomini pug-  
nare h. 1. qui in eum proclame et Consulto cancellationum  
sit legatum vel ligatus Notarii, Nam si in consulto hoc sit inde  
Necessaria, Nullus momenti est cancellationis, nec imponebit  
positionis effectus l. 1. in principio et 8. 3. de his qui in illi  
Bellum. De pugnare cap. 7. q. 50. à 12. d. et ea pugnare

42

Catillo A. Controvoca. Op. 37. à N. 27. Alius est si post perfec-  
tionem et consummationem tunc hoc faciat; Nam non est singulariter  
haccedens a legato, quippe nomine legatus cancellatio post con-  
summationem, puto Cetile abstructio manet, sive pugnare posset  
sive operari C. L. De his que in tunc l. ult. de iust. Pug. summa  
ratione l. 2. § 7. l. 8. S. quis auxilium secund. tab. l. Unica Si  
tab. tunc et iuste fecit auctor legatus l. 12. et 16. S. ult. 20.  
huiusque summa ratione l. 1. C. eodem; in legatis vero Can-  
tacione Consulto facie post tunc Non tollitur pugna legatum  
ipso iuste, sed ex exceptione l. 1. S. 3. De his que in tunc manet  
autem legationem pugna legatum agendum l. 3. S. ult. 13 et 22. h. t.  
qua representatione Capitulo d. l. 1. S. 3. ut ad vocat Ramos  
ad Papas d. Op. 16. N. 12. Sed adhuc maiori distinctione quando ex cancellat ad  
opus est in legatus. ~~non pro cancellationis mea~~ <sup>tunc pugna</sup> Et si excludatur  
pugna cum pugno tunc Verum est, cum testator id est Consultauit, <sup>huiusmodi</sup> ~~huiusmodi~~ <sup>huiusmodi</sup> <sup>huiusmodi</sup> <sup>huiusmodi</sup>  
qui n' facerunt legatos in dignis hoc in tunc declarando: quo ar-  
ea dubium nullum est; Alius est si cancellat testator id est Can-  
cellari, quia procedere voluit intentatus: quo causa legatus  
scriptio auctor legatus; Nec potuisse ad faciendum, sed permane-  
tione venientes ab intellectu l. Unic. S. 5. In his de his que in tunc  
junct. Cuiac. C. Pug. Cap. Unica et ceteris libris Bell. d. Op. 7. q.  
S. N. 3. Dom est ut istum tunc cancellari. Nam unde possit  
manet legatus pugna remittens ab intellectu, cum eo hoc intellectu  
graviter tollatur tunc intentatus procedere. I. l. Unic. S. 5. In his: Si  
tab. tunc l. 3. C. dicitur: Et nisi tunc in pluribus Cancellibus sita  
exemplis scripta erit, et unum cancellaverit, non intelligatur tes-  
tator procedere ut hec non canit intentatus, nisi concurredit a legitimi-  
tate probetur, quo est operari l. Ult. De his que in tunc pug-  
na Cuiac. Mantua et Conject. 12. ut l. N. 31. Pugnari de jure  
pugni d. t. l. Et eos plurimum antiquis Bell. ubi signa n. 25. <sup>L. 2. ut non cancellari</sup>  
Et q. S. N. 3. Dubium manet est, cum testator nominata <sup>pugna ut cancellari</sup> <sup>de voluntate</sup>  
legatus cancellari, et non constat id est cancellasse, quia repu-  
tanti ut legatus legatus, nec quia voluerit procedere intellectus, sed  
sumus in dubio. Et tunc eos Bast. Cino. Angel. deontiam  
et alijs tenet Bell. d. q. S. N. 31. intelligi tunc procedere intellectus

Nec fīco locum esse. Ceterum in puncto pīus mihi congeāia  
sententia placet, quam tuetus Gora in d. l. 30. C. 20 tūt. et  
in l. 1. C. de his q̄q. ut. Et hinc nullo ad hunc amphora vide-  
tur e Ramo 3. cap. 16. n. 12. et manifeste probatur eos d. l. 12.  
et 16. S. C. de his q̄q. ut. Inquit, eo sola cancellationē fit  
locus fīco, quin hęcēs decoloraret indigneos eos d. l. 30. S. 12.  
hęcēs: Ubi Requiritur ad conclusionē pīsum quod constet testa-  
bō voluntariae docēdē. Utterat, quod non constat ea sola  
Cancellationē, unde eo ea indubio fit locus fīco; in legatis  
eo cancellationē inducitur lucis ademptionē, me-  
nēque penitētū hęcēm eo Natura difērente pīstīta n. 11, ex ea  
pro distinctionē loquuntur Receptā ea 16. h. t. Et pro intelligentia  
l. 2. de his que in tūt. quod unius hęcēi nomen cancelavit  
vel quoniamq. vel omnia pīnc. l. 3. eos. 1. 8. & his aueq. de se-  
cunda tab. Vidi Alenchaer de Pīcc. progress. 3. 3. 27. a. n. d.  
Bell. d. g. So. 17. 28. rūpē ad pīsum. Triplex adducit pīsum  
ad hanc pīctam i. 7. De pītētione hęcēs. in qua recte indu-  
catur Non denotat Cancellationē, sed motū vīofīcīo que  
veligū in pītētione, et ad aliud Gotthof. Et labor in ea, dāmātī  
c. effect. C. 3. tīpī.

### R. 13.

Succedit nobilior inter talibz ademptionis pī-  
tētiones multa ademptio est, que uteretur circa alternationē. Ne legatē faciem à testamento,  
spīces: ag. testam. silent. Non ponorūtē potest, aut nominis velicē, in cuius plena notitia  
de lega. L. 11. 8. 17. et 18. de totius cōstitutioē labor necessarius erit: tunc prima. Dementia  
tunc pīsum Regulator et frater in Comit. 3. d. 17. n. 12. inst. deligat  
à quo adducens species nominis et per inīdīg tantum prome-  
thado liberarimur, et pīsum subtiliter cognitionē non acci in-  
tēci peragemus. Regula trii Ordo Concipi voleat: Voluntas  
et alternatio Nei legatē inducitur ademptionē: Necesse est non  
ad contractū de animo, ut non sit pīsum  
menti, ut non sit pīsum  
pīsum non manifīca. L. 12. 13.  
Substantia loci in causa  
ademptionē. et nominis  
Regula ipsi; Sane melius, jēit. vī. m. d. 5. 12. Cancellationē nō  
ad voluntariā pīsum  
legatē facit animo adimentiū inducitur. Non ratiō legati; Sane  
ademptionē. et nominis  
Regula contractū de animo, tunc eo voluntariā alternationē admittitur  
legationē: Cō necessaria Manet; ita ut pīmo case pīstītō  
tēcī Voluntariā incūntē legationē: Tunc ināmōtē

fideicommissa lib. 12. nro 12. Cum ergo. Delegat. 3. b. Delegata  
 l. l. 15. 24. s. 1. Cum tribus legg. 31. 3. p. h. t. 3. de fundo  
 minuto. 3. C. Delegat. l. 17. et 1. t. d. part. 6. Rati<sup>o</sup> lib.<sup>o</sup>  
 usque partis Vera et Nota est; Nam qui voluntatis alienatio  
 legatum, peragie faciam donationi anterioris, ex quo resultat  
 Contra Voluntas. Siquidq; non vult quod habet legata-  
 rius, qui per alienationis intendit quod habeat testis; et qd;  
 nuda voluntate ope exceptionis legatum admittitur eo regula  
 l. 3. s. Ut. l. 22. h. t. Con. 1. adductis, nihil minus, quod  
 pono facto alienationis, Opponi posse legato potest & dicta-  
 catio, ut ponatur in d. l. 15. h. t. Et opponitur in iudic. ad.  
 ductio: Qui vero virgines ne familiaris necessitate, ne legatus  
 alienat, hoc facit propter causam determinatam necessitatis,  
 que ecclesiastice causam absoluenda admittendi, et consequenter lega-  
 tio. Non est contra Voluntas, Manet quod legatus in  
 pugia, seu estimatione d. l. 11. s. Si non. 12. Delegat. 3. cum  
 supra adducatur, et faciunt ab art. 1. 3. et 21. fideicommiss. libert.  
 docent Cuiac. 8. diff. Et codest. in 8. 1. 18. Om. 8. cap. 17. Faber Dec.  
 15. cap. 2. et Dec. 16. cap. 6. et 7. Etiamus d. singular. Cap. 23. Co-  
 fessionis Melioris notz art. 9. Melior. 2. p. Cap. 12. a. n. 15. dico.  
 deinceps 33. n. 76. Gomez l. Varian. cap. 12. n. 86. Ut. i. 7. b.

**R. 14.** Voluntas alienationis Regula plane pno. Regula aliene-  
 tis quoad acceptiorum libri subjecta materia ecclesiastis. Regula aliene-  
 tis pno. quando max-  
 alium causarum, iuxta, voluntatis. N*on* de datum legatus manumis-  
 tit mi. 1. 3. 2. 4. secundo minuto, 26 in pugna. Et s. 1. h. t. cum  
 fulget. Si donet, quo causa actione erit distinctio necessitatis. N*on*  
 pugna. Exigitur absolutam liberalitatem voluntatis. A. l. 18. 1. 21  
 s. 1. h. t. Et hoc quamvis donatio testantis non numeratio. N*on* regula aliene-  
 tis et vi pugna. Et aliquam obligationem (eo honestate morale ob-  
 ligata) legatus de donat, junct. l. 4. s. 1. de tunc. Et rat. l. cum plu-  
 res. Et tutor. De admin. tutori, Alio modo remunerare, vel omittere  
 sine actionis timore licet. N*on*. Regula de donat. Cap. 3. 12. 3 et 6.  
 Et ita in specie intelligi acceptiorum legatum per non numeratio  
 donacionis. N*on* legatus tenet manuca de conj. l. 12. h. t. 6. n. 15.  
 quodcumque Concessus ex parte. et alij anqueis tenent etenim.

A presum. 167. n. 3d. Utim et nonnulli legatam, alteri portem  
legit per Commemoratio[n]e Demonstratio[n]e l. Sicut S. ag. Philippi  
de quo vob[is] C. B. agendum. E[st] h[oc] est cum factum potest inclu-  
dere Necessaria et voluntaria[rum] alienationis, ut accidit in venti-  
tione, quis voluntarie et Necessarie faciat potest, ut Consulti

Digitonum tam Copticam decrueant, tantum recessunt ad distinctionem necessariorum vel voluntariorum alienationis, ceterum non exprimunt an in obvio veridice credatur necessaria vel voluntaria, ut videt licet in generalitate 2. 15. h.t. 11. §. 12. Bologn.

*Quod ad ipsius regnorum B. S. II. 12. delegat. Cum adducatur n. 13. In quo Bare. et plures  
lives. arantur, quos sequitur Utteraria utriusque n. 13. et ultimo  
ch. n. 2. auferunt, in auditio Credidit, acq. renditione ex causa  
necessaria, ut in alia qualibet alienatione faciat tit. Breves, et  
ut in permissione defensione ipsius Utteraria. Mortentur ex  
B. L. II. S. II. 12. uti mutationis voluntatis probari debet ad hygreditibus.*

*... sed ut illud iurando sicuti gressu...  
dico vos affemantibus. Sed vos Nisi probat, Nam hoc dicit Consultus, postquam vias  
documenta alienationis, factam urgente necessitate: Non vero quod  
nunquam quando hyc necessitas presumatur; Unde metius dojoni  
potest conditionis. Ne legatus presumit ex causa voluntaria, et  
ita adiunxit ligatum, Nisi Concessio probetur. Primo. Nam  
quod pro re vendita pugnum operet, Non arguit pugnae nec  
victor, Sed Maior affectionis pecunia, quam rei que in formu-  
tatione Maior affectionis Unius Rei, quam alterius. Secundo.*

*Dicitur de dolo. s. 6. 2.* In dubio primum Vendingiong voluntaria probat apparet. Nam  
luc A. t. t. l. S. D. ubi abolute ex vocatione adim fidei commi-  
sur donum, ergo quia abolute credidit voluntaria alienis  
est et aliis dependet. *Textus.* Eo l. 7. de fundo instruto, cuius supponita littera, ergo  
est Non posse Verificari mutationes voluntatis nisi in honore  
vendito portegatum; Et tamem Non ponit eos causa necessa-  
ria factum Vendingiong; Ergo quia in dubio Vendingio voluntaria  
presumuntur. Quare eo l. 27. & 3. eod. Ubi precul dubio inducatur  
ademptio utri venditi, non in una solutione agere eod  
clausula, que utri coeunt cum moniar, ut quis traditio deposit

ut dicam N. 16; Et tamen non posse Scobola traditionem

q.2.

16

in recensente passum fuerit; Ergo quia in dubio praeceperit alienatio  
volentaria. Ricordate hys, para intelligenda erippos ista quod haec  
luntur utrū condicet; Nam maior dilectionis est adesse Consultio soluta  
quod non sicutque quare defensione in Schola tradicionis et primum  
tum in dubio credi voluntariis alienationis, nisi cohererit  
factus legatus probet, Contra quod et si quis potest probare animo  
alimenti hoc factus fuisse, quoniam procedit a. l. II. S. 12 de legato.

R. 15.

SCD pone non legatum testem non vendit et testata per con-  
dile, prout et acquisit, can-

dine, Non tamen tradidit Emporii, accipere peccatum, aut deca-  
re esse non credidit? Cioe Bisafia et alie plau-  
siom habuimus: An intelligatur haec casu ad rem legatum? Cioe Bisafia et alie plau-  
sius quod, in qua Bisafia erit opinione placita. Quiaq; affl. testa non solum precep-  
mentum ademptionis inducit, plura fundamenta ignorantes, quez tamen induc-  
ment in iungit negligimus. Pono loco q; legata traxit needaque 4. cap. 3.5. vol. 22. h.t.  
Volentarie admittantur 1. 3. 3. vlt. 22. h.t.; sed non potest negari

nuda Volentaria missio traditionis, Et est traditio non negatur; 2. cap. 21. h.t.

Ergo 3. Secundo. Coo l. 21. 31. h.t. junct. 1. 3. 3. 1. de fini. inst.

Vbi eis manumissioni vel donatione inutile nisi legatus inducitur  
eius ademptione; Ergo multo magis ea traditione oblii sine ma-  
dicatione, que solo consenserit perficietur 1. 1. de contrah. Emp. Secundum est de fundatione  
Coo l. 7. de fini. inst. ubi honestus cum virio et davis legato, hor-  
eo postea vendit, Viri traditione delata, quecumque an mi-  
nus legata ad legatum expectarent? Respondet Scobola,  
eis in quibus mutatione erit voluntas, Non debet, que trahunt  
solum possumus in horae, quos tradidit solum proponit ut  
ne aliqua traditionis mutatione; Ergo eis sola traditione admo-  
nio inductionem. Quarto. Vendit potest l. de fini. 11. de legato  
3. ubi fundo velico cum his, que ibi sunt cum moriar, legata

tum videtur, que ad tempus ibi sint. Occidunt 1. 86. de legato 3. accedit 1. 86. 2. leg. 3. 1. 15.  
l. 35. 5. vlt. de hys. inst. l. penult. 12. 8. fin. 2. de aucto et ang.: Coo 6. fol. 2 auct. et ang.  
quibus deducit, legatis omnibus, que infendo sint, ea lega-  
ta non intelligi, que in aliem locum translatata voluit testator;  
negari ergo negavit vendita et non tradita ad id usque tempus  
cum, quo Empor actione Casamento cum consequatur, et solvitur 5. cap. 32. 8. 2. 2. conf.  
testance in eum transfici. Quires eo 1. 32. 8. 2. de rupr. legati 1. 2. 8. 3. de inven-  
tione 1. 2. 8. 2. de inde 1. 2. 8. 2. 2. de conf.

UVA.BHSC

Vobis legato vniuersitate domum fundorum, saltemnum, et omnia  
verum, quod in his erunt, non comprehenduntur penitus; Ego  
multo minus, jam vendita et non tradita: Cuiusq[ue] pondera-  
tioni est l. gurgitum 12. s. Cetim 30. Definitio iustificatio. Secunda.

C. 16. Co. 1. I. sententia: h[ab]et t. s. d. Ubi ea sola venditione sive  
traditione mentione. Ad fiduciam commissum doceat. Hanc con-  
tentia lux Non omnibus fundamentis assuetu[m] tenuesunt  
Theologus M. S. A. de legat. Alexander B. contra. p. 16. Et mi-  
nor in hac re Diversarum, Continguaque huius, unum solum  
fundamentum habilius, Off. 8. Cp. 17. lib. 1. p. 11. Namq[ue] B. singul.  
Cp. 17. Et magnum Nig[er] Primarij, laco Pauli tamq[ue] adducto.

N. 16.

Contentia videntur, nempe non inducitur  
prior legati, ultimam in postio, amplioris has fundamentis. Pro-  
mo, quia eori venditio solo consensu perficiatur, hoc quem  
est quod obligationis contentia, non vero quod complementum  
Contractus, Dominique translatione, quo sensu imperfeta  
est ante tradicione et numeracione l. 16. de actionib[us] compti; hu-  
i[us] consulti autem, cum agant de rei legate ademptione, et  
Alienatione p[ro]p[ri]etatis, sed Paulus in l. 15. h[ab]et v[er]g. in a. l. 11. s. 13. p[ro]p[ri]etatis  
in l. 8. de legat. l. Lubrinus. in l. 12. de legat.; Ego cum ad  
alienationem, perfecta non dicatur venditio ante tradicionem?  
Non potest arsisq[ue] inducere ademptione. Secundas. Cuiusq[ue] pondere  
Co. l. Alienatum G. 7. de v. s. junct. l. 1. de fine. dot. Vniquod  
Manet in venditione dominio, et ex venditio delatur plenaria  
proprie[ti]tatis non dicatur, sed ad ademptionem requiriatur alienatio  
ad proxima p[re]sea; Ego non usque venditio sine traditione per  
intelligenter O. L. G. 7. cum l. 1. de litigio, cuiusq[ue] misericordia  
erit l. Ult. ff. et C. coa. P[ro]p[ri]etatis. Cuiac et Genitilia in 2. l. 67.  
Et faciunt abs. ab Orea tit. 1. q. 6. c. a. n. 43: Et pro l. 1. s. 3. de eo  
cept. Natura. P[ro]p[ri]etatis. P[ro]p[ri]etatis in l. 106. de r. j.) Tertio. Co.  
l. p[ro]p[ri]etatis 27. s. Liberto 3. de fundo visor. In qua, fundo p[ro]p[ri]etatis  
autem que nro erunt cum monasterio testator, nro nro  
Et non traditio, parteque p[ro]p[ri]etatis testis accepta, accedit Rebollar  
Vnum in Dolijo, Romanens legato continet: Quamvis solutione

15

tenent Cuius in l. 64. Delegat. 3. P. ad. 1. Conject. cp. 6.  
Ita etiam 3. Concess. Cp. 16. Om. rbi ex p. Castro de Conta  
Empt. prel. 3. à n. 208. Amaya 1. Ossorio. Cp. 16. n. 16.  
Haec in d. 8. 12. n. 11. Voxies consent eos his, quia firmant,  
ideo Contineat Vixim, quia Et si hinc dicimus puer, non long  
traditum, Et Consequenter Vixim alienatione Non potuit in  
duci Ademptionis. Ita vero. Singulare haec consideratione:  
quod, ut voluntaria Rei alienatione inducitur ademptionis causa  
n. 18, ita per Coactionem debiti Legati Revoqueur legato 1. 31.  
3. Ult. h. t. 11. S. 13. Delegat. 3; At qui sola coactio intentata,  
minime Condemnatione sequitur, dummodo Revisor voluntum  
non sit. Non revocat legationem auxiliis tenuis in l. Recepti  
6. Regist. inst. Ergo similiter sola venditio sine reale  
traditione Non potuit inducere Ademptionem, quia elegans coni-  
venienter est Protho. in d. L. 27. S. 3. Et facio quod, ut actio im-  
perfice dicimus ante sollicitationem 1. d. 8. 3. q. meritis causa, in  
venditio Ante traditionem L. 8. de Rec. Ven. d. cum syna ad.  
ducis. Quinco. Et pro hac Convenientia ponunt Revoquei 3. l.  
7. de fund. instr. Paul. 1. Content. h. t. 1. S. 3. ut infra dicta  
Coquibus, licet non ea junctis, hanc contenti tenuerunt  
in Baro, Cartensi et alijs Monachis L. cp. 167. n. 20. fa-  
ber 1. Conject. Cp. 6. Manu 3. Singul. Cp. 17. Et anee eos Gof-  
ind. L. 27. S. 3. n. 3.

## R. 17.

Sed haec Reversa Contentia, dubium adhuc

est, an quod dicimus, Non induci Ademptionem Vixim traditio, intelligatur pariter Reversum Reverso, an solum Reversum praelij.  
sive estimacionis? Vixim Contentio Gentilis 1. Lect. Cp. 10. Manu  
legatum Nationis praelij, Si Empor Accorie Exempto Non potest.  
Raci est, quia ut h. j. qui actionem habet, ipse non habere re-  
detur, ita et e' concia: Nam quia Empor Non a testaceo vendi-  
tum avocare potest. Vel ab eo, vel ab h. quae accorie exempto 1.  
Et tunc t. de act. Empt. Et quidq; inciso legatio, cuius, juxta  
potest morte Confiamatum l. d. h. t., Non potuit tollere actionem  
acquisitam in via: Iam aug. 3. l. 82. S. 3. de legat. 1. Ita re ex parte

et non dum tradita, legata 3<sup>o</sup>. Competit legatus et ceteris actione-  
nis Coempto ad rem petendam; Ergo a Consuicio, re legata  
vendita Et non tradita ad pratum obtem Competit accio le-  
gatus: Nam quia, ut cum mandato vendendi dato hyget non  
inducitur. Ademptio fuit ead. S. 8. art. ut legat deducatur ex a-  
ctu. Manca libri Nuptia p. 14. Monachus tibi proximè  
k. 22, qui idem tenet viri promissione de rendendo art. n. 15.  
Et in pratio, ne ab hyge vendita, Manet Remittas Cautiovis  
per depositum d. l. S. S. art. Ita et re vendita non tradita, in  
pratio obtem ut res debuit, ius legatus; Sed vix hystenus  
non probat venditionis vel legatus, Aliunque venire habet  
ut videlicet potest apud Cuic. in eo, patet in S. 12. delegat.  
n. 21: Et admodum, quo alienatio necessaria vel legatus non  
dicitur adiun Legatum, quamvis re. Carent legatus, quia  
Consequitur pratum, seu stirpation, si reddim non posse  
et necessaria suppositione d. l. 4. S. 12. delegat. S. 18. h. t. 2. 12  
delegat. Ita et re legata vendita et non tradita non potest  
de ademptum, cum legatusvis pratum Consequatur: quo  
venire in d. l. 27. S. 3. defundo in istuc, Non legatus legato  
consenserit scibolla sit, quod partem testis pratum a testatore  
acceptum legatusvis habere debet, Et velgium pratum viri  
pono per actionem quam ea venditio Consequi ab Empothe  
supponita traditione Aug. d. l. 82. & 3. delegat. I. q. non satis  
peccalassunt Et; et vero Nescire venditione Empothe  
Consensu Maneat rea vendita, legatusvis omnia tradenda  
est, ut contingit quando res aliena legatus ab sciente teste-  
tore, qui tradenda est si reddim posse, aut eius stirpation, si  
non posse. Aug. l. 10. C. delegat. S. 1. inquit eos: quo sensu  
vix ea potest sententia Patui. 1. Conject. q. 6. et liberari  
ab impugnatione Itan. d. l. 3. Cp. 13. a. n. 12 = Sed non in-  
subtiliter que si potest an re legata vendita cum pacto de  
retrovendendo (ut si venditor itaum offeat pratum Empo-  
ti, iste tenetur non venditum tradere) inducatur ademptio?

Et quomodo hoc case Alienatio per traditionem sequatur l. 2.  
 C. de pace. inter cnp. 12. de preceptis testis p. 10.  
 16. Cnp. 17. l. t. d. etiam l. Cnp. 18. a. n. 6. Allo. ill. 3. parte  
 Ob. Cnp. 8. Et consequenter prima facie de cunctis videtur,  
 per hanc alienationem legatum est reg. n. 13; tam  
 mem defendi potest ademptionem non inducere, debetque lega-  
 tario, si testator reseruat, quod uno verbo tenuit in scheda  
 Gomez l. Varian. Cnp. 12. n. 56. Ratiō enim potest, quod non  
 alienat absoluē, sed cum spe alienum recuperandi; unde  
 factum alienationis non potest nocere legatario, quin ei pro-  
 sit spes recuperacionis: Et ob modum quo re legata, adem-  
 pta sub conditione, sub contraria conditione ante videtur  
 l. 7. et l. 10. h. t. ita et re vendita comparsa de reservando  
 secundum recuperationis canum datu videtur legatario; qua-  
 re quem ex dictis absoluē non adim legatum: Quod a  
 nemine tacitum vidi. Nec obstat l. 15. h. t. quia procedit  
 ubi facta et mundum redimendi est exercitum et independens  
 a fisco alienandi, unde nova voluntas requiritur: Scimus  
 ubi in ipsa alienatione facultas redimendi continetur; quia  
 tunc regunt redemptions facta videtur exercitum in con-  
 sequentiis prīmū voluntatis, quae prædicta debet legatario. Cetera  
 idem dicti potest tri. re vendita sub paces l. Commissionis ut  
 si ab eis tempus soluta penuria non erit, nos patre inempta:  
 quia utriente tempore, aut nullitate venditoris uti lege in  
 cuius faborem inducitur 20. l. 2. et 3. et 8. de l. Commissione si-  
 ne dubio revocationem manet legatum, ut in primo casu si  
 cnp. idemque ante venditoris nullit reseruatur; aut non  
 deo uti vult prefata lege, tunc enim manet legatus inori-  
 sequentiis novis voluntatis, quae non inducit redemptions  
 de novo, sed per conditionem restitutam, conventionem antiquam  
 manet l. 1. Cum vulgariter est: In pacto in diem additionis  
 ademptionis legati manent, quia in casu, quo tecum meliorum  
 conditionem affuerit, ei adjiciatur: Si non affuerit, manet per  
 nos primum cnp. et totum: deinde addit. inde  
 UVA.BHSC

Semper sequitur alienatio, et consequenter ademptionis. Po-  
tescant parcer singi species in rehibitoria, et parco si de-  
pluerunt Cryptoni ab. l. 13. s. si vobis conditione cui Religata  
de Celerio Edicet.

IC. 18.

Recobstant fundamento Concessus den-  
tionei adducere N. 18. quorum occasione plurima, iura huic  
tracantur Religatibus. Ad primum itaque Respondens Rebur  
evo Nuda Voluntate. Abzim legatum, sum factum eam posuit in au-  
cere: Ceterum Religamus eos solo facto Testimonio eis traditione  
produci nudam voluntatem; quia, cum requiratur alienationem l. 18  
habet. s. 12. de legat. Non ponita alienatione, negavit os sui concessio  
voluntatis. Pcl. potest dicit operari hanc voluntatem ab emptionem  
speciei. Non perij. Et dicit N. 17. Rec obstat usursum deductus  
Coo. l. 21. s. t. h. t. l. 1. 6. 1. cissom inscriptionis, defendo istius;  
Nam omnia eroluvine Genitilis l. vix. Cp. 1. o. querit videtur  
Om. 8. cap. 17.) ad. 2. l. 2d. quod non est in proportione ad imponendi ma-  
gistrorum una specie, quam in alia: Omnia pariter alia Cuiac. in  
ca: Alio Coram. In clauso de ttt. Cap. N. 12. Vers. 3: Alio Rete  
l. Opus. Tri. l. vlt. s. t. De huius ut. N. 8. Vel potest Respondens  
traditione in ea inexcavare, quod tempore Cap. in donatione re-  
quiebatur, ut in inexcava videtur. Sust. in l. 12. de donat. Ut ho-  
rum illarum. B. Singul. Cp. 17. Vel uocumque hoc faciemus, ad ini-  
legendum per multam alienationem; tamen Negando est non  
alienationem inutili in condicione nisi fundatore l. 27. de us.  
cum adductio N. 16. Vide non procedere contra nos argumentum.  
Cedem modo accipienda. q. l. 3. B. t. 2. secundo in tunc: et auxi-  
bit quod in ea processio testator ad factum materialia manus  
minionis, quamvis nullidor, quod vicem habet traditionis, non  
elegerat ait Gotfa. in l. 14. s. 7. de legat. l. N. 6: Secundum in meo  
casu, ubi non processit ad factum tradicionis, in quo alienatio  
poterat est, ut supra. Dicitur: Et si alter, propter superiores, q. l.  
3. s. t. intelligat eos Cuiac. Genitil. B. cap. 13. de donat. inter. 86.  
ter. Orae l. de apie. Cp. 1. o. N. 6. Alter Secundum factos in s. 5. l. 2. n. 7  
Et alter meliusque ipse de conservanda Crypt. q. l. N. 14. et huc

42.

quidam. Toto, ut oritur Nolum, veline opponi Contra a l. 22  
 s. t. delegat. 3. Nota, est officia sua in l. 11. 3. 7. l. 108. 3. 2.  
 de legatis l. 1. 37. de legatis. 2. l. 1. 5. fin. de opt. legat. et facit  
 l. vlt. 3. t. de Valg, iniquibus pecuniarum libertate legatus non  
 admittit, quos etiam obstat. 1. licet. 2. h. t. 1. phoni 8d. deles-  
 gat. 1. Daria pro etatione excoquauit oppinamenta. Exip-  
 tores, in quibus Nestorius, refellentique acceptibus ante latior tem-  
 poris invenit; Namque Cuius tri. 1. 3. 8. b. Alter ipse eti-  
 conexaruit in d. l. 108. 3. 2; Alter Oroz. 1. Cap. 10. a. N. 6; Alter  
 Batone. 3. trac. S. Cap. 2. N. 33 et 44; Alter Rees A. opus. in 12.  
 3. t. de his pp. iec; Alter frater tria. 3. 12. n. 2. Non longe inef-  
 fecit a Santolan. Interp. 12.

C. 10. Cgo clmper pzbelli, pro notis que defen-  
 sori elegancem Cognitionis Motu. Gbf. in d. 1. 11. 3. 7. a. n. 3.  
 Suppono itaque legata fiducique commissa per factum alienationis  
 materialiter Exequutum, licet formaliter nullus, in manu abom-  
 fitione p. l. 2. & 3. t. 2. l. 21. & 1. ut supra docui: Admodum quo  
 ea inutili acceptatione pacum utile producitur l. 8. cum N. 15.  
 de accept. sed quo, et an in hoc oratione erit in eius legata et  
 Contractus ad 1. 1. de Nono. 10. de 109. p. 11, que mihi nihil  
 probare, N. 2. Cobara. in Nbr. de ttt. 3. 26. N. 12. Toto 3. ) e. P.  
 teca Noto hanc Ademptionis questione per inutili ratione  
 in duplice modo Considerari posse. Primo, quando per commer-  
 morationis Demonstrativam Ori admittatur, ut in alterum trax  
 fixatur, ut quod Titio legari, Venitronio q. 9, lege l. viii. 5. h. t.  
 quo case p. p. facta Eque principalia peragitur: Unum admissio  
 prius: Aliud transire in Secundum; Nam et ei translatio iniur-  
 ia sit, Manet Eque principalis Ademptionis; inde nihil minus  
 quod recipetur legatum, quemadmodum intelligenda sunt l. 2a. 1. 2.  
 h. t. 2. l. 33. delegat. I. quis reuenerit Tota translationis; quo  
 etiam in libeccitate defendendus, Nam si Clivum legat, et portat  
 dicit, Nolum, quis legari, libeum esse Dolz, inquit, libe-  
 tur sic admittitur legatum, quia Manet Ademptionis Eque princi-  
 pais, et ut illius Commemoratione Demonstrativa Arg. 3. l. 2a. et  
 5. h. t. 2. l. 33. delegat. 1. Arg. 2. 11. Delegat. 2. Eleganterque a  
 UVA. BHSC

Contariorum sensu probatur cap. 16. de Virgine, quam male ad  
eorum Commemoratiois Repetitio Nutillet Proph, cum ipsa for-  
mula o. l. s. p. t. in ea inseratur. Secundomodo, ut istius com-  
memoratio demonstrativa non uni legat, et postea considerat  
legat alteri: Ita fundum Tirio legg, eundem fundum Uxori legg;  
Nam hinc ut Natura Rei pertinet, Concordia partes sunt, et  
juxi accessendo locutus est o. l. 33. cum Virgine. De legat. I. junct.  
Eleganti Coquitatione Bell. Cp. S. q. 13. per totz: Ut vero si sumus  
in libertate, Ut Natura Indivisiibili l. 31. s. t. de pietatis comm. lib.  
et Commemoratio Ut repetitio, ut quia dicitur: lego sicurum  
et postea Natum, nec cursum Uxori liberum esse vallo, tunc lo-  
nacum Rei nihil ostendit, mino, ut possibile erit, quod quid faciat  
concessus, et remittere; Concordia partes finione o. l. 33. l. 38  
s. t. in iurisdictione de legat. Sed quia hospiti negoti, quoniam  
Ex Natura Indivisiibili, Et libertatis subdere, potior est libertates  
et populi 2. II. de legat. 2. l. 50. de pietatis commissariis libert. l. 10.  
s. t. junct. l. 37. de man. tcc. l. Ult. s. t. de Virg., id est ademptio  
legat. Dependat accessio, Et per annexionem a validitate li-  
berata, qua mutuam coabitentem manet legatum, Non quidem  
per coitum, ut Volvus frater, Et concupiscentia Santollaxia d.  
interpr. 12, id est, quia, ut potior est libertas legato, cum hoc  
valere potest; Ita a Contariorum, cum utilia est libertas subdita legatum ab eo; Non inquam Ex hoc, sed ex rura, juxta rationem  
quod mutuam coabitentem illa, a cuius validitate accessio de-  
pendat ademptio alterius, Manet hoc, quia principali est va-  
rio, Et non principalis ademptio. Nec ex vi verborum testimoniis  
Contingere potest, ut aliexa dicit, Unde necessarius est, quod ma-  
neat legatus. Virg. l. 5. s. t. de legat. 33. ut l. 2. de pecun. legat. l.  
cum principali de v. f. quomodo intelligenda sint o. l. 11.  
s. t. l. 1. 8. s. t. de legat. l. 37. de legat. 2. l. 3. s. fin. de opt.  
legatus, que de Commemoratiois Repetitio loquuntur, nec  
in eis rebus regni de Demonstrativa Commemoratiois  
l. lecet lo. v. t. l. 31. de legat. 2. in quibus data commemorationis  
demonstrativa proposita est principalia militare, ut supra. Noi  
VIA. D. H. S.

¶  
Ecce obiectum d. l. 3. & l. 2. fidei iustitiae, Nam ut Regia eis gratia donum, Manumisericordia Reducta ad Orationem, et ex voluntate, Extra omnium voluntatis, ut in l. 2d. & l. h. t. que voluntas deficie invoca d. l. dd. s. 7. cum Regia donum de legat. I.

M. Do.

Sicut etiam opponi l. 10. s. 3. de legat.

de legat de facultate legat. junct. l. 7. (mitis de pugnativa) de munus.  
inquitur: Certe factus cum Quic. in d. l. 10. s. 2. quem sequitur  
factus in d. s. 12. n. 8. agi de nullitate legati in d. l. 10. s. 2. et  
non concinnae sexum in facultate distinctione filij; etz in d.  
l. 7. agat de locis libertatis que eadens ab adiuta hygredientur;  
Si post ill. claus, in quo filio legatum sunt facultas, plenus manu-  
misit, Nebulacion ad habere tempus dominij; Plenus viance le-  
gatum facultas plenus Manumisericordia agit in unum coherendum;  
Sic factus cum Oraz. l. Op. 10. a n. 11. agi in d. l. 7. de munus  
post ill. Conveniente Claus; Claus ac in d. l. 10. s. 2. obitarii con-  
stitutus Non potest, quod et voluit Gotfr. Clericis, si ingeniorum hygieja  
in pependatur, quomodo Contra nos possint ponderari, cum  
diversi virtus personae Patrum legantur, Et filii Manumisericordia, non  
de procedere Non potest quippe tractus Ademptionis per inven-  
tionem Manumissionis. Optius opponi soleat l. vlt. s. fin. de aur.  
et arg. legat. fin. qua deficie Comm. Gotfr.) Ceterum omisa  
voluntate Antiquorum, Cum quibus Cobax Niger Relatus, Re-  
pondendum est: Secundam voluntatem testitatisque, que cum ali-  
quibus ornamentis loco annis legis stipitatae ex jure, non  
solum esse inutili, ut per se inducere voluntatem admundi  
ex Reg. d. l. 2d. s. 1. h. t., sed ineptam, cuius ineptitudine legato  
non nocet, ex Reg. l. 10. s. vlt. de legat. l. junct. l. 10. s. 3. sede  
liquis. ut voluit Oraz. Nbi Regia N. 6. L. Quae ineptitudinis  
vnde in ea, quod prohibetur legi decomitali illatione funera-  
lem cum ornamentis pugnioris teste Cic. 2. de legib., hoc nulla  
testitatio incipiat. Unde violatur, de quo graviter D. Al-  
exandrinus, pleneque factus in d. s. 12. a n. 15. Utique in Gu-  
bernatore Chrysostomo d. Op. 30. Sotovian. tom. 2. de pr. Ind.  
s. op. 1. n. 38. Sollet etiam ponit contra Regula d. l. 2d. s. 1. 2. 3

§ 2. Dependo instucto deumis & offeri in l. Seco 15. de peccatis  
legae. Huius Seco manumissa legam fuit peculium, in quo  
ancilla fuit. Et postea ancilla omnibus legatis novis amicis  
Constituta. Non minus legatus ancilla in genito Comprehensione:  
que secundum Non impingat Speciale Regula 2. l. 2d. cum su-  
pera additio, Male que ad hoc adducitur ab illius et Gottfr.  
ad tantum impingat a proximitate generatio Regula alienatio-  
nis. Nempe cum non admittitur per elegans legatus ancillam.  
Cui diffringat Regonda Nete Rector. in l. solutus, quam regui-  
tur Gottfr. quod ancilla Concedens in pecunia fuit Novaria, de  
qua in l. 38. §. 2. Dependit Novaria aucto Seco Nunquam  
Comprehenduntur sub nomine charry ancillam l. 73. §. 13. de  
legat. Et. Et cum in d. 145. ancilla vias legaret, maxima non  
potuit comprehendendi in 2<sup>o</sup> legato ancilla peculij: facit accusa-  
torius in l. 15. de liberto legata, 125: debitum peculij non  
appellatur protrum tenuis; Ego nec ancilla peculij in d.  
l. 15. potuit vias non nomine Concedens, et ab aucto facit. l. 15.  
§. 13. de legato. instr. <sup>ro</sup> No conciliacione ad aliis 2. l. 15. ag  
l. 36. de legat. l. junct. l. 32. §. 13. de legat. 3. via Gottfrin-  
ea, elegans locus e Bell. cp. S. q. S. a 72. 13.

R.21.

Nec Obstine tertiis fundationibus  
hunc n. 15. cap. 2. 7. defund. instr. Lingua Magna Primitiva.  
Respondeat: Testa non Traditione Dilata Redundare eo co*quid* hoc  
cum Virazig Verdisig sibi, quomodo potuit differari Vincen-  
tio, cum alius incongruus sit. Respondeat, quod conjectura rati-  
non casat; Retineta vero locuta Aliter Respondeat. Etiam. 3. cap. 17.  
92. Qd: Eo generali acceptione. L. 12. tabul., quod viae Traditionis  
tote comprehensio. Omnes alienationes L. statu liberi & h. inspi-  
re statu liber. Cum Nihil, quod nimis genesis etiamque. Alter  
ius duri potest. Scabolus intelligendus de Traditione et traditione  
horrei. Nec diuersa dirimantur eis, nam cum traditio sine  
traditione sitat, Exprimebant Consulti Non faciunt traditionem,  
ut mi. L. 27. I. 3. defund. instr. Retocas ad hoc testum in 18. 5. 12.

q. 18

quibus mod. pign.; Cigo cum Non Coquimenter, Vnde dico cum  
traditio facta intelligatur, quomodo accipiendus Paul. in  
loco citato in 6 fundamento S. 21. 15. Et facio l. 25. h. t. No.  
bo dictacio. Ut alios et noviter tentari potest Chancery  
ultimam Uscibolly Non intelligi de Mutatione Voluntatis non  
peccat horret; Sed de primo cum multo exhausto Et de  
novo contento, Vnde dictio que horret Non admisit lega-  
tum, quia Vnde dico fuit necessaria, q. est ut probet. Nam nisi  
Vnde dictio dilatam sit, ut causa commoda, id est lucra ma-  
tiora habentur; Cigo quia horret Vnde dico, Non ut commoda  
reprobaret, Sed ut necessitatibus subveniret, et consequenter  
necessaria fuit Vnde dico, quia legatum Domine Non potuit ex  
Regula S. 2. 11. S. 12. de legat. S. Cum adducatur S. 13. Nec  
obstat quare fundamantur deducens eis S. 2. 1. 11. de legat. 3.  
(quam ad aliud expounderit Faber l. Conjectur. Cp. 6. l. Ann. 3  
Cp. 13.) Nam Chancery, quae ibi erunt, vel quae ibi sunt et omni-  
lia denotant nos perpetuo ibi vobis, Non quae feroces, depri-  
mante Causa, vellet transponerentur ibi erant; Nam. compre-  
hendi in prima Voluntate tentatio Non potuit; cum ipsa volun-  
tate eis q. re destinatas ad alium sibi habuerint; Non enim  
potest quod habeat legatus nisi certe loco statuerit, unde impug-  
nabilius eis ipsa Voluntate cetera res a legato coiunxerit  
quomodo intelligenda sint, juxta in S. 2. 1. 11. 12. S. 6. in fin.  
86. 19. S. 1. de legat. 3. 1. 32. S. 1. de aur. et argent. 35. S. ult.  
de legat. inst. Elegans tenuis in l. 32. de pigris junct. et candi-  
za 2. de pacie. Cp. 11. Et quae ibi in tract. de pignor. facit. leg.  
modo accipiendis sunt S. 2. 1. 12. S. 30. Definit. inst. l. 32. S. 2.  
de usu. legat. positis vi quinque fidei. 2. 11. 15; Nam in Rebus  
Venerabilibus dignus animus Et voluntas legandi; quia, ut eleganter  
in simili. Consideratur in l. 28. de legat. S. Casualiter ibi erit  
intelligendum, et q. cum adest non augere legatus, ut q. casu absit  
non minuit.

No. 22.

Aliud est in S. 1. 27. S. 3. Definit. instruens  
UVA.BHSC

com adductio n. h. q. ita enim non es o. dinum. Vnde ita tempore  
legati, sed ex parte fidei hoc spicere testator; Non recedit autem à  
prima voluntate nisi per accidens alienationis que in donatio-  
ne sive tradizione considerari negatur, ut supra docui: quod  
quid alter Faber d. lat. c. 6. Max. d. 3. c. 13 n. 12. Scholae  
opponi causa superiorum regulam voluntariorum alienationis no-  
tis sed elegans locutus in l. cum maxitus d. S. d. de pact. dot.  
sco suppono quod mortis causa donatio ut legatum, Recocatus  
per alienationis voluntariorum art. l. d. de publicatione l. n. 16. C. de  
mortis causa donat, ut potest cum antiquis Manichaebi  
7. N. 8. ) Virga, mortis causa donatio facta à mulierib[us]  
de date, cuius restitutio per stipulationem statim concepta fuit  
in casum matrimonij. Solus per mortem. Non recocatus per  
legata velata postea mortuo, nec per eorum munitionem;  
Ego Ne legatum debet per manumissionem sive alienationem  
Recocari: Cui eos diuine obstat l. leja n. de date proleg. lib.  
Recopari donationes per sequentia legata ante consultum. Huic  
difficultati evoluta Dec. 15. cc. 2. n. 10. Respondeat frater in d. § 12.  
N. penult. Et vlt. 1. Recopatu[m] in d. l. 23. § 2. Non tenet lega-  
to et manumissionem, quia testatrix o. crebro manumisit  
et legavit; Et cum legata libertatesque directe tantum posint  
velinq[ue], ab hyrcide. Eo ipsa definitione legati, idcirco non potuit  
tercius frater donare; At in 2. l. 11. agebant de fiduciam  
ut iurisane verba duci possit, q. à mortis causa donata  
eo velinq[ue] potuit l. 37. § 1. de legat. 3. l. 77. §. Testator ed.  
quam et si viriuit eleganter. Max. l. op. 12. per totas; facio-  
tem posse defensioni sententias antiquorum quod l. 23. §. 2.  
intelligatur de donatione in rebus viro o. testocateli; d. nos.  
11. de donat. caus. mort. quod velut Goff. in d. l. 11. n. 57. lat.  
l. Opus. 15. d. l. 37. §. 1. de legat. 3. et coruicit de donationib[us]  
op. 17. N. 1. Et op. 15. n. 3; et cui ita debet intelligi eo libe-  
ra fundat et clavis, quz non transcribo. Solem opioni l. alle-  
xi. 25. h. t. ubi sive voluntate admittitur pro legatum virius

Cohzedus. Sed nunc respondet Ciuc. in ea ecclib. 22<sup>92</sup>  
 de legat. 2. quod non deficit voluntas, quia unius prolegatus  
 ut actionis contra debitorum et servandarum Equalitatem  
 fundi, quem alteri Cohzedi prolegauerat, ut denotant Por-  
 ta ad eum finem, unde propositio postea distractio, ut pugnativa  
 latio Equalitatis exercetur, et attenuatio cohzedi prolegationis  
 ademptum, unde non deficit voluntas: et sic non obstat mor-  
 go l. 82. c. 8 de appetatis. Sed quid in eo proposito fundi alii non  
 compassaret, nec debitorum liberaretur? An exit Gotfr. non credi  
 ademptum hoc caru prolegatum actionis art. l. 23. h. t. 27. de  
 legat. 2; Sed quoad liberationis debitorum difidae mihi videbatur,  
 nam nihil in patrimonio verum creditur et deficit ratio  
 d. l. 23. pro qua vid. Ciuc. mica, et in l. 72. de legat. 2; Sed  
 si Creditoribus solvitur, Nam in patrimonio est liberatio.

R. 23.

Dicitur hucusque de tanta ademp-

tione voluntaria alienationem. Non solum locum habent  
 tota res alienatur, sed etiam si pauci, Nam et pro parte adem-  
 ptionis fieri posse. Nequaquam exemplum l. 2. § 1. et 2. l. 3.  
 s. 3. cum aliis hoc t. art. l. quis de tota lib. de re Rind, et in  
 alienatione paucis nisi probat l. 8. de legatis 1. quam de aliena-  
 tionis voluntaria intelligit Barb. in eius Commento, et dispe-  
 sione Ciuc. et Duuan. in ea, aliquando si non posset in-  
 duci ademptionis pro parte, Si co[n] necessaria causa hoc factum  
 esset. Regula §. 12. delegatis, l. 11. §. 12. de legat. 3. cum adducatur  
 l. 13. quin necessaria ut intelligentia partis in d. §. 12. n. 17. ca-  
 piens de detractione paucis fundi legati ut alteri fundo adiacecer-  
 tur, Nam in hoc voluntate Convenit, No[n] detractionis vel di-  
minutionis uteretur, ut facit in l. 32. §. 6. ut de auxiliis et argenteis  
 Ultima vesta quia etiam si aliquis tantum probant, q. ad.  
 modum quo augmentaz. ventur legatarius per ademptionis vel lega-  
te eos suos testatoris, debet interea dannum per alienationem  
 partis: hoc verum est quod d. l. 8, sed in se ceteram principium  
 est, quod per detractionis partis vel legate vel separationem, ut per

modum principalis retinet testator ut alteri fundo adjiciat,  
inducitur ademptio de l. 3d. & fin de aur. et arg. juncte dat.  
l. A. de legat. h. Admodum quo augmentus et adjiciens proveniens  
enim in re legata post ill. vel a Natione, vel ex parte testatoris ac-  
cessorie eorum legato legatarij l. 2d. s. 2. delegat. l. 1o. delegat  
2. 2d. s. 2. de r. vnde. 7. de periculo et commone: Secus acquan-  
do ex parte testij vel legatarij Adjecatio, seu augmentum in re  
legata, Contingit, quo cum augmentationem legatario non cedit, su-  
mum intelligenda, cum superioribus que concilianda in l.  
3d. & cum iis de legat. d. l. 3d. & fin. de aur. et arg. 18. s. 12.  
de fundo instruendo: Vel quando ex facto testatoris habentis pa-  
tem Adjeciam post illi. Non ut adversario, sed ut principa-  
lis hoc accedit, ut si fieri legato aliam partem adjiciat, eam  
retinens cum diverso nomine, et principali vni, ut volent  
deducere eam l. s. 5. ut de legat. l. quod mihi non probat, licet  
satrar a Natione jicias. Prolatione intelligentia horum iurium  
videtur. Dom. 8. cp. 17. Cobare. Cp. 2. praece. a. n. 2. p. Bart. in  
9. l. 8. de legat. 2. Gomez. 1. Vauais. Cp. 12. n. 10. Et 16. ubi agit.  
Item 3. Vauais. Cp. 2. a. n. 2. ubi conciliat cum l. 6d. de con-  
testatione. Empt.

## Secunda.

Idem est si quis fundo legato alienauerit  
enfusatum: Nam subiectus ut ademptio partis l. 5d. de 9. o.  
d. s. ut de novati l. de vniuersitate et solam uadaproprietas apud  
legatarium manet, in quo et ex non sit species in iure, sicut ta-  
mem Bart. in l. 18. h. t. Mariae l. 2. tit. 6. n. 1o, potestque  
probari arg. l. d. s. 1. cum reg. h. t. Vel e contra, ex proprietate  
alienauerit, manet vniuersitas formatio genere legatarium: ut  
aut si per legatum haefaciat, Nam tunc fundo legato, alle-  
xi vniuersitatem cuiusque fundi, concurrent per ius accrescendi l.  
10. de vniuersitatem legat. 3. s. 3. ut et 3. de vniuersitate accresc. In quo ne  
potesta erunt causa que dicimus pro explicatione l. 2. s. 1. et  
2. h. t. sub. cp. 1. n. 2. Et cum reg. ex quibus non insubtilles

species posse formari. Item est si. Sico, autem <sup>92</sup> S. Philo legatis, unum alienum voluntaria, Maree enim Alter in legato l. 83. & vlt. de C. et D. facia ponderatione in Rebus atque et reparatim, quod id probat in alternativa, Et sicut l. 8. S. H. juncta l. 82. & vlt. de legat. I. Coquitas hoc de quo ut Alanta ubi clp. N. 22: Meliusque pondexxi potest l. So. S. I. Delegat. 2, licet huc species proprie non pertineat ad ademptionis partem, sed ad exemptionis unius contextum. Ea alternativa Obligatione, quo casu Manet alterum l. H. ins. de legat. I. l. 128. de O. O. Regum et aliorum Conciliacione cum l. 27.

Cooperata dñs

ad hanc Classem an legato principali adempto, accessoriuum admittatur? Regula est utrumque admissum, ut contingit in legato. Scuius casus peculio, Nam serva adempto, Nec peculio, ut accessoriu, debetur, l. I. et 2. de pecul. legat. l. 17. de legat.: Et in fundo legato cum instrumento, Nam adempto fundo, Nec instrumento ut pater accessoriu debetur, l. S. l. 2. S. 27. de fundo. in l. arg. l. 6. de vnu et habet: Scuis se funde intruere, vel fundum et instrumentum leget, Nam hoc cane costricta Pauli contra Laborem in d. l. S. fundo adempto, instrumentu, ut principale, manet in legato. Cui Vulgo obicitur. Iust. in S. 17. de legat. Ubi in eadem formula fundi intrucci; vel cum instrumento alieno fundo, Et instrumenti legatum. Extingui ait. Cui discessati alter respondet. Vnus. in d. S. 17. alter O. 11. 8. cp. 17. Alter Bachor. Cogit, fluctans Et ignorans quem sequatur, Alter Pinetus 2. Sequear. Cp. 17. a N. 7. quem Merito Rejicit Alans. S. Singul. Cp. 21. Ubi sustinanez intelligit Conjunctione <sup>93</sup> fundo instru cum instrumento, cui intelligentia repugnat dictio vel, que stat apud Justin. Pecuniam nullam inveneri, que rejecerunt sine causa accessoriu Conciliacione, quam sequitur subtilis c. Bach. in l. 21. Delegat. I. N. 2. Et in featu Don. 8. cp. 17. Nampe, quod in legato fundi intrucci continetur,

Non volum fundi instrumentum, sed etiam in instrumentis principale  
expansum Sacrae Familias, ut instrumenti fundus esset 2. l. 12. §. 27.  
et §. 16. cod.; h[oc] legato vero fundi cum instrumento conciliatur  
solum, ut aceronyx, proprium fundi instrumentum, et hoc omni  
h[oc] ponit Consultus et dicens in l. l. cod. et 2. l. 12. §. 27. q[ui]  
nomine fundi Instrumenti, Non agri instrumentum contemni ait,  
en. Capienda, id est, Non videri agri instrumentum, sed latifundia  
cod. 2. §. 16. et cod. 2. l. 1. Nec ponito, item Paulus v[er]o 2. l. 1. S. ait, fun-  
do instrumento, aut herbo et instrumento legato, alienatoque fundo  
manere legatum instrumenti, accipiens est de instrumento Par-  
ticipia Familias principali, quod adim nequit per consequentiam:  
arg. legati auctoritate cum natus, Secundum Ordinarij cum Recipiunt, quia  
ut principales, primo auctoritate non adiunguntur 2. S. 17. puncto  
Don. et Om. Iustinianus vero Capiens de instrumento for-  
bi, quod est aceronyx, quod elegantius Confirmae Gotfr. in l. l.  
S. Et eo quod Iustinianus non sive instrumentorum legatus est  
qui, Nec instrumentorum h[oc] plazat, sed instrumenti in aliquo  
lau; ut sic proulant Interpretatio: Iustinianus de uno et altero  
instrumento egit; Et tamen unum volum adim ait; Ego do-  
hi aliud non adim; Ego adiungo. Instrumenta possidit, manu-  
que Sacrae Familias ut principale= Peccare etiam ad hanc  
partem alienationem, quod si res legata pro parte vincipiat est;  
adiungitur, unde postea continguerit legatum, pro parte, de  
finitis leibus isrl. M. S. D. & C. et D. quam et vi ad occasio-  
nem principale de diminutione pro parte Conditionis vandi  
cum l. 12. in principio et §. 12. cum Regg. l. 23. eoz ignorant  
Gotfr. in 2. l. 12. N. 2. Don. 8. ep. 3. Quod de ipsa Accr. ep. 1.  
N. 2. et 2. tamem quod suppositione nisi tacitus propriam  
omittunt) Et hoc est primo certe est, quia est eleganter. Consult  
in l. 12. de O. C. sit, Non est, ut non videatur alienare, qui pa-  
titur vincipio, Unde ademptio curatur ope Coceptionis eo regulari  
l. 12. cum Reggatis h[oc]; Nec necessaria declaratio Gotfr. de amplior

42.

Principio post Mortem, Adibaque legidate, a quo tempore legato  
tuo Imperatur l. 12. s. 1. quemadmodum feci. Etiam de  
ce, uncapioz esse alienationz decanaz; Credo non potest pro  
cedere ademptio Corrig. l. 11. s. 12. Delegat. 3. Vide Responsionez  
infra N. 27.

N. 25.

Procedit etiam Regula ademptionis per  
voluntariam alienationz. Non sedum quando alienatio existit, sed  
et si eoz ne redimatur a testatore, nisi probetur nova voluntate  
eo a legatione l. 18. 27. 2. h. t. art. 1. 28. s. 8. de Solut. ~~de~~  
et iuncto Om. 8. cap. 17. ubi quid in causa pia? Nec et tantum ad  
l. 2. h. t. 6. Notantque Omnes adduci N. 13. Contra hanc regu  
lam poterat singulatrix concuponi l. 1. h. t. de qua egi N. 2.  
Similicet species redictionis cum pacto de retinendendo, de  
qua egi N. 17. Religatrix magis opponitur Cetni responsum in  
l. 7. 2. s. 8. de legat. 3. ubi ex eo legato, postea que Maximus  
fecit ademptio l. 3. s. 1. de fund. inst. Ita cumque redemptio in  
exequiaz debetur legatario, Credo ea redemptione vel legato alter  
nate circutatur legatum. Quicco diametra obiret causus in d.  
l. 28. s. 8. de Solut. Et taliter in l. 27. s. 1. h. t. Et in l. 8. 3. s. 1.  
Nam de l. 2. 2. 17. in eadz specie Cetnum coextimare concur  
rius sic. Sibiles et docti auint varum esse conciliare, quan  
do Paulus fatetur Cetnum dissise concurrens, quatuor sunt Proph.  
in d. l. 7. 2. s. 8. de legat. 2. Petrus cap. 2. frater in s. 12. n. 3.  
adde incognitum locum Balsamoris in phocia. Nom. Canon.  
lit. 1. cap. 12. Sunt qui conciliare tentant, coquos Surinam  
nus in l. 2. C. de iust. iur. Enca. Negat antinomiz in judean,  
et venias remittas percutiunt, Barb. vi. l. 8. Delegat. 1. P.  
charo in s. 1. de inutilibus Om. 8. Cap. 17. h. t. K., sed in ipse-  
tianus Negat loca contraria ratione Matisse, non quando  
explicet se et Consulti Majicunt, Et peius est emendare literam  
tenet, quam dicere, quos Consultus dicit; sed Paulus in d.  
l. 28. s. 8. dicit non admindum quod Cetus ait, Credo qui conciliare

intendit, nucat literam Pauli. Sed pone hoc Paulum non  
divisive, nulla Melior Conciliatio ehe potest, quam Cehren accipit  
ut jace, se vero legato in genere, qui a principio usque compadon-  
dium, et determinatur per evolutionem, et sectionem l. 72. §. 1. de solue.  
l. 66. §. 3. de legat. d. Unde inveniencia manumino non opit, ac  
tempore Determinationis Deo inveniatur Arg. l. 11. h. t. ac adde-  
bit. Cp. l. N. 37. Et fuit eleganter ab arg. l. 6. de legat. t. conser-  
vatis l. 26: Paulum vero de legato modo in specie, cuius manu-  
mino tollit totam obstantem legati, NON usque homo Cedit aut  
enim recitat in Secundis d. l. 27. §. 1. h. t. d. l. 28. §. 8. de solutione  
d. l. 83. §. 5. de l. 2. o. ut eleganter observaretur Deo in specie con-  
ciliatione huius antinomiz pro capitulo 9. l. 83. §. 5. N. 17. Et no-  
to Gott. antea docuisse pro occasione in d. l. 15. N. 2. Et in l. 21. de le-  
gatis l. 1. lege omnemor sit d. l. 72. §. 17. Domine affimes in  
legato peculiari. Et pro altera Conciliatione Cetni et Claudi in d. pro  
rib. de legato Emissio ~~et~~ imposito, et cumque destructor. Et quod  
procedant in area aliena legata, Nam in propria auctoritate  
cedit legatio l. 8. de legat. t. cum adductis N. 23. §. 1. sua sic  
intelligenda in l. 11. §. 1. de legat. l. l. 32. de legat. N. 1: Et decant  
Conciliatione Com. l. 7. defensio inducto l. 69. §. 17. de legat. t. Et  
de difensione in hoc proprietate Et vobis frater ad l. 6. §. 3. q. 17.  
mod. resp. l. 86. de viva Nidendi. Barb. in l. 8. de legat. t. Inne-  
xi. D. de cetero. Cp. 16. Merill. 2. poster. Cp. 30. Castillo de vrufi. Cp.  
72. Laxea allegat. d. N. 21: De conciliatione d. l. 15. ac fulga-  
tissima l. 19. §. Secundus 16. l. 7. et 30. de legat. inst. §. q. si alio  
natus in isto. eos. Nidendo adducti a fratre in 2. §. 12. N. 2. Ut de  
Conciliatione cum l. 38. Et 39. de manum. t. Chez. difensione  
et. Cp. 2. N. 61: pro intelligentia l. 26. et 3. t. l. 27. §. 1. l. 17.  
§. 17. h. t. cum d. 15. et cum l. 17. et 36. de condit. et d. Nidend  
us eleganter Cuiac. 21. q. Pauli in d. l. 26. et 27. h. t. Laxea  
allegat. 22. N. 36: De altera Conciliatione d. l. 26. cum. l. 2. §. 1.  
Merill. de jur. Cetni. Orox. d. Cp. 10. N. 37. et 38. Hoc emendat

42.

facto Subtilia, sed Pugnaciora, nec aliud pugnare tempore  
us permittit.

N. 26. Cetera pugnare Regula a. I. 2. quando lego

Sicum, aut aliam rem, quae mea esse cum monstrar; Nam hoc ca-  
re et sine distinctione voluntarie vel necessarie alienationis ad-  
mitur legatum, perseverante alienatione, quia verificatur non  
esse tempore mortis: Ita si post alienationem reuidat in potestate  
testatoris debetur, quia coactus mortis tempore determinato l. 80.  
cum e. delegat. I. C. 31. S. vlt. De auro. et arg. I. 85. S. fin. delegat.  
Si habet enim conditionem, que verificatur in eo q. est testatoris  
mortis tempore vel in toto, vel pro parte, quae officio in-  
tra media alienatio, ut ait Institut. in d. I. 6. et docent Ciuc. in  
d. I. 6. et 2. Ob. cp. 30. Cora I. Select. cp. 7. Faber Dec. II. cxx.  
I. frater in d. S. 12. à n. d. Secundat a. I. 31. S. vlt. de auro  
vbi: Solum demonstrationes et argumentum hanc clausumq; in se  
habere docet Pomp.; Cego Non conditionem; Cego deponit super  
noi Ratio demonstratione pugnanti continet per alienationem.  
Ciuc. 2. cp. 30. lego diminutionis loco demonstrationis, et argu-  
mentorum. Altera Cora I. Selecta. cp. 6. ubi ait: Non facies con-  
ditionem in d. I. 31. S. vlt., quia relativaq; ad ipsius inchoato corpori  
vel de furore, q. Non facit conditionem l. I. S. vlt. ex C. et D.: Nam si  
ex eo corpori de furore ad ipsius, Nam hinc conditionem facit d. I.  
6., quia sequuntur Retes et frater de furore. Sed hoc nequiter  
eo d. I. 85. S. fin. ubi ad ipsius relativaq; inchoato corpori, et tamq;  
pugno conditionem: Et eo d. 27. S. 3. de fundo instruendo eo commun-  
num intelligentiaq; Vera est illa, quam pugnamus n. 16. ) Et pa-  
recit impugnatur distinctione Cora I. 2. De hexad. instru. De cuius in-  
telligentia eleganter agit Gotfr. in ea, Barb. in d. I. 6. n. 13. qui  
hunc et alijs omimi ostendit est cum Om. 8. cp. 31. quae sequitur  
Cance in l. 17. de C. et D. n. 5: Vixit sticlus qui meus esse  
pugnae conditionem et demonstrationem, et in eo difixa a Rebus si  
meus esse, quod hic sola in est Conditionem, et designatur ne pugnab-

Si permanescit l. 83. S. B. Cegans l. 17. de C. et D. arg. l. 26.  
S. Ult. De pign. junco Gotfr. in d. l. 6. De legat. l. Et de secratice  
narr. Voluntaria, extinguitur lega, Nec Reviviscit, et si iterum  
recedat Ad testam. eo Nig. l. 15. h. t.: At in primo casu  
miser Condita Et Demonstratio, Non quia res praevenia designa-  
tur, sed quia adveniente Conditione demonstrationis facit argu-  
mentum Nihil erit quod designari posset, ut liquet eo d. l. 6. ibi  
magis Conclusio; Cego et continet demonstrationem, Nempe  
adveniente Conditione: Et sequentia Verba Nam et demonstrare  
Voluntaria intelliguntur de sola demonstratione, vel demon-  
strationi praeventi; Non ergo negat fieram Conditione advenien-  
te: Et verba d. l. 84. s. vlt. De auct. ibi demonstratio ex ar-  
gumento, Non negant et Conditiones esse, Minus tracte insuper  
hoc evanescat Conclusio, sum sine distinctione necessitate vel do-  
luntate alienationis extinguae loquam ait; Cego qui et consili-  
inest d. l. 6. De legat. l: Et verba d. l. 85. s. vlt. De legat. B. non  
interviu utrum ita qui Mans cic an si manc cic intelligun-  
tur ut pariter utique causas Conditiones Contineat, Ceterum  
non negatur demonstrationem Cetani esse in primo casu; Et id est  
alienato et cito, iteumque Redempto, obiecto d. l. 84. s. vlt. la  
Cegans ratione, quod nullo presenti demonstratione, non est quod  
extinguitur per alienationem Et demonstrationis futura advenien-  
te Conditione, iam Nam invenerit in potestate Testantis et ca-  
to potest designari: Arg. legati generice, Mius speciei a pro-  
prio Non determinatur, et ideo Ademptionis unius speciei no-  
tolit legatum l. II. h. t. cum adducatur N. 26. Nec obstat l.  
penult. De legat. B. Nam omnia commendatione Cuiac. in d. l. 6.  
et alijs solutionibus apud pign. N. 12. et 13. Respondendis ut:  
Ieo Chirographe debitorum non continet, qua per exactionem tota  
substantia Nomini sui Extincta eo Nig. l. II. s. 13. De legat. 3  
arg. l. 75. s. I. De legat. l. L 21. De liberat. legat. Et quamvis alia  
Chirographa in lacratis Nationis Reparauisset, non debentur  
UVA.BHSC

Ex Necessitate, ut Credo Non Administrativa, quod in Chancery de-  
 jecto Nec ea Vnde Legata Cum moriar, Cogo Legata autem  
 Montz Concessi Non posseunt; Nec pecunia iterum reportata  
 ex ratione l. 70. s. l. 86. delegat. 3. junct. Doctor Gotfr. m. d.  
 l. II. s. 12. Hoc est in specie l. 28. s. 1. de C. et D. obian-  
 cilla, quam Omnis testator post primam ancillam Agatam  
 legatam Et alienatam, cuique Nomen Agatam imponuit pro  
 Deo Confidens, in legato quod de Agata in genere sensu  
 ut Male Cumanus Et Socinus Voluerunt, sed potius quia  
 per Nomen imponit Seus Omnes, quod habebat Ancilla  
 Anna Legata Et alienata, Videcum animum habuisse Sub-  
 reganoi in locum alienatus Arg. l. 108. s. quicunque de legat.  
 l. II. 70. s. fin. delegat. 2. 36. s. 10. de Bonat. inter. l. II. s. si  
 sublatum Exib. pug. Cogans l. 70. s. 10. qz. mod. usus. amic.  
 ut ex Part. Respondet Barb. m. d. l. 6. n. 5. Hoc Nec  
 Constatans Si Ancilla Crypta appellaretur paucis Agatam;  
 Nam tunc Defendit Conjectura Subrogationis legatus non  
 debetur Gotfr. inca, Pomea l. op. 12. n. 56. in fin. duxa decim.  
 33. n. 76. Ramos delegatis n. 18.

l. 27. *De necessaria alienatione Re legato legatum*  
 non admittit eo n. 12. de legat. l. II. s. 12. de legat. 3. pugnat Aut  
 itaque adductio supra n. 13. docuimus. Cogno. Si non legatus pug-  
 naret testator, Non videtur Ademptione l. 3. C. de legatis. 2. s. 12.  
 quia ex necessitate Regulatur huc Craditius. Secundas pugnatur ut  
 Non patitur Delictum distractio: Accedit Marca dominium penes  
 Poterit l. 35. s. 1. cum Vulgar. De pugnare acti: Et altera clason. ra-  
 tie in d. l. 3. quod pugnat detur a principio cum ex parte Redimiris  
 pug. Non operatur Ademptionem, ut nisi in pacto de Non vendon  
 so n. 56: Ultimam rationem plazitus adductis Sequitur. Placita  
 d. l. 12. t. 6. C. n. 20. ubi indicat Non inleganter Speciem, si  
 signis debet eo pacto, ut ex parte non soluta pecunia, habeatur  
 pro crypto: Virga ibidem dicarem, quia non cogit translatio rea-  
 gio pug Ademptionem condidit. Sed contra d. l. 3. solent opponi

Pelgatimma, pisa in l. 82. S. S. de Donat. inton. l. 12. C. cod. pisa  
Novel. 162. Cap. I. s. 1. ubi Donatio inter vivum, quis, ut legatum,  
mortis Confirmatur, per pignoris dationem tolletur. Cui difficultate  
aliter Respondet Etiam si; Alter cum pluribus Salgado videt  
pisan. Cap. 10. Alter Gorat. B. de Donat. inter. Cap. 10. obi cor  
perat tam licet a l. 82. S. S. Etiam subtleter nulla, quam  
Tab. dec. 16. ex. 3. et 7. Nempe, quod pignus dominum requiri  
in dono l. 20. et 21. de pignore, ac, et traditione l. 208. 209.;  
Donatio ergo a traditione vicepeditat, Unde Secunda pignoris de  
to Supponens dominum in dono pascere Supponit eti pignori  
cationis traditionis, In qua donatione poterit constitutus; Vide  
Si non pignori, sed hypothecam res donata obligatio erit,  
non revocariur donatio, quia hypotheca non requiri traditione,  
potest poterit. Et limitat d. cap. 7. Salgado d. cap. 10. et de in  
telligentia l. 16. s. 1. de donat. videtur ipse Salgado ubi  
proxime Amaya vir. l. C. de perf. 12. do, nec maior in  
ticias, cum omnia protegunt non possum. Specialiter magis  
dubitari potest, an huc Regula, quod alienatio necessaria non  
admit legatum intelligenda sit etiam quando ex necessitate  
legis alienari sit, et quod communis voluntatis tunc, tam ex  
alienatione coacto necessario terantur, quam ex necessitate  
legis, Non induci ademptionem Coo Reg. 9. l. II. S. 12: ut in caen  
plo eius, qui non legatum portea in dono dedit, quod exlege ne  
cessitate inducit l. 18. de Niti Nupti, quo casu non admittit leg  
atum: Ita generaliter. Et in specie docent ex pluribus. Itanoch  
l. pug. 162. a. n. 21. Itanoch l. 16. c. 6. n. 8.

## R. 28.

Sed Aberratio in l. II. C. de legato  
tent non insubtiliter hoc casu, ex necessitate legali alienationis  
induci ademptionem, quod defendi potest vix Schota. Primo, quia  
Regula quod ex alienatione necessaria non legatus non inducatur  
ademptionem, id procedit, quia non potest desumti animus adimp  
ti in eo, qui propter determinatas causas proprie necesse est ali  
natur, ut ex d. 8. 12. et ex d. l. II. S. 12. delegat. S. Lazarus n. 13;

Sed possum Necessitate legis Ad alienationem, huc animi conjectura  
 in Conclusiva Ademptionis. Cum non potest Deficiency facio  
 testatoris; Ergo ita Secundo Coo l. II. C. de legato qua more  
 tur Aberratus, ut si quis non legato, posteaque ei in dictum data, se  
 gatum Extingueretur; Sed nos Necessitate legis inducitur l. 18 de non  
 nupt. l. vlt. C. de doni prem.; Ergo alienatione Coo l. Necessitate  
 inducitur Ademptionis. Varias intelligentias propositas Et contra 2.  
 var. op. II. à N. 15, in ea tamem respondet N. 16: quod videatur  
 legatum Extinctum. Scilicet ea autentica res quae C. Comm. de le-  
 gato. Vbi non per fiduciocommissum velicea, prohibita alienatione  
 per dictam dationem, fiduciocommissum Extinguitur, prout plu-  
 ribus aduersis ab Ayll. ad Gomez I. op. S. N. vlt.; Ergo per alie-  
 nationem Coo Necessitate legis, quare et nos. Quanto potest insin-  
 uit. II. S. II. Infin. de legat. I. Supponendo logui de confiscate,  
 publicatione que bonorum, quam Necessaria alienationem erit  
 placita d. legat. Op. vlt. N. 7. Et supponendo partem fiduciocom-  
 missum Extinguiri. Sed ut verum fateremus ille tractus nihil pro-  
 tract, quia intelligentia defisco vindicance Coo l. vlt. de N-  
 cunna Contra Quia. S. Ob. op. 16. Et d. op. 21. Poterit in ead  
 Causam in l. Quia C. de causa tollen. N. 3: Nec dicit co-  
 tingui fiduciocommissum, Sed fiduciocommissum fortius communis  
 regni, id est, legatariorum, quibus orpereantur que alieno, nihil  
 debent l. 1. S. penult. ad Trebell. l. 30. S. quod velgo ad falsis.  
 Unde, si ea soluta ex parte superstitio, fiduciocommissum Manet: Et  
 primo, quod bona publicata esseno ob Crimen testatoris, nulla  
 figura Ademptionis esse poterat; Cum in bonis delinquenteris  
 ius videatur habere l. 8. de manum. l. 31. & vlt. de donat. l. 15.  
 qui et a g. Amaya in l. 1. C. de jux. sic. à N. 52. Quis  
 Coo quo usucapio sit alienatio necessaria Coo lege l. 13 et l.  
 fam. Crisp. Piso. l. Selectas. op. 17. N. 13; Sed usucapta partem  
 Extinguitur legatum pro parte; Ergo coalienatione per necessitatem  
 legis inducitur Ademptionis.

defendi. Vero, potest Responsoriu pueri fundamento, quod siat  
Non probet Animum Subveniendi Necesitatem, Non tamen pro-  
bat Animum Alienandi; Et in dubio Non intelligi Aldemptum  
legatum. Secundo fundamento Coo. l. II. Q. de legat. potest  
Respondere, Contingui, quia tradita fuit res in vita ipsi legata-  
rio Aug. l. 84. s. II. De legatis I. ut respondent adducatur la-  
nochus et Manica Ubi supra; Id quia factum Animo con-  
fessari Ob rei Dementiam, ut abduca a Itena l. co. II. n.  
15. et 18. Tertio fundamento Coo. d. autentica potest responde-  
ri quo prohibiti Alienationis Coo legatis Voluntate. Non intelli-  
gitur de Necesitate, Sed de voluntaria l. 1. ff. l. 2. C. de fundo  
Oct. l. S. De pecc. hynd. p. l. 22. s. B. ad Trebell. junct. Itena  
3. variatio. co. 26 por. totum; Et cum deo Coo necessitate datur d. l.  
18. de Nisi nupt. Nihil immum sine prohibitione fare aliena-  
re. Quartum fundamentum Non probat, ut dico. Ad quinque  
Respondere potest quo posse sciencia Dilectionis in testatoru-  
m. Hae non habent voluntate positiva amitendi dominium, habet  
tamen voluntatem causatam legi eo negligenter, qui posita les  
operator translationis, et si habet voluntatem interpretantem,  
quod satis discit probant d. l. 28. de O. s. l. 3. q. 1. q. in  
fraude, ne hoc Negat Pinel. p. loco, Nec alter Pinel in auctor-  
e C. de bon. Mater. N. 22; Et cum hinc causativa, seu inter-  
pretativa voluntas narratur ab inicio eo voluntaria accu-  
satur ad tollendis legatus Coo reg. l. II. h. t. 8. De legat. I. II. 8. 12.  
De legat. 3. Et hoc pacem intelligi potest d. l. II. s. 2. De Coo.  
Accessio quo fundat Itena 3. q. 36. N. 4, quod potest esse ali-  
natio voluntaria respectu initio et necessaria eis post factis  
quo eleganter probare potuit Coo d. l. II. s. 3. Sic vero com-  
intelligere vis, posita ignorantia Dilectionis in testatoru, potest  
defendi legatum pro parte non debeti Coo reg. l. 10. C. Delegat.

58

Cum Aliena per orationem Muniatur, vel Cao quod per.  
 veniat ad carum, à quo incipere non posse, postea ignoratio,  
 Cao n. 1. & Cum fulget. Et hec que pro non script.; Sed prima  
 intelligentia Magis Conguit Suppositione d. l. 11. S. D. miquo  
 ut mihi accedat. Et in lege AB per totam agitur diminutio  
 pro parte quantitatis porro in conditione dandi ob diminu-  
 tionem legati; quod Supponit legatus ab initio alienum. Note-  
 rat et alia ignota species Alienationis Necessaria Regulae  
 in lege ~~missis~~ 8A. de hys. inst. quam tangit Gotfr. in l.  
 26. h. t. n. 11. Poterant etiā et alii singi in l. 10. et 21. punc.  
 l. 3. de fideicommiss. libert., quas Explicat M. van. cap. 26.  
 n. 8. cum seqq. Manebant defensabiliter esse in Schola senten-  
 tia Abbevi. adducta n. 28. Ceterum probatiorum in Schola et  
 pro Existente Sententia adducta n. 27. in fin. et n. 28. Nomina-  
 non quod Non inducatur Ademptio Ob alienationis co[n]cessione  
 legib.

### l. 30.

Succedit alia inspectio Nota magis  
 ex litera legum, Sed paucum nota ab h. t. An scilicet distinctione  
 necessarij et voluntarij Alienationis procedat cum debitis,?  
 nonne ex testis, aut liberario ipsi debitione diliguntur?  
 Procedit eandem distinctionem probatari videtur Cao l. 11. S. 13. d. 2  
 legat. 3. Ibi Masini quia non ipse coegerat lo penultima.  
Nec Coacta sint l. 15. S. 2. de legato. Nam enim non causi-  
 nec et s. 21. inst. delegatis. Non enim. 7. s. liberatio l.  
 ibi Si non habuit Coacta: que denotare, coactio Creditoris, ut  
 potest Voluntarij Naturam Cao Creditoris libito resocari legatum.  
 siue insinuatio, Cum ea debitione facta Creditoris solueretur,  
 nam, cum solutio invito fieri posset l. 23. et s. 23. cum diligatur,  
 et soluta. Denotare videtur Causam necessarij, et sic non de-  
 sociari legatum art. d. l. 11. S. 12. l. 3. C. 2. legat. cum supra  
 adducta n. 13: Et hoc voluntari Alijus Cao antiquis Glor. Et  
 Regni videtur Donat. 8. cap. 17. Cao regium manifeste cao l. 2  
 et 21 in prima pars l. 31. de libertate legal. l. 50. s. 1. delegat. 2

in quibus ex sola Solutione Debitorum nullus force Coactio  
nem, legacione contingit. Et de alijs Coactiis, sed haec de  
cū Sine Determinatione Coactio, Et Solutione ad hanc legationem  
qua sit aie Marianus dicit. I. II. & III. tractat non force, Contra  
genuis Ippi Confessio debitis Non substantia ut legat Antoniu  
s Augustinus dicit. Concedat. Cq. I. Sine necessitate) et fa  
cias ab ang. I. 27. & I. h. t. 28. 2. 8. de Volue. 83. S. S. 20  
V. O. ut tenue Menochius dicit. primum. 163. Sed hoc prius  
Nimis genericum est, Nam potest Et in hac Specie non coactio  
ni Substantia legati: Quare Amptetencia est subtilis et  
Elegans distinctio Gotfi, et vero intelligatur in D. I. II. & II.  
a. N. B., Nempe distinguenda est rem Debitorum legatae nomine  
re legato: primo cano ut. Vix, aut non, quam mihi debes,  
res Decim, que mihi debes, libe legam, vel que debet tecum, bon  
et tecum mihi debet, vel by Non contingit legatum, quia  
d'haec manet Non legata per Coactio, vel quantitas per De  
terminatione, Et regulatur pro actu Necessario, quia non  
ponunt non recipere I. 32. & 2. Delegat. I. Obi ne empta, le  
gata Venditori, et post legatum traditur, Non revocatur lega  
tum, quia Non manet Sine factio testimo, Solutione, juncta  
Coactio huius tecum Gotfi in I. II. De legat. I. a. n. 61.  
Et dico De libertate legat. Cq. I. n. II. Quis ut. Credens co  
gat, Nam hoc cum ex voluntaria Coactio contingit  
legatum I. II. S. 2. de legatis I. iti, Nam etri Nihil exigunt  
habent. Cuius determinatio quarantes hoc casu, velut specie  
ut aie. Clavis Will. 27. de C. et D. N. 12. Specie tentus in  
telligentia, Conciliatio que ad Aliud cum I. 25. De liberat le  
git. Utend. subter I. Conject. Cq. 2. Nam obi nuper N. 12. et  
13. Et Noctis intellectus de libertate legat. Cq. 2. (ad aliud conject  
are N. 26.) ut legatis Nominitus debitorum Specie testator  
huc coactio Sive, quia per Coactio tollitur. Substantia  
legata et in hac Specie, ergo a Nomina que in latentes

53.

erent, cum Monasterio, legauerit, intelligitur. Species certa  
Circumscripcta Arg. l. 10. S. 10. Delegat. I: Alioquin si de  
legato solo Nomine intelligereret, Non tam per exactio  
nem, sed etiam per Solutionem extingueretur legatus, & ju  
ra adducenda N. B.

**C. 31.** Sed obstat auctor filius ignoratus causa  
m. S. I. Delegat. I. ubi s' pio, aut decem alternatio  
mihi debitum, tibi legem statim debitis, et postea dec  
imi solvantur a debitis, legatus statim extinguitur; Et si  
diversis legatis, unum statim, alijs decem legare  
rit, eo evanescit solutionis legatum. Vnde sed non: Ima  
ne statim statim pereat legatum quantitatibus, sed e' con  
tra; Et tamem diversum est in hac specie manere  
quantitas determinatam vel rem in rem natur  
a; Ergo prima videtur superior ratio. Huius de  
finiti, quam sic non committantur. Et si n. B.  
extinguens proxime eo statim alternatis, in qua obviisque  
est in obligatione, non in solutione, et ita uno volumen tota obli  
gacionis solvantur proximitate. I. II. infra. Delegat. I. 27. § 6. de  
pacis. 128. de O. o. cum duplo adducatur. Cf. I. à n. B.; et cum d  
solutor, quod non est legatum, Nec vero extinguitur p. est legatum,  
quod est ratio d. I. So. S. I. Et si dubius unum et alterum extor  
num legatur, id quod solvitur debetur, et id quod non solvitur  
extinguit alterius legatum, ut dicitur infra. Cui non obstat  
I. 76. Delegat. I. ubi in eadem specie, quando soluta est res,  
estimator debetur alterius; Nam omnis est fons. Et conspicui potest  
dici cum Quia. in ea intelligendam esse d. I. 76. de causa, quod  
electio erit testatoris, quo, cum unus aut alius posset digere,  
mentio respectu stativque Bohemi sacrificatur legandi volun  
tas: Secus in d. I. So. S. I. intelligenda de electione proximioris.  
Si dicitur etiam posse occasione testantis, unum volumen in fac  
te eligi posse; Ergo non distant species: quare dubius dicitur

potest, in d. l. 76. Non sive factam Soluimus Nro testatore,  
et ita, cum Uniusque Coeterum et in obligatione Martis  
tempore, quo servit legatory, Merito in Uniusque legatae Substan-  
tia. At in d. l. 80. § 1. Unum Coeterum Nro testante So-  
lendum fuit, Vnde Ante mortem Extincta obligationis Substan-  
tia, Et Consequenter legatum Coeterum Non Soluti: Et Nra  
eo erenu pendere. Acupienda <sup>a</sup> primum casum, id est, eo  
eventu Solutionis faciat Nro testatore.

**Ac. 32.** In secundo casu quando id, quod miti Titu-  
lo debet, vel Nomini, Uniusque Mihi est Obiturau, lego vel ipsi  
Rebtori vel Testio sive canu Debitorum legatum intelligetur l. 11.  
§. 5. et 6. l. 23. §. 3. De legat. l. l. 50. De legat. 3. cum alijs) Mit  
mihi Subtarur a Debitor, Sive ego exigam, legatum admitt-  
itur, Ita Continguitur: Ut in Solutione Mihi probant iuxta  
re intelligenda in l. 21. De liberat. legat. ibi Mihi solvexis  
l. 21. f. cod. ibi fui solutum l. 31. cod. accepto Nrebo recuperat  
pro Solutione: Et in cassatione probat l. 7. §. 1. d. l. 21. in fin.  
De liberat. legat: Et a paritate in casu Solutionis probatur  
Coo. 2. l. 21. §. 1. ibi, Si Creditor hys exstat legatoe Debti-  
tori, portaeque Decedat, ea Natione legatum contingui. Julia-  
nus ait, quis Confusio habet visionem Solutionis junct. 2. 71.  
cum Vulgat. De fidejus; Lego legatum Debitor Non solum per  
Coacionem, sed etiam per Solutionem tollitur. Ratio differ-  
tij inter hunc, Et primum Casum est, quo hec Debitorum legat  
sive quantitate Determinatione, quo Soluto vel Coacto jam de-  
bitum Non est, quia posse tota Substantia legati Arg. l. 21. 5.  
l. h. t. l. 38. §. 8. De Solut. 83. §. 5. et 6. O. o. 17. §. 14. et 63. §.  
pn. De legat. 1: At in primo Casu, re debita vel quantitate de-  
terminata legati, Si Subtaruer, Manet Nre, unde non potest  
legati Substantia d. l. 83. §. 2. De legat. 1. Et manet quantitas  
quaz, ut Vulgo dicitur, posse non potest l. 11. C. Si cecum petat  
Et elegantia a Contrario censu probatur Coo l. 75. §. 2. De legat.  
1. Vbi, ut Continguitur legatum, Negrietur, quod Nris exigit

42

testator; Cetero per Solutionem Non extinguicetur in d. Specie,  
 hoc idem quia determinata quantitas sit legata, Non debetur  
 Simpleriter, Et sic Extinctio legatum Non potuit Arg. l. 27. &  
 §. Ult. de Legat. 3. l. 26. De legatis 1, nisi ut dico N. 30. Pro  
 cuius cogitat testator, tunc enim ex voluntaria Coactione  
 inducitur Ademptio d. l. 75. §. 2. ita intelligenda Arg. Volun-  
 taria alienationis Non legate l. 15. et 18. h. t. cum adductio n. 13.  
 Ita elegantissime huc sua Conciliavit Gotfr. in d. l. 11. §. 12.  
 N. 13. Unde noto, quod si in specie 3. l. 20. §. 1. De legatis 2.  
 debitis satis aut decem, Debitorum indefinite legamus, secund  
 postea Solutionis, Non debitur legatum Contractione d. l. 21. ac  
 supra adductis de liberat. legatis Secus si decem, que sibi Ti-  
 tuis debet, legaretur quo casu Solutionis facta legatum non ex-  
 tingueretur, Nisi coegeretur testator Contractione d. l. 75. §. 2.  
 l. 22. s. vi Titulis Delegat. 1. *N*ifero non insubtilior ex  
 eadem ratione, quod si origini Mihil debitis, absoluere legamus  
quod ex legato Titij sollempniter, quod postea Solutum Recaudem  
 fieri, est quod in legato Concineretur, Nec per solutionem extin-  
 guetur. Ratio est, quia et si prima facie Non determinata  
 quantitate Extinctio videatur Substantia legati ex ratione  
 d. l. 7. §. 1. l. 21. et 22. et 31. de liberat. legat.; tamem in  
 haec specie Arreundum est Certam quantitatem legari, quia  
 determinatur per actum Solutionis ex formula quod sollemp-  
niter, Nec potest Operari Actuatus Ademptio ante Determinatio-  
 ne rei legare Arg. legati generis l. 11. h. t. Et conditionales in  
 eam l. 6. De legat. 1. cum adductis N. 27. et cp. 1. N. 37; sed in  
 specie ruper posita determinatur quantitas legata per  
 faciem Solutionis; Cetero Non potuit eadem instanti certificari,  
 Et adiunxit legatum: Et propter nationes adductas affirmari hoc  
 potest Ex specie ad hoc testatu in l. Lucius 22. De legat. 2. 7;  
 pecunia legata, que ex venditione Militij redigi posset, Non  
 data Militia a testante, Ex acoque pratio, Et in vita testato  
 legatum, ex ratione, si post mortem legatum eius prout  
 UVA.BHSC

petat, potest Repelli; qui in vita accepit; Ego si non accepire, Debetur; Et tamen testator designat; Ego idem non extinguitur, quia legavit determinate quod ex vindicatione.  
Vedigeretur: Nec solum à Concessione dñe, ut voluit Gotfr., sed Cooperatoris hoc dicit. Ceteris in fin. ubi si testator partem postij Cooperatoris dolum in vita tradidisset, supereret legatio Cooperatoris Reliqui: Pro intelligentia ad aliud videtur Richard. in l. 2o. de act. artic. 3. n. 18. et Rete 8. opusc. 4.  
Vlt. Propterea hoc Minhi probatur eas l. 25. q. 4. quando dicitur legat. (quam Gotfr. Omnis) Obi; postquam Papiri. Divit. legat quod pupillus debet subintende legationem, si non de pueritate detineto, sed de pecunia Solutionis, Naturalique Obligatione Cogitare testatoris quo clavis pupillus dicatur debitor art. l. l. 3. de Cdt. l. 6. l. l. 8. cum Regg. l. 22. de peccato jure. pro Suppositione et Solutione Quic. in ea, Costa l. Select. op. T. N. 3. et op. 21. n. 3. Santos ad Huston. l. 17. de C. et D. N. 12.) Aut, perinde quidnam accipientiam, ac si duciret, Titio dato quod pupillus solvere, quo cane supponit deberi quod solvitur; Ego quia hoc cane per Solutionem non extinguitur, et quod non debetum invidit, sed quod solvere determinate legavit et l. 22. de legat. l: quod auera limitatio Superioris principij est.

### IC. 33.

Sed contra rationes huius Secundi Casus potest ponderari l. 11. q. 13. de legati 3. vbi: Nomine debito ut legato, et quantum evo negotia, pro deposito habita, non contumeliam legatum. Consideratis autem: Eos occundat adfecta ratione, Maxime qui non ipse coegerunt; Sed debitor solvit, quod testator non potuit non accipere; Ego si coegerit, sentens Valde extinguit legatum; Si vero solvatur, non extinguitur; Et tamen legatus habet de nomine legato, Non de quantitate. Diccamenata, Exgolli hoc secundo Casu facienda cuius distinctio Concessione et solutione, contra dicta n. 32. Respondo, summo Gotfr. Verbum

massima in d. s. 13. esse rationem complicatam sic caras, p. 7.  
 non principalem noctis, quod ut ea letere Monstrum esse  
 expedit. Dicere antea Ulp. in d. t. H. s. 12. Coaletatione  
 necessaria Noi legare legatum Ademptum Non presumi, et pro-  
 portionem Contrary voluntatis Immembrare hereditus. Cogit  
 in s. 13. Et per dictiorum lego continuacionem ait, quod Si no-  
 men debitoris perfidei communium velicatum testator evocet,  
 non hoc animo quam vellet perfidei communium contingere, pa-  
 tent dicit adhuc debet, quod recta subtiliter inspecta in  
 congruentiam habere videntur, Nam reguli Nempe rationes,  
 si non animo Adimentis fecit, Clarissima est, Responsio vero de-  
 bta, ibi potest dici; quare Castellino Exempla huius reguli  
 ponit in Versiculo cum tamen, Nempe Si pro deposito pecunia  
 habuit, Et in Versiculo postulatio Si ea pecunia Nem compa-  
 rabit Ea d. ratione l. 23. h. t. 7. 8. ult. 71. cum arg. De lego  
 2. Gomez l. op. S. N. 16. & Deces A. opus. ad l. 80. ad Trab. N. 2.  
 Almaya l. obr. op. II. N. A. Et eamqz specie Noi compareo ea  
 propterea Redato faciunt ab argum. Eleganter l. II. Et S. ult. l. 1a  
 qz mod. unif. l. 36. S. I. 88. 8. ult. de jure l. 22. qz posse. Igra  
 Tab. in eius rationali, Ost. 12. Op. 13. lt. c. 3. unde idem der-  
 tit Ulp. in casu Exactionis sine animo Adimentis in d. s. 13;  
 Et quia non sine aliqua difficultate procedebat, Idco visus est  
 Verbo potest dici, Contra q. arguit ipse Consultor in docen-  
 culo n. i. f. hoc modo Exacco nomine penitula constan-  
 tia debiti, seu substantia; Clavis ac quando nos alienatus in  
 d. s. 12, quo casu Substantia, Est res legata adhuc manet;  
 Ergo Non potest Respondere idem in s. 12, ac in s. 13. Hinc  
 difficultati Respondet Ulp. directe, Sed intertexta quida specie  
 alibi proposta, quam ad hunc casum adduxit in Versiculo qz  
 quidam, Nempe de quodam qui nomen debitoris legatum  
 Evocet, et pro deposito pecuniam habuit, in qua dicunt Ulpia-  
 nus legat. Supponere periculum, Et coha responder argumento  
 venio. Nisi forte, et defendit regulam d. s. 13, quari dicent:

Ex nomine Concessione Non animo admendo pœna, Non extingueam Legatum, quia Non censetur Cavacione formaliter substantia Debili, Cum in Specie pecuniam Correciam Retinuerit  
ut in Uppa Interpolata, quam Vtbi accedit in ait, adjectio,  
quod in Specie Utbi proposita, De qua In usuado ~~legis~~ quidq  
hoe Magis erat, quod debitor ipse pecuniam Utboe ~~ibi~~ ma  
nim. B. At in Regula D. §. 13 ipso testator Exegerat, unde  
in Specie Interdicta Major Utboe fuit ut non Extinguatur  
legatum, sed Non ex hoc Regae Uppianus Extingue in §. 13.  
Nisi cum constat de animo Non admendi Coquid in Specie  
rehaberit, vel Non comparsuit; Ergo haec Uppianetus testa  
torum Non Cavacione Extinguitur legatum, et in Noncavaria  
vel germana Uppa Jura deduxa D. B.

Re. 31.

34. His Hispani Cœcopholis atque non in  
elegans officio, quod fangi potest Cox. Capit. m. l. 76. & 3. de legat.  
2. inquit, si in legecum finges mens. Tunc cito quod est ut ille  
per se mali debetur, hæc que debidum ante secundum legatum  
novatione sit, nihilominus legatum debet. Cap. sic cito q̄ non  
sit omnino inobedire, quod de cœptu primordio adjectum est, sicut  
in Pugo dicitur, origo obligationis, Non titulus actionis consti-  
tutus l. 23. De donat. l. 1. tamen. De fiducie. l. 18. & quod dicitur  
de contributa pecunia l. 12. & Codicilli de captiis, l. 3. c. 12  
et accessoriis: quomodo hunc legatum accipiunt. Atque et cœc.  
in eo. Hunc pingui quod post legatum in prefata specie de-  
betum, seu nomen Titij nostrum pui, nonne extinguitur le-  
gatum? Dicem non coepit; quia, et si novatio voluntarii ob-  
tent equiparari l. 1. et l. o. de novat. Et procedere videatur Regu-  
la ponita N. 3d; tamen Cox cap. novatione Cap. negotia est alter  
propter quia formaliter per originem debiti conservatur voluntas  
non admodum, ut in d. l. 76. & 3. Et ut, qui in deposito levigata  
pecuniam habuit, vel rem compaxavet, Non creditur adimere  
legatum; ita et qui non resit, Nam debidum formaliter conser-  
vare videtur in obligatione novante per relationem primordio

62

debiti, quod ut singulare est; Et licet confusione voluntatis p. 2.  
caro in l. 17. de Contra. et D. Null. Sicut etiam non veligant  
tor opponi contra Reg. 8. n. 82. l. Nepote C. de finit. 2015. Non  
inter quatuor debitis Calendarii legatae superponit. Primita testabili  
dem legum, Unumque eis debitibus contradicuntur; et  
tamem affimat non contingue eis hoc legatum; Ego non suffi  
ciat locatio ad contingenti. contra d. l. 73. s. 2 de legat. l. 7. s. 1  
de liberat. legat. cum supra accusat. Respondet Gots. in l.  
27. s. 3 de fendo inst. id non animi quia, et si concedatur  
testacionem legum post legatum, Non tamen maliter cogit, et  
sine coactione accusatio non consideratur. Aug. l. 2. s. 8. q.  
meus caus. Et ut per venditionem sine coactione non inducatur  
ademption d. l. 27. s. 3, ita nec per actionem sine coactione ut  
supra docui n. 17. Ponderari etiam potest l. Paula 27. s.  
ult. de legat. 3. junct. l. 26. de legat. l. 35: quinquaginta  
legatis eis debito Coloni, Non obstante sollicitatione p. 1. cofacea a  
Colono debitorem, Manet legatus; Ergo solutio non continguit  
legatum. Sicut illi agi de quantitate determinata et  
adducta n. 30: Sed verius respondendum est, Non legari  
debitum Coloni, sed demonstrasse, ut commode solvatur  
quantitas, quam ipse determinaret et perfecte legauerat ut  
vid. l. 26. et concilio vel diminutio vel demonstrate de  
solutio non continguit Nec minus legatum junct. ratione  
l. 42. in fin. de alimone. legat. l. 21. s. 1. de annuis legat. l.  
16: s. ult. de contrah. empt. l. 120 de legat. 1: Sicut ac in  
eleganti specie l. 88. s. Circulus s. de legat. 2. Ubi non qua  
ntitas eis debito remontavit, sed debitum ipsum legari, inde  
data voluntate Ne hoc petoret, et si secundum legatum  
erit inutile, non debetur primum. De superiorum iuris  
lacioni intelligentia et conciliatione cum d. l. 88. s. 8. l. 5. de  
bit. et ole. l. 31. s. 1. de contrah. empt. junct. l. 3. de ann.  
legat. l. 7. Vix accusatio defensum. leg. 2. de alimone. legat.  
88. s. 15. de legat. 2: quod non de demonstratione, sed de tractat.

50  
loquuntur; Et de legatum ad proportionem rei debet esse junct.  
l. 26. § 1. quando dicit. l. 58. § 1. de Onus. Videtur Gotfr.  
ind. l. 26. De legat. l. Et in l. 2. de vno et trit. Om. 8. cp.  
10. ut. C. Epist. l. cp. 12. n. 47. et in Specie propria negotiorum  
optionis Menoch. l. presumpt. 163. Manc. 12. t. 6. n. 6.  
Tardem quod de toto debito dictu Cor. n. 3. etiam de parte  
debiti descendunt est; Nam soluta debiti pars, in hac cathe-  
guitar, si debitum absoluere legatur, et in residuo maneat  
legatum Arg. l. 8. Delegat. 2. Clegans textus in l. 22. § qui  
quasdam de donat. inter, et in Specie probat l. 31. de li-  
berat. legat. junct. Menoch. libri supra 92. Ult. Et pro facio-  
re intelligentia Costa l. Acta. Cp. 5. n. 8. Cor. Chyrsostom.  
l. bant 17. q. 3. Santo in l. 17. n. 17. Quibus jam littera-  
xii. arma non in templo utinam, sed in sancto Chrysostomi  
laboris suspenderimus. Nam Chrysostomus accepit ferat nos  
ex agone. Finis huius cp. 2.

## Caput tertium

## De ademptionibus translatiis legatorum.

I. Translationes legati quatuor modis fieri posse elegante metho-  
do docuit Paulus in l. translat. b. h. t. Primo modo: cum ab eo  
qui duximus jure est, transferitur ut aliud det. Secundo: cum pro re lego-  
to alia res vel quantitas datur. Tertio: cum id, quod fuisse datam  
et transferetur in conditione, vel est conditione. Quarto: Cum in  
ademptione primo legatio admitteretur legationem, et in alterum trans-  
feratur: quis omnia stylo lucius brevis operatij negligebatur, et si la-  
tiones paginas cooperaret. Primo cum Regula sit, quod omnis don-  
is adimi potest unius legaci et transferri in alterum, quo parti-  
tur Exemplum. Autem in d. l. 6. §. 1. hoc est: Pone, Tercio et com-  
prensi legitimes Testicis a Titio legatione suspendendum Cajo, postea  
que Testationem diuine, quod Titius base Damnavit, Emporionius  
leges Damnavit. Ita dixerit hoc cum Omnis intelligitur Titio adem-  
ptum, et in Emporionium translatum, qui Solus fundum dare de-  
bet; Nam est Cor. Paulus, quia hoc casu dicere videntur ne Titius  
det, inde totalis Ademptionis Omnes inducitur; Et hinc etiam in  
cum solis libertas translati potest copulari Magis matre loco, quod  
in d. §. 1. per commemorationem Demonstratis inducatur per Re-  
lationem quod Omnis Emporionum Titio translatum in Emporionis,  
quo cum totalis Omnes Ademptionis est: Ut accidit in conditione, quia  
per seipso Titio legato per eandem commemorationem demonstrar-  
tur, adimatis testator via fundum, quem Titio legasti, Empor-  
ionus de lego, totaliter in hoc casu legationem admitteretur Titio pri-  
mo legatio, Et Solus Emporionius fundum legationis habet. l. 8.  
h. t. quin. Trist. Vite. l. ea. l. 80. de C. et D. cum alijs; qui pon-  
ta tali demonstratione incompatibili est concussum, token omni  
adimere volunt, ut totum Alterius ducit: Ministrator ergo, Omnes den-  
ti imponit unius legaci potest adimi translatique in secundum;  
Ita ut primus liber maneat, et secundus leges basem dare tener-  
etur d. l. 6. §. 1. h. t. Et hac ratione invenienda, Unde inferat  
si Damnavit Titio legato fundum base, et portas Damnavit  
UVA. BHSC

R. 2.

Simpsonius hæc dicit. Sive commemoratione Demonstratio in  
luridum fundum. Simpsonius dicens. Et dñe, quod hoc caru  
Non inducitur totalis Onus Ademptio. Sed utique leges  
pro Crimis, fundi tenentur. Omnesque divisiones, quia hic on-  
tius factum est. Onere Respectiva Demonstratio: quia ut in  
legato Non inducitur Ademptio a primo legato, sed tantum  
Concessus inter omnesque s. et eis mitissima delegat. l. 13  
de legat. 3. l. 11. de legat. 2. Ita nec in onere debuit locum  
habere Ademptio Un primo legate, sed viri Onus inter  
omnesque. Cetero quo ille fecerit esse potest, quod et si delegato-  
rum Onus pro legatisque portionibus legates teneantur  
l. legator. 33. de legat. 2 l. 38. de legat. 3. tamem eis qui  
nominatum dñe luridum fundum damnati sunt, videlicet id  
est, equites patres debent ea Reg. l. 21. l. turpi s. l. 3 fin de  
legat. l. l. 24 ad trebel. 56. et 110 de 170, juncio processum  
intelligencia Cuiac. in 2. l. 24. et in 2. l. 33. de legat. 2. Nor-  
sa 2. variis. cp. 7. n. 12. Onse et mitissima. Platus in 2. 6.  
S. l. loquens pte de Commemoratione Demonstratio, ut ex vi  
ademptionis totum Onus transfeci fieri in Secundum lega-  
torem, Aliquam eos de nominationis legatum, videlicet tan-  
tum partes debentes, quam intelligentiam suam credo, et  
or profid. in hoc teatru Minimecum dilectus legates consti-  
tuuntur cuiusdam Rei, ita ut solidam Rem tenuerintque de-  
beat, quod repugnat Regule Regum possedunt in tali constitui-  
tioni per disjunctas, haec est, ille aut ille leges project l. 8. 9.  
Si rei delegat. l. l. 25. delegat. 3. et a concilio sensu l. 16.  
delegat. 2. De quaum intelligentia cum l. 9. de duabus Reis  
Valentia l. tract. l. cp. 2. n. 3. Bart. in 2. 28. 31.

Ac. 3

Rei. Obstut argumentay a concilio ex li-  
teris Pauli didictis: quod eis volant eis duo eiusdem Rei  
debitores, tamem Christus est hoc caru Ademptio em legatus; ergo  
si non admittunt legatum, duo eiusdem Rei debitores erunt in

specie Pauli; ut arguit Goff. in d. l. 6. 9. t. N. 7. sub p[ro]p[ri]etate  
 Exemplum, quo testator Dixit: Tunc Mitem lego à Caja lego  
quod Tunc Mitem lego à Caja lego. Nam primo h[oc]e ipso  
 cuius non formatur per Coop[er]ationem dictio[n]em regula[n]dum inducatur  
 per Testem cunq[ue], de qua n[on] ante. Proterea et si hoc po-  
 namus Ni Specie Pauli venis est vires tancon partes  
 obiectu, liquetque eas, quod Paulus Negat in Specie debiti  
 proprii, Nec Comitatu duos debitorum eiusq[ue] rei propter conme-  
 morationem demonstratur, sed non capiat quemodo cons-  
 tituatur, In modo sollem obiectu acti obiectu Constitutus uero  
 non Negat h[oc]z ei. Dispositione per dispensationem eccl[esi]am  
 nos d. l. 8. S. Si ita Delegatis t. cum supra adducatur, itaque  
 argumentum à Concessione procedere Non potest, Vixiusq[ue]  
 est propter Nominationem, partes vires debeti eis Neg. d. l. 21  
 ad Tit. cum Supra adducatur. Confirmatur Eo altera Regula  
 remp[er]: Ubi Specie Cetera Reip[ublica] et à discisis legatibus reli-  
 est eius legatario, Semel tantum debetur, nisi legatarius pro-  
 baretur Voluisse testatorum duplice legatum l. 11. si quis omis-  
 sa causa llt. l. 53. § 2. de legat. t. junct. l. 86. § 1. coa: Q[ui]d  
 remp[er] quantitas à discisis legatibus legata, quis exp[er]tus à  
 singulis debet, nisi primus leges probet Admendi animo  
 hoc facias q[uod] jura sit intelligenda et cum Superioribus fricelli-  
 ganda mi. l. 11. § 1. de legat. l. l. 113. § 8. quis à primo de legat.  
 l. junct. l. 12. de probat. l. 13. ex Tit. dub. 3l. § 3. de legat.  
 de quorum intelligentia videtur. Dicte 7. opac. fol. 20d. n.  
 25. Gomez t. 1. vauar. cp. 12 n. 38. ut ciby ll. Et pro intelligentia  
 l. cum Contraum. d. h. t. junct. l. 12. de probat. l. 7. de legat.  
 l. latè eg[er]i in tractatu de Rel. dub. cap. B. 92. 13. et sicut  
 ab arg. in i[n]con[ven]ientia quantitate sequitur legatz l. 56. l. 11. de d. o.  
 70. de legat. l. junct. pro eius explicacione Cuius. mact. 25.  
 06. cp. 13. q[ui]am. mi. l. 38. de v. o. n. 82. Bell. de jux. acc. 9. 5  
 9. 21. à n. 6.

Sc[ri]ptum Secundum Exemplum translationis jacobum  
 UVA. BHSC

in d. l. c. in primis Et d. Ult. h. t. cit. Cionnes pro re, nec  
quaevis pro re pax legata erit; quod difficultate  
casus, Nam hoc causa Orationis est indui Ademptionis per ban-  
tationem de Re in Nom, Exemplum Commemoratis Demonstratio-  
nis L. S. cum Vulgat. hot. Sic ego decem pro fundo, sicut  
Cox fundi leget, Semper Orationis est conclusio prius  
legatum per Interrogationis negligencia, et Proximo quo fundamen-  
to utercentur Consulte Concilium in hac Specie Utentibus  
quos Regis Paulus tri. d. S. Ult. nisi forem illi quos hic co-  
vocati testantes nulla Resultat Ademptionis, cum Utique nos  
tut. Comprendatur; Cuius objectione facilius Respondens Paul  
dicit Novissimam Scripturam ostendit Debere Cogit. 1. 12. S. ad  
delegat. b. l. Ult. h. t. cum adducat Opt. n. 2, hoc est, id quod  
concedi in legato, quod ultimo pro re, vel loco prius rei lega-  
te testator Reliquit, quis ex eo, quod incompatibilis erit unius  
re alterius legando Utrumque debet, Resultat ademptione pri-  
mum legati Necessaria Arg. 1. B. S. ult. 1. 22. h. t. cum add. q. 2.  
Nam parum intent Coopera Orabis Materialiter non in-  
dui Ademptionis, Si formulariter Cog. verbis Necessitas admisit  
voluerat. Sed pingit quod testator in una questione le-  
gavit: fundum unum decem Reliquo titulo, quid in hoc can-  
cute integrare? Non vidi Speciem in terminis legati. Cog. 2.  
endum hoc canu Decem in legato Concedit Arg. 1. 17. Delge-  
ret. Uniti, ibi Vis formula: titulus, unum compunctionis leges  
etc, in Solo Compunctione consistit Unitus; Similiter ergo  
in legato: Optimum Non viribus Ademptionis, sed corripue-  
ris Dispositionis Unica Oratione conclusus, quod ceteri libet in-  
dicavit Prof. tri. 1. 82 de C. et D.

R. 5

Statim translationis Exemplum, ut meth-  
odum Pauli persequamur tri. d. l. c. est: Quando pax legata  
est, eidem legata, vel adiutor, vel transcurat in aliis situa-  
tione: quod Selectus parumque Nota iuxtaquendam concretum pro-

65

pro cuius Notitia tres sunt Distinguendi Casus. Tenuis q.3.  
est, quando idem Titio puxi legati, eisq; Titis vobis conditione  
si Rami coacta<sup>2</sup>, aut servile, lego: Et bina, &c. Consulti sen-  
tencie in l. 83. de C. et D. Scriptorumque Commoni, placitum  
est Distinguere, omnes in intervallo Sub conditione lego, et  
in continenter? (Dicitur autem ex intervallo legare, compot  
legatum puxi legatus, interpositis alijs dispositionibus et le-  
gatis, itenim idem eidem et in ipsa Scriptura legat vobis condi-  
tione, quod elegantius probatur Crol. 12. h. t. Et eos glos. Bon.  
et alij tenet Barbosa Vbi lego, et quamois aliud den-  
trat Faber dec. 37. ex. 2. intelligentia de Separata Scriptura  
facta in' conseruaci, quod Repugnat litig. d. 2. 88. Et ratione,  
nam Si indexatur Ademptio eo Nag. 2. 12. S. 116. De legat. 1.  
cum abo. q. 1. n. 1. quod Negatur in d. 1. 22.) Si ex intervallo  
d. 2, quod Titio puxi legati, eisq; Sub conditione itenim lego,  
postea Scriptura Conditionatis proualeat eo Nag. 1. 2. h. t. 32.  
S. 3. de Donat. Inter. 87. de C. et D. cum alij, quod idem est  
ac dicere: primam qualitatem puxi legati reddi conditionatis,  
quoniam Legatum artice ipsum, iam esse Conditionate adem-  
presa qualitate puxi; Unde Existente Conditione debetur, de-  
pendet, et panesue Specie; quod, propter generalis Dispositiones  
d. 1. 6. cum duob. legg. l. 10. h. t., discessit probatur Crol. 12.  
S. 3. de legat. 1. Ita intelligenda, ubi postquam Pompey dixit,  
in legato Novissimam Scriptorum, id est, ultimo loco positam  
valere, cum addit causa, quia multas causas praecedentes le-  
gati vel dicimus, vel conditiones, vel in tota. Ademptione potest,  
comprehendere itaque Speciem, cum primo puxi, et poscea eo  
intervallo Sub conditione legatur; Ego quia ante diuinam  
Conditionatis reddit primum Legatum antea puxi condic-  
tione, et consequenter multae illae admittunt qualitatem novissimam  
puximus, ut transferat Mihi diuinam Conditionem. Ceterum  
modo intelligenda est l. 10. de C. et D. Nra itaque, ibi: forte-  
nisi Valer; Ego primum Non posco. Sed primum Legatum  
U.A.BHSC

fiuit præsum; Ego per Secundam dationem conditionatae et dem  
legatario faciem adiunctor prævia qualitas præsum, ut mihi Secundam  
condicione transferatur. Ceterum modo intelligimus utique  
autem in I. O. h. t., id est in eadem Specie, cum quæcentus, que fu-  
si trius legavit, obiecta condicione ita summe eidz legavit, sed non  
applicare utrumque volevit, aut per dationem conditionataem  
quæcumque videtur; Ego quæcumque adimam, ut dico, prævia qualitas  
præsum legati que plana clementia est honorum jucundum, quam ab  
confusis totiget Gottfr. in d. 1. 87. Et pluribus omnis Debutus.  
m. d. l. 12. S. 14. De legat. 1.

## Cl. 6.

Cox quibus regiendus Faber doc. 37. ex.

2. dum hoc sensu non tolli primum legatus præsum ait, quod  
testator per Secundam dationem conditionalem corrigere primam  
videatur, sed quia Ultima, seu nocturna. Stephen attendit de-  
bet: quos, nifilior, non distat à ratione communis Nam, aut  
ponimus testatorum Scientia, prius legati puri legare sub condic.  
Eidem legatario, Et hinc non potest negari voluntas admittit  
primam dationem puram Cox Scientia Conditionale, ut patet  
constat Cox d. l. O. h. t. 80. de C. et D. 12. S. 14. De legat. 1, aut  
testacorum legiavitatem prius legati puri legare sub condic.  
ne eidem legatario, Et bene etiam Contendo duci voluntatem  
implicitam admittit; Nec hoc negatur in I. Seje do. Defundit  
ut paperam voluntate Faber. Ratio est quia eo quo asservat do  
ambulatoriam esse voluntatem Ultimamque attendit d. l. O. h. t.  
83. S. 3. do donat. Inter cum his, intelligitur testatorum ultimo  
legando mutare quancumque anteriorum voluntatis concordias  
Ultimam dationi; Ego ultimo legando sicut condicione intelligitur  
tacere primam dationem puram mutare. Ociova pauciter est re-  
gula intelligentia hunc casum, ut Secunda dispositio condic.  
nalis quod amplius quam prima continet. Non obstat Regula  
l. 81. S. 1. et ult. de legat. 1, Nam si ponimus primam dationem  
puram effici conditionalis eo d. l. O. h. t., jam sicut diversa  
qualitas in Secunda que non sit in prima datione, et hactenq;

67.

ad Matrem Ademptionis: Nec potest datio lucrativus con-  
cessus, Cum Nepponamus Et non prius legatum puerum offer-  
tum purum Conditionale, quia ex hoc ultimo pondet Validitatis  
spes, Unipenditurque transmissio, ut posset dicimus. *Ecce Regu-*  
*le huius Canis Obstat l. 27. s. 1. de legat. insti., ubi Non*  
*privata est Secunda Conditionis Ultimatio, sed pura; ergo*  
*quia non admittit prima qualitas pura per secundam con-*  
*ditionalem. Respondendum namque est, hoc procedere in*  
*institutione, Non vero in legato. Datio differentia est, quia cum*  
*caput et validitas illi, pendet ab hygetis institutione & ante*  
*hyget. insti. legat. Non creditur voluntate testatorum praevalere*  
*Ultimam Conditionem institutionis, per quam deficere posset*  
*Ultima disponens Arg. l. 3. de milit. lib. Et ita plenior attenditur,*  
*qualis est pura institutione, per quam faciliter habet sequentem l.*  
*67. de legat. insti.: Accidit et alia non decimilles ratio fabri*  
*occ. s. 7. c. 3., quod ex quo sit institutione, confirmatur per legg*  
*l. 10. de juri Codicilli. Et ne frustra lex operetur, occasione post*  
*primum institutione puram confirmationem, conditionalem*  
*contingentem confirmari dicuntur. Ita est integratio,*  
*qui cum eo sit Non pondet illi validitas, attenditur Ulti-*  
*ma datus Conditionis, et ita in legatis procedit Regula d. l.*  
*12. s. ult. de legat. l. 83. de C. et D., ut ex alijs docuitur. Barb.*  
*m. o. l. 12. s. ult. n. 2. Gotfr. m. d. l. 87. n. 2. Ponet etiā*  
*opponi l. 81. s. 7. de legat. l. Sed respondendum est legationem sub*  
*Conditione a Substituto Unipublicis velut, cum quo pupillus*  
*Sicut hyges Non constituit, Nequecum Cedicunt; ibi enim hyges*  
*existat latet, Unde post legatum puerum adquisitum a pupillo,*  
*facta legatione Conditio Sequentis legati concia regulariter*  
*l. 113. s. si quis a primo cum Vulgar. est, ut ad alios doat li-*  
*cies. inca.*

*Sc. 7.*

*C*a quis in legatis maximus, in libertate pidei  
communaria Observanda erit in hoc casu; Nam, cum in ea par-  
tē adscripta libertate, Non minima Scriptura, ut in legatis impo-

UVA.BHSC

incipiatu*l.* 3o. de C. et D. sequitur q[uod] si quis p[ro]p[ri]e li-  
beratq[ue] fiduciommuniariq[ue] Relinqut, et postea eidem tamendu  
liberatur. Sub conditione, h[oc] Ultima Voluntas p[ro]p[ri]e valere de-  
bet. Et ita qualitas prior p[ro]p[ri]a primi dationis tollitur, et perinde  
est, ac si volunt[er] sub conditione Relicta erit liberatio ex Regula d. l.  
80. junc*o* 2. 12o. de C. et D. 2. 1. 12. & 211. de legat*l.* Et ab ang[ust]inae  
1. 18. 3. 17. de statu liber. 1. 68. 3. 2. de legat*l.* h[oc] in alia operi lo-  
quuntur, ut postea dicam. Quod si conditio est in libertate directa, in  
qua idem quod in distributione libatur in hac operi; Nam, ut  
in hac plonior, id est, dubius, usufruitor ad contentio[n]e ligat[i]o[n]e at-  
tendat*d.* 1. 27. & 1. 67. schol*l.* istud, ita in liberatoe discerni lo-  
boi conditio, id est, commodiori liberatati inspicitur. Unde si p[ro]p[ri]e  
ata directa liberatate, postea sub conditione Relinqutur, non  
inducitur ademptio aut mutatio prioris qualitatis p[ro]p[ri]e, sed  
volunt[er] dico iuste locutus. Ceterum habet ea ratione 1. 87. 88. et  
89. de C. et D. 1. 5. et 53. de manu*m.* Et ergo d[icitu]r legat*l.*  
inst. ut eleganter Goffi. Docim*l.* in d. 1. 87. n. 2. et 5. licet has  
operi sive causa dñe*l.* 3o. in d. 1. 12. & 210. de legat*l.*  
Sed quis ei a concilio p[ro]p[ri]e sub conditione h[oc] legat*l.*  
Et postea p[ro]p[ri]e h[oc] legatum eundem fundum Relinqut*?.* At-  
minus eodem modo mutari et adimi primam dationis condi-  
tione, por[re]xto secundam p[ro]p[ri]am. d. 1. 80. de C. et D. ibi. Si p[ro]p[ri]e  
sub conditione, deinde p[ro]p[ri]e legatum est, p[ro]p[ri]e obsecu*r.* Quatuor  
nam dico por[re]xto eis a' Consulto in Vero. quod si p[ro]p[ri]e scimus  
aliquum nullius conquisitum sensus erit, et inveniatur impedi-  
mentum Repetitione sequentis (veris) quare dico*l.* p[ro]p[ri]um legato*l.*  
statim dicitur, sed Relicta p[ro]p[ri]e est conditione, et postea p[ro]p[ri]e  
gaudeat*l.* ac ei p[ro]p[ri]um velut ex eo legatum, quia adimitur  
prima datio legati. Item Confirmando potest ea generalitate d. l.  
12. & 14. de legat*l.* Et faciunt*l.* 52. 3. & ap[osto]lo*l.* 81. 3. 7. 1. 11. 3. 5.  
1. 200., et g[ra]m ad eius Notant Gomez*l.* cap*l.* 12. n. 36. et ibi dicitur  
Item hoc casu affixandum in fiduciommuniaria liberaitate sub  
conditione Relicta. Et postea p[ro]p[ri]e, quod non expectata conditione  
UVA.BHSC

5

Debetur ex eadem Ratio. Item vocatur vel. secundum 67. de leg.  
et. Initio. Denique affirmandum in dictorum liberacione etiam  
semoto eius labore; quia, Secunda probatio admissa per con-  
sationem Conditionalem, ut supra dicto; et ut legatum vel conditione  
pruis Relatum, postea pruis, prius officium, i.e. concessio legatorum  
pruis pruis Relatum, secunda vel conditione Reductor Conditionale:  
Ceterum nec in ratione Mutationis, ratio ademptionis consoni-  
are, differunt tamquam in effectu; Nam in hoc secundo casu, sequitur  
N.S. conditionalis effectus legato, ut ante existentia conditionis le-  
gatarius decidat, Non transmittitur ergo conditionalis legatio  
nista l. 7. 8. et 1a. h. t. l. 6. quando. diei legat. l. 1a. 7. de C. et D. per  
la generali Regula quod Conditionate legatum non transmittetur  
ante conditionis existentia l. 5. 8. 2. l. 21. insp. cum Reg. 2. 2.  
legat. l. unica 8. 7. C. de cas. toll.: At in altero casu, ubi hoc  
impedimento prius conditionis per secundam proximam rationem  
postquam cessit a morte testatoris. Eo Regula d. l. 5. in prima  
transmittitur ad huncmodum legatorum.

Cl. 8. Hic usque ad legato Relatio vel conditione  
Ex intervallo post prius legatum prius egimus a N.S. si  
vero fundum Tiro legat, et ex continenti eius Tiro fundum vel  
conditione separuit, Non videtur per secundum legatum condi-  
tionalis admissa prius legatum a. l. 8. de corib. et O. ibi quod  
Ex prius legatum Ex continente 18. Pro continente, id est immi-  
diata oratione, ut ex Gloria et. Part. tenet Raxb. in d. 1. 12. 3.  
Ut N. 6. Ita cum ad alia intermedia non processio testator  
erg. l. 7. & quin immo defacta, et quarto in contractibus  
dubium erit, an dicatur passum incontinenti, quod illico post  
perfectum Contractum interponitur, ut post Variantes senten-  
tias docet Lector I. opusc. Sect. I. Cap. I. a. N. 4, tamem in non  
casu ceterum est, id ex continente dicit, quod immediata oratione  
in eis tunc ponitur, ut Gotts. indicat in d. l. 8. n. 11, et si alios  
scribat Faber Nejens N. S.) Et in hoc casu electio datur legato-  
rum, an eos prius legato vindicant, an existente conditione Eos  
UVA. BHSC

conditionali peccare nullis finit. Sub commemoratione testamentaria hoc faciat, ita lego propter dum terris, subficiatque immunitate, fundum quem terras legueri, eisdem lego sub conditione, quo cane terras ademptio perinde ac ut in intervallo factum esset, ut in primo cani n. s. Et dicimus in A. cani. Ut omne probat Eleganter. D. L. 80. de C. et D. Ratio Nota et Vulgaris est, quia Nisi quam admitenda est interpretatio, per quam se amittere videatur testator in continentia, ut co*l*lio Notar Dicitur. Ubi supra n. c. Dicte: quez utilitas testationis esse potest? Nam si caput legato statim post mortem vindicare potest, ad quid utile esse potest expectare vanam conditionis existentiam, aut quod tan miseras legata eius non potest, ut legatum puzum et transmissibile omittendo, legatus conditionate et intransmissibile eligat? Et quamen post existentia hoc faciat, nullum multo antea existentia adquisitione tempore omisit, et in tempore utilitas est l. 22. cum legat. delegat. Non solito difficultas habet cum occ. II. ex. d. ait: legatum puzum per vindicationem, conditionate vero per damnationem, siue relictum, quod co*l*leita ait. Sed co*l*leita nihil impetrat ad vindicationem, nam Cresce difficultas ex maiori utilitate legati per vindicationem. Nequod ait, supponendum conditionem jam existit, eo ergo consuetus dicat nisi posse, dubium dissolvit; Nam co*l*leita d. 1. 80. constat esse in legatum voluntate, an vindicet statim co*l*pus, an expectet conditionem: Unde Songer dubium stat, ad quid utile est posse legatum conditionate in concilio legati puzi eiusdem relictus, quod verius ipso docet, utile esse posse legatum conditionate. Si filio in potestate patris co*l*leitate relinquantur, nam co*l*pus acquiescat patre, non vero ex conditionali in tempore co*l*leitione conditionis filius sui iuris inveniatur l. 18. et II. 80. N. jux. cum Vulgat: Si in capite sic legata eius mons dompe*x*, quo cedat legatum puzum, apparet vero tempore conditionis tunc

68

tenis, quo certe legatum Conditionate l. 50. et l. 1. de Cet. Si incipiat Legatus in tempore illi, Capta vero tempora maxime invenientur, Nam Catoniana Regula certat puro legato, non vero Conditionati l. 11. & tractari delegat l. 1. l. 1. de Reg. Cat. Alio exempla agit Gotfr. in d. l. 80. n. 2. Si panam legata ruit promissum in carum, quo legatum puro agnoverit, utilius ex eis in hoc casu legatum Conditionale Arg. 2. 118. l. 1. de R. O. A. Si conditio Occam dandi Imposita sit legato purgator Conditionali, Et talis est Cooperator in hoc casu conditionis Arg. l. Neurane c. 5. s. Titulis ad Treb. In his ex eo casibus et alijs, quo Omittit, Utile legatum Conditionate in concusso puri esse potest, Et ita Defensanda Ratio d. l. 80. Verie, quod si pure; Nam ut utilitas ehezponit, Sufficit aliquo in casu Veri fieri eo Regula l. 80. de manum. tli. l. 21. s. penult. defi-  
sponsu.

C. D. Sed priges quo Valentia omisit) in d. l. 80.  
de C. et D. pures legare sub conditione, et postea eas contine-  
ti pure, eligere non ne legatus, ut in caru converso, de quo  
n. ante. 2. Affirmat Acuer. vii. l. 81. s. 7. de legat. l. Regat  
Gotfr. in d. l. 80. n. 2. sed falso et impeditiori subtilitate d.  
Nam utique carus pax Ratio est, et ita difference ipse non  
pertinet, Et hinc hoc doceat vii. d. l. 80; Nam cum de legato  
conditionali eo intercallo egisset docens Mucius pures legatis  
purem, ait in versic. Si pures ut inducatur mutatio pro-  
prietatis sub conditione pax secundum purem adimetur, et  
presente debetur; Ego cum eo continent legat, tamen secundum  
in eis caru ad pugnandum decisaq. si procedat legatus condi-  
tionalis. Prige Reunio legatum pure admissi, et eis continent  
utrum admissi sub conditione, eligere non ne legatus coquandam  
prome. Tali ablongum, ut eligit legatus in caru d. l. 80. eo  
qua legatum adquirit. 2. Omissione hanc species Gotfr. ad Novem  
et Jam vii. l. 12. s. Ult. de legat. l. quo regule, Basilius

in ea N. T. assunt, hysdem eligere posse, et subsecut' pa-  
riac et vicinali ratione d. 280. Duxit. quod si p[ro]p[ri]e, et eos  
eo quod suo ultima exempla utilitatis posita n. antec. Et si  
milia possunt etiam indequae considerari. Considerat te-  
nunt Quibus in d. S. Ult. n. 2. cui respondet Petrus ut  
provincie. Inge tunc in eam concilio: quod p[re]cepit dum  
legatum adem[pt]um, et postea eo intervallo ademit eis conditione,  
dubitato an inducatur hoc eam ademptio prius adem-  
ptioris p[ro]p[ri]e, ita ut eis concilia Conditione datum videatur.  
legatum? In hac subtileitate questione Bart. Tertius, So-  
nus, Tertius in d. l. 12. 3. Ult. de legat. 1. assunt, per secundum  
ademptionis Conditiones Non intelligit legatum p[re]cepit prius adem-  
ptum datum eis concilia Conditione, v.g. fundens Titio legauit,  
postea adem[pt]us, item postea adem[pt]us eis concilia Conditione si  
Tertius eo via venit, si venit Tertius, effectiva est ademptionis.  
Si non venit, pariter legatum peti neguit in hac sententia,  
quia non intelligitur datum eis concilia conditione fundamen-  
tum huius sententiae deducitur eis l. legata M. h. b. Th[om]as  
a Domino hysde instituta, p[re]cepit eius dato legatum relinqua-  
tur quod multo est, ne actio et prius conciliant in una  
persona l. 23. invit. de legat. l. 2. ad falcid. junct. Pinell. 2.  
Ult. cap. 13. Om. 8. cap. 6. Utterf. Tertill. 7. Obs. cap. 34.) et  
postea abstinatur eis conditione, Non intelligitur dato eis con-  
cilia Conditione (quo eam valeret, verbo cuius p[ro]p[ri]e effectu tem-  
pore existentia) laetare, quia inducatur ad adimerendum,  
non operante utrum datione legati, ademptione enim quo mi-  
nis, non quo magis legatum debetatur. Interuenit arg. l. Th[om]as  
8. Ult. de C. et D. l. 3. Si emonupatus de conca tribul. ut  
ad finem sine alia inigatione agnoscent Lxxea alleg. 3d.  
n. 7. Castello. 2. Contr. cap. 23. n. 3d. Poloz. de juri. Ind. tom.  
2. lib. 2. cap. 21. n. 5d; similes ergo mino can, posita p[re]cipi

93

pura Ademptione, non paruit ea secunda Ademptione conditionali induci utrius Ratio. Quando expendi potest l. Titus  
S. 8. Ut de manum. Ita si hanc formula: Nisi diligenter  
ratiōne coacervis liber meo, et pone Rebotta non posse  
consequi libertatem, et si coacervit Nationes diligenter, quia  
huius vestris potius admittit, quam datur libertas; Cogo nec  
ea secunda Ademptione Conditionali utilitatem aliqua Ratio potius  
inducit.

C. 10. Contraria sententia, nempe: pox secundam  
Ademptionem conditionalem adimpliriam Ademptionem puram,  
et sub contraria Conditione intelligi datu legatum. Defendit Pro.  
Alexander, Innocta, Iano Puerus, Claudio Aquinus, quos sequitur  
Bart. m. d. l. 12. S. vlt. Delegat. l. N. L. et S. jam ex eo, quod  
alioz Secunda Conditionalis Ademptione nihil operariatur contra  
Regulam l. Si quando t. o. d. de legat. l. jam ex d. l. 12. S. vlt. obi.  
Temp. ac quod si quid adimitur sub una Conditione, et per  
tua sub alia, posterior Conditionalis Ademptione adimplit prius  
Ademptionem conditionalem, et tanquam Ademptionem Credatur sub  
Utrina Conditione; Cogo pariter Ademptione priore pura tollitur  
pox secundam Ademptionem conditionalem ea eleganti paritate  
d. l. 8. d. de qua n. s. Vir Secunda Ratio conditionalis ex inter-  
vallo adimplit priorem actionem puram; Similiter cogo secunda  
Conditionalis Ademptione puram Ademptionem debet tollere. Hanc  
sententia et ratiōne et subtiliori judicio, nihil quis iterum  
(qui non participat Alexander) proditur eao l. aliquando tot  
de C. et D. l. 6. quando dies legat. l. d. l. 5. l. 2. de C. et D. l. 7.  
8. et l. o. h. t. cum infra referenda: In quibus, si purum legatum  
sub Conditione adimitur, statim necessitas a pura, et tanquam  
sub contraria Conditione datum videatur; sed secunda Adem-  
ptione conditionale adimplit priorem Ademptionem puram; ergo  
et sub contraria Conditione datum intelligitur legatum. Non  
obstat d. l. 12. h. t. l. 5. d. l. 8. ut de manum. Ita nam Regulam

inducere ad admittendum Non posse Operari ratione Singulare  
ter intellectu quanto: Vel nulla anterior Datio legati præcerit:  
Nisi quis præceruit fuit inutilis: De primo intellectu d. l. S. D. S. ut  
iniqua Nulla antea libertas Omenphoro Servo deduxerat testa-  
tor, et ideo Nec directe Consequitur libertas ex irratione co-  
currexit; Nam de directam (de qua ita) non sufficienter non  
defuncti Testis Non cogitum est intellectus, ang. l. 22. l. si poti-  
tum. Defidei commun. libert. l. Ad. o. man. t. l. l. C. de illi mille.  
Nec fiduci communis animam ut eis l. d. l. s. si idem l. 108. l. Si Ser-  
nis alienus de legat. l. ad alios debilitate docuit Costa l. se-  
lect. cp. 25: De secundo intellectu d. l. 11. h. t. Ut Datio fuit  
inutilis, ut facta Servo præce Domino hæc de iste causa co-  
ratione d. s. 32. In istis delegatis; Unde nihil mirum quod  
in Novo testore ubi contraria Conditione datum videatur  
legatum. Ratio est, quia ubi Nulla Datio legati præceruit,  
aut non utilis, ut eis ademptione Conditionali dicere non possit  
legatum, aut libertas sub contraria Conditione, de novo eo  
acca admendi formosatur Datio, quae nunquam ante fuit,  
quod utique est. Contra Naturam actus adempti, et hoc  
ut quod Negatur in o. l. 11. cc. d. l. S. D. S. 108.

*¶ 11* At ubi Datio legati utile præceruit, quam-  
ris postea Eo ademptione pura retrocessit, tamen eo secunda  
ademptione Conditionati iterum ubi contraria Conditione da-  
tum legatum videtur, quia præcepit prius sancti Voluntas, in  
cuius Coagulatione facta videatur Secunda ademptione conditiona-  
tis, ut ubi contraria Conditione circulatio, prima sancti  
Voluntas, adempta intermedia ademptione pura, et hoc non  
negatur ut o. l. 11. et S. D. S. 108., in quibus nulla utile Datio  
præceruit. Dices: quod legatum prius purum Eo eo quod pura  
ademptione fuit; Nec sacrum videtur, ut auctor t. 1. l. si ita  
f. de legatis; Lago perinde est, area dari portaque adim-  
ic et nulla Datio præceruit. Respondeas: Et hoc ipso fundo  
UVA.BHSC

70

fundamentum nō intelligentia legatoris; Nam non dicitur Dicitur  
nec datur esse, sed modicum fiduci, id est, perseverantia  
ademptione pura, Non videtur ante dictum modum ut contra  
dare effectu acquisendum sit, Ut mittere fons etiam idem  
Ulpianus Author d. l. 14. Et sub eadem inscriptione. 18 ad fidem.  
doceat iur. 164. s. ult. de U. 18.) Ego non perseverante pura  
ademptione, quia postea secundus facie conditionalis ademptio  
ne in meo canu, Aliquo respectu legatione datum videatur, non  
peccat, ut quamvis ademptum sit purum, si postea admittatur  
eius conditione, ubi contraria Conditione datum videatur, non  
de novo absolute, sed de novo ad suscitandum prius voluntate  
sue datur; in cuius exceptione facie videtur secunda con  
ditionalis ademptio: quod Non Repugnat Regula d. l. 14. h. t.  
l. 59. s. ult. de man. tte, u. n. ante. dicti. **Conformatio** non  
ineleganter, nisi fallor,) distinctiones et intelligentiae ex altero  
noto principio: quod legatum purum, si postea admittatur  
eius conditione, statim a primo recessit, et volum eis con  
traria Conditione iterum de novo datur inde legatus si  
videtur l. 6. quando doceat legat. l. 7. 8. et ta. h. t. 18. s. ult. de  
stat. liber. cum 200. n. 10: Hoc casu videtur posset quis  
argueret, quid ex ademptione conditionali non posse intelligi: Datum legatum ubi contraria Conditione pro eadem regula  
d. l. 14. Et 59. s. ult. quod inducit ad admittendum non per  
sue operae rationem: Cui ergo non obstat d. Regula, aut ex  
contraria prima facie docuitur Consulte in d. l. 7. cum  
reg. l. 10. h. t. 2. Reimicium quia, ut Regulam incepit 12.  
10, non datur de novo absolute, sed suscitatur anterior ratio  
que preponitur, quantumvis ante recessit per ademptionem con  
ditionalem, et ita ubi contraria Conditione intelligitur datum  
legatum; Similiter ergo in meo canu, per secundam ademptio  
nem conditionalem debet intelligi ubi contraria Conditione  
datum legatum in consequenti Anterioris rationis.

Tandem in confirmatione his intelligentie indu-  
 so d. l. 11. h. t. nova luce sonundat. Et sic Procer, quod legata ini-  
 titer data non confirmantur. Ademptiones donum coemptio in lega-  
 to prie' Relecto Domino hyrcde instituto; quod, quis inuitat est S.  
 12. init. de lege., et si eis conditione admittatur, non intelligi-  
 tur datum sibi concessa Conditione; quia, et si eis alia con-  
 tione recessit utrum legatus Domino hyrcde instituto S. S. 12., non  
 tamen ea Conditione Concessaria persistente ea ademptione cor-  
 dinante: Ex praei' ratione, quod legatae instituta data, ademptionis  
 ne non confirmantur; Virgine Consultus, et ut ratione alienam  
 a paritate objiceret, Ait: quod prie' legatus, ei' sibi conditione  
admittatur, sibi concessa Conditione datum intelligatur, et ideo  
confirmatur: Ex quibus Ratis destrui potius, quam obstat ei'  
 generali principio Videtur; Nam, ei' legatum puerum ademptum  
 eis conditione sibi concessa Conditione datum videtur, huc cui-  
 tor consequentia: Ego et legatum puerum ex eo Relectum adem-  
 ptum eis Conditione, eis contrario Conditione datum videtur;  
 At qui legatum sibi conditione Relinqui potest Voxeo Domino  
 hyrcde Instituto P. S. C. 2. delegat; Ego et Subsistere debuit  
 m. d. l. 11. Si continuaret aliquis primo certice impedit,  
 et tristitiae anima preseverata Consultus Utrumque cum  
 elegantia distinctivit; Nam in primo legato, quod preceperit,  
 inuitate fuit, et via ea Ademptione Conditionale non posuit in-  
 telligi per novo datum, quod utiliter non preceperit; Ademptio  
 enim quo minus, non quo magis legatum debetur inter-  
 venire: Opinio Verbi tacite' Respondet Objectioni ponebat in  
 verb. Nam eiusq' legis cō' adducta N. 10. In secundo can-  
 pescerit legatum sibi quantumvis Ademptio, et in non videtur  
 et novo datum. Eis concessa Conditione quod non pescerit  
 tenet, ea legatum quod utiliter ante pescerit Videtur de no-  
 vo datum: quomodo intelligenda vocata S. l. 11. et sibi confirmat

45.

Deut. Ideo Non obstat Regula, qui legatum puerum videt  
ancora fuit, ad differentias priores Cures, Et ideo Valeo quiis con-  
sumatur per nostrum dationis volumen utiles precedentia, cruci-  
turque legatum et animadversio fugiet.

C. 13. Ergo quatenus circa Regulam N. 8. tradidit  
liberorum Directam Dictionem fuisse pueri, et postea ea continentis  
sub Conditione, Eligeo non ne deinceps An pueri, an sub conditione.  
liber sic? Negat Gotfr. In D. l. 87. N. 2. locum habere hoc cum  
Regulam D. l. 80. Vnde quod si pueri, junct. ratione d. l. 87, don-  
que in institutione avit arg. l. 27. S. 1. de hysq. iustie. l. vici  
67. eoz: Utrumque propter favoris libertatis, et institutionis,  
ne ponatur in arbitrio Curii determinatio patrum eligere, sed in ar-  
bitrio hyades. Relinquere testatorum interstatu, et signata dissimilis  
N. 6: Scimus ac in libertate fiduciommisaria, in qua, quia ad  
patrum cum legatis judicatur l. S. de man. tti. 80. et D. 22. C. 2  
D. electioni locum esse ostendatur, idemque Repetit in d. l. 80.  
Sea vero Gotfr. estri dubitatio, Aliquando Confusione publica, quia  
dubitatio reverentia sibi captus; Nam et liberorum fabor hoc  
coecavit, Propter in libertate fiduciommisaria Curia, ne  
decuier electio sit; Ego, aut utrumque Concedendum, aut ut  
autem negandum. Cum species non sit in jure, posse sen-  
tencia Gotfr. defendi arg. l. 87. de C. et D. l. et S. de man. tti.,  
sed sine distinctione Directe et fiduciommisariis libertatis in  
hoc casu. = Ergo Quinto Dictione legatus pueri et sub  
conditione, non ea inveniuntur prout explicatum fuit N. 8, sed  
in una Oratione: P. g. Lega Utrum pueri pueri et sub conditione  
Concedamus non ne electionem. Cx d. l. 80. Vnde quod si pueri,  
in assumptione ex principio eiusdem legis 80. l. D. h. t. 12. S.  
viti de legat. I. 2. Fident Gotfr. in d. l. 87. N. 13. tripli. Co mentes  
Aliorum et antiquorum Novum Valere ex iure communis pro-  
videntia, propter Repugnanciam et peremptoriam ea Regula 2188  
de n. j. 16. de C. et D. Scimus ac in libertate, in qua haec casu

Elegio cuiuslibet. An ea pura dictio, an coextincte conditione  
liberorum accipiat Arg. l. S. 6. de man. t. t. Vt si eidem sententia  
liberitatem velicem dicit, et proposito communem, est in electione  
suei an trieciam, ut die Octavus libertas, an propositum  
maxim ut die liberaus hyscias accipere maliter; Similiter q.  
electio triunvira an ea pura dictio an ea conditionali  
post existentia conditionis liberorum accipere maliter. Evidet  
hoc meo capitu a teatrici venienti Goffris abebat; Nam primo  
nego pugnancia esse inter se eligere an ea pura, an ea condi-  
tionis habeat, Nam omnes ac purum nulli, iam pugna con-  
ditionis cooperant ea neg. l. 3A. s. 1. l. 28. insp. de legat. l. si  
vix conditionis Cooperant, puram Antea non habet; Ego non  
quam duxi Simultanea pugnancia. Secundo, quia si hoc  
vix pugnaret, pariter etiis cum puris priis, et postea distin-  
ctione ea conseruari legatur; At qui hic nulla est pugnancia,  
et concession. Electio. Q. l. 8D. Vix. quod si puris; Ego et debet  
concedi cum in una oratione relinquatur. Textio quia Constat-  
bus in d. l. 188. de r. j. Non rebatur legatur de pugnancia  
in una oratione, sed quod libri pugnancia in t. t. subenur;  
Primum valeat; Ego cum puris priis et postea ea continent  
eidem sub conditione legatur; Si legare priis et sub conditione  
eidem pugnarent. Inter se, pugnarent utique in eodg, et con-  
sequenter non valeret d. neg. D. l. 188; At qui non pugnant,  
cum electio debetur legatoria in d. l. 8D. Vix. quod si puris; ego  
non pugnancia facit cum puris et sub conditione una orat.  
et id relinquatur. Quare concessio sententia in uno et altero  
casu vixit pugna contra Goffr. Doceo ipse quod eo iuri regi-  
one si puris Et sub conditione una oratione id relinquatur,  
quod maxima Valeat propter pugnanciam: Nos docemus pariter  
pariter hoc casu electio legatoria. Ex ratione. Q. l. 8D. Vix. quod  
si puris d. significata. Doceo pariter quod in liberaute di-  
recta puris et sub conditione una oratione velicem, doceo Peter  
UVA.BHSC

12

et 200; Non vero dominus ~~de~~ <sup>cf. 3.</sup> dicitur Non domini, sed eorum  
ut potest factorabiliti, libertatis consequi conditione l. 1. S. art 5.  
De man. tti, ne dum prospectat conditionem decedat, et frustratur  
libertatis fabor: Siemque dicitur in fiduciacommissariâ eorum ratio-  
nibus adductis in principio N. 1. Siemque defensorem in insti-  
tutione D. l. 27. S. 1. l. 67. Delegat. iuris. Nec obtem. l. 56. de  
man. tti, cuius causa patitur utitur Gof. m. 2. l. 87. n. 13;  
nam in propria differentia est, quippe m. 2. l. 56. ut libe. dico ergo,  
nisi fiduciacommissariâ etiam elegat, numquam nominatur,  
aut obiect. substantia libera, sed tamen differentia, non  
est liberatus; Unde, et concedamus etiam, numquam pre-  
dictior fabor liberaentibz: At cum prius et eis conditione liber-  
tas relinquitur, et ei concedatur. Etiam, posse dictionem  
patroni elegere, et conditionem postmodum restituisse liberaentis  
faborum.

¶. 11.

Secundus hucusque con. S. species primaria:

Cum primo pone, postea eadem ea intercallo, ut ea continentur legata  
sub conditione, vel c' concessa. Secunda causa est: cum prius prius le-  
gatur, et postea eadem adimitur. Sub conditione ita: fundum  
Tih. 155, et postea, fundum admodum sub conditione ut. 4. Eius de  
Etria, vel fundum, quem Tih. legauit, ultimo: quo casu regulat  
est, legacem prius primum reddi conditionata, Et venciente Ner-  
m. confimari officio admodum, Non venciente, ita summa  
summam intelligi Tih. sub concessis Conditionis, vel, ut mo-  
reto dicam, admodum sub conditione aprimarij, datum si-  
detur ut negocia, vel c' concessa: quo venire accipienda erant  
iuxa m. l. o. junc. l. 7. cu. quod. Segg. L. M. v. 28. Nam h. t. b.  
quare Si legat. Arg. l. 88. se C. ec. D. l. 68. & Q. d. elegat. hole-  
gan. statut. m. l. 13. S. ult. se Stat. liber. et elegans patitur  
probatur l. 36. De reb. caus: Docent, licet non omnibus, noncicis  
potest Gof. m. l. o. h. t. Com. 1. detect. op. 21. et 25. con-  
chaca de Succession. progr. in prefati N. 80. Bab. m. l. 2. Sec.  
de legat. l. N. l. Pinell. 2. detect. op. 26. n. 22. sed, ut quod ypsi

UVA.BHSC

plenumque omnibus, Non emamus, inquietendum est, an per  
solam Ademptionem sibi conditione, etiam ante Conditiones  
coincidentes Admissum legatum puro? Et quomodo Paulus. Ad.  
et Iust. iii. 8. l. 12. & Ult. Aversant, Non recte utramque a patre  
legato puro, sed cum Causis Ademptionis Conditiones ita ut,  
s' non coincident, agatur ex priore legato puro, Coequalis inco-  
gentia legis l. 7. de C. et D: tam non valet est, statim per  
Ademptionem Conditionalem Recte a puro legato, ut contra eos  
adversit. Barb. iii. 8. l. 12. l. Ult. n. 1. lege fundamento omi-  
nit. Ita vero ea ex quod in d. l. l. 7. l. 6. quando dicitur legare  
l. 6. et l. 12. h. t. Lee B. S. Ult. de vice libet. Non recte dicuntur: Quod  
per hanc Sub Conditionem, sub contraria parum incoegerit, ergo da-  
tur de novo, quod dicitur Non posse, nisi Recensum erit statim  
a puro legato, Aliquid dicunt Consulti: Maneat vel con-  
seruat puro legatum. Scitur ad eam, ut ceteri O. h. t. ubi pri-  
or dato puro efficiatur Conditionalem, quod dicitur Non posse, nisi  
Recensum erit a priori pura qualitate n. 8. ad n. 5. facit que  
l. 8. de C. et D. Ita quia si a puro legato Non recedetur  
ante Conditiones coincidentes, sequitur quod purum maneat  
et transmiserit; At qui si recedit legatus ex antecedentibus  
Conditiones legatum Non transmiserit, et si post monachum  
Conditionem Concessit d. l. l. 6. junct. l. 8. h. t. da. l. 2. de C. et D.  
quod legati Conditionales proprii est l. 5. S. l. cum alijs i. g.  
dicitur legatus Cago quia utramque ante coincidentes Recensum a puro  
legato: Quod fundamento ex libro Iuris Civilis Barb. d. n. 1. addu-  
cens l. 1. S. Aliquis Similiciter dicitur. A quo parum ad rem facies

## R. 15.

Sed in antiquis Controversiis tuncem, nihil  
speciale pro sua sententia adducunt, ut nec etiam contra ester  
quecum l. 7. n. 3. sunt tam non testimonia, quae disponunt  
principiis Non libet testantur, et quid obstat primo l. 7. h. t.  
ubi Ulp. ait, quod si alijs legatur sub conditione, quod alijs  
reponam est: Non plene Recensum videtur a primo: sed ida

Denum, si Conditione sequentia Constantia; Ex quo manet pri-  
 uum prius legatum donec deficit per Constantiam condic-  
 ionem ademptum. Et consequenter non videtur ut Novo datum  
 sub Contraaria Conditione, sed tenetur remotum obstantem,  
 ut eoo primo legatus habeat. Secundo Co. l. 68. S. 2 de-  
 legat. I. ad hoc Non Coepens, ubi si prius legatus servous,  
 sub conditione liber esse, fuisse vie, ut sub Contraaria Conditione  
 legatum Valeat. Proxime ait: Quod consonat Regule N. 11. pug-  
 nat legi quod sequitur: Et die Constantie conditione legatum  
 proximatur. Fideliter ad legatum pertinet: Cogo non possi-  
 mos antea sens legatus ante quam exiret Constantia, conse-  
 quenter que Non videtur a primo puro. Tertio signato  
 ad hoc tenetur in L. Julian. d. S. 2. de man. M. Diversus et  
 Julian. In primis, quod cum id est servus, et fideicommissarius  
 datur alienus, et liber esse jubeatur, hucus debet libertate protec-  
 tare, Nec tenetur ad remissionem fideicommissarii: Tertio  
 tri prima. S. 1. Comp. ait, quod si servus prius legatus, sub  
 Conditione fideicommissum liber esse jubeatur, potest si  
 decidicommissarius huncdem Compellere, ut servus tradatur, pro-  
 stita cautione de restituenda libertate Conditione existente:  
 quis testum sita Coependo: hic datio libertatis sub conditione  
 facta est adimenti prius fideicommissi causa ibi; Si adi-  
 mento fideicommissi causa / Coepisseque hoc doceatur, et ob hoc  
 sub Contraaria Conditione datur in d. l. 68. S. 2. delegat. I. faci-  
 unque l. 3. et 30. de Stat. liber. et rati. l. 81. & penult.  
 delegat. I. cum abb. n. s. ) Et tamem per remissionem condi-  
 tione libertatis Non videtur Necesse a prius fideicommissario  
 aliquum Nec sub cautione traducatur; Cogo quia ante  
 Constantiam Non videtur a primo legato. Quarto Coependi pro-  
 tot l. 3. S. A. h. t. ubi in legato ita concepto, hucus meus  
titulus fundus dato, et in titulus cunctus fundum alienauerit, he-  
re meus cunctus fundum Sejo dato, dato prius est, et ad om-  
 plo conditionalis et alienauerit Et tamem titulus fundum  
 A. BHSC

petre potest pristinae Causione de non alienando; Ergo quia  
non recesserit Statim à primo legato per secundas Conditiones  
naturae ademptionis. Quinto ead. si penum LA quando dies  
legatorum tibi: si leges fundum dare dominatus sit, et si  
non debet decimi primorum legatum primum Marcescibus  
minime, si legatorius ante existentem Conditionem secedat;  
et tamen post puerum ducimus ademptio Conditionis inter-  
mixta. Ergo quia per ademptionem Conditionem non recesserit  
statim à puro legato. Octavo ead. 18. s. 8. De Utrum. ubi:  
Uero legato, et ergo utr. libato cum libertate, quod substitu-  
tutiois Conditionis habet, adveniente Casu, deciditur le-  
gatum Cognoscere; Ergo Cognoscere legatum ante naturam  
consequenter que Non recessit. Statim à primo per ademptionem  
Conditionem. Septimo Et non mirabiliter. Exponit  
potest L. 8. D. 10. 16. Cum h. in iugis legatione illa Conditione  
translata est, ante existentem Conditionem secedit, vel ait  
non pertinere deponens legatum ad primum legatorum puerum  
à quo translationem sicut; Ergo ante pertinuit; Ergo non recessit  
statim à primo legato puro. Octavo ead. 16. s. Comp. L. de  
minorib.: quam ad haec respondit Capitulo ipsa Refrendus: Q-  
torum alia pondaxano est.

R. 16. Sed ut hic vere difficultas eius origine ele-  
vacionem note: quod ead. L. T. h. t. volum, iustis Interpretis,  
quo Melius, Et Quillo Villaco, Castello & Conover. Ep. 86 à  
N. 13. Differentia Constituit inter ademptionem Conditionis  
ante translationem, Et translationem: In illa ratione, puerum legatis  
reddi Conditionale, Et statim intelligi illa concava con-  
ditionem, transmittente que ene: Et de hoc casu intelligi?.  
L. 10. Et 11. h. t. C. quando dies legat. 107 CCC et D. responde  
referre alia testimonia adducere. 11: in hac, hoc est, in ad-  
emptione Conditionis translationem, P. quod puerum legatorum  
ademptio lego sub conditione ut causo eo finia à termino  
UVA.BHSC

95.  
26

L. S. et C. h. t. amicit, parum Manere prius legatum, et  
solum ad similitudinem existente Conditione sequentis, non existente  
Manere parum et transmittibile, Nec de novo datum intelligi  
quomodo intelligi l. 7. et 3. S. A. h. t. l. 16. S. 2. de minorib.  
l. 67. se C. et D. Ratione differentiag agnoscemus, prout:  
prima, quod in primo cane nullus testator, quod parvus man-  
nerat penes hygrom, quam penes legatarum Arg. l. 1. de David.  
Secundo cane nullus, quod maneat potius penes Legato, prout  
hygrom Coartatione l. 17. de C. et D. et h. t. Secunda ratio  
differentiag est, quod prius cane videtur remanere statim a  
potio legato; in secundo non egredi l. 7. h. t. C. de Celd.  
Quo, eori. Castello ut Rebilia commendet, parum, nefas-  
tor, subtilitatem agnoscit; Nam primo ipse notat differentiam  
non vero prout differentiag ratione: Detinet responderem, car  
in primo cane Necessare statim videatur: in secundo non egredi;  
aut Cane in primo casu magis hygrom: in secundo vero magis  
legatarum prout legato videtur. Pergam in d. l. 68. S. 2. de legat.  
l. Ademptione est translatione de legato servii videtur Tunc, ad labor-  
tate ipsi. Vero Vide conditione velictas, et tamem videtur causa  
Conditione datum primum legatus, et intansmissibile esse Consilium  
est; Ergo omnis distinctio. Deinde l. 8. h. t. Nonque contra  
ipsum potest, ut in loco dicam: Aliusque possetensus est l.  
3. S. A. h. t. 16. S. 2. de minorib. ut infra videtur: Et l. signis  
37. de C. et D. Aliena est, quia Non loquitur de ademptione  
aliqua, aut translatione legati, sed quicquid est de legati velicitate,  
Nempe de minore 20 annis, qui cum ante Manumissionem  
non posset. S. cum ergo. inst. gg. Coartatione Man. non licet, Non po-  
tent alij legare, aut manumissionem persistente lege eius consilium  
que alias facie illudetur l. l. de Vero. capost. l. 7. S. 4. qui et  
a gg; legatum tamem facit, quia minor de rebus suis necesse  
disponit, et ideo Servus apud legatarum Manet coartatione l. canis  
in d. 37. quia potius anima legandi, et ei inutilis esse manumissionem.

potius Manere debuit legatum Coo. voluntate pones legatarium  
ad difensionis Casus tri. quo, ut nullum Ministerium domini maneret  
intenctus legatarium elegie l. 31. Delegat. d. junct. l. 17. eis ien  
intelligenda et concilianda. Cum & l. 37. ea mente cassent.  
et Cuic. tri l. 108. s. 2. Delegat. l. Debet. d. opus. m. l. 107.  
s. 1. Debet qz. us. N. S. Nec longe antea Gotfr. tri d. l. 31. quid  
quis alius. Rebus. d. Conject. op. d. Manet ergo nihil in  
fieri posse Coo d. l. 87. ad nra questionem.

**Qc. 17.** *C*oxitimo quod sine distinctione adm  
perioris Simplicis, ut translationis, ademptum sive conditione  
sive causaria dictum intelligi. Et ante existentia modi a puro  
legato, et missamvisibile Manere, decadente legatario, castigata  
n. 11: Uniquo, Non sine gaudio, triventi Gotfr. idem tenetqz,  
sicut non despatant. M. l. 36. s. 1. de C. et D. N. S. Ratio  
manifesta est, Nam nulla Major conjectura est in ademptione  
Simplici conditionali, ut statim recensum videatur a puro le  
gato: quam in translatione Conditionali; ut illa non negaret  
pum legatum opus condicionale ab jura adducatur n. 11; Ego  
nec in hac. Nec obstat d. l. 7. h. t. Nam praeceundo legatum  
ut legatum in eo, a qualitate puma ipsius legati: Ab hac sta  
tim receditur per ademptionem Conditionali, sive Simplicem  
sive translationis propter incompatibilis utriusque naturam:  
a legato vero Non recedetur; Nam id numeris legatum quod  
pum erat puma, Convenit in condicionale, commiscetur  
que prior dictio cum sequenti condicionali ademptione huic  
assumpta Natione, ut ratio d. l. 10. Et 11. h. t. cum supra adduc  
tur statim evincit, et ad aliud Notarunt Gotfr. m. d. 2. 87. de C.  
et D. N. 1. Pinell. d. elect. op. 2. n. 1; Unde non potest  
dicti recensum abrogari a legato, quod persistet ab spe causaria  
conditionali: Nam iste utrum legatum Conditionali non debe  
ri ante existentia Conditionalis l. 37. cum Nullat. qui et a qz.  
et tamem appellatu legatum ante existentia ut in 2. l. 1. all.

L. 107. de C. et D. passimque injuriis. Et ut uno modo dicimus  
 Necrum statim occiditur à puro qualitate legati; non ab  
 ipso legato videnti ab opere. Hanc intelligentiam primo esse i-  
 terea d. l. 7. Non plene Necrum videtur à primo; Ego ab ali-  
 quo receditur ante existentia; à tuto vero bonum cum  
 Condicio sequentia legati coactio; Necdatur quippe, ut dixi, à  
 pura qualitate, Non vero receditus à legato, et hoc modo intel-  
 ligenda positer est Regula posita n. 11. Ecc obitua d. l. 68.  
 2. Delegat. I. m. 2. argum. N. 15. adducta; Nam verbi permissum  
 accipendum est Non o[mn]i[n]tibus legati p[ro]xi[us]: sed de legato con-  
 ditionali; ut sensus sit, existente conditione ademptionis per  
 in legationem, cuius opes à conditione contraria dependebat, cum  
 itaque h[ic] intelligens existens littera libet contraria condicione  
 bene valer legatum; Ego antea non valuit; Ego ademptus  
 sit p[ro]ximus, et volum existente contraria conditione p[ro]ximus  
 littera n[on]e arg. l. pupillus 26. de Cora. initie, quod miseris  
 si omnime tri d. l. 68. & 2. de legat. I. et fabium tri Pap. tri 6.  
 p[ro] 2. ill. 1. Codem modo accipienda l. 18. & 107. ad vulg. ubi  
 voxrum exercit[us] legatum accipendum de spe conditionali  
 ut in d. l. 68. I. 2. et facit l. S. I. 104. C. de Necro. s[ecundu]s junc-  
 tio patre vobis proxime. Ad alios Doctor. tri l. 1. de Vulg. n. 115.  
 c. 18. Sed ipse opes à contraria tri d. l. 68. s.

2. de legat. I. Nempe: Secundum sub conditione p[ro]xi[us] libertum em-  
 jung, et postea legatum p[ro]xi[us] p[ro]xi[us] Titio, ademptus non ne intelligitur  
 statim libertas. <sup>2</sup> Aspermat Gotfr. m. l. 36. s. 1. de C. et D.  
 N. 10. Induci ademptionis libertatis; quia postea p[ro]xi[us] p[ro]xi[us]  
 legatum p[ro]xi[us] Resultat ademptioni voluntas, et ita nullum  
 Regula l. 10. S. 107. de man. III. l. 50. de fidei comm. libertas. l. 11  
 de legat. 2. Et quia tunc fator libertatis attributus, cum inter  
 equalia omnes, deus si minus sic pro libertate, quam lega-  
 to arg. l. 2. ad m. p[ro] 107. et 8. l. de manumissionibus l. 10. tunc p[ro]xi[us]  
 8. de re. jud. Sed potest substance defendi hanc sententia  
 UVA. BHSC

Verum volum est, cum Sit Commemoratio Demonstrativa pro  
partea legatoris, ita Sticu, quem Sit condicione liberam eum juu-  
lego Tito p*ro*pter quo causa Cvidetur Indivitio Ademptio Co*Regula*  
l. Sec*o* C. h. t. quomodo liquitur l. T. ea; Vetus & Ordo; Congr  
Sticu lego Tito; Nam tunc Non ad iurorum Contract Ademptio, si-  
quidem ne viri legato, Et attac*o* Sit condicione Viri commemoratio  
Demonstrativa, existente condicione, concusso, partes facient pro-  
p*ro* parte legatoris Et Conditionalis, & non vera natura pro parte con-  
cussorum admittat l. A*o*. S. v*it*. de am*on*. lib. L. t. § 17. ut legat. l. C.  
S. & m*ini* de vir*if*. a*cc*. Cum alijs r*espon*s*o*s N. d*o*: Si vero ab ini-  
dividuum Naturam nos concussum non admittat sed liberemque  
pro parte Competere negat l. B*l*. I. 1. de ful*ic*am. l*ia* Q. l. A*o*. l*it*.  
de man. t*it*. T*o*. de legat. 2. ) bene pugnare validitas legati, et  
liberatis: Unde potior est libertas existente Conditione ex*mp*  
l. So. de p*ro*p*ri*e*c*o*li*. lib. V*ii*. S. 1. de vir*if*. Et plura hic Co*ope*centia na-  
tarum Neptra*g*o*li* C*o*. 2. N. 10: Et facit auctor teatrus v*it*. 36. 5.  
l. de c. et D. V*o* & v*en*o*m*ul*ic*e*li* legato quod Neptra*g*o*li* cre*o*, et Libe-  
re*to* ero*juro* Si nepre*ci*it: Mutatis Condicio ut*ne*que legati,  
ut impedit*ra* Nep*trai*um Co*Regula* l. V*ii*. §. Sec*o* v*it*. cum P*ul*g.  
de C. et D.; Unde Si libertas force admittere concussum pro  
parte, error cum muliere concusset: Sed quis hoc repugnat  
individuali*te* libertatis, ut Nep*trai*o*li* dico, id*co* potior est libertate*lo-*  
gato*li* que potior non sit*co*nt*ar*o*li*, sed V*o*la, & prius legato*li* ad*mit*  
tum est*co*, ut a*ct*ab*at* Alter*li* pag*o* in l. t. qui potior, Et v*er*bi*li*  
sim*li* i*nter*pretatio*li* Got*hi* in*ca* N. 13. Climacter Ego in*ri*ng*o*  
t*on*i*li* = Si vero Tito legatus legatur ut Sit condicione, et libe-  
ritas p*ro*pter: Viri dubio*li* potior est libertas, quia statim ac cedat, om-  
petit ante*li* quam Co*ope*cent Condicio Co*re* ratione d. l. l*o*. S. v*it*. de  
manum: t*it*. So. de p*ro*p*ri*e*c*o*li*. lib. cum Nep*trai*o*li* add*o*. quod cof*act*us Got*h*  
in*ca* Q. l. 36. S. 1. N. 8: Et hoc non via*li* Ademptionis, ut sp*ecie* credat  
(uti*li* cum Sit commemoratio Demonstrativa liber ero*jub*et*co*,  
ut proxim*li* dico Co*Regula* l. Sec*o* C. h. t.) sed eo*co*, quod, et*si* Sit  
UVA.BHSC

Posteriora Commemoratione ex quo Ante sub Conditione  
 gatus liber esse jubeatur, cum non possit Admiti Concessus in  
 tenuis Conditione, Semper poterit libertas Arg. D. L. D. & I.  
 de C. et D. cum vixit annos: Et consequenter postea coepit  
 sub Conditione praevis legati, cum etiam Supposito Conscientia po-  
 terit adhuc esse libertas Arg. L. 68. § 2. de legat. I., quam ratione  
 Gotfr. omisit. Particulae Contra ipsum in n. S. Credo quod ri-  
 sticum liberum esse jurem. Et postea eiusdem sub conditione  
 Tunc legem, Non inducitur libertatis Ademptione: Non est l. 81. s.  
 Ult. de legat. I., cuius diversa est species Coagulatione eo s. si  
 Pater I. Cuidam, ut et l. 2. s. plus scripsit de stat. lib., quod  
 ad alios donat Cuius in eis: Sed eis, quod si datur con-  
 dictio, Non est quid impedit libertate: Si carcer, patitur poterit  
 est libertas; quia propter individualis Naturam Non potest datur  
 Concessus Conscientia Conditione Cog. l. 10. s. ult. de assign. lib.  
 l. 6. s. 3. mhi de vniq. acc.: Unde cum eo Natura Commemo-  
 rationis Non sit ademptum, poterit est libertas d. l. 10. s. ult. 80  
 Man. tit. l. So. de pte. lib. cum ann. ap. 2. n. 10. Secus de sub  
 commemoratione demonstrativa Utrum, quoniam liberum en-  
 jurit, Tunc sub Conditione legat; Nam hoc in carnem credenter  
 inducitur Ademptione d. l. 5. et C. h. t. pro inst. ad: Unde statim  
 libertas Adimetur Eo pro d. l. 10. s. Ult. et d. l. So., et tandem  
 sub Contraaria Conditione incessanter Data Cog. d. l. 7. 10. et  
 11. h. t. 18. s. ult. de vulg. S. s. ult. C. de necem. Secus: Ita distin-  
 quere debuit Gotfr.

C. 10. *Sed si Titius fundum legat, et postea admittat  
 eorum, quae esse intendunt?* Affirmat Gotfr. legatum velare,  
 ademptionem vero iuritaxi in a. l. 68. § 2. n. 6. et in a. l. 76. s.  
 l. de C. et D. n. 1: La ratione, quae adimendo eodem die Legato  
 ad certum tempus Retinquit contra Regulari, quod legata ad  
 tempus Non potuerant Retinqui Ante Justinianum in l. Ult. C. de  
 legat. l. Nemo SS. de legat. l. l. dd. § 1. Ver. placet de O. et A. et  
 ea ademptione nulla est arg. l. 1. et 11. s. ult. h. t. 11. f. 1. Vixit deniq.  
 de vita et habet: Secus in libertate, que licet ad tempus Retinqui  
 UVA. BHSC

poter non potest l. 83. De man. tti. tamen ita velicet competet  
ut ad ea pugnatur, tempore obiectio resoluta l. 84. jure l. 1.  
s. vlt. eod.: Itaque servos legatos et portas ad rem liberas esse ius,  
statim ante item, assero, Contra legatos obiectio resoluta  
quia ut tempus tollitur et competit libertas q. l. 83. cum seg. de  
man. tti. jure cuius. N. 22. Paul. Et illas erit, perinde est  
ac si pugnare liberi esse, iuris srt: Et pro pleniori intelligentia et con-  
ciliatione d. l. 85. delegat h. l. 86. s. 1. de o. et s. cum l. 87. c. delegat  
ordens. Gof. in 2. l. 86. s. 1. n. 2. Bell. de jure. acc. op. 7. q. 1. dicitur  
liber s. i. donat. q. 16. n. 2. lib. agit de intelligentia l. 2. c. de donat  
que erit modo, et de difference quae haec in ea donatione et le-  
gacione. Nec sive, delegatione cum intentio Gof. in ademptio  
ex die: Eo ex quod. Ceteris causis utilis est ademptio, ceteris  
utilis est donatio, vel e contra eo regula a' Conventio l. 11. et 8. 8. 7.  
h. t.; sed legatum ex die donari potest l. 80. s. hoc autem delegat  
l. l. 81. quando episcopos legatos. Cum alijs; Ergo et ademptio eo sive. Ne-  
hui omnes defensioni potest subtilis Gof. Consideratio ex eadem  
regula; Nam ceteris causis iniustis ratio, ceterum iniustis ademptio  
d. l. 11. s. vlt. l. 11. s. fin. de exercituibus; Donatio usque ad tempus iniusti-  
us est d. 85. delegat l. l. 86. c. delegat; Sed omnino legatus a' re  
ad tempus relinquetur; Ergo ipsa auctoratio potest videri, non vero  
legatum, quo ut ille potius factum sit arg. l. 1. h. t. 11. s. 1. od. 11.  
s. 1. vlt., omnes potest habere ei vero ad rem advenire, hinc  
vita difficultate, et ex ipia ratione l. 85. 8. legat l. 11. 1. vlt. p. de  
o. et s. ut iniustis exeat ante Justinianum donum in 2. l. 10. c. 2. et  
legat. iniustis poterat exeat ademptio, Et ita mandabat pugnare legatos.  
Sicut ac in libertate ad tempus proficiae servos legatos: quod, ut dico  
statim admissum prius legatum, eo quod obiectio tempore resoluta  
et statim adira pugnatur Competat d. l. 82. cum seg. de man. tti.  
Quod aliam spousem servi legati, et libertatis ei coacte velicet pug-  
nari potest l. 23. s. 1. eod. Iei cum port monoz legatus liber esse iuris  
an statim Competat, et consequenter statim admissum ad tempore resolu-  
to. Ad leg. 68. s. 3. et 10. 8. legal. 1. et cuius conciliatio arg. l. 65  
5. 2. delegat d. 11. vlt. Gof. in d. l. 65. s. 2. id. Cuius. Et statim iuris  
in faber mil. 68. 8. 2. p. Chr. Cenc. C. g. 6. labor in cap. 1. 6. p. 6.  
UVA.BHSC

11

Et de altera Conciliacione o. l. 68. s. 3. et iste cum l. 56. s. 3. 36.  
s. l. adficiat. lo annum qd annui legat quas apponit Goffr. in o. l.  
38. s. 2. n. 2. Videns. ipse in d. l. 56. s. 3. Uro. Nam hinc conductio  
debet se stipulatione in eam n. 18. Omnia enim praeceps qui proponit  
temporis non sit.

3. 20. Rec obicit tunc fundamenos art. 15.

Quos contra Regulam p. 11. deducuntur o. l. 108. 1. 62  
gran. tis. Nam ibi in suo legato, et eoz libero esse, iure videlicet  
Conditione, legatuscum habet ante Conditiones Coexistenceq,  
quoniam non sub commemoratione remonstracione eiusdem legatorum  
liberum esse, juriit (quo cura statim inducatur Ademptio aere)  
Coexistenceq. l. S. 6. et T. h. t. 16. s. 6. (ulg.) Sed sub Repetitione, uero  
suo legato, libertateq. fiduciammittitq. dedit sub Conditione, ut  
constat eos p. o. l. 40. cuius series continuatur in o. S. h. que  
cara hic, cui puxi nos legata est, inter omnia tota, nem habet ante  
Coexistenceq. Conditionis, qua Coexistence concusa patet, scilicet in  
rea intentione, quam cool. t. 1. ut de ari. lib. C. 6. 2. mhi  
de Uulg. acc. l. S. 10. ut legator. tenet licet non omnibus factis  
Goffr. in l. 56. s. 1. 2. C. et D. n. 1. Progeni de fiduciammittit.  
o. n. 10. et cum placet. Bell. Goffr. acc. q. T. p. 87. a. n. 13. S. p.  
Revera. Nihil micrum quo legatus sui eoz ante Coexistenceq.  
Conditionis libertatis petere posse est. Et causione in o. l. 40. S. T.  
quam Non agnoscunt Reptiles adducit, et idem administracione  
frecon Optius ait, quia cum eo faciat in eis duas libertates con-  
tente Conditione Non posse Adem. Concessus o. l. 76. de legat.  
2. p. 10. ait, Ne poterit est libertas legato ob ratione l. H. 62.  
legat. 2. vlt. S. 1. de Uulg. Sed sires quod si hys ita esse num-  
quam vnde arimo Adem. Respondendum tamen est  
quo in d. S. 1. non habuisse animon Adem. Statim ante  
Coexistenceq, sed Coexistence Conditione Ob individuum naturam  
libertatis. Et distinguere Canon quo legatus eius ostenderet  
tautum utrumque praestare voluisse, quo et si libertas comprehendatur,  
tamem Sive voluntatis debet legatus, quia hic opticit animon  
Adem. Et voluntate, et natura non p. l. do. S. 1. infra junct. l. 63.  
de legat. l. fido. de legat. S. 1. Union. Opt. quam C. de caducis. Ad-

Ab quo solum hunc tractum agnoscit. Et. C. S. q. 12. n. 26;  
manet ergo, quod ex dictione conditionis libertatis, secundum  
statim non videatur à legato in a. s. l. Cogitatio ea commemoratione  
repetitiva non inducatur ademptio eao nro. 1. d. de legit. 2. 13. de  
legat. 3. 15. de ligas. institutus que nec inducatur m. d. l. do. s.  
nisi individualia libertatis manxa pugnare concubus con-  
ditione, contente: Nam ubi sub commemoratione dominicale  
transcurrit sibi conditione, quo cum statim, ut ligata dicitur, re-  
cum credidit à priore legato, quomodo intelligenda est. 16.  
mij. et 2. h. t. p. in ea et l. 63. d. de legit. 1: Atque  
quoniam non dicereur in ea, secundum et in causam visibilis esse le-  
gationis quoniam immo etri alteram sententiam complectamus, non  
potest legata unius et alterius sub conditione, in causa lega-  
toria, quem non potest petere partem legationis conditionis  
de manere penes ligatus. Ordine Gomez I. causar. C. p. 1. n. 15. Co-  
nelli 12. q. ult. faber. Oct. 40. eu. 10. Elegans et Ramo de jure  
q. 2. n. 3. cum Regg. qui ob rationes specialis remittit. in uspi  
o. 9. l. 6. 8. si mihi de tru. acc. 1. 1. 2. 17. f. ut legator, donec  
respondet, quod et si futuris et opere clari naturaliter diffici-  
lent, et clavi dominus per incolas, temen clavi statim  
conditione persistat, hoc est, expensas ducat, dominus non admis-  
tit; Nam cum legatum sit unius pax, et liber esse, iuris sub  
conditione, ligas non potest habere partem clavi conditione pen-  
dente, quia totum legationis est; Ordine nichil minus q. interim  
legatus velorum habeat sub conditione: Coempto libertati  
arrogante unius pax, alterius sub conditione, qui interim apud  
paxum manet. 9. l. 10. 8. 9. 10. de argn. lib. ut latius ac aliud  
deceit. Dianensis 16. 1. de jux. acc. C. 16. et Ramo ubi proxime  
n. 7.

N. 21. Recaligatio remonstratur. 1. 3. 8. 1. h. t. n. 15  
opponitur. Nam ibi conditione non opponitur dispositioni, sed resor-  
tutioni post consentaneum primi actus, et invenitam ob principalem  
fitem non alienando, ut res in persona pugnit. Secundum  
legatus: Et ut ligas ~~in~~ <sup>ad</sup>ligas. Supponit ad quinib[us] pugnit.

ut mi. l. 38. s. 3. et s. de legat. l. 20. Cuic. Deces. l. quin. ad qd.  
 nos. Clausij in a. l. 38. s. 2. à n. l. Patens. b. bact. vlt. qd. l. 2.  
 defun. Stetin. 2. de p. m. q. l. 2. n. 31. uti advenes et lib. l.  
 qd. 6. n. 23. et ad rem Cattalo. l. conosco. c. qd. 56. n. 32; ne  
 huius ego Unum quod per hanc Conditionem Non inducatur ut qd.  
 denuo. Et quos prefita Claustra de Non alienando tradatur  
 legato; ut Nesc' Gotfr. in a. s. 4. Non Aliuciana, ut maius  
 quod Solum in conditionibus Negotioris loci habeo. l. 7. 30. C. et D.  
 hic autem affirmativa sententia. Cadz ratione acceptanda l. 81. s. R.  
 de legat. l. l. 11. de manu. tti. Cuicdem Inscriptiones: in quibus  
 pars legato. Qd. iecur Claustra, ut vi legato uis intra annum  
 non manutinuerit, Legatus Alteri est; ut in a. s. 2. vel letis  
 ut iuncta ut in a. l. 15. Non videtur necessarium statim a legato,  
 nec Dras. Senus Sub Concessione Conditione, ut in l. 68. s.  
 2. Delegat. l. quia in tempore resolutionis, et post acies bre-  
 quitionis, Confessor Condito: Unde pruis est, considerare servi  
 acquisitionis in legataxie, ut manumittat, et ut non manu-  
 mittendo Concessione dicatur. Arg. a. l. 3. s. 1. cum supra ad.  
 It in effusas, licet diversis rationibusque terminis, facit Got-  
 fr. in l. 68. s. 2. Delegat. l. n. 15. et 10. ubi conciluit a. l. 15. et  
 l. iniq. 31. s. 10. De fidei comm. lib. Cuic. in a. l. 81. s. 2. et  
 in d. l. 15. Conducique Reces l. Obsec. in l. 10. de scu-  
 porto. Et Dras. in acies. De pena conventionali qd. l. n. 15. =  
 Nec obstat elegans decisio l. 21. quanq. dies legat. Capponia  
 pacitor n. 15. Nam patet quod, rebus temporibusq. lib. 10.  
 rebus legat, et vi non debet, Decem, quod decem legata sunt  
 tunc Sub Concessione ut huius interpellates fundum non de-  
 bet. sic accidit in penali majoritate a prima dispositione, quod  
 per interpellationem. Commititur l. 23. et 82. s. 10. et 84. et  
 arg. l. 115. de G. O: quod et in legato locum habet, quem a pri-  
 ma dispositione incipiat, ut in a. l. 21. et 10. cum alijs. Et  
 difcentiq. causis, quo incipit a consecratione, ita: fundum non

Idebet fundum dabit, quo casu non ante committitur, quia  
Cestum erit, jam datur, vel si non posse d. l. 118. s. 1. et d. de  
cuius intelligentia cum a. l. 10. et d. l. 1. s. 1. quando. dicitur legato  
ad fidei fidem. Poterit in d. l. 24. Cuicunque in a. l. 118. poterit in  
a. s. 1. qui in. Recusat stipulatione penaliter. N. d. 1. et no-  
viter hinc iuxta tetrigi eodius tract. q. 2. n. 2. ergo ad 8. ) id.  
est, si non debet, si dare nolleuit; unde fundus est ade-  
plus sub eodius conditione. Nam tunc fundus admittitur cum  
censum debet, incipient, Et tunc debet, incipient si fundus  
dare nolleuit; Ego erit una conditione data vnde decam  
et ad tempus est data, fundus quem tenet habent inde  
Conditione, fundi legatus Ademptum videtur ex casu, quo censum  
debet caput, Et consequenter sub conserva datas est fundus,  
ut est si interpellatus dare voluerit arg. l. 10. et 118. t.  
l. 10. de C. et D. ut elegantius poterit in d. l. 3. s. 1. h. t. n. 10.  
et locutus in d. l. 24: Nec legatum per nomine retinend  
est in d. l. 24, ut supponunt nuper adduci, et late' docui se  
gena conventionali d. q. 1. n. 18.

## O. 22.

Sed quia, cum conditione sic legatum  
fundi in a. l. 24. quando. dicitur legatus transmittitur mox ad legato  
ante coextenit, cum causam dicitur in d. l. 10. h. t. 68.  
s. 2. de legate. l. cum abo. n. 11? Respondendum tamem est, quod  
in d. l. 24. per mortem legatarum dicitur conditione posterioris le-  
gati defecit, et consequenter conditione, prius legatus fundi ini-  
plicata, unde nihil minus quod transmittatur arg. l. 10. col. 10.  
quod ei ostendo: In d. l. 24. deficiat prima conditione, et in  
terpellatus, non fundum, sed causam dare volueret; at qui hoc  
non facit nullo legatarum; Ego deficiet conditione ademptionis, et  
consequenter completa est ante mortem, aut mortis instanti con-  
ditio fundi; quia, jam dari causam non possum arg. l. 16. col.  
Quod non insubtiliter confundari potest exempli 2. 11. eos. t.  
ut si transmittatur, aut dicimus, utrum legatus voluerit legato

Sint (quia Causa legatum Decem à morte l. S. eod. suspicua  
vero ab aliis hæreditatibus Cedit l. Cris. quare. dies vixit.)  
et Debet legatum post Mortem testatoris, ante aditum  
hæreditatis (quia inter eos Causa habilia plexi debet l. 25.  
eod.) tamen quia Ante mortem legatus jam cecum est, ag-  
plicatur eligi Non posse, cum non solum censetur, Nec transmis-  
sione Cris. ut personale, sed legatum de Decem transmis-  
tur; Quod est ratio Julian. m. o. l. M. d. l. quam confirmat  
alio Exempli, Nempe si quis valeret: Uxoris Decem, aut, si  
speraret, fundum hæritatus dato: Nam ubi decadente,  
cecum est famae Non posse, et ita, deinceps ante mortem  
Conditione Cris. Causam, Causa est Ante mortem conditionis  
contraria Aliam Causam; Unde transmissio legatus de de-  
cem eo ratione d. l. v. l. l. l. l. d. l. cum quicunque delegat. l. Si  
maliter ergo in d. l. d. l. deinceps Conditione Redemptionis pro-  
fici, Danci Decem, Causa est Ante mortem Conditionis contraria  
fundit; Unde postea legatum transmissio, ut late domini Gotti  
in l. B. S. l. h. t. à n. 18: At in l. l. l. h. t. 68. S. 2. delegat. l. 6.  
quare. dies. cum alijs, tempore mortis legatusque pendebat  
ad hoc Conditionis prius legati; unde nihil nimis, quod ut  
Conditionate personis transmisit Non posse Eo n. l. S. S. 2.  
l. 21. infra. cum Reg. quare. dies; Unde Non obtant inter eis  
cum d. l. d. l. de Causa Conditione, proxima vero sua de  
pendentibus loquuntur.

C. 25. Sed certae occidit proxime dictis l. t. q.  
illius d. S. quare. dies. Obi: fundo puto, vel decimisibus conditionibus  
tunc legatis: Causa enim Ante Conditiones Conditionis, Non transmis-  
sio legatum Causam puto; Ego similiter Non obicit transmis-  
sio legatum fundi in d. l. 21. Sed omnia Causa in d. l. 25, de-  
pendunt enim eam Gotti. in d. l. S. S. 1. M. 27. quoque, et sic conditione per  
in una Causa alternative facias conditionate coincidentem  
sunt puto Causam, propter propriae Causae unius existentiam.

OVA. B. I. S.

quoniam aucto certificare vnde, ut eleganter probat d. l. 25. l. 11.  
s. l. l. 16. quando dicitur sedes trium Contraeum Cesternorum alternativorum  
responentibus Conditionem, non tam cum datur legatus eiusdem  
statum eis his Voluerit eligere, quo cum Non poterit in electione  
an sit legatum contra Regulam l. 65. s. delegat. l. sed quod  
extremum eligere voluit. Neque Mores legatorum transmittuntur  
ad junta ut intelligenda in l. 8. s. l. delegat. l. 11. in proposito  
l. 10. de opere legatus junctio l. 7. s. l. delegat. l. Et conciliatio  
cum s. l. 25. et l. 65. s. l. delegat. l. Eleganter Gotfr. ut superius  
et Conducunt Litteras. s. selecte. q. 4. l. duxisse docim. Bl. n. 61.  
Orea h. s. q. l. n. 38. Et pro alia difficultate, quae rursum sit le-  
gatum, ut dicimus in b. l. 25. l. 27. delegat. l. 8. s. ult. delegat  
et conciliatio. Cum l. 8. s. l. delegat. l. 8. s. penult. delegat  
l. 23. delegat. l. 10. de opere legatus. Quic. in s. l. 25. et transmis-  
sione q. 20. Olano l. epist. 13. n. 13.) tam non hoc est intelligen-  
dum cum post Mores legatorum adhuc penderit Conditione minus  
Cesternum; quo cum Non transmittitur, quomodo intelligenda s. l.  
25. ibi pendente Conditione, et in Recriminacione: Ut eadem  
penderit conciliavia Conditione l. 10. h. t. 68. q. 2. delegat. l. Huius  
est cum tempore Mores agunt Conditione Unius Cesternae quo cum  
alii primum transeunt et transmittuntur, ut si l. 11. s. l. l. 16. h. t.  
ibi quo ceteri possunt, Nisi non posse: Ita conciliatio in q. 8. l. 25;  
cum igitur in s. l. 25. Befrancis Conditione Panis decim. Mores lega-  
torum, ut dicitur n. 21, a qua pendebat oblongatio fundi, cuius  
Concordia Conducio perficitur, Mores transmittuntur penderit legatus  
Pro conciliacione s. l. 25. cum 2. 3. s. 2. h. t. Gotfr. in s. l. 3. s.  
l. n. 52. De alia conciliacione s. l. 16. quando dicitur q. 1. 25. s. 1  
l. 33. de C. et D. idem Gotfr. tri. super a. n. 36. Pro concili-  
acione s. l. 25. cum l. 1. ult. de Condit. iniat. idem Gotfr. tri. super  
n. 18. et 19. Quic. in s. l. 15. Recurring vobisq. Afor-  
marum hoc n. 11. habent l. 8. h. t. Quic. versus documentum est  
ex l. 7. eos.; Nam diffidum, quis legamus Titio, legam vobisq.  
ut Conditione tri. et ex Asia: Statim recessimus a part.

legato, et ita cum pacem pacum intelligatur. Sub Concessione Con-  
 dicione, Nempe, si Clausus Coe Etia non Denicit sed intelligen-  
 ting d. l. t. prestatam. Ruptio: quod Tempore  
 nus decant Arte conditionis Contentio: Non ne statim fundas  
 pectinabit ad Titius, Non coepit autem defensio Conditionis? Hoc reg-  
 ut Julian. in d. l. 8. Ratio tributandi (quoniam nec Quic in  
 ea, Recus L. opusc. vi l. cit. de his pp. 1. n. 8. agnoscunt) est  
 quod prius Administratio Titio pue, ut adquirat ad Temporium; sed  
 eo modo Ance Contentio, Nec adquirit Nec transmittit. l. 5.5.  
 & 21. in fin. cum leg. quando dico. Ioh. h. t.; Ego ab instanti mo-  
 ri Temporij debuit legatum ad Titius pertinere: quod per-  
 fexam Credidicunt Antiqui, quaeum minima fundamenta  
 refut Goti. in d. l. 3. s. l. à n. 6. usque ad 16. et r. p. c. n. 17.  
 Concessio temet Netti docuit Julian. in d. l. 8. Ca ratiō  
 (est non copia) quod prius transcedendi in Temporium  
 non est absoluens, sed sub Contentio affirmatio Conditionis.  
 Titio vero dene credidit sub concessione Conditione d. l. et 14  
 h. t. cum adducat n. 11; sed quoniam decedit ance Tem-  
 porium, Non dum ante Cross Negatio Conditionis; Ego  
 non dum Titius habere potest Arg. L. 26. de C. Inst. d. i. nihil  
 magis pectinabit, id est, Statim per Moris secundum, et ante  
 Defensionem Conditionis, Titius legatum pacum Non habebit, sed cui  
 ut ance, Nempe, Conditionale d. d. n. 11. et 17. Accedit et  
 ratis l. 10. h. t. cum adducit Ruptio q. p. 2. n. 16. Rectandem  
 Negotio facio tenet in l. c. 22. P. minorib. q. Nec ad con-  
 trahere aut translatione Conditionati loquiur; sed se recti-  
 bione, si donec laboris decantur: quez prius disponit adquiri-  
 ting ut mihi res. ab d. n. 21. pro qua post factum in Nationi  
 Bell. q. 7. q. 10. n. 95. et 87.

21. Sed ut regulam faciat n. 11. absoluens,  
 Ruptio jam principali eius inspectio, in qua ad operum gen-  
 erum selectione Notariorum, Timatique elemis. Ruptio neque  
 sed indeq. Minorem etiis alia, quez pugnae habere pia, faciat  
 V. A. BHSC

Et quodam primo Oppone potest Regula l. 11. h. t. S. 8. vlt.  
de man. tt. Nempe: Inducit ad admittendum non poterunt  
Oppone datong; Sed quodis praei legatum Admititur ad  
Conditione, Voluntas tendit ad admittendum; Ego non dobet  
metuere Datum sub Concessa Conditione in l. 10. et l. 11. ht.  
cum add. n. 11. Sed omnis Parijus huic sententia intel-  
ligentij, quas post etenim preceperunt Costa l. 12. c. 9.  
l. 11. 15. et c. 21. N. 7. Pinell l. 12. c. 9. l. 11. 22. hinc  
Regulam Explanamus Prope n. 3. Vnde ad 13. Ita secundum  
de Nova intelligentia d. l. 11. et. S. 8. vlt. Secundo argui  
potest a paritate Contractus: quippe Vendito fieri cum prae-  
in diem adiectionis, Non quis iritis Cœcum tempus malorum  
obliviosus conditionis; Non sub pax l. Commisso; pax est  
omnis, Et restiterit sub Concessione: Ut, quidquid Consulti  
dubitarent, pro certo obtinuerit l. 2. de in diem ad. l. 1. de l.  
Commis. l. 2. s. vi. in diem pro certis; sed hec venditio  
Concipitur informam Ademptionis, dum in eum casum re-  
mempta sit; Ego similiter Ademptionis Conditionalis ac-  
tuit Relinqueo paxum legatum, Resolutum sub condicio-  
ne. Nec dicas, hoc provenire Coformata actionis nisi, que  
in iurib. add. certior; Nam Ego esse in legato in l. 10. s. 2.  
de C. et D; Et iam statim admittitur paxum legatum, et  
sub Concessa Conditione datum Cedingo legato. Et pariter  
in l. 13. s. vlt. de utrum lib. Et facit l. 15. s. 2. de legat. 3. Et  
in l. 10. s. vlt. de man. tt. Vnde idem accideret, si datus prius  
aliqua liberatis precerint, ut dixi n. 10. Ita se capientur et  
dissentient constitutre inter dictum nisi adjectis Contractibus  
et Ultimis Voluntationibus: In prima parte accidunt, non possunt  
Contractus conditionalis a priori, sed resolutus per sententiam con-  
stitutor, quomodo accipiunt d. l. 2. de in diem. l. 1. de l. Commis.  
d. l. 2. s. in diem pro certis et volante ingenio. Optimum  
in l. 13. s. Contra d. l. 2. s. in diem. v. intelligentia clavis. que defensio  
V. A. B. H. S.

*leganter Corte L. electio ep. 23. et tenuit Gof. int. do. 22. ad. q. p.  
et d. n. e.*

25. In ultimâ occasione voluntaria dicto non in-  
ducit Conditionem et suspendit Dispositionem, per inde accedit  
l. II. S. S. ita intelligentia de legat. 3. legatus extra hiis leges  
noluerit, id est, si leges non repugnaverint, si non concordem-  
erint, Conditionate statim pideiommus faciunt; quia non po-  
natur Ratio in voluntate immidiatu[m] legato, sed in mediatau[m]  
ut Gofr. ad h[ab]it[u]m supra N. 1. sibi ut Costa aie. 8. Cg. 21. N. 1.  
non ponitur in legibus Polonice, an debant? Sed ac non de-  
beat? quod Non Repugnat Regule t. 7. §. cim quidam de nobis sub  
l. 13. & penult. delegat. l. 16. §. 4. Pefidiorum. libere: pro quibus  
videndus Costa. In q. cum hoc de ill. N. 12. Cuiac. 2. ob. Cg.  
2. Dicte. 1. opus. ad l. 11. §. 13. delegat. 3. It pauciter Dico  
legato, et postea Ademptio Si leges noluerint rite ademptio,  
et convertitur in dationem sub conditione si leges  
noluerint ea reg. l. 10. h. t. cum art. N. 11. et art. l. II. S. delegat.  
3: quin dicit Regula l. 14. s. 3. h. t. Cui responderet Costa  
8. Cg. 24. N. 7. et Prox. 2. Schol. q. do. à N. 22. Codex modo  
acceptiora est istian. in l. 13. S. vlt. de stat. lib. in qua  
libertate Releca Utro cum cui annoq. 30. (in quod tempus  
libertas difacebatur, ut Civis Romanus ficeret: quippe andea  
Latinae fiducie l. vlt. de nob. Reb. iuxta Cuiac. in l. I. C. de ma-  
num. videt.) Et adjecto postea Utro cum decim non dedecit  
liber ne esto quod idem est, ac non dedecit l. 10. §. 2. ob. C.  
et D. ) Nam vim habet, ac si dicimus utro Si decim non de-  
decio, et ad annos 30. pene erit, liber est: Utrumque eni[m]  
impendum: Co quod Condicio Ademptionis contraria con-  
ditionem initiat libertati. Anova Datz p. l. 10. et 11. h. t. Se-  
cundu[m] nulla anterior Ratio liberari possent; quia tunc  
ne nihil est, quod negat, nihil enim est, quod vel contra  
conditione dare videtur: quomodo procedit l. 52. S. vlt.  
de man. llt. Utam Concilianda cum d. l. 13. §. vlt. jureti Gofr.

vit. 1o. S. 2. de Cet. Li. N. 1. Cora. I. Schol. Cp. 25. Distique  
supra N. 1o. Recitatis Sufficiere Unam Conditionem impedit  
in d. S. 14. Et quidam quis liberior est libertati eo reg. L. 87. de  
C. et D. S. et 15. de prae. ut: precepit cum et Condicio ante-  
rior assimilatur per secundam Conditionem L. 12. S. 12. de  
legat. I. Arg. L. 82. De C. et D. Nam regula huc procedit,  
cum, non per modum Adjectionis, sed per modum exclusionis  
et Abemptionis Secunda Conditione opponitur Arg. L. 5. et 6.  
h. t; tunc Criminis et libertate d. L. 87. Ut. in legat. con-  
stituta attendetur d. L. 12. S. 12. de legat. I. Vnde ubi per mo-  
dum adjectionis prius Secunda Conditione inseratur; nam  
hunc utique parvus in libertate, et legato, ut Julian. ait  
in d. S. Ut: Pontificatusque Naon prius cum secunda  
conditione Arg. L. 1o. Et ill. ho. t. ut late et eleganter docuit  
Gof. in d. L. 87. a. N. 2. Tamen dicitur nisi inductio  
Abemptionis Conditionis, et dationis sub contraria Condicio-  
ne, impedireque transmissionem liberaliter docet Sabotin-  
ius Opif. in d. L. 10. S. 2. de C. et D. Costa d. Cp. 21. cc. 25.  
N. Ut. Manee ergo, in concordibus prius esse despa-  
tions, et resoluti tria conditione d. L. 2. de vi diem L. 1. 82.  
comm. L. 2. S. 5. in diem pro Compt. d. L. 1. 11. 3. Condicio. 92.  
O. et et: In ultimis voluntatibus, prius depositionem  
Conditionis Opif. Dativus intelligi sub contraria con-  
ditione, transmissionemque impedit d. L. 10. S. 2. d. L. 13.  
Opif. d. L. 11. S. 5. de legat. 3. Dationis differentia omnis sit  
Costa: primit tamen Gof. in d. L. 10. S. 2. N. 2. nimis  
Concordes duorum voluntate constant, et statim minores  
et perfectiones: Unde dicitur nisi resoluti, primit que ex-  
ceptum, Non vero tollit perfectas, ut in Exemplio d. L. 11.  
3. Condicio, ibi promeo decim. nisi faciat eo Amia: quis  
primitus licet per duas conjecturas coegerit Antiquum  
UVA.BHSC

quos refert Cota d. Cap. Ll.) Statim pura est, sed non  
ente Reao; paucis Coceptionib; At legata Unius voluntate  
famancur, deambulatoria Orgue ad Superum enit. 2. Art.  
3. & 3. De donat. inter: Unde, Opinione Unionis duplicito  
luncato, facilius vindicatur suspensio. Sed dixi, quod cum  
moxe cesat legatio, potest partitor Confessari ut purus  
in primo instanti, et limitari per Coceptionem et mutationem  
ut in O. I. II. S. Condicio. Sed respondendu quod cum non  
concurset Agniti legatarij eodem instanti Confirmationis,  
prius vindicatur suspensio, quam vindicatur acceptatio.  
Ceterum quid in legato Vindicationis, translate Statim  
Dominio Coo. l. 80. De legat. 2. Cl. Definitio? Idem tenendum  
quia semper posterior est acceptatio via adquisitio.

## O. 26.

Succedit tenuis causa, licet iam in  
penitentia Magna Coopere Coagulatus, a metoij N. Strengi  
quando id, quod prius legatur, Non solum admittitur sed con-  
cessione Simpliiter, sed ut in aliis transferatur, ut: fundat,  
quem licet legavi, lego Antonio sub conditione, si illius Con-  
silii, vel alia similis: quo causa causa et elegans distinctio  
est Profe. In O. I. T. quod, aut admittitur sed commemorat.  
Demonstrativa, ut in Cooemplu posito, aut sed commemorat.  
Repetitiva: primo cau Statim Admittitur et sed concessio con-  
sobore dicto Credam, ita nonnullis que Manet, ut fundari-  
mus erupa N. II, ita incertitude O. I. T. N. IV: Coquod  
O. I. T. loquatur de Commemoratione Demonstrativa, Riddam  
Coo. l. 6. infra principij, rurce, l. S. h. t. ubi Unius exemplar  
translationis hoc ponit ibi: aut quod prius datum est, trans-  
feratur sub Conditione, unius Coempli specie transcripsit  
in O. I. T. Et constat eo verbo transferatur, quod de concubu  
partij accipi non posso, Et eo verbo credam, quod denotat to-  
talem adempti in carnem existentis Conditionem, quod  
egue de Commemoratione Repetitiva accipi non posset, quo-  
nam in hac conditione Coagulatus, ita que legatum ad  
UVA. BHSC

admititur, ut postea dicam. Confirmatur c. 1.85. Veneris  
quod si puxit de C. et D. Vbi: Et si cum, quo puxit prius,  
et postea Vtib Conditione Coo Contingentia eidem legatur, non  
inducatur Ademptio prioris, Ita data Videatur Et actio le-  
gatus c. N. 8. dicta: Tamen, si sub commemoratione De-  
monstratio quod puxit prius legavit, librum sub condit.  
legit Ex Contingentia, Ademptio prioris dationis puxit indu-  
citur, Et solum debetur Vtib conditione: facientque sive ad  
Referenda N. 28.= Secundo Casu Nempe: quando sub com-  
memoratione Repetitiva transferitur in alij sub conditione  
ut sundus lego Cajo, et sundus lego Simplicio, si Nec-  
vis casus: tunc non inducitur ademptio, nec in toto, nec  
pro parte, sed concubuntur, partesque faciunt Conditionem uni-  
tatem l. 1o. Si isti de arign. lib. 1. 6. 3. si mihi de truf. acc.  
l. 3. 17. ut legat. 3d. 3. 1o. Delegat. 1. cum alijs: De quo, et  
an istius persistence Conditione totam Non habeat lega-  
tarum puxis Nomini tè dissimus Supra N. 20. Quarto huius  
Casus est, quia tetacor Non admittit sed conjungit, nec pro  
parte ademptio datur, quia solum Uniusque debetur,  
libet per Concubum partes faciunt Contractione l. 11. Delegat  
l. 15. Delegat. inst. 13. Delegat. 3. Alioquin si ultimum, pars  
parte admetatur, Non pertinet tota res ad prius  
legatarum in casum Repudiationis, vel defensionis condicior-  
um: quos utique Verum non est, faroque seducti sunt  
Incongrues misa referendi N. 28.

## N. 27.

Secundum huc procedunt; cum ex natura Rei com-  
patibilis est concubus Coextence Conditione: Secus ubi ad  
miti Non potest Ob individualis Rei Naturę, ut accidit in  
liberitate l. 31. 3. 1. Defensionem. Libet. 16. De legat 2. Nam  
hoc casu, Secus puxi legato, Et eodis libero esse, jussio sub condi-  
tione, Et ex sub Repetitiva Commemoratione, semper adem-  
ptam Credetur legatum libetatis Conditione existente  
UVA.BHSC

Et Consequenter datum Sub concordia Conditione, nam, <sup>p.3</sup>  
 Causitatem Conditione Non posse Admiti Concordia, Semper  
 potior est Libertas Co-reg. l. 10. S. 10. de Man. t. t. cum add.  
 N. 18. et 12. Unde non obstat, hoc casu libertatem Sub condicione  
 per Commemorationis Repetitionis Domini Secundo legato, ut in ipsi.  
 bus nuper adducitis, ut de Demonstratione ut tri. l. 16. cum  
 Vulgatis de Vulg. d. l. 68. S. 2, quas ita accipimus N. do Reg.  
 Utique Casu tri. effectu Sub conditione Admittitur, et Sub con.  
 cordia Conditione Domum Creditur legatum Col. l. 10. et  
 11. h. t. cum add. N. 11. Ceterum cum haec dispensatio, quo  
 libertate Data Sub conditione Cum Repeatione Commemora.  
 ratione, Secundo legato, Non intelligitur Statutum necessarium a legato  
 nec intransmisiibile Manet; Nec locum habet hoc casu re.  
 gula d. l. 68. S. 2. De legat. l. Secus cum Sub commemo.  
 ratione Libertas Conditionalis datur, quo casu  
 statim recessit, et Sub Concordia Conditione Secundi lega.  
 tum Domum Creditur, Intransmisiibileque Manet co-reg.  
 l. 10. et 11. h. t. cum add. N. 11. Ratio dispensationis est  
 quod hoc casu statim Adimit, unde statim conservatur  
 prius legatum prius ut conditionate, ut fundatur a N.  
 11. At primo casu Non adimit Secundo, sed coniungit,  
 et ademptione Causatur Accesoria et per connexiōnēm, ea  
 natura individualia libertatis; Nam, cum composita soliditate  
 libertatis, potior sit legato libertas, et ea imponibilis con.  
 currens Co-reg. l. 31. S. 1. So. de fideicom. libert. cum supra  
 add. praecepsque declaratum est op. l. 12. 10, prius est, ut  
 valeat libertas, quam ut possit de regulatione disputari,  
 et de ademptione Accesoria, et cum non possit Valeat, ante  
 quam Causitat Conditione, Nec causatus ademptione antecedentia  
 consequenterque secundum legatum prius et transmisiibi.  
 le manet, defruatque libertate, ex primo legato agatur

quos fugie Gotthi in d. l. T. h. ts

Cl. 28. Co quibus Noaster acipi potest liberi-  
tati l. 81. d. 2. delegat. 1. Ut sit: quos, cum clavis tribun-  
tia libet eum subeatur, Et legatur sub conditione alterius non  
ab hysce ut male etas, sed ab ipso testatore) Si pendente  
Conditione legati, Conditi statutis libertates deficit legatus  
utile sit, junc: l. d. 5. ut de opt. legati: Cuius decimatione con-  
tentig ita accipit Cuius. 82. f. f. f. Et tunc presumatur  
legatum, cum prius Coistituti Conditi libertates: Conta opera  
perimatur libertas. Si prius Coistituti Conditi legati ad quod  
adducit l. d. et 83. de etato lib. g. Nihil probet. Cuius ac-  
ceptacione Ultima pars falsa est; Nam, si liberum sub conditione  
liberum esse iurat, Et tunc liberum per repetitio legatus sub  
Conditione, quamvis Coistituti prius condicio legati non  
perimitur liberitas, quia Coistituti eius conditione Empor po-  
nori est legato Coi juxit. initio ann: Ulcus ei prius Coistituti  
liberum Coistituti, quia tunc Statim operis legati deficit: Nam,  
cum etiā ei per via Coistituti conditionis legati non poric-  
tione, Concedens ob indicatio liberatis Naturg. 2. l. 32. 3.  
l. deficitur. liberty, potior que est ob hoc libertas 2. l. 10. 5. 22.  
de man. tto., suuera Coistituti Conditionis legati, nihil offe-  
cioneum liberati arg. l. 68. 3. 3. delegat. 1. De quo cani acci-  
prendus erit Iul., qui cum Brito oblium posuisse canunt,  
quo prius libertatis conditi deficit, quo utile sit legendum  
via Conditione Coistituti: Nam ei Coistituti prius liberum  
condicio, Omnipotendo et Statim legatum tollitur, stat et  
statum libertas ea ratione supponitur: Ut in simile operis aie-  
bat eleganter Concedens hil. 30. de stat lib. Si vero sub  
commemoratione demonstrativa statum, quem sub conditione  
liberum esse iurito, legato sub Conditione: quamvis presump-  
tio libertatis conditi, non obstat legato, eas conditiones exer-  
tare, quia hoc cani non coniungit, ad arim, unde videtur

liberatas per evidenter voluntateq; do Reg. l. t. 9. v. 2. p. 3.  
man. ttt. So. Ecclie. libert. l. 16 de vulg. cum supra addi-  
de quo caru et intelligendus. Iul. m. S. D., Nam, liberatio-  
tate hoc deficit liberacionis Condicio, Imperium habet  
adtempo ang. l. s. cum dub. exp. h. t. d. int. cor. Den-  
que em, si pax vel sub conditione data liberatione legemur  
etiam sub commemoratione Demonstrativa, quia sub con-  
memoracione liborum esse juri, Nam hoc causam solum aperte con-  
sideratus liberacionis, sed pax Predictio adempta ang. anni  
teat. in l. 8. s. 8. h. t. quem explicari. c. 1.

C. 2. Declaratum Casuceptum Ademptionis  
translatio, quod Constitutus ponit in l. 6. h. t. Et proximi-  
mus N. D. Et cum de persona in personam transferatur, in  
quo duo casus distingundi videntur. Primum cum sub com-  
memoratione Demonstrativa fundum, quem hunc legavi lego Sem-  
pronie. Alio quo variorum est. Alij auerunt non in causa  
Ademptionis, sed conjunctione do Natione & si eadz inst. dele-  
gatis pro qua vententia adducunt l. 8.3. De legat. l. 15. ad  
figes. iniat. 112. de C. s. infin: Sic cum Anazius, quo  
reject et sequitur Gomez l. ven. c. 10. n. 21. conse. nec odi-  
no, Barb. in l. 12. s. 16. De legat. l. 12. to. Alij apud  
Manazar l. 12. tt. 1. quem reject note Bell. c. 2. q. 13. à  
n. 16. Alij auerunt processus terminis, non sensu, adem-  
ptionis induci pro crimina, uti accipientes l. 8. et 6. h. t.  
quales sunt Antiqui Relati à Cobare. in Nubr. de tt. 2. p.  
n. 12. Pichar. in S. O. De legat. n. d: quam intelligentiam  
reject parvum Bell. viri proximi n. 10. Aliamque Pichi.  
intelligentiam reject n. 30. idem Bell. His omnis version  
sensuaria utq; induci Ademptionis torus legati cum partibus  
relinguatur sub commemoratione Demonstrativa processu, jam  
ex Justin. in S. 1. h. t. uti transfigi legacum sub haec metu

Et primum addim; Secundo que Dovi docet: jam eo l. 3. h.  
t. vii qua Verorum Interclusio, ut Determinatio Regicione  
plura Determinabilia, debet Omnes casus perfunctos  
determinare. Eo neg. l. 3. de Pulg. l. 3. C. de impuber. p. 3.  
Videtur enim casus. tunc Determinantur, ut in talibus Determinator le-  
gatur, ut etiis dissimus a n. 1.; Ego et nro casu totaliter  
pro iudicior: jam eo a l. 3. h. t. que clavis hoc dicitur  
nro infirmata loquuntur, que equipollent Universitate d. l. d.  
l. 63. Delegat. t.; jam eo si Relatione totum antecedente com-  
prehensione ut transfiunt Arg. l. 6. De legat. t.; jam eo l.  
83. vni. vti. de C. et D. l. 16. de Pulg. Coquibus hanc  
sententia tenet Gotfr. in o. l. 3. Cobacci. ubi Regula, Pach-  
neus S. Concord. q. 52.

## R. Final.

Recobrat d. l. 33. Delegat. t. Nam  
ut Regula Pachin. o. q. 52, Nos evidenter Constat de animo  
alimentandi, cum Nro demonstrativa Commemoratione prius le-  
gacem transferunt: Unde Non obstat Regula o. l. 33. Rec. l. 3.  
h. t. = et Rec. etiis obstat d. l. 16. de C. o. vnu. vti. junct. l.  
15. Delegat. inquit Nam, omnia sententia eadz, qui huiusmodi  
a legato difesse credunt, quos Regule d. Bell. o. q. 13. n. 18. et  
fuerat contra Richard. in o. 5. 8. a. n. 50, vel dicendum est, cha-  
tem in a. l. 16. acceptionum d. sententia quam refutat  
quod stat in o. l. 15. ubi Contra dictio Petitorum, eadz con-  
jungens, Et non adiunera ret postea dicam: Pet. dicit potest  
cum Duaceno l. de jun. Acc. q. 7. quod ibi non est commemo-  
rari demonstrativa, quod refutatur ab ipsius primi huiusmodi, o. 30  
tarium et Relatio ad patrem Materialeq. ibi Cogua pastell  
quod est implicativa dictio, Et inducit respectivz: quem  
sequitur Richard. Et Bell. ut proxime. Cuiusunque adi-  
subtilioris Magis operis translationis in Legato et in libertate  
et quas tradidi a n. 11: Et pro aptiori intelligibili d. l. 16.

videtur ipse Bell. Op. 3. n. 22. à n. 2. et q. 25. à n. 22. Go<sup>3</sup>.  
 thofr. ad 11. S. l. op. 84. Damo de sur. acc. op. 1. à n. 34.  
 Secundus Casus est cum ita sitio: fideiū lego Tito, eundem  
fideiū lego Cajo: quo casu inducitur Coniunctio maraq.  
 Et puxi accessandi locus est, l. 12. in intelligentia de legat.  
 2. junct. l. 13. de legat. 3. s. 8. de legatis, et quod pro eius  
 intelligentia Notant Bell. d. q. 13. n. 2. et q. 16. à n. 28.  
 Pinell. 2. de loco. op. 18. Palma tio. 3. op. 5. n. 20: et in hq-  
 seditate probant iura illa intelligentia in al. 15. l. 27.  
 nos. vix si plures de legato. initit. d. l. 112. de 23. s. et  
 Coosa supra Relatio Notat ipse Bell. op. 5. q. 5: Et prout  
 species ab eo adducuntur, Elegantes sunt, quas adduximus  
 n. 18. 20. et 26. cum dub. Segg. Ponet etiā opponit. 81.  
 s. 2. de legato 1. ab eo omnia, ubi non obstante actione  
eundem, token legatum à primo avocatione: Ceterum re-  
 pondetur, hoc fisi ex vi privationis ob non completam po-  
 luntacq. tentacris in manum itando. Arg. l. 15. de man. tt.  
 3. s. 1. h. t. de quaerum intelligentia actionem n. 11. De-  
 latbat an legatum sub condicione datum, sub eadē condicione  
 transfuerit videatur ad l. 22. et 23. h. t. 77. et 35. de  
 C. et D. 18. de C. init.: pro quibus videtur. Cuiac. in al.  
 77. Et an per ademptionem legati, fideicommissum à legatu-  
 ro velicam, Ademptum videatur ad l. 19. h. t. Cuiac. in  
 ca. Et tandem an per gravamen fideicommissum, injunctum  
 legacionis, videatur legatum ademptum? Et quid si in  
 fideicommissio non consistat ad l. 36. l. 3. vid. Delegat. 1.  
 17. et 60. Delegat. 2. 38. l. 3. Delegat. 3. penult. s. 1. h. t.  
 cum alijs? Videndi Gott. m. 8. l. penult. s. 1. h. t. Cuiac.  
 22. Observe. op. 1. Et in l. Unio s. in novissimo. C. se caduc.  
 tollens. Barb. in Petrica soluo Matrin. l. p. n. 77. Elegan-

Eleganter Ovn. 8. Cq. 17. lit. B. et Hera 2. q. 5. n. 28.  
Plano ad I. P. S. p. Cq. 29. l. 1. et int. 83. de acquir.  
tegredic. n. 22. Elegans I. Opus. ad l. 6. t. 1. Et his 99. us  
n. 2. Et hys de hac materia.

Cedant que Oratio trice mitauit sanctarum  
trinitatem, Virginisque et Maxime ac om-  
nium Canticorum.

Finis.

UVA.BHSC



UVA.BHSC

341

341

341

341

MS  
Biblioteca de Santa Cruz  
341